ॐ

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास

चतुर्थ पुष्प : (सत्र : 2020-2021)

(01.04.2020 से 31.03.2021 तक)

न्यासी मंडल

डॉ. राकेश मिश्र (अध्यक्ष)
श्रीमती आशा रावत (सचिव)
श्रीमती मालती मिश्रा (न्यासी)
श्रीमती रेखा अवस्थी (कोषाध्यक्ष)

प्रकाशक

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास

'नेह निकुंज' बम्हनगंवा, रीवा रोड, सतना-485001 (म.प्र.)
'नीलकंठ धाम' ग्राम-धवर्रा (नौगाँव) जिला-महोबा-471201 (उ.प्र.)

प्राक्कथन

सर्वे भवन्तु सुखिनः

भारत के हृदय भाग में स्थित बुंदेलखंड क्षेत्र में विराट् व्यक्तित्व और महान कर्मयोगी पं. गणेश प्रसाद मिश्र की स्मृतियों को सँजोने, उनके संदेश से समाज को सशक्त बनाने के लिए दया, करुणा और ममता की प्रतिमूर्ति माता शांति देवीजी की प्रेरणा से चार वर्ष पूर्व (2017 में) स्थापित पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास, **'नर सेवा ही नारायण सेवा है'** को सार्थक बनाने के लिए सतत अग्रसर है। पं. गणेश प्रसाद मिश्र दद्दाजी के नाम पर गठित यह सेवा न्यास विकास की बुनियादी संरचनाओं से लेकर मानवीय जीवन की आधारभूत सुविधाओं तक, अध्यात्म से आत्मनिर्भरता तक, सेवा से संस्कार तक, यानी हर क्षेत्र में जो निरंतर कार्य किए हैं, वह स्वयं में एक प्रेरणा का स्रोत है।

न्यास की सांगठनिक क्षमता, समर्पण भाव और सक्रियता का परिणाम है कि आज यह न्यास समाज और देश के स्तर पर सेवाभाव, सामाजिक सद्भाव, सांस्कृतिक चेतना के साथ ही राष्ट्र की प्रगति के लिए स्वयं तो सक्रिय है ही, दूसरों को भी प्रेरित कर रहा है। न्यास का यह अनुपम प्रयास, जहाँ पं. गणेश प्रसाद मिश्र जैसे कर्मयोगी का स्मरण करने की हमारी सनातन परंपरा में पूर्वजों का स्मरण कराता है; इसके साथ ही उनसे मिली प्रेरणा से प्रेरित होकर नई पीढ़ी को आगे बढ़ने का मार्ग सुगम कर रहा है, वहीं समाज और राष्ट्र में सेवाभाव का अलख जगाकर **'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास'** के सूत्रवाक्य को पुष्ट करता है। मुझे इस बात पर संतोष है कि न्यास की पूरी टीम अपनी सेवाएँ दे रही है। न्यास के माध्यम से सेवाभाव की निरंतरता में कार्यकर्ता जुड़ते जा रहे हैं। आज आवश्यकता है कि हर नौजवान अपने-अपने गाँव के विकास के लिए कुछ-न-कुछ सेवा कार्य करे।

आज मुझे प्रसन्नता हो रही है कि न्यास के सेवाकार्यों का एक वर्ष का संकलित विवरण चतुर्थ पुष्प के रूप में प्रस्तुत कर रहा हूँ।

कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के समय न्यास ने **'सेवा परमो धर्मः'** के सूत्रवाक्य को आत्मसात् करते हुए हर स्तर पर लोगों की मदद की। इस दौरान दो हजार लोगों के बीच भोजन एवं सूखे राशन का वितरण किया गया। सतना और छतरपुर के पाँच दर्जन से अधिक मंदिर के पुजारियों के बीच राशन सामग्री एवं नकद का वितरण हुआ। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में आदिवासी बस्ती में राशन का वितरण न्यास की ओर से किया गया। न्यास के कार्यों से प्रभावित होकर बाद में नगर के अन्य स्वयंसेवी संगठन सक्रिय हुए।

कोरोना के संबंध में जागरूक करने के लिए आठ बार राष्ट्रीय स्तर के वेबिनार का आयोजन कर विविध रोगों से बचाव एवं उसके उपचार की जानकारी दी गई। देश के ख्यातिलब्ध चिकित्सकों ने 8 वेबिनारों में माइक्रोसॉफ्ट टीम के माध्यम से क्रमशः डॉ. नरेश त्रेहान (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मेदांता हॉस्पिटल), डॉ. नवीन ग्रोवर (साइकोलॉजिस्ट, नई दिल्ली), डॉ. (जनरल) वेद प्रकाश चतुर्वेदी, नई दिल्ली, डॉ. राकेश वर्मा (प्रोफेसर कार्डियोलॉजी, अपर महानिदेशक स्वास्थ्य मंत्रालय), डॉ. आलोक हेमल (प्रोफेसर बाल रोग विभाग, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल), डॉ. अंजली क्वात्रा (महानिदेशक, आपदा, जोखिम एवं सुरक्षा केंद्र), डॉ. दिव्या नागपाल गुप्ता, (स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंदौर, म.प्र.) एवं प्रो. (डॉ.) अनूप कुमार (विभागाध्यक्ष, यूरोलॉजी, रोबोटिक्स, रेनल ट्रांसप्लांट, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली) की अहम भूमिका रही। कुल आठ वेबिनार में लाभार्थियों की संख्या 12,665 रही। प्रत्येक विषयगत वेबिनार में 1583 कंप्यूटर, मोबाइल व बड़ी स्क्रीन लगाकर लोगों ने स्वास्थ्य जिज्ञासा से समाधान प्राप्त किया।

आपदा के समय न्यास के कार्यकर्ताओं द्वारा स्वप्रेरणा व स्फूर्तभाव से किए गए सेवा कार्य संतुष्टि प्रदान कर रहे हैं। इसके लिए न्यास के सभी पदाधिकारी, सदस्य एवं आयोजन में सहयोग देनेवाले बधाई के पात्र हैं।

न्यास की सतत सक्रियता और ठोस पहल से पिछले चार साल में गाँवों में चहुँमुखी विकास हुआ है। वर्ष 2020-21 के दौरान तीन स्वास्थ्य शिविर लगाए गए। अब तक कुल 13 निःशुल्क नेत्र स्वास्थ्य शिविर में हजारों लोगों की सेवा की जा चुकी है। आँख थी, पर देख नहीं सकते थे, कान होने के बावजूद सुन नहीं सकते थे,

ऐसे लोगों को कान की मशीनें व चश्मा प्रदान करके आवाज सुनने और दुनिया को देखने की व्यवस्था न्यास की ओर से की गई। कृषि प्रधान देश में किसानों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए किया गया कार्य आज भी क्षेत्र में चर्चित है। दद्दाजी के 96वें जन्मदिवस पर गाँववासियों को सब्जियों के बीज दिए गए, जिससे लौकी, तोरई, करेला, कद्दू, सेम, मूली सबके घर में बड़ी मात्रा में पैदा हुई। सब्जियों में गाँव आत्मनिर्भर हो गया है।

गाँव के लोग जिस तरह उत्सव एवं तीज-त्योहार सामूहिकता के साथ मनाते हैं, वह आसपास के क्षेत्र के लिए अनुकरणीय है। माघ मेला प्रयागराज में श्री श्री 1008 स्वामी शंकर्षणाचार्यजी महाराज के नेतृत्व में चार वर्षों से पंडाल लगाकर पूरा नगर बसाया गया है। एक माह तक कल्पवासियों के लिए निवास, भोजन, जलपान व अन्य व्यवस्था जनसहयोग से नि:शुल्क की गई थी। इस अवसर पर भी दो बार स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए, जिसमें आँख एवं कान की चिकित्सा जाँच के साथ ही चश्मा तथा कान के उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम में 324 मरीजों के कान का परीक्षण किया गया एवं 136 लोगों को ऐल्प्स इंटरनेशनल लिमिटेड दिल्ली के सहयोग से कान की श्रवण मशीनें प्रदान की गईं। कुल **1280** मरीजों को चश्मा व **136** लोगों को कान की मशीनें प्रदत्त की गईं।

'पॉलीथिन मुक्त भारत' अभियान को बढ़ावा देने के लिए न्यास ने अब तक पच्चीस हजार से अधिक कपड़े के बड़े थैले वितरित किए हैं। यह अभियान निरंतर जारी है। अपने कार्यक्रमों में सिंगल यूज प्लास्टिक पूर्ण प्रतिबंधित किया गया है।

संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बारहवीं कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करनेवाले छात्र-छात्राओं को दस हजार रुपए नकद, प्रमाण-पत्र व स्मृति-चिह्न से विगत दो वर्षों से सम्मानित किया जा रहा है। नौगाँव नगर के पॉलीटेक्निक, इंजीनियरिंग व डिग्री कॉलेज के प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित किया गया।

प्रतिवर्ष की भाँति इस बार भी पं. गणेश प्रसाद मिश्र स्मृति व्याख्यानमाला (चतुर्थ पुष्प) (भारतीय प्राचीन काल गणना : ऐतिहासिक महत्त्व व वैज्ञानिक विश्लेषण) विषय पर छतरपुर के महाराजा छत्रसाल ऑडिटोरियम में हुई। व्याख्यानमाला में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. मोहन यादव (उच्च शिक्षा मंत्री, म.प्र.) रहे, जिसमें ख्यातिलब्ध विद्वानों की बड़ी उपस्थिति रही।

'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयः' के भाव की जागृति के लिए

चौबीस प्रकार के खेलों की सुविधा से युक्त खेल परिसर में ओपन जिम का उद्घाटन हो गया है, जिसमें सैकड़ों बच्चे व युवा स्वास्थ्य सुधार कर रहे हैं। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर 12 जनवरी, 2021 को बुंदेलखंड मैराथन दौड़ें 30 किमी., 10 किमी. एवं 7 किमी. का आयोजन किया गया। यह तीन दौड़ अपने आप में एक अभिनव आयोजन था। इस आयोजन में फिट इंडिया मूवमेंट भारत सरकार का सहयोग रहा। बुंदेलखंड के उ.प्र. एवं म.प्र. के 15 जिलों (महोबा, बाँदा, हमीरपुर, चित्रकूट, झाँसी, ललितपुर, जालौन, छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, सागर, दमोह, सतना एवं कटनी) के 2863 धावकों ने भाग लिया। इन तीनों दौड़ों का समापन पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर धवर्रा (नौगाँव), महोबा में संपन्न हुआ। इसमें छात्र, छात्राओं एवं महिलाओं की बड़ी संख्या में सहभागिता रही। ग्रामीण महिलाओं ने पुरुषों के साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर दौड़ में भाग लिया। पूरे देश के मीडिया जगत् में इस दौड़ की चर्चा रही।

बुंदेलखंड मैराथन के अवसर पर ही सर्वसुविधायुक्त ओपन जिम की स्थापना खेल परिसर में कर दी गई है। जिसमें सर्वसुविधायुक्त 18 प्रकार के व्यायाम करने के उपकरणों का ग्रामीण बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं।

'अपना सपना, हरा-भरा सतना' के तहत सतना शहर में जन-सहयोग से लोगों की जन्मतिथि एवं स्मृति में शुल्क लेकर वृक्ष लगाने का श्रीगणेश हो चुका है। अभी तक चार बार कार्यक्रम संपन्न हुआ है। वृक्षारोपण केवल कार्यक्रम मात्र न बन जाए, इसलिए ट्री एंबुलेंस चलाने की योजना है। इसमें पेड़ों की देख-रेख के लिए सर्वसुविधा युक्त वाहन तैयार किया जा रहा है। जिसमें ट्री गार्ड, खाद, पानी, मिट्टी, गड्ढा करने का सामान व पौधे उपलब्ध रहेंगे। शहर के उन पेड़ों को भी जीवित किया जाएगा, जो अन्य संस्थाओं ने रोपित किए हैं व अब सूख चुके हैं। छतरपुर शहर में भी वृक्षारोपण की शुरुआत कार्यकर्ताओं ने इस वर्ष की है।

धवर्रा गाँव से प्रारंभ यह सेवा का बीज आज उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं दिल्ली के अनेक स्थानों पर पल्लवित-पुष्पित हो रहा है। इन स्थानों पर कार्यकर्ता सेवा कार्यों में लगे हैं। आज प्रयागराज, सतना, छतरपुर, नौगाँव, धवर्रा, रुरावन कलाँ (बंडा), सागर, दिल्ली में अनेक कार्यकर्ता सक्रिय होकर नि:स्वार्थ भाव से इन सेवा कार्यों में लगे हैं। धीरे-धीरे यह राष्ट्रीय क्षितिज पर स्थापित होने के लिए अग्रसर है। जहाँ नौजवानों की टोली ने प्रत्येक कार्य में अतुलनीय योगदान किया है, वहीं शासकीय

टीम पूरे मनोयोग से लगकर आज भी नए-नए विषय सोच रही है। पेयजल टंकी का निर्माण व तालाब गहरीकरण का कार्य इसकी शुरुआत है।

न्यास के इस सेवा कार्य में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहभागी बने सज्जनों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए हमारे हर प्रकार के अनुष्ठान व आयोजन में सहयोग के लिए दिल्ली के सहयोगियों और मित्रों के प्रति हार्दिक आभार प्रकट करता हूँ। हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे सहयोगी, साथी और शुभचिंतक सतत उत्साहवर्धक बने हुए हैं, सदैव साथ खड़े हैं।

अंत में ईश्वर से प्रार्थना है कि यह न्यास दीन-दु:खियों के काम आता रहे। समाज और राष्ट्र के विकास में अपना योगदान करता रहे। यह शक्ति और विश्वास की निरंतरता बनी रहे। अशेष मंगलकामनाओं के साथ चतुर्थ पुष्प आपको समर्पित है।

धन्यवाद !

दिनांक : 31.3.2021

—डॉ. राकेश मिश्र

अनुक्रम

प्राक्कथन *3*

1. पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास का गठन व संक्षेपिका 11
2. प्रेरणामूर्ति श्री गणेश प्रसादजी : एक तपस्वी जीवन 15
3. ममतामयी स्व. शांति मिश्रा का शांति प्रवाह 19
4. पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास : विविध कार्यक्रमों का विवरण 23
5. न्यास की चार वर्षीय यात्रा की प्रमुख गतिविधियाँ 28
   - पूज्य श्रीमती शांति मिश्रा की श्रद्धांजलि सभा 28
   - पूज्य श्रीमती शांति मिश्रा की तृतीय पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि 30
   - भोजन एवं मास्क वितरण कार्यक्रम 33
   - अखंड मानसपाठ एवं कन्या भोज (दो-दिवसीय) 36
   - सैनिटाइजर एवं मास्क वितरण, नगर पालिका कर्मचारियों हेतु 38
   - सूखा राशन एवं मास्क वितरण कार्यक्रम 43
   - अक्षय तृतीया के अवसर पर सतना के पुजारियों का सम्मान व सामग्री वितरण 45
   - अक्षय तृतीया के अवसर पर नौगाँव के पुजारियों का सम्मान व सामग्री वितरण 49
   - भोजन वितरण, सूखा राशन सामग्री वितरण 52
   - वेबिनार : कोविड-19 के बाद की स्थिति व हमारी भूमिका : डॉ. नरेश त्रेहान 53
   - वेबिनार : मानसिक तनाव से मुक्ति : डॉ. नवीन ग्रोवर 59
   - वेबिनार : केवल बुढ़ापे का रोग नहीं है आर्थराइटिस उपचार व निदान 65
   - वेबिनार : हृदय रोग, डायबिटीज व कोलेस्ट्रॉल समस्या तथा निदान 70
   - वेबिनार : बच्चों के कैंसर और एच.आई.वी. : दोनों ही उपचार योग्य हैं 84

- वेबिनार : प्राकृतिक आपदाओं में स्वयं का बचाव कैसे करें ? 91
- 96वें जन्म दिवस पर वृक्षारोपण, फलदार वृक्ष वितरण अभियान का शुभारंभ 96
- श्रद्धांजलि सभा एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम 98
- शासकीय हाई स्कूल, मानपुरा में वृक्षारोपण 101
- साहित्यिक सांस्कृतिक सम्मान एवं वृक्षारोपण 105
- वेबिनार : महिलाओं की स्वास्थ्य समस्याएँ और निदान 106
- श्री रामजन्मभूमि मंदिर शुभारंभ पर सुंदरकांड पाठ 112
- तृतीय पुष्प कार्यवृत्त का विमोचन 115
- अपना सपना—हरा-भरा सतना वृक्षारोपण अभियान 120
- वेबिनार : किडनी रोग का उपचार संभव : डॉ. अनूप कुमार 126
- हरा-भरा छतरपुर वृक्षारोपण अभियान 130
- 'अपना सपना—हरा-भरा सतना' वृक्षारोपण 132
- वेबसाइट का लोकार्पण समारोह 134
- 'अपना सपना—हरा-भरा सतना' वृक्षारोपण अभियान 140
- पं. गणेश प्रसाद मिश्रजी की चतुर्थ पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा, सुंदर कांड, प्रतिभा सम्मान व पेयजल टंकियों का वितरण कार्यक्रम संपन्न 145
- श्रद्धांजलि सभा, कंबल वितरण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न 157
- पं. गणेश प्रसाद मिश्र स्मृति चतुर्थ व्याख्यानमाला 159
- बुंदेलखंड मैराथन-2021 165
- पं. गणेश प्रसाद मिश्र एवं श्रीमती शांति मिश्राजी की पुण्य स्मृति में माघ माहात्म्य कथा, श्री रामकथा, श्रीमद्भागवत कथा प्रयागराज 191

6. मुद्रित सामग्री 202
7. समाचार-पत्रों की झलकियाँ 205

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास का गठन व संक्षेपिका

पं. गणेश प्रसाद मिश्र (दद्दाजी) की धर्मपत्नी श्रीमती शांति मिश्रा ने दद्दाजी का समाज के प्रति सेवा भाव, कर्म प्रधानता एवं नर सेवा ही नारायण सेवा है, जैसे विचारों को जीवंत रखने हेतु पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास गठित करने की प्रेरणा प्रदान की। अत: उनके मार्गदर्शन में पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास को मूर्त रूप प्रदान किया गया। इसका विधिवत् गठन मध्य प्रदेश के गजट में प्रकाशित होने के पश्चात् इसका विधिवत् पंजीयन क्रमांक 24, दिनांक 17 मार्च, 2017 को सतना (म.प्र.) में किया गया। आयकर की धारा 80जी में इसे दान प्राप्त करने की अनुमति वित्त मंत्रालय से प्राप्त हो चुकी है।

डॉ. राकेश मिश्र अध्यक्ष एवं श्रीमती आशा रावत इस न्यास की सचिव नियुक्त की गईं।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास का मुख्य उद्देश्य 'नर सेवा ही नारायण सेवा है' को सार्थक बनाना है। यह सेवा न्यास लोगों को सभी प्रकार की सामाजिक, आर्थिक, भौतिक व धार्मिक सेवाओं के लिए समर्पित है।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भाग्भवेत्॥
ॐ शांतिः शांतिः शांतिः।।

प्रायः गरीब एवं सुदूर इलाके में स्थित लोगों के लिए गंभीर बीमारियों का इलाज करा पाना संभव नहीं होता, जिससे कई बार इसे असाध्य एवं परमात्मा का प्रकोप मान लिया जाता है और लोग कई तरह के अंधविश्वासों की चपेट में भी आ जाते हैं। अत: सेवा न्यास गरीब लोगों के क्षेत्रों में जाकर स्वास्थ्य शिविरों द्वारा उन्हें उन्नत तकनीकी की हर संभव मदद प्रदान करने का प्रयास कर रहा है। इसमें गरीब लोगों को मुफ्त उपचार, दवाइयाँ, ऑपरेशन व आवागमन की सुविधा भी प्रदान की जाती है। अनेक मरीजों को देश के प्रमुख अस्पतालों, जैसे—अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, सफदरजंग अस्पताल, राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट, इबहास अस्पताल, पी.जी.आई. लखनऊ

व चंडीगढ़, टाटा कैंसर इंस्टीट्यूट, मुंबई का यथासंभव सहयोग रहता है। हमने डॉक्टरों की कुशल टीम से रियायती दरों पर बड़ी शल्य चिकित्सा कराई हैं। मेदांता दि मेडीसिटी, गुरुग्राम (हरियाणा) अभी तक तीन मल्टी स्पेशियलिटी हैल्थ कैंपों का आयोजन करके 5608 मरीजों की संपूर्ण जाँच कर चुका है। दो बार नौगाँव नगर में एवं एक वर्ष सतना नगर में यह तीसरा सफल आयोजन हुआ है। न्यास के अनुरोध पत्र पर मेदांता अस्पताल, गुरुग्राम द्वारा 304 मरीजों को 15 प्रतिशत छूट दी गई है, जिससे मरीजों के लाखों रुपए की बचत हो सकी एवं जानें भी बच सकी हैं।

सेवा न्यास ग्राम्य विकास संबंधी, जैसे—पेयजल, विद्युतीकरण, सार्वजनिक शौचालय, स्वच्छता, सड़क एवं नालियों हेतु निर्माण-कार्य, स्वास्थ्य सेवाओं और सफाई आदि में भी विशेष सहयोग प्रदान करता है।

सेवा न्यास कृषकों की आर्थिक उन्नति, उन्नत वैज्ञानिक तकनीक, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, पशुपालन, मत्स्य पालन, बागवानी, सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं उनके लाभ हेतु सरकारों से पहल करके विभिन्न प्रकार के विभागों की प्रदर्शनी का आयोजन और संचालन हेतु सहयोग प्रदान करता है। इन दोनों अवसरों पर गाँव में ही यह प्रदर्शनी लगाकर हजारों लोग लाभान्वित हुए। आत्मनिर्भर गाँव बने इस दिशा में सौ किसानों को सब्जियों के बीच वितरित किए गए। घर-घर में सब्जी का उत्पादन होने लगा। वृक्षारोपण हेतु पाँच हजार फलदार पौधे दद्दाजी के 96वें जन्म दिन पर वितरित किए गए।

सेवा न्यास सांस्कृतिक क्षेत्र में ग्रामीण एवं शहरी विद्यालयों में पुस्तकें, कॉपी, पेन, पेंसिल, ड्रेस, बस्ते, ट्रॉफी, क्रीड़ा उपकरण आदि के वितरण के साथ-साथ लोगों में राष्ट्रप्रेम, स्वदेशी एवं समरसता का भाव भी जाग्रत् करता है। मेधावी एवं विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रोत्साहनस्वरूप नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र भी प्रदान करता है। धवर्रा ग्राम की महिलाएँ स्वावलंबी बनें, इसलिए महिलाओं को सिलाई मशीन देकर रोजगारोन्मुखी बनाने की दिशा में कार्य प्रारंभ हुआ है। इसी प्रकार क्षेत्र के विद्यालयों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की दृष्टि से कैंट कंपनी द्वारा आर.ओ. प्रदान किए गए। अभी तक सौ शासकीय विद्यालयों में छात्रों एवं शिक्षकों को यह पोर्टेबल बिना बिजली के चलनेवाले आर.ओ. दिए जा चुके हैं, जो स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक हैं। विद्यालयों में 500 लीटर की दो सौ टंकियों के वितरण व फिटिंग करके न्यास ने बालिकाओं के पेयजल

एवं शौचालय हेतु पानी उपलब्ध कराया है। समाज के विकास हेतु सेवा न्यास विभिन्न प्रकार की विचार गोष्ठियाँ भी आयोजित करता है। चार विशेष विषयों पर राष्ट्रीय वक्ताओं के द्वारा छतरपुर शहर में व्याख्यान हो चुके हैं, जिनमें बुद्धिजीवी व नौजवानों की सक्रिय भूमिका रहती है।

सेवा न्यास आध्यात्मिक विकास हेतु धार्मिक क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के धार्मिक आयोजन, संगीतमय भागवत-रामायण कथा, श्री लक्ष्मीनारायण यज्ञ, रामलीला मंचन, भजन-कीर्तन, सत्संग, पूजा-पाठ, गौ-सेवा, भोजन, भंडारों के साथ-साथ धार्मिक पुस्तक वितरण जैसे कार्यों को करते हुए सनातन धर्म के उत्थान, सत्कर्म हेतु प्रेरित कर संस्कृति एवं सभ्यता का प्रचार-प्रसार करता है। इस वर्ष माघ मेले में चौथी बार अनेक आयोजन किए गए। गाँव में सर्वसुविधायुक्त खेल परिसर निर्मित हो चुका है। वहाँ पर 18 प्रकार की कसरत हेतु मशीनें लग चुकी हैं।

प्रेरणामूर्ति श्री गणेश प्रसादजी : एक तपस्वी जीवन

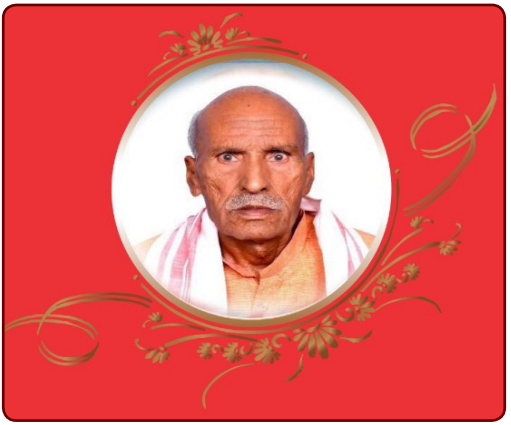

जन्मतिथि : 18.07.1924 (श्रावण कृष्ण पक्ष द्वितीया विक्रम संवत् 1981)
स्मृतिशेष : 01.11.2016 (कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वितीया विक्रम संवत् 2073)

नौगाँव नगर के निकट ग्राम धवर्रा निवासी पं. गणेश प्रसाद मिश्र राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रथम पीढ़ी के कार्यकर्ता रहे। उनकी चार पुत्रियाँ, एक पुत्र, पुत्रवधू व पौत्र हैं। पोस्ट मास्टर से जीवन के कॅरियर की शुरुआत कर झाँसी में संघ प्रचारक बने। सन् 1948 में महात्मा गांधी की हत्या के आरोप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध के समय छह माह का कारावास हुआ। आपातकाल में भूमिगत रहकर 18 माह सक्रिय रहकर कार्य किया। हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत के प्रकांड विद्वान् पं. गणेश प्रसाद मिश्र एक मृदुभाषी, अनुशासनप्रिय व्यक्ति थे। उन्होंने कृषि कार्य में रुचि रखते हुए चिकित्सा के क्षेत्र में 'वैद्य' की उपाधि प्राप्त की। पुराने लोग उन्हें आज भी 'बड़े डॉक्टर साहब' के नाम से जानते हैं। 'दद्दाजी' के नाम से सुविख्यात वे तृतीय वर्ष शिक्षित होकर आजीवन संघ के सक्रिय स्वयंसेवक रहे। शिक्षक के नाते अनेक संघ शिक्षा वर्गों में एक-एक माह शिक्षक बनकर जाते रहे। शिक्षादान जैसे कार्य में उनकी विशेष रुचि होने से उन्होंने गणित, अंग्रेजी, संस्कृत के विषय में बी.ए., एम.ए. के अनेक छात्र-छात्राओं को सदैव ज्ञानोपार्जन कराया। सरस्वती शिशु मंदिर नौगाँव में आचार्य से लेखापाल तक उनका शानदार प्रदर्शन रहा। वे आजीवन गौसेवा में रत रहे। अपने अंतिम समय में पाँच गायों की सेवा-सुश्रूषा ही उनका मुख्य

कार्य हो गया था। संभाग में जब कोई प्राइवेट आई.टी.आई. नहीं थी तो उन्होंने कंपनी बाग ईसानगर रोड नौगाँव में आई.टी.आई. प्रारंभ की, जो उत्तरोत्तर उन्नति करती गई। शिक्षा के प्रति उनकी रुचि का ही परिणाम था कि उन्होंने अपनी चारों पुत्रियों को मास्टर डिग्री तथा बी.एड. तक शिक्षित कराया। वहीं एक पुत्री व पुत्र को डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी कराई। सभी पुत्रियाँ भी शिक्षकीय कार्य में हैं। वहीं पुत्र संघ के प्रचारकों की श्रेणी में आकर अ.भा. विद्यार्थी परिषद् के प्रांत अध्यक्ष, प्रांत प्रमुख व प्रांत संगठन मंत्री महाकौशल प्रांत के दायित्वों का निर्वहन करता रहा है। डॉ. राकेश मिश्र भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाहजी के कार्यकारी सचिव के रूप में दिल्ली में कार्यरत रहे हैं। वर्तमान में भाजपा मुख्यालय में अनेक दायित्वों का वहन कर रहे हैं।

श्री मिश्रजी ने अयोध्या आंदोलन में, 1990 की कार सेवा में बढ़-चढ़कर भाग लिया। 1992 में विवादित ढाँचा विध्वंस में छतरपुर जिले के दो कार सेवकों में से वे एक थे, जो वहाँ पहुँच सके। 1990 की कश्मीर की 'एकता यात्रा' में डॉ. मुरली मनोहर जोशीजी के नेतृत्व में यात्रा के समापन में लाल चौक पर तिरंगा ध्वज फहराने के लिए गए। भारत भ्रमण व संस्कृति परिचय में उनकी गहन रुचि रही। लेह-लद्दाख में सिंधुदर्शन यात्रा रही हो या अमरनाथ की यात्रा, वे हर जगह सपत्नीक सहभागी रहे। अरुणाचल प्रदेश का परशुराम कुंड हो या कन्याकुमारी में धनुषकोटि तथा गंगोत्तरी में गौमुख तक की दुर्गम यात्रा या गंगासागर का पवित्र जल, सभी दुर्गम स्थानों पर आम पर्यटक की तरह उन्होंने यात्राएँ कीं। अपने अनुभवों का लेखन साझा किया। साधनों की शुचिता व नैतिकता के पक्षधर श्री मिश्र ध्येय के प्रति समर्पित, दृढ़ निश्चयी व कठोर परिश्रमी रहे। जब लोग त्योहारों में प्रसन्नता मनाते, वे अपने कार्य में मौन रूप से लगे रहकर दीन-दु:खियों के साथ सेवा में लगे रहते थे।

93 वर्ष की आयु में वे पूर्ण स्वस्थ थे। 16 अप्रैल, 2016 को अचानक हुए मस्तिष्क आघात में वे कोमा में चले गए। नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) व डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल में तीन माह तक गहन चिकित्सा हुई। न्यूरो वैज्ञानिकों के लिए इतनी उम्र का यह पहला केस था, जिसमें रोगी इतनी तीव्र गति से ठीक होकर पुन: नौगाँव अपने घर पर ही विश्राम करने लगा। डॉक्टरों का मत था कि इनकी गौसेवा, खानपान, दिनचर्या से ही इनका जीवन प्रेरणादायी है। 1 नवंबर, 2016 को प्रात: 6.30 बजे वे इस लोक से मुक्ति

पाकर गोलोक धाम को प्रस्थान कर गए। अंतिम संस्कार में देश-विदेश की महान् हस्तियों के शोक संदेश प्राप्त हुए। संपूर्ण जिले के प्रमुख व्यक्तियों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन एवं श्रद्धांजलि अर्पित की। दिल्ली से लेकर गाँव तक शोक की लहर दौड़ गई।

ऐसे महान् प्रेरक व्यक्तित्व को प्रणाम और विनम्र श्रद्धांजलि!

॥ विनम्र प्रणाम ॥

ममतामयी स्व. शांति मिश्रा का शांति प्रवाह

पति : स्व. श्री गणेश प्रसाद मिश्र (दद्दाजी)

जन्मतिथि : 02.08.1927 (श्रावण शुक्ल पक्ष पंचती विक्रम संवत् 1984)
स्मृतिशेष : 15.04.2017 (वैशाख कृष्ण पक्ष चतुर्थी विक्रम संवत् 2074)

ममता की मूर्ति, करुणामयी, सौम्य, मृदुभाषी एवं शांत, यथानाम तथागुण माँ 'शांति देवी' ने हमेशा कर्तव्यों के प्रति सचेत रहते हुए अपने नाम को चरितार्थ किया। 2 अगस्त, 1927 को सिंगरावन कलाँ (मायका) में पुराने जमींदार की बेटी के रूप में जन्म लेकर बड़े ही लाड़-प्यार में पली थीं। मात्र तेरह वर्ष की उम्र में विवाह-बंधन में बँधकर एक अत्यंत सामान्य परिवेश में आ गईं और उनकी परीक्षाओं का दौर प्रारंभ हो गया।

पति स्व. श्री गणेश प्रसाद मिश्र (दद्दाजी) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में रचे-बसे, घर-बार छोड़कर देशसेवा हेतु चले जाने के पश्चात् पतिपारायण होकर दोनों कुलों की मर्यादाओं का निर्वहन बड़ी दृढ़ता के साथ किया। पाक कला में निपुणता, ससुराल की अकेली बहू द्वारा सभी का मान-सम्मान आदि दायित्वों का निर्वहन करते हुए वे ससुराल में अपनी बड़ी ननद (स्व. इंद्रा बाई), जो माँ तुल्य थीं, की प्रिय बन गईं।

सन् 1948 में पति झाँसी में पोस्टमास्टर की सेवा से त्याग-पत्र देकर संघ-कार्य

में प्रचारक हो गए। गांधीजी की हत्या के समय पति के छह माह जेल में रहने पर उन्होंने बड़े साहस के साथ अपने वृद्ध सास-ससुर एवं ननद का सहयोग किया। वे बड़ी धर्मपरायण, कर्तव्यनिष्ठ, मृदुभाषी एवं स्पष्ट बोलने वाली थीं। संपूर्ण परिवार को एक सूत्र में बाँधने की कला में निपुण थीं, जिससे हर व्यक्ति अपने आपको उनसे जुड़ा हुआ पाता था।

विवाह के लगभग 10-12 वर्ष की कठिन परिस्थितियों के पश्चात् उन्होंने क्रमशः चार पुत्रियों (आशा, मालती, रेखा व डॉ. रचना) तथा एक पुत्र (डॉ. राकेश) को जन्म दिया। उन परिस्थितियों में भी उन्होंने पति व ननद के सहयोग से पुत्रियों को बेटों जैसा लालन-पालन व शिक्षा-दीक्षा प्रदान की। अपने पुत्र-पुत्रियों में भेद न करते हुए उन्होंने सभी का समान लालन-पालन कर उन्हें संस्कारों का धनी बनाया, जिसकी वजह से आज उनकी जीवन-बगिया हरी-भरी और खुशहाल है।

धर्म में उनकी गहन रुचि थी। प्रत्येक तीज-त्योहार को व्यवस्थित एवं पूरे मनोयोग से मनाती थीं। सोते समय 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' का पाठ जरूर करती थीं। लोक-कथाओं का उनके पास अथाह भंडार था, जिसका वे समय व परिस्थिति को देखते हुए उपयोग करके बच्चों का मनोरंजन एवं उत्साहवर्धन कर उनका ज्ञानवर्धन भी करती थीं। शिक्षा के प्रति गहन रुचि होने के कारण उन्होंने पति (दद्दाजी) के सहयोग से अपने आपको पढ़ने-लिखने में पूर्णरूपेण दक्ष कर लिया। पुस्तकें व दैनिक समाचार-पत्र उनकी नियमित दिनचर्या के भाग थे।

उनमें नेतृत्व के भी गुण थे। धवर्रा गाँव में वार्ड मेंबर का चुनाव वे हमेशा निर्विरोध जीतीं और उप-प्रधान के पद पर रहते हुए उन्होंने अपने कर्तव्यों को भी बखूबी निभाया। पग-पग पर उन्होंने अपने पति का साथ दिया। आपातकाल के दौरान अठारह महीने तक जब दद्दाजी भूमिगत रहे, तब उन्होंने माँ एवं पिता की भूमिका बखूबी निभाई और दद्दाजी के देशहित के कार्यों में पूर्ण सहयोग दिया।

भारत-भ्रमण एवं संस्कृति-परिचय में भी उनकी गहन रुचि रही। दद्दाजी के साथ चारों धाम की तीर्थयात्रा, लेह-लद्दाख में सिंधुदर्शन, अमरनाथ एवं गौमुख जैसी दुर्गम यात्राओं में भी सहभागी रहीं। जटाशंकर धाम एवं अबार माता के दर्शन उनके जीवन का महत्त्वपूर्ण पड़ाव था। गौसेवा के प्रति उनका विशेष रुझान था। जब भी समय मिलता, वे गौसेवा में लग जाती थीं।

स्वयं के स्वास्थ्य के प्रति सदैव सतर्क रहतीं एवं अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित

रखती थीं। उनके इस व्यवस्थित जीवन के कारण उनकी स्मृति तीक्ष्ण थी एवं दाँत मजबूत थे। वे बिना चश्मे के लिख-पढ़ लेती थीं। छोटी-मोटी घरेलू दवाइयाँ व नुस्खे उन्हें खूब आते थे। गाँव में वे अनेक महिलाओं व बच्चों की देसी दवाई भी कर देती थीं। इसलिए लोग 'बाई का बटुआ' पूछते रहते थे।

90 वर्ष की आयु में 15 अप्रैल, 2017 को दिल्ली में अपने पुत्र डॉ. राकेश मिश्र के निवास पर अचानक हृदयाघात के कारण उन्हें डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली में ले जाया गया। पुत्रवधू प्रमिला एवं संकल्प (पोते) ने वरिष्ठ चिकित्सकों से उचित चिकित्सीय परामर्श किया; किंतु विधि की नियति के अनुसार वे स्वर्गवासी हो गईं। पूरे परिवार में अचानक हुई इस दुखद घटना से शोक की लहर दौड़ गई।

उस समय उनके पुत्र डॉ. राकेश मिश्र भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक, भुवनेश्वर (उड़ीसा) में थे। यह खबर मिलते ही वहाँ श्रीमती शांति मिश्रा के लिए शोक सभा एवं श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अंतिम संस्कार में देश-विदेश के कई महान् व्यक्तियों के शोक संदेश प्राप्त हुए। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के प्रमुख व्यक्तियों, राजनेताओं एवं अधिकारियों ने स्वयं अंतिम संस्कार में उपस्थित होकर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

माँ, दादी, परदादी, नानी एवं परनानी सभी रिश्तों को प्रेरणा प्रदान करनेवाली महान् व्यक्तित्व की धनी स्व. शांति मिश्रा को शत-शत नमन एवं वंदन!

॥ विनम्र श्रद्धांजलि ॥

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास, सतना (म.प्र.)

विविध कार्यक्रमों का विवरण (2020-21)

(01.04.2020 से 31.03.2021 तक)

क्र. सं.	माह	दिनांक एवं दिन	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम स्थल	कार्यक्रम स्वरूप
1.	अप्रैल-2020	11.04.2020 (शनिवार)	पूज्य श्रीमती शांति मिश्रा की श्रद्धांजलि सभा, राशन सामग्री एवं नकद राशि वितरण	नीलकंठ धाम, धवर्रा (उ.प्र.)	मास्क, सैनिटाइजर, फल वितरण
2.		11.04.2020 (शनिवार)	पूज्य श्रीमती शांति मिश्रा की तृतीय पुण्य तिथि पर कोरोना में राशन सामग्री वितरण	नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली श्रद्धांजलि	भोजन वितरण एवं खाद्य सामग्री वितरण, भोजन, संख्या 200
3.		11.04.2020 (शनिवार)	भोजन एवं मास्क वितरण	सिविल लाइन चौक, सतना (म.प्र.)	भोजन वितरण
4.		11.04.2020 (शनिवार)	अखंड मानसपाठ एवं कन्या भोज (दो-दिवसीय)	श्री राम जानकी मंदिर, रुरावन कलाँ, बंडा, जिला-सागर (म.प्र.)	अखंड मानस पाठ एवं कन्या भोज
5.		17.04.2020 (शुक्रवार)	सैनिटाइजर एवं मास्क वितरण, नगर पालिका कर्मचारियों हेतु	श्री गणेश (निजी) आई.टी.आई., परिसर, नौगाँव (म.प्र.)	5000 मास्क + 500 सैनिटाइजर, पुलिस सब्जी मंडी, नगर पालिका, बिजली विभाग कर्मचारियों को
6.		20.04.2020 (सोमवार)	सूखा राशन एवं मास्क वितरण	हँडिया विकास खंड गंगापार, जिला-प्रयागराज (उ.प्र.)	श्रद्धांजलि एवं आदिवासी बस्ती में राशन वितरण
7.		26.04.2020 (रविवार)	अक्षय तृतीया के अवसर पर पुजारियों का सम्मान व सामग्री वितरण	श्री व्यंकटेश्वर मंदिर, मुख्तियार गंज, सतना (म.प्र.)	41 मंदिरों में जाकर परशुराम जयंती व अक्षय तृतीया पर पुजारियों को सामग्री वितरण
8.		26.04.2020 (रविवार)	अक्षय तृतीया के अवसर पर मंदिर के पुजारियों का सम्मान व सामग्री वितरण	श्री गणेश (निजी) आई.टी.आई. परिसर, छतरपुर (म.प्र.)	21 मंदिरों में जाकर राशन सामग्री व नकद राशि वितरण
9.		26.04.2020 (रविवार)	भोजन वितरण, सूखा राशन सामग्री वितरण	नॉर्थ एवेन्यू, दिल्ली	1500 संख्या

10.	मई–2020	23.05.2020 (शनिवार)	कोविड-19 के बाद की स्थिति व हमारी भूमिका पर परिचर्चा वेबिनार : डॉ. नरेश त्रेहान, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मेदांता, गुरुग्राम (हरियाणा)	दिल्ली से वेबिनार	मोबाइल/लैपटॉप संख्या 1286 **प्रश्न :** 340
11.	जून–2020	06.06.2020 (शनिवार)	मानसिक तनाव से मुक्तिपरिचर्चा वेबिनार : डॉ. नवीन ग्रोवर, सायक्लोजिस्ट, नई दिल्ली	दिल्ली से वेबिनार	मोबाइल/लैपटॉप संख्या 1319 **प्रश्न :** 294
12.		12.06.2020 (शुक्रवार)	केवल बुढ़ापे का रोग नहीं है आर्थराइथटिस : उपचार व निदान परिचर्चा वेबिनार : डॉ. (जनरल) वेद प्रकाश चतुर्वेदी	दिल्ली से वेबिनार	मोबाइल/लैपटॉप संख्या 1540 **प्रश्न :** 419
13.		19.06.2020 (शुक्रवार)	हृदय रोग, डायबिटीज व कोलेस्ट्राल : समस्या व निदान **परिचर्चा वेबिनार एवं कोरोना काल में सेवा कार्यों हेतु सम्मान** डॉ. राकेश वर्मा, प्रोफेसर कार्डियोलॉजी (अपर महानिदेशक स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार, प्रधानमंत्री के पूर्व चिकित्सक, कार्डियोलॉजी विभाग प्रमुख, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली)	दिल्ली से वेबिनार एवं प्रमाण-पत्र वितरण	मोबाइल/लैपटॉप संख्या 1674 **प्रश्न :** 452
14.	जुलाई–2020	26.06.2020 (शुक्रवार)	बच्चों के कैंसर और एचआईवी : दोनों ही उपचार योग्य हैं परिचर्चा वेबिनार : डॉ. आलोक हेमल, प्रोफेसर बाल रोग विभाग, प्रभारी हेमटोलॉजी, ऑन्कोलॉजी और एचआईवी; अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विज्ञान संस्थान और डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली	दिल्ली से वेबिनार	मोबाइल/लैपटॉप संख्या 1590 **प्रश्न :** 390

15.	जुलाई-2020	03.07.2020 (शुक्रवार)	प्राकृतिक आपदाओं में स्वयं का बचाव कैसे करें? परिचर्चा वेबिनार : डॉ. अंजली क्वात्रा, महानिदेशक, आपदा, जोखिम एवं सुरक्षा केंद्र तथा संस्थापक एवं अध्यक्षा फिलन्थ्रोप, नई दिल्ली	सतना से वेबिनार	मोबाइल/लैपटॉप संख्या 1679 **प्रश्न :** 324
16.		06.07.2020 (सोमवार)	96वें जन्मदिवस पर श्रद्धांजलि सभा, वृक्षारोपण, फलदार वृक्ष वितरण अभियान शुभारंभ	पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर, धवर्रा (नौगाँव) जिला-महोबा (उ.प्र.)	श्री वीरेन्द्र कुमार तिवारी, चेयरमैन, उ.प्र. राज्य निर्माण एवं लघु विकास सहकारी संघ लिमिटेड, (राज्य मंत्री स्तर)
17.		07.07.2020 (मंगलवार)	वृक्षारोपण एवं बीज वितरण	स्वर्गीय गणेश प्रसाद मिश्र, स्मृति शासकीय हाई स्कूल, मानपुरा, वि.ख.—नौगाँव, जिला-छतरपुर (म.प्र.)	फलदार वृक्ष वितरण 3000 सब्जियों के बीज वितरण 200 किसानों को
18.		07.07.2020 (मंगलवार)	शासकीय हाई स्कूल, मानपुरा में वृक्षारोपण	पं. गणेश प्रसाद मिश्र शासकीय हाई स्कूल, मानपुरा, वि.ख.—नौगाँव, जिला-छतरपुर (म.प्र.)	वृक्षारोपण एवं मेधावी छात्र सम्मान
19.		07.07.2020 (मंगलवार)	साहित्यिक, सांस्कृतिक सम्मान एवं वृक्षारोपण	निम्बार्क आश्रम, बाई का बाग, प्रयागराज (उ.प्र.)	सम्मान व वृक्षारोपण
20.		24.07.2020 (शुक्रवार)	महिलाओं की स्वास्थ्य समस्याएँ और निदान परिचर्चा वेबिनार : डॉ. दिव्या नागपाल गुप्ता, स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंदौर (म.प्र.)	दिल्ली से वेबिनार	मोबाइल/लैपटॉप संख्या 1714 **प्रश्न :** 256
21.	अगस्त-2020	05.08.2020 (बुधवार)	श्री रामजन्मभूमि मंदिर शुभारंभ पर समारोह	पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर, धवर्रा, जिला-महोबा (उ.प्र.)	प्रभातफेरी, भजन एवं प्रसाद वितरण
22.	सितंबर-2020	30.09.2020 (बुधवार)	तृतीय कार्यवृत्त विमोचन समारोह	142, नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली	पुस्तक विमोचन कार्यक्रम

23.	सितंबर–2020	30.09.2020 (बुधवार)	वृक्षारोपण कार्यक्रम व फल वितरण	गौरैया माता मंदिर एवं खेल परिसर, धवर्रा (नौगाँव) जिला–महोबा (उ.प्र.)	सार्वजनिक समारोह
24.	अक्तूबर–2020	04.10.2020 (रविवार)	अपना सपना—हरा–भरा सतना वृक्षारोपण अभियान (द्वितीय चरण शुभारंभ)	मंदाकिनी विहार, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, गढिया टोला, कोठी रोड, सतना (म.प्र.)	सार्वजनिक समारोह, भाषण व वृक्षारोपण
25.		09.10.2020 (शुक्रवार)	किडनी रोग का उपचार संभव परिचर्चा वेबिनार : प्रो. (डॉ.) अनूप कुमार विभागाध्यक्ष, यूरोलॉजी, रोबोटिक्स, रेनल ट्रांसप्लांट, सफदरजंग अस्पताल एवं वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली	सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली से वेबिनार	मोबाइल/लैपटॉप **संख्या :** 1863 **प्रश्न :** 319
26.		11.10.2020 (रविवार)	अपना सपना—हरा–भरा छतरपुर वृक्षारोपण अभियान	देरी रोड, छतरपुर (म.प्र.)	सार्वजनिक समारोह
27.		22.10.2020 (गुरुवार)	अपना सपना—हरा–भरा सतना वृक्षारोपण अभियान में गृहमंत्री श्री अमित शाहजी के जन्मदिन के अवसर पर	भगवान् परशुराम मंदिर, धवारी, सतना (म.प्र.)	सार्वजनिक समारोह
28.		24.10.2020 (शनिवार)	वेबसाइट का लोकार्पण	स्थान : राष्ट्र मंदिर, विश्व रामायण आश्रम, 20/13, नंगली पूना, जी.टी. करनाल रोड, दिल्ली–110036	सार्वजनिक समारोह
29.	नवंबर–2020	05.11.2020 (गुरुवार)	अपना सपना—हरा–भरा सतना वृक्षारोपण अभियान	गोल पार्क, मास्टर प्लान, सतना (म.प्र.)	सार्वजनिक समारोह, भाषण व वृक्षारोपण
30.		16.11.2020 (सोमवार)	पं. गणेश प्रसाद मिश्र जी की चतुर्थ पुण्यतिथि श्रद्धांजलि सभा, सुंदर कांड प्रतिभा सम्मान व पेयजल टंकियों सहित अनेक कार्यक्रम संपन्न	पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर, धवर्रा, जिला–महोबा (उ.प्र.)	सार्वजनिक समारोह, सामग्री वितरण और भाषण

31.	दिसंबर–2020	13.12.2020 (रविवार)	श्रद्धांजलि, कंबल वितरण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम	पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर, धवर्रा, जिला–महोबा (उ.प्र.)	सार्वजनिक समारोह, वृक्षारोपण सामग्री वितरण
32.		13.12.2020 (रविवार)	पं. गणेश प्रसाद मिश्र स्मृति व्याख्यानमाला (चतुर्थ पुष्प) (भारतीय प्राचीनकाल गणना : ऐतिहासिक महत्त्व व वैज्ञानिक विश्लेषण)	महाराजा छत्रसाल ऑडिटोरियम, किशोर सागर तालाब के पास, छतरपुर (म.प्र.)	सार्वजनिक कार्यक्रम
33.	जनवरी–2021	12.01.2021 (मंगलवार)	बुंदेलखंड मैराथन–2021 (स्वामी विवेकानंद संदेश)	पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर, धवर्रा, जिला–महोबा (उ.प्र.)	सार्वजनिक कार्यक्रम
34.	फरवरी–2021	06.02.2021 (शनिवार)	सामग्री वितरण एवं स्वच्छता कर्मियों को कंबल, टी–शर्ट–जैकेट वितरण संगमतट पर।	त्रिवेणी मार्ग, दक्षिण पटरी पुल नं. 2, के पास (झूसी साइड) गंगा तट से पहला भूखंड, सेक्टर नं. 3, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)	सार्वजनिक कार्यक्रम
35.		07.02.2021 (रविवार)	नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम	त्रिवेणी मार्ग, दक्षिण पटरी पुल नं. 2, के पास (झूसी साइड) गंगा तट से पहला भूखंड, सेक्टर नं. 3, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)	आँख के चश्मे व कान की मशीनों का नि:शुल्क वितरण
36..		24.02.2021 (वीरवार)	13वाँ नि:शुल्क नेत्र शिविर	त्रिवेणी मार्ग, दक्षिण पटरी पुल नं. 2, के पास (झूसी साइड) गंगा तट से पहला भूखंड, सेक्टर नं. 3, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)	सद्गुरु सेवा संघ द्वारा नेत्र शिविर सामग्री वितरण व भंडारा

न्यास की चार वर्षीय यात्रा की प्रमुख गतिविधियाँ

कार्यक्रम : पूज्य श्रीमती शांति मिश्रा की श्रद्धांजलि सभा, राशन सामग्री एवं नकद राशि वितरण

दिनांक : 11 अप्रैल, 2020 (शनिवार)

कार्यक्रम स्थल : नीलकंठ धाम, धवर्रा (उ.प्र.)

वात्सल्यमूर्ति ममतामयी माता श्रीमती शांति मिश्रा की कर्मस्थली धवर्रा में जहाँ बाईजी के कृतित्व से विकास के नए सोपान गढ़े जा रहे हैं, वहाँ नीलकंठ धाम में लोगों ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन कर उनके जीवन-दर्शन को शत्-शत् नमन किया। सोशल डिस्टेंसिंग के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में श्री दयाराम मिश्रा, न्यास की सचिव श्रीमती आशा रावत, कर्मयोगी संतोष गंगेले, मोनू शर्मा, श्री राम रिछारिया, प्यारे राजपूत, प्रदुमन सिंह राठौर, शीतल कुशवाहा, गौरव मिश्रा, सौरभ मिश्रा, प्रवीण दुबे, मनोज तिवारी, लखन राजपूत, भोले कुशवाहा समेत अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी ने कोरोना संकट के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के आह्वान को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लेकर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की।

नीलकंठ धाम धवर्रा में मास्क, सैनिटाइजर, फल वितरण कार्यक्रम

धवर्रा में श्रीमती शांति मिश्रा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए गणमान्य जन

धवर्रा के आर्यावर्त बैंक शाखा में सेवा कार्य के रूप में
मास्क व सैनिटाइजर का वितरण किया गया

इसके साथ ही गाँव में स्थित पुलिस चौकी के साथ 200 सैनिटाइजर व 200 मास्क एवं फलों का वितरण किया गया। न्यास के कार्यकर्ताओं द्वारा हरिजन बस्ती में कोरोना से बचाव को लेकर मास्क पहनने और हाथों को सैनिटाइज करने तथा स्वच्छता की विधि बताने के लिए जागरूकता कार्यक्रम भी किए गए। इसके साथ ही गाँव में स्थित आर्यावर्त बैंक शाखा सहित सभी मोहल्लों में मास्क का वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कार्यक्रम : पूज्य श्रीमती शांति मिश्रा की तृतीय पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि, कोरोना में राशन सामग्री वितरण

दिनांक : 11 अप्रैल, 2020 (शनिवार)
कार्यक्रम स्थल : नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली

कोरोना पीड़ितों के लिए 'सेवा दिवस' के रूप में मनाई गई पूज्य श्रीमती शांति मिश्रा की तृतीय पुण्यतिथि। भोजन वितरण एवं खाद्य सामग्री वितरण, भोजन, संख्या 200 रही। (**सामग्री :** राशन + 1100 रुपए नकद (आटा—10 किलो, दाल—2 किलो, चावल—5 किलो, नमक—1 किलो, चीनी—2 किलो, तेल—1 लीटर, आलू—1 किलो, प्याज—1 किलो) निम्नलिखित लोगों को वितरित की गई—

क्र.सं.	नाम	क्र.सं.	नाम
1.	श्री राजकुमार, ड्राइवर	16.	श्री रंजीत कुमार
2.	श्री राजेश रैकवार	17.	श्री अमित कुमार
3.	श्री घनश्याम पटेल	18.	श्री मनीष, ड्राइवर
4.	श्री रवि केंट	19.	श्री अशोक पटेल
5.	श्रीमती रेखा सतनामी	20.	श्री लाल बाबू झा
6.	श्री संतोष कुमार गर्ग	21.	श्री विनोद धोबी
7.	श्री वेदप्रकाश	22.	श्री नीरज रैकवार
8.	श्री राम प्रवेश	23.	श्री शीतल कुशवाहा
9.	श्री अंकित	24.	श्रीमती राजकुमारी मंदिर
10.	श्री शनि सफाईवाला	25.	श्री ताज मोहम्मद
11.	श्री दिनेश सफाईवाला	26.	श्री अनिल अनुरागी
12.	श्री किन्नू कचरावाला	27.	श्री प्रदीप सारीवान
13.	श्री ए.पी. सिंह बघेल	28.	श्री सत्यप्रकाश चौरसिया
14.	श्री हरेंद्रजी	29.	श्री राजेंद्र उपाध्याय
15.	श्री रवींद्र कुमार	30.	श्री नीरज सिंह

31.	श्री बब्बन कुमार	36.	श्री दिनेश कुमार
32.	श्री जयराम	37.	श्री मनोज कुमार
33.	श्री शंकर्षणाचार्यजी महाराज	38.	श्री अरविंद मिश्रा
34.	श्री विनीत रावत	39.	श्री एच.एस. रावत
35.	श्री रंजीत कुमार, नोएडा	40.	श्री लाल बाबू

दिल्ली में श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद जरूरतमंदों को आर्थिक सहयोग प्रदान करते न्यास के सदस्य संकल्प मिश्र

नई दिल्ली में श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद सेवा कार्य की तसवीर

नई दिल्ली में स्थानीय कामगारों को भोजन कराकर राशन वितरित किया

कार्यक्रम : भोजन एवं मास्क वितरण
दिनांक : 11 अप्रैल, 2020 (शनिवार)
कार्यक्रम स्थल : सिविल लाइन चौक, सतना (म.प्र.)

श्रीमती शांति मिश्रा की तृतीय पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि व सेवा कार्यों का आयोजन

वंचित वर्ग के उत्थान के लिए कार्य कर रहे पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की प्रेरणास्त्रोत, जिनके मार्गदर्शन में न्यास की स्थापना हुई, ऐसी मातृशक्ति की प्रतीक श्रीमती शांति मिश्रा (बाईजी) की तृतीय पुण्यतिथि पर शनिवार 11 अप्रैल, 2020 को सतना, सागर (म.प्र) व धवर्रा (महोबा) समेत कई अन्य स्थानों पर श्रद्धांजलि व सेवा समरसता के कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कोरोना संकट को देखते हुए न्यास के सभी कार्यकर्ताओं ने विशेष रूप से कोरोना की आपदा से जूझ रहे लोगों को इस अवसर पर राहत सामग्री प्रदान करने का प्रेरणादायी कार्य किया।

सतना (म.प्र) में वंचितों को भोजन तथा मास्क व सैनिटाइजर का वितरण :

मध्य प्रदेश के सतना जिले में न्यास से जुड़े कार्यकर्ताओं ने पूज्य श्रीमती शांति मिश्राजी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ यहाँ रेलवे ओवर ब्रिज के नीचे और ईंट भट्ठे कार्य करनेवाले 300 दिहाड़ी श्रमिकों को भोजन, 200 मास्क व 200 सैनिटाइजर का वितरण किया।

सतना में मास्क व राहत सामग्री का वितरण

सतना में राहत कार्य करते हुए पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के कार्यकर्ता

इस कार्य में कामता पांडे, अभिषेक तिवारी, अंशु तिवारी, सचिन शुक्ला, नितिन वाल्मीक, विवेक यादव, ऋषभ शुक्ला समेत कई कार्यकर्ताओं की विशेष भूमिका रही।

कार्यक्रम : अखंड मानसपाठ एवं कन्या भोज (दो-दिवसीय)
दिनांक : 11 अप्रैल, 2020 (शनिवार)
कार्यक्रम स्थल : श्री राम जानकी मंदिर, रुरावन कलाँ, बंडा, जिला-सागर (म.प्र.)

'पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास' द्वारा अखंड रामचरितमानस पाठ एवं भंडारे का आयोजन किया गया, जो कि 10 अप्रैल से 11 अप्रैल, 2020 तक चला।

श्री श्री 1008 श्री देव जानकी रमण मंदिर रुरावन, सागर (म.प्र.) में अखंड मानसपाठ व कन्या भोज का आयोजन किया गया। यह अखंड मानसपाठ **श्री श्री 1008 महंत शंकर्षणाचार्य महाराज** द्वारा संपन्न किया गया। यहाँ अखंड रामचरितमानस का समापन, हवन एवं सहभोज के साथ हुआ। सामाजिक समरसता को मजबूत करने के उद्देश्य से कन्याओं का पूजन भी किया गया। इस अवसर पर महंत शकर्षणाचार्य, संतोष पुजारी, जगत् गौरैया, गोवर्धन गौरैया, नरेंद्र सदर, शंकर सदर, महेश बाजारवाले, पूरन सिंह लोधी, हल्ले विश्वकर्मा, राजकुमार ठाकुर, बाबू सिंह ठाकुर, गोविंद सिंह ठाकुर, कृष्णपाल सिंह ठाकुर, मनीष सिंह लोधी, अंशुमन लोधी, सुरेंद्र सिंह ठाकुर आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

देश के कोने-कोने से लोगों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

उल्लेखनीय है कि पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की ओर से श्रीमती शांति मिश्राजी की तृतीय पुण्यतिथि के अवसर पर 51 जोड़ों के सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाना था, लेकिन कोरोना की आपदा पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के आह्वान का पालन करते हुए न्यास ने इस कार्यक्रम को स्थगित किया। स्थितियाँ सामान्य होते ही सामूहिक विवाह व अन्य सेवा कार्य पुन: पूर्व की भाँति आयोजित किए जाएँगे। देश भर में लॉकडाउन के कारण बड़ी संख्या में गणमान्य जनों ने डॉ. राकेश मिश्रा को दूरभाष के जरिए श्रीमती शांति मिश्राजी के जीवन कृतित्व को स्मरण किया। इनमें श्री पुष्पेंद्र पाठक, पूर्व विधायक, श्री राजेंद्र शुक्ला पूर्व मंत्री (म.प्र), प्रदीप खरे (मंटू), कर्मयोगी संतोष गंगेले, संजीव तिवारी, हरीशचंद्र द्विवेद्वी, श्री सत्यभूषण जैन, श्री राकेश बिंदल, आर.जी. अग्रवाल, विद्या भारती के संगठन मंत्री श्री पवन तिवारी समेत अनेक गणमान्य जन शामिल रहे।

राम-जानकी मंदिर में कन्या भोज

कार्यक्रम : सैनिटाइजर एवं मास्क वितरण,
नगर पालिका कर्मचारियों हेतु

दिनांक : 11 अप्रैल, 2020 (शनिवार)
कार्यक्रम स्थल : श्री गणेश (निजी) आई.टी.आई., परिसर, नौगाँव (म.प्र.)
कार्यक्रम स्वरूप : 5000 मास्क + 500 सैनिटाइजर, पुलिस सब्जी मंडी, नगर पालिका, बिजली विभाग कर्मचारियों को

लॉकडाउन-2 के दौरान नौगाँव में पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा मास्क वितरण व जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर के सामाजिक संगठन कोरोना की जंग में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर रहे हैं। इसी क्रम में सामाजिक सरोकारों में हमेशा अग्रणी रहनेवाले पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास लॉकडाउन-2 के दौरान कोरोना के कर्मयोद्धाओं की मदद के लिए आगे आया है। शुक्रवार 17 अप्रैल को न्यास द्वारा नौगाँव (छतरपुर, म.प्र.) में अलग-अलग स्थानों में मास्क वितरण का बृहद् कार्यक्रम संचालित किया गया। इस दौरान पाँच हजार से अधिक मास्क जरूरतमंदों को वितरित किए गए।

सफाई कर्मचारियों के लिए सी.एम.ओ. श्री बसंत चतुर्वेदीजी को सौंपे तीन हजार मास्क

न्यास की ओर से सर्वप्रथम मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री बसंत चतुर्वेदीजी को तीन हजार मास्क सौंपे गए, जिससे कि वह नगर की स्वच्छता में लगे स्वच्छता कर्मियों को यह मास्क वितरित कर सकें। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की सचिव श्रीमती आशा रावत एवं डॉ. रचना मिश्रा ने अपनी पूज्य माता श्रीमती शांति मिश्रा की पुण्य स्मृति में यह मास्क वितरित किए हैं। इस मौके पर सब इंजीनियर धर्मेंद्र चौबे, पुनीत त्रिपाठी व नगरपालिका का स्टाफ भी उपस्थित रहा। श्रीगणेश निजी आई.टी.आई., ईसानगर रोड पर आयोजित वितरण कार्यक्रम में स्थानीय कार्यकर्ता श्री नरेश वर्मा, कर्मयोगी श्री संतोष गंगेले, श्री मोनू शर्मा, श्री नीरज रैकवार, राजा तिवारी के साथ तमाम कार्यकर्ता व गणमान्य जन भी उपस्थित रहे।

किसानों को उपलब्ध कराए मास्क

गल्ला मंडी रोड पर स्थित सब्जी मंडी में बाहर से आए हुए किसानों व खरीददारों को भी मास्क वितरित किए गए। न्यास द्वारा सैनिटाइजर से हाथ धोने व सैनिटाइजर लगाने की विधि भी बताई गई।

तहसील कार्यालय में भी हुआ मास्क का वितरण

इसी तरह न्यास के कार्यकर्ताओं ने तहसील में पदस्थ कर्मचारियों एवं संकट की इस परिस्थिति में कार्य कर रहे लोगों के लिए तहसीलदार श्री बी.पी. सिंह, श्री हरिनारायण शर्मा पटवारी को मास्क सौंपे गए।

पुलिसकर्मियों व फल विक्रेताओं को भी मुहैया कराए मास्क

आज देश की सेवा में लगे हुए पुलिसकर्मियों एवं अधिकारियों के साथ फल विक्रेताओं और ठेलेवालों को भी मास्क उपलब्ध कराए गए। कोठी चौराहे में हुए इस मास्क वितरण कार्यक्रम के दौरान श्री एस.एन. बघेल एस.डी.ओ.पी. नौगाँव, संदीप राजपूत (एस.आई.) तथा राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त आरक्षक श्रीमती रीना पटेल आदि उपस्थित रहे। पुलिस अधिकारियों ने इन परोपकारी कार्यों हेतु न्यास की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

सोशल डिस्टेंसिंग का दे रहे हैं संदेश

इन दिनों पूरा देश कोरोना की आपदा से जूझ रहा है, ऐसे समय में पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की ओर से न सिर्फ मास्क, सैनिटाइजर और सुरक्षा के दूसरे समान वितरित किए जा रहे हैं, अपितु न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र के आह्वान पर कार्यकर्ता लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग और आरोग्य सेतु के बारे में भी जागरूक कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि डॉ. राकेश मिश्रजी की माता श्रीमती शांति मिश्राजी की तृतीय पुण्यतिथि के अवसर पर सतना, सागर, धवर्रा व नई दिल्ली में व्यापक रूप से राहत कार्य संचालित किए गए थे। इस दौरान धवर्रा एवं आसपास के गाँवों में चलाए गए जनजागरण अभियान की लोगों ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की थी।

कोरोना संकट के बीच प्रकृति की जनसेवा

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के कार्यकर्ता स्वास्थ्य जागरूकता के इन

कार्यक्रमों के साथ इन दिनों प्रकृति के संरक्षण का अनूठा अभियान भी संचालित कर रहे हैं। गाँव के नवयुवक 40 डिग्री तापमान पर उन 200 से अधिक पौधों व वृक्षों को पानी देने का कार्य कर रहे हैं, जो गत वर्ष वृक्षारोपण अभियान में लगाए गए थे। कोरोना संकट के बीच जब पानी न मिलने से इनके सूखने का डर है तब, प्रवीण दुबे, ब्रजेश वाजपेयी, किशोरी राजपूत व आजाद मोहम्मद, जैसे अनेक युवा वृक्षों को नवजीवन देने में जुटे हैं।

डॉ. रचना मिश्रा एवं श्रीमती आशा रावत (सचिव),
कार्यक्रम में सैनिटाइजर एवं मास्क वितरित करते हुए

सैनिटाइजर एवं मास्क वितरण करते हुए श्री नरेश वर्मा, मोनू शर्मा और सुनील रावत

गल्ला मंडी रोड पर स्थित सब्जी मंडी में मास्क वितरण करते हुए नरेश वर्मा

गल्ला मंडी रोड पर स्थित सब्जी मंडी में किसानों को मास्क वितरण करते हुए

सब्जी मंडी में पुलिस कर्मचारियों को सैनिटाइजर एवं मास्क वितरण करते हुए

सब्जी मंडी में तहसीलदार एवं पुलिस अधिकारियों को सैनिटाइजर एवं मास्क वितरण करते हुए श्री नरेश वर्मा

कोरोना संकट के दौरान वृक्षों व पौधों को पानी देते हुए प्रवीण दुवे एवं श्रीराम रिछारिया

कार्यक्रम : सूखा राशन एवं मास्क वितरण

दिनांक : 20 अप्रैल, 2020 (सोमवार)

कार्यक्रम स्थल : हँडिया विकास खंड गंगापार, जिला-प्रयागराज (उ.प्र.)

पूज्य श्रीमती शांति मिश्रा जी की तृतीय पुण्यतिथि पर गंगापार क्षेत्र प्रयागराज में सेवा ही धर्म है। इस सूत्र के आधार पर वैश्विक आपदा कोरोना के समय लाचार और असहाय लोगों के बीच आदिवासी बस्ती में राशन सामग्री वितरण कार्यक्रम चलाया गया। सेवा न्यास की ओर से चलाए गए इस कार्यक्रम के माध्यम से हजारों लोगों को सहायता प्रदान की गई।

बस्तियों में गाड़ियों के माध्यम से सूखा राशन एवं मास्क वितरण हेतु ले जाते

गाड़ियों के माध्यम से सूखा राशन एवं मास्क ले जाते हुए न्यास के कार्यकर्ता

जरूरतमंद ग्रामीणों को सूखे राशन की किट भेंट करते हुए न्यास के कार्यकर्ता

सूखे राशन की प्राप्ति हेतु ग्रामवासी अपने नंबर की प्रतीक्षा करते हुए

कार्यक्रम : अक्षय तृतीया के अवसर पर पुजारियों का सम्मान व सामग्री वितरण

दिनांक : 26 अप्रैल, 2020 (रविवार)

कार्यक्रम स्थल : श्री व्यंकटेश्वर मंदिर, मुख्तियार गंज, सतना (म.प्र.)

41 मंदिरों में जाकर परशुराम जयंती व अक्षय तृतीया पर पुजारियों को सम्मान व सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा अक्षय तृतीया (26-04-2020) के पावन पर्व पर मंदिरों के पुजारी गणों की सूची—(**वितरित सामग्री :** आटा—10 किलो, दाल—2 किलो, चावल—3 किलो, रिफाइंड—1 लीटर, सरसों तेल—½ लीटर, चीनी—1 किलो, साबुन, मंजन, घड़ी पाउडर, गरम मसाला, नमक, मिर्च, गरम मसाला, चाय पत्ती, हल्दी, आलू, हरी सब्जियाँ, मास्क—4, सैनिटाइजर—1)

क्र.सं.	मंदिर का नाम	स्थान
1.	श्री बिहारी जी मंदिर	कोतवाली चौक
2.	श्री सत्यनारायण मंदिर	चौक बाजार
3.	श्री तुलसी मानस मंदिर	कोतवाली चौक
4.	श्री मार्कंडेय मंदिर	जयस्तंभ चौक
5.	श्री केशवदास मंदिर	पावर हाउस चौक
6.	श्री राम दरबार मंदिर	सुभाष पार्क
7.	श्री हनुमान मंदिर	पन्नीलाल चौक
8.	श्री दुर्गा जी का मंदिर	नगर निगम
9.	श्री शंकर जी मंदिर	जगत् देव तालाब
10.	श्री हनुमान मंदिर	जगत् देव तालाब
11.	श्री दुर्गा जी मंदिर	जगत् देव तालाब
12.	श्री खेरमाई मंदिर	खेरमाई रोड
13.	श्री व्यंकटेश्वर मंदिर	मुख्तियार गंज

14.	श्री दुर्गा जी मंदिर	प्रेम नगर
15.	श्री साईं बाबा मंदिर	राजेंद्र नगर
16.	श्री शनिदेव मंदिर	धवर्रा
17.	श्री हनुमान मंदिर	सिविल लाइन
18.	श्री हनुमान मंदिर	सेमरिया चौक
19.	श्री राधारमण मंदिर	पुरानी आबकारी
20.	श्री संतोषी माता मंदिर	कोलगंवा
21.	श्री शारदा मंदिर	प्रेम नगर
22.	श्री दुर्गा मंदिर	भरजुना
23.	श्री बजरंग मंदिर	पतेरी
24.	श्री साईं बाबा मंदिर	धवारी
25.	श्री शंकर मंदिर	रेलवे कॉलोनी
26.	श्री सिद्धि दात्री मंदिर	डिपो के पास
27.	श्री चार मंदिर	नई बस्ती
28.	श्री शंकर मंदिर	कचहरी
29.	श्री कर्मदेश्वर मंदिर	भरहुत नगर
30.	श्री शिव मंदिर	गढ़िया टोला
31.	श्री शिव मंदिर	मुख्तियार गंज
32.	श्री दुर्गा मंदिर	बदरवर
33.	श्री शिव जानकी मंदिर	नई बस्ती
34.	श्री राधा मंदिर	गहरा नाला
35.	श्री दुर्गा मंदिर	पतेरी
36.	श्री हनुमान मंदिर	विराट नगर
37.	श्री शिव मंदिर	अमौघा

पुजारियों का सम्मान, राशन और मंदिरों में खाद्य सामग्री वितरण की तैयारी

मंदिरों में खाद्य सामग्री वितरण करते
श्री कामता पांडे, अभिनव त्रिपाठी, विजय तिवारी व अन्य

पुजारियों को सामग्री वितरित करते श्री विजय तिवारी,
श्री अभिनव त्रिपाठी रंजन, श्री श्याम लाल गुप्ता

व्यंकटेश मंदिर में राशन किट वितरण करते न्यास के कार्यकर्ता

कार्यक्रम : अक्षय तृतीया के अवसर पर मंदिर के पुजारियों का सम्मान व सामग्री वितरण

दिनांक : 26 अप्रैल, 2020 (रविवार)

कार्यक्रम स्थल : श्री गणेश (निजी) आई.टी.आई. परिसर, छतरपुर (म.प्र.)

21 मंदिरों में जाकर राशन सामग्री व नकद राशि वितरण 500 मजदूरों को भोजन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा अक्षय तृतीया (26-04-2020) के पावन पर्व पर मंदिरों के पुजारी गणों की सूची—(**वितरित सामग्री :** आटा—10 किलो, दाल—2 किलो, चावल—3 किलो, रिफाइंड—1 लीटर, सरसों तेल—½ लीटर, चीनी—1 किलो, साबुन, मंजन, घड़ी पावडर, गरम मसाला, नमक, मिर्च, गरम मसाला, चाय पत्ती, हल्दी, आलू, हरी सब्जियाँ, मास्क—4, सैनिटाइजर—1)

क्र.सं.	मंदिर का नाम	स्थान
1.	श्री हनुमान जी मंदिर	दूल्हा बाबा, छतरपुर रोड
2.	श्री शंकर जी मंदिर	दूल्हा बाबा, छतरपुर रोड
3.	श्री मौनी बाबा मंदिर	धवर्रा रोड
4.	श्री हनुमान मंदिर	24 नं. बँगला
5.	श्री गिरधर लालजी मंदिर	मेन मार्केट
6.	श्री धनुषधारी मंदिर	मेन मार्केट
7.	श्री मनसा देवी	प्राइमरी के पास
8.	श्री हनुमान मंदिर	पोलीटेक्निक कॉलेज
9.	श्री देवीजी मंदिर	धवर्रा रोड
10.	श्री हनुमान जी मंदिर	उमरिया
11.	श्री हनुमान जी मंदिर	धवर्रा
12.	श्री राम दरबार मंदिर	धवर्रा
13.	श्री गोरैया माता मंदिर	धवर्रा

14.	श्री साईं बाबा मंदिर	बजरिया
15.	श्री नर्मदेश्वर मंदिर	शिशु मंदिर के पास
16.	श्री गायत्री मंदिर	छतरपुर रोड
17.	श्री कामधेनु बाबा	घर पर
18.	श्री बड़े मंदिर	बाजार में
19.	श्री हनुमान जी मंदिर	बजरिया
20.	श्री बडौन्या मंदिर	पिपरी
21.	श्री खो-खो माता मंदिर	बस स्टैंड के पास

पुजारियों को सम्मान व राशन सामग्री वितरण की तैयारी

श्री संतोष गंगेले कार्ययोगी, डॉ. रचना मिश्रा व श्रीमती आशा रावत सामग्री वितरण करते हुए

पंडित पुरुषोत्तम महाराजजी का सम्मान करते न्यास के कार्यकर्त्ता श्री सुनील रावत एवं सुव्रत शर्मा 'मोनू' नौगाँव में

कार्यक्रम : भोजन वितरण, सूखा राशन सामग्री वितरण

दिनांक : 26 अप्रैल, 2020 (रविवार)

कार्यक्रम स्थल : नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली

पूज्य श्रीमती शांति मिश्राजी की तृतीय पुण्यतिथि पर नार्थ एवेन्यू क्षेत्र में श्रमिक कारिगर परिवारों को भोजन वितरण, सूखा राशन सामग्री वितरण कार्यक्रम चलाया गया।

भोजन वितरण व सूखा राशन सामग्री वितरण की तैयारी करते हुए

भोजन वितरण हेतु पैकिंग की तैयारी

कार्यक्रम : कोविड-19 के बाद की स्थिति व हमारी भूमिका
परिचर्चा वेबिनार : डॉ. नरेश त्रेहान, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मेदांता, गुरुग्राम (हरियाणा)
दिनांक : 23 मई, 2020 (शनिवार)
कार्यक्रम स्थल : दिल्ली से वेबिनार

कोरोना संकट को लेकर केंद्र की मोदी सरकार अब जान के साथ जहान की सुरक्षा की राह पर आगे बढ़ रही है। लोगों की स्वास्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए रोजगार गतिविधियाँ भी शुरू की जा रही हैं, लेकिन जान और जहान दोनों की सुरक्षा बिना जागरूकता के संभव नहीं है। लोगों को कोरोना की जंग में सहभागी बनाने के मकसद से पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की पहल पर शनिवार 23 मई को वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें चिकित्सा जागरूकता के प्रसार के लिए प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ और मेदांता मेडिसिटी, गुड़गाँव के चेयरमैन डॉ. नरेश त्रेहान ने लोगों के हर उस सवाल का जवाब दिया, जो कोरोना संकट के दौरान लोगों के मन में उठ रहे हैं। इस वेबिनार में उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश के 12 जिलों से 1246 लोग शामिल हुए। कुल 86 स्थानों से लोग इस वेबिनार में शामिल हुए। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि इसमें कई जनप्रतिनिधि और समाजसेवी शामिल रहे, जिन पर कोरोना संकट में जागरूकता के प्रसार की सबसे अहम जिम्मेदारी होती है।

इनकी रही विशेष उपस्थिति

कार्यक्रम में विधायक चुरहट शरदेंदु तिवारी, सतना भाजपा जिला अध्यक्ष नरेंद्र त्रिपाठी, पूर्व विधायक गुड्डन पाठक, समाजसेवी योगेश ताम्रकार, मणिकांत माहेश्वरी, संजय जैन (सी.ए. प्रोफेशनल), समाचार संपादक अवधेशजी (नव स्वदेश), संजय शाह (नेजा), कामता पांडे, कृष्णा पांडे (सतना), मोतीलाल गोयल, रमेश मिश्र, अशोक गुप्ता (सामाजिक कार्यकर्ता, सतना), संजय नगाइच, प्रो. जी.पी. रिछारिया, संजय अग्रवाल, प्रदीप खरे मंटू, विवेक चतुर्वेदी (टीकमगढ़) प्रवीण गुप्ता, साहित्य मिश्रा, राकेश शुक्ला राधे, शशांक मिश्रा, प्रवीण नायक (दिल्ली), विनीत रावत, दीपन वर्मा, विनोद यादव, कमलेश्वर अग्रवाल, संकठा द्विवेद्वी, शंकर्षाणाचार्य महाराज, अनुराग गौतम, विवेक त्रिपाठी, जान्हवी त्रिपाठी, सीमा यादव, विजय तिवारी,

डॉली शर्मा, नीता सोनी, सुधीर रिछारिया, प्रवीण गुप्ता, मंटू खरे, मनीष सिंहल समेत सतना, रीवा, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, सागर और सीधी से बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। प्रस्तुत हैं इस वेबिनार में पूछे गए महत्त्वपूर्ण प्रश्नों के डॉ. नरेश त्रेहान द्वारा दिए गए जवाबों के अंश—

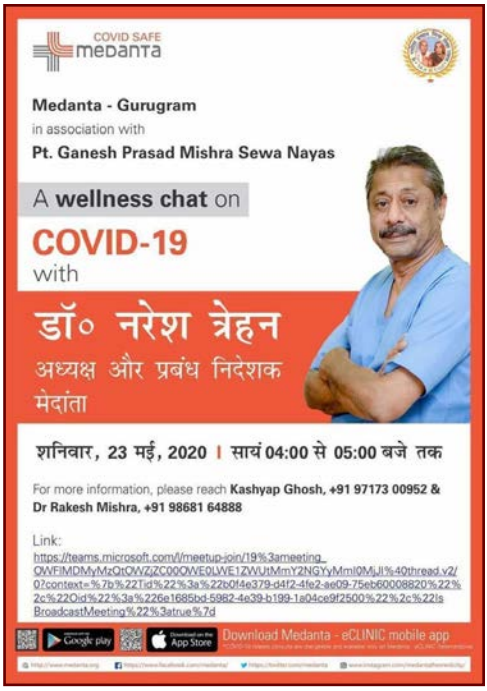

मनीष शुक्ला, छतरपुर : *एयर कंडीशनर को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। कोरोना संकट में इसके उपयोग को लेकर आपका क्या कहना है?*

डॉ. नरेश त्रेहान : कोविड-19 से पहले जो वायरस आए हैं, उनके मामलों में यह देखा गया है कि 40-50 डिग्री सेल्सियस पर वह समाप्त हुए हैं, लेकिन कोविड-19 के मामले में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। इसलिए घर में भी जरूरी है कि मास्क पहनें। घर में भी, जिसे सर्दी-जुकाम है, वह मास्क आदि पहनें। रही बात एयर कंडीशनर की तो घर के भीतर यदि सबकुछ ठीक है, किसी में ऐसे लक्षण नहीं हैं तो कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन ऐसी जगहों पर जहाँ भीड़ अधिक है, और आपको हर व्यक्ति के लक्षणों के बारे में पता नहीं है, वहाँ जाने से भी बचना चाहिए, और ए.सी. चलाने से भी।

डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा : *सैनिटाइजर और साबुन कितना प्रयोग करें, क्या कुछ साइड इफेक्ट भी हैं?*

डॉ. नरेश त्रेहान : दिन में चार-पाँच बार 20 सेकेंड के लिए हाथ धोएँ। हाथों को रगड़कर धोएँ। सैनिटाइजर के दुष्प्रभाव के कोई भी मामले अब तक सामने नहीं आए हैं।

विवेक त्रिपाठी (रामपुर) : *एक-एक क्लास में 60-70 बच्चे रहते हैं। स्कूल खुलनेवाले हैं। क्या सावधानी बरतें?*

डॉ. नरेश त्रेहान : स्कूलों को खोलना चाहिए कि नहीं, जून के अंत में निर्णय होगा। पहले बड़े बच्चों के लिए स्कूल खोलना चाहिए, क्योंकि उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता अधिक होती है, क्योंकि लॉकडाउन-4 के बाद भी आप कुछ जगहों को लॉकडाउनर रखना होगा। भीलवाड़ा में आपने देखा कि कैसे उन्होंने प्रारंभिक स्तर पर ही सफलता अर्जित की।

श्रीराम रिछारिया (धवर्रा) : *कागज से नोट के जरिए संक्रमण फैलने का कितना खतरा होता है ?*

डॉ. नरेश त्रेहान : पूरी दुनिया में यह सवाल पूछा गया है, लेकिन आज तक ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया है, फिर भी लोग डिजिटल पेमेंट की ओर जा रहे हैं, यह भी अच्छी बात है। हाँ, ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया है, लेकिन बचाव के प्रयासों में हम कोई रिस्क नहीं ले रहे हैं।

अखबारों से संक्रमण के खतरे को लेकर जो आशंका जाहिर की जाती है, उस पर क्या कहना है ?

धीरेंद्र नायक (गढ़ी मलहरा), राजू सरदार, प्रेम गुप्ता : *अखबार से संक्रमण फैलने का कितना खतरा होता है ? क्या बचाव करना चाहिए ?*

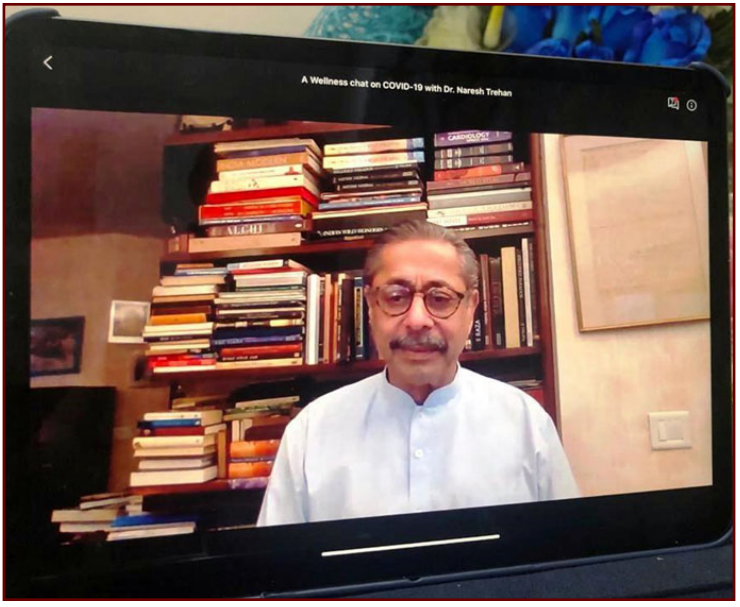

डॉ. नरेश त्रेहान : अखबार से संक्रमण की कोई जानकारी नहीं आई है, लेकिन फिर भी अखबार पढ़ने के बाद हाथ तो धोना ही चाहिए, लेकिन मैं आपको यह कहना चाहूँगा कि हम 400–500 टेलीमेडिसिन दे रहे हैं। कुल मिलाकर ऑनलाइन क्षमता और डिजिटल संसाधनों को उपयोग करना होगा। इस वायरस ने हमें कुछ नई बातें सिखाई हैं। वर्क फ्रॉम होम एक नई ताकत के रूप में उभरा है। आप देख रहे हैं कि चीन से लोग भाग रहे हैं। चीन से भाग रही कंपनियों के लिए यदि आप देश में अनुकूल वातावरण देंगे तो उससे आर्थिक लाभ होगा।

मंटू खरे : *थर्मल स्क्रीनिंग करवाई जाती है, क्या यह जाँच मात्र क्लीनचिट देने के लिए पर्याप्त है ?*

डॉ. नरेश त्रेहान : थर्मल स्क्रीनिंग का मतलब है कि उस समय व्यक्ति के तापमान का पता चलता है। रैपिड टेस्टिंग की जाती है, जिससे एंटीबॉडी और उसकी रिकवरी का पता चलता है। कुल मिलाकर वह तात्कालिक जानकारी देते हैं, जबकि पीसीआर टेस्ट ही कोरोना लक्षण की पूरी जानकारी देता है।

प्रो. मनीष कुमार सिंघल (भोपाल) : *पालतू जानवरों से कोरोना संक्रमण फैलने का खतरा कितना रहता है ?*

डॉ. नरेश त्रेहान : दुनिया में आज तक अभी कोई ऐसा मामला सामने नहीं आया, फिर भी सामान्य दिनों या फिर कोरोना के वैश्विक संकट के दौरान पालतू जानवरों के संपर्क में आने के दौरान हर वह एहतियात बरतनी चाहिए, जो जरूरी होती है।

पंकज खरे (नौगाँव) : *अधिकांश मामले धूल आदि एलर्जी से पैदा लक्षण भी*

कोरोना जैसे ही होते हैं. तो उसकी पहचान करें?

डॉ. नरेश त्रेहान : देखिए, हर व्यक्ति को अपने शरीर की स्थिति, मिजाज का पता होता है, यदि असामान्य स्थिति हो तो डॉक्टरों के पास जाना चाहिए, लेकिन यदि एक-दो दिन में चीजें ठीक हो जाती हैं तो फिर कोई चिंता की बात नहीं है।

प्रवीण गुप्ता : आरोग्य सेतु में साधरण खाँसी-जुकाम डालते ही एप आपको जोखिम के दायरे में दिखाने लगता है तो क्या इसमें सुधार की आवश्यकता है?

डॉ. नरेश त्रेहान : इसमें सुधार होगा समय के अनुसार।

नरेंद्र त्रिपाठी : *सार्वजनिक जीवन में न चाहते हुए भी कई बार लोग अभिवादन के लिए पैर छूते हैं, ऐसे में असावधानी या मानवीय भूल के समय क्या करना चाहिए?*

डॉ. नरेश त्रेहान : राम-राम दूर से ही करना है। नमस्ते दूर से ही करना है, क्योंकि आपकी जरा सी लापरवाही बड़ी मुसीबत को आमंत्रित कर सकती है। यह कभी न सोचें कि मेरी रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत अधिक है। मुझे तो कुछ हो ही नहीं सकता। सरकार जैसे-जैसे प्रोटोकॉल बना रही है. उसका पालन करते रहें।

न्यास की स्वस्थ भारत मुहिम को देंगे समर्थन

इस अवसर पर डॉ. नरेश त्रेहान ने कहा कि वह और उनका संस्थान मेदांता द मेडिसिटी गुरुग्राम भविष्य में भी पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा लगाए जानेवाले स्वास्थ्य शिविर में अपना योगदान देते रहेंगे। उन्होंने आगे भी मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हेल्थ कैंप लगाए जाने का भरोसा दिलाते हुए कहा कि वह स्वयं भी इनमें हिस्सा लेने पहुँचेंगे।

महोबा में जल संरक्षण मुहिम को आगे बढ़ाएँगे डॉ. नरेश त्रेहान

डॉ. नरेश त्रेहान ने इस अवसर पर कहा कि वह पिछले कुछ वर्षों में महोबा और बुंदेलखंड में सूखे की समस्या से निजात दिलाने के लिए जल संरक्षण व उसके संवर्धन का प्रयास कर रहे हैं, इसके लिए कोकाकोला फाउंडेशन के तत्त्वावधान में कई स्थानों पर चेक डेम विकसित किए जा रहे हैं, जिसका सुखद परिणाम आना प्रारंभ हुआ है, उन्होंने भरोसा दिलाया कि कोरोना संकट के बाद वह इस अभियान को और गति देंगे।

न्यास की वेलनेस हेल्थ चैट मुहिम को सराहा

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर तकनीक और उसके सहयोग से समाज के अंतिम व्यक्ति तक टेली मेडिसिन और स्वस्थ भारत अभियान के संदेश को ले जाने के लिए कोरोना संकट के दौरान जिस प्रकार से वेबिनार का आयोजन किया, उसकी डॉ. नरेश त्रेहान ने भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि यह समय के साथ बदलाव का बेहतरीन उदाहरण है।

वेबिनार में बड़ी संख्या में 1286 मोबाइल से शिक्षकों, वकीलों, विद्यार्थियों, व्यापारियों एवं महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने किया व सभी का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम : मानसिक तनाव से मुक्ति
परिचर्चा वेबिनार : डॉ. नवीन ग्रोवर, साइकलोजिस्ट, नई दिल्ली
दिनांक : 06 जून, 2020 (शनिवार)
कार्यक्रम स्थल : दिल्ली से वेबिनार

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा मानसिक स्वास्थ्य पर वेबिनार का आयोजन डॉ. नवीन ग्रोवर ने दिया मेंटल हेल्थ की मजबूती का मंत्र

कोरोना के वैश्विक संकट के दौरान उपस्थित परिस्थितियों की वजह से लोगों की जीवन-शैली विशेष रूप से मानसिक सोच, में काफी बदलाव आया है। यहाँ तक की लोगों के भीतर मानसिक विकार भी पैदा हो रहे हैं, हालाँकि इसके पीछे सिर्फ कोविड-19 के बाद पैदा हुई परिस्थितियों को दोष देना उचित नहीं है, लेकिन सामाजिक परिवेश में आए अप्रत्याशित बदलाव इसके अहम कारण हैं। ऐसी परिस्थितियों में पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा मानसिक तनाव व बचाव के उपाय पर केंद्रित एक वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें दिल्ली के प्रसिद्ध मनोविज्ञान चिकित्सक डॉ. नवीन ग्रोवर ने लोगों को अपनी जीवन-शैली में आ रहे बदलावों के बीच मानसिक मजबूती के लिए अहम टिप्स दिए। कार्यक्रम का संचालन न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने किया। कार्यक्रम में रीवा, सीधी, सतना, पन्ना, छतरपुर, प्रयागराज, महोबा समेत 17 जिलों के 1319 समाजसेवी व प्रबुद्धजन

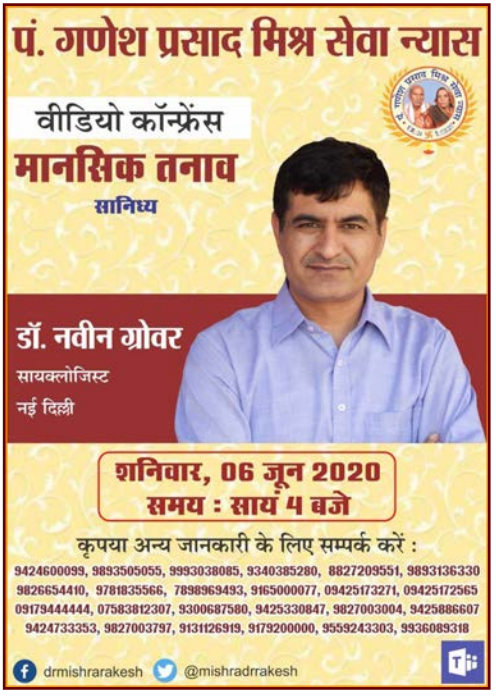

उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए डॉ. नवीन ग्रोवर ने कहा कि कोरोना हमारी जिंदगी में बदलाव लेकर आया है। यह अज्ञात वस्तु व स्थिति से डर जैसा है, हालाँकि मनोविज्ञान भी इसे स्वीकार्य करता है, लेकिन मुझे लगता है कि दुनिया के किसी भी देश के मुकाबले भारत के लोगों पर अज्ञात का डर कम है, क्योंकि भारत में हम पारलौकिक आध्यात्मिक शक्ति पर अधिक विश्वास करते हैं। आस्था आज हमारे लिए ताकत बनकर सामने आई है। उन्होंने कहा कि कई जगहों पर घरेलू हिंसा के मामले बढ़ने की बातें सामने आई हैं, उसके पीछे की मूल वजह संयुक्त परिवार में नहीं रहने की आदत है। ऐसे में यह उचित समय है, जब हम अपने मूल की ओर लौटें। मैंने जो अध्ययन किया उसके मुताबिक हमारी निराशा सहने की क्षमता कम हो रही है। हर चीज हमें पलक झपकते चाहिए। लोग नकारात्मकता को सिरे से खारिज कर रहे हैं, जबकि सकारात्मक सोच के साथ जीवन में नकारात्कता भावों को अपनाने की स्वीकार्यता भी बढ़ानी होगी। आज यदि बच्चे कोई नकारात्मक बात कर लें तो हम उसे समझने के बजाय उन्हें नजरअंदाज करते हैं। इसे हम अपने व्यवहार में बदलाव लाकर ठीक कर सकते हैं। मसलन, हमारे स्वभाव कतार में एकदम आगे जाकर खड़ी होनेवाली सोच के बजाय अपनी बारी के इंतजार का धैर्य भी होना चाहिए। कुल मिलाकर विचार नहीं, व्यवहार में बदलाव को प्राथमिकता देनी चाहिए। तत्कालीन परिस्थितियों की बात करें तो सिर्फ कोविड-19 के बारे में सूचनाएँ प्राप्त करने की प्रवृत्ति छोड़ें।

कार्यक्रम में इनकी रही विशेष उपस्थिति

कार्यक्रम में श्री नरेंद्र त्रिपाठी भाजपा जिला अध्यक्ष सतना, योगेश ताम्रकार, मणिकांत माहेश्वरी, मोतीलाल गोयल, उत्तम बनर्जी, कामता पांडे, अभिनव त्रिपाठी रंजन, डॉली शर्मा, कृष्णा पांडे, दीपन वर्मा, विनोद यादव, अनुराग गौतम, संजय सेन, नीता सोनी, जाह्नवी त्रिपाठी, सीमा सिंह यादव, प्रो. नीलम रिछारिया, सतीश शर्मा, प्रहलाद कुशवाहा, विजय द्विवेदी, अनुराग गौतम, सुवेद रिछारिया (बेंगलुरु), सचिन त्रिपाठी (शिकागो), अरविंद मिश्रा, प्रवीण गुप्ता, मंटू खरे, डॉ. मनीष कुमार सिंहल, ब्रजेश अग्रवाल, साहित्य मिश्रा, जे.एन. चतुर्वेदी, गजेंद्र सोनकिया, साकेत मिश्रा, राधे शुक्ला, पप्पू गुप्ताजी, विनीत रावत, प्रवीण नायक, श्रीराम रिछारिया, अनिल खरे, संतोष शर्मा, अनिल रावत, मोहित मिश्रा, प्रवीण दुबे, डॉ. अनुराग पांडे

वाराणसी, राकेश शुक्ला, विवेक स्वरूप (प्रयागराज), पुष्पेंद्र सिंह (प्रयागराज), संकठा द्विवेदी, शंकर्षणाचार्य महाराज (सागर) आदि की विशेष उपस्थिति रही। न्यास की सचिव श्रीमती आशा रावत, श्रीमती मालती मिश्रा, रेखा अवस्थी, डॉ. रचना मिश्रा एवं श्रीमती प्रमिला मिश्रा ने भाग लेते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

सवाल (नंदन मिश्रा) : छात्रों में शैक्षणिक भविष्य को लेकर चिंता व असमंजस है। क्या करना चाहिए?

डॉ. नवीन ग्रोवर : भविष्य के बजाय अभी पर जीते हुए सरकार के निर्देशों के अनुसार खुद को तैयार रखना चाहिए। सरकारें लोगों के हितों का ध्यान रखते हुए निर्णय लेती हैं। अपनी योग्यता बढ़ाते रहें। दिनचर्या को सामान्य बनाए रखें।

सवाल (रमेश मिश्र व अनुज परौहा) : छत से कूदने, बिजली के तार को छूने जैसे विचार आते हैं, इसका क्या उपचार है?

डॉ. नवीन ग्रोवर : यह एनजाइजी जैसी बीमारी का लक्षण भी हो सकता है। उन्हें मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े किसी डॉक्टर से मिलना चाहिए। टेली कंसल्टेशन तक लेना चाहिए। उनका खयाल भी रखें।

सवाल (श्रीराम रिछारिया व विजय तिवारी) : युवाओं में मानसिक तनाव की वजह से नशा करने की आदत बढ़ जाती है, जिससे युवाओं का कॅरियर बरबाद हो जाता है, क्या सावधानी बरतनी चाहिए?

डॉ. नवीन ग्रोवर : इसके लिए जो आदमी नशे की तरफ जा रहा है, उसे खुद निर्णय करना होगा, हालाँकि यह लोगों को बुरा लग सकता है, क्योंकि कोई दवा नहीं है, जो दूसरे व्यक्ति के चाह लेने से छूट जाए। पीड़ित व्यक्ति को खुद समझना होगा कि क्या वह नशे के परिणाम को समझ पा रहा है, जब आदमी ने भीतर से नशा छोड़ने का मन बना लिया तो फिर किसी दवा की भी आवश्यकता नहीं पड़ेगी। हाँ, दवाओं से थोड़ी मदद मिलती है, लेकिन यदि दो सप्ताह तक वह स्वयं को मर्यादित व अनुशासित कर ले तो स्थितियाँ बदल सकती हैं।

सवाल (संजय शर्मा) : जो लोग बाहर से आ रहे हैं, वह सिर्फ नकारात्मक बातें करते हैं, व नशे की वस्तुएँ तलाशते हैं, उनके साथ कैसा बरताव करना चाहिए?

डॉ. नवीन ग्रोवर : एक बात तो तय है कि स्थितियाँ मुश्किल भरी हैं। सहायता लेने और सहायता देनेवाले दोनों व्यक्तियों को मेज के एक तरफ होना है। उसे आपको

अपने साथ लाना है। उसे तत्काल एकतरफा समाधान न बताएँ, इससे वह आपसे दूर हो जाएगा। उसके साथ समाधान निकालना है। इसे कहते हैं, दूसरों के विचारों को सम्मान देना। रूटीन बनाए रखना है, नशे से बचे रहना है, यह संयुक्त रूप से तय करें।

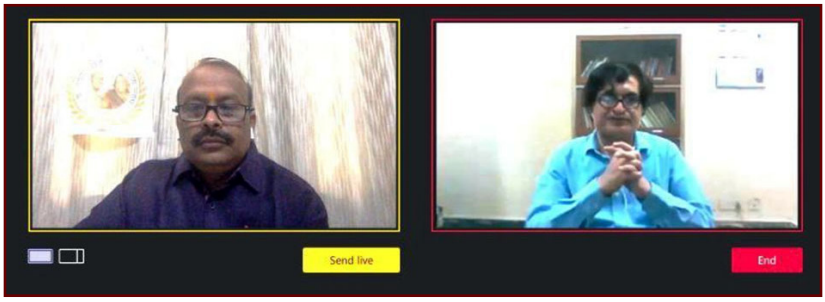

सवाल (प्रो. नुपूर निखिल देशकर) : आज हर व्यक्ति कोरोना पर ही विचार करता नजर आता है, ये करें, वो न करें, ऐसे में हर आदमी डॉक्टर बन गया है, ऐसे में क्या करना चाहिए?

डॉ. नवीन ग्रोवर : मुझे लगता है कि उन्होंने अपने सवाल के जरिए ही जवाब भी दे दिया है। व्हाट्सएप, इंटरनेट पर बहुत अधिक निर्भर न रहें। अधिकृत सूचनाओं पर निर्भर रहें। आप देखें, सरकार जागरूकता फैलाने के लिए सूचनाएँ दे रही है, उसे फॉलो करें।

डॉ. नवीन ग्रोवर, उत्तर देते हुए

सवाल (प्रदीप खरे मंटू) : मन में लगता है, ये करेंगे तो ये हो जाएगा। सैनिटाइजर का उपयोग करें तो ये नुकसान होगा ?

डॉ. नवीन ग्रोवर : मैंने जो अपने बचाव के लिए समझा है तो मुझे लगता है कि बहुत अधिक सैनिटाइजर का उपयोग न करते हुए साबुन से हाथ धोना चाहिए। नाक और हाथ को न मिलाएँ। डॉक्टर भी साबुन का अधिक प्रयोग करते हैं। मानसिक तनाव व रोग के इलाज में एलोपैथिक दवाओं के दुष्प्रभाव भी सामने आते हैं, जैसे उसकी आदत लग जाना आदि। इस पर क्या कहना है आपका ?

सवाल (राजीव शुक्ला) : बेटी को सिरदर्द रहता है, लोग कहते हैं, मानसिक तनाव की वजह से है ?

डॉ. नवीन ग्रोवर : उन्हें मेडिसिन व न्यूरोलॉजी के डॉक्टर से मिलना चाहिए। डॉक्टर की उपाधि से अधिक वह कितना समझदार है, जिन्हें क्लीनिकल समझ हो, उन्हें मिलना चाहिए। यदि साइकोलॉजिस्ट से पूछेंगे तो हम उसके मानसिक तनाव को ही वजह बताएँगे। एक 20 साल की लड़की अपने सामाजिक परिवेश तथा निजी महत्त्वाकांक्षाओं से भी मानसिक तनाव में आ सकती है।

सवाल (कामता पांडे) : कोविड-19 से जुड़ी सूचनाओं की बाढ़ आ गई है। साधारण सर्दी-जुकाम पर भी लोग दहशत में आ जाते हैं ?

डॉ. नवीन ग्रोवर : इसमें कोई दो मत नहीं कि कोरोना के अलावा दूसरी बीमारियाँ भी मौजूद हैं, सिर्फ इस समय कोरोना ही होगा, ऐसा नहीं है। साधारण सर्दी, जुकाम, बुखार भी तो आ सकता है, लेकिन चूँकि परिस्थितियाँ अलग हैं तो सरकार, डॉक्टरों के निर्देशों का पालन करना चाहिए। हाँ, लेकिन उसकी वजह से अपने व्यवहार में असंतुलन और आक्रामकता न लाएँ।

सवाल (प्रो. मनीष कुमार सिंहल) : सुसाइड की तरफ युवा बहुत अधिक जा रहा है, क्या ऐसे युवाओं के व्यवहार से मेंटल अलर्ट या व्यवहारगत बदलाव को हम महसूस कर सकते हैं ?

डॉ. नवीन ग्रोवर : भूख नहीं लगना, नींद पूरी नहीं होना. सबको अलविदा कहने जैसी बातें करना। पुरानी बातों में ही अकसर खोए रहना, अपने बहुत पुराने टीचर को पत्र लिखना, चिड़चिड़ापन। अकेलेपन की ओर बढ़ना, नशे की तरफ जाना। यह सारे लक्षण भी हो सकते हैं, लेकिन यही सर्वमान्य लक्षण हैं, ऐसा नहीं है। आप एक हद तक ही किसी व्यक्ति की सहायता कर सकते हैं।

सवाल (मोहित मिश्रा व प्रवीण नायक) : सोशल मीडिया पर युवा अधिक निर्भर रहते हैं, कई बार यह लोगों में तनाव पैदा करता है।

डॉ. नवीन ग्रोवर : 'स्क्रीन एडिक्शन' से बचना होगा। आज आप देखें कि छोटे बच्चे को माँ खाना खिलाने के लिए मोबाइल दे देती है। वो नहीं चाहते कि 2-3 घंटे भी उनका बच्चा रोए, जबकि हमें थोड़ा सहज होना होगा। जिंदगी में पॉजिटिव चीजों को पहचानें, मोबाइल से थोड़ा दूर करें।

सवाल (पुष्पेंद्र मिश्रा) : मानसिक सेहत को मजबूत करने के लिए उपयोग में लाई जानेवाली एलोपैथिक दवाओं का कितना बुरा असर होता है ?

डॉ. नवीन ग्रोवर : मैं इतना ही कहूँगा कि जो भी दवाएँ लेते हैं, आपको पता होना चाहिए कि उसके अंदर क्या है। एक पुड़िया दवा यूँ ही न लें। बहुत स्ट्रीमवाले नुस्खे नहीं करने चाहिए। व्हाट्सएप पर मिलनेवाले नुस्खे न अपनाएँ।

कार्यक्रम : केवल बुढ़ापे का रोग नहीं है आर्थराइटिस उपचार व निदान

परिचर्चा वेबिनार : डॉ. (जनरल) वेद प्रकाश चतुर्वेदी
दिनांक : 12 जून, 2020 (शुक्रवार)
कार्यक्रम स्थल : दिल्ली से वेबिनार

न्यास द्वारा आयोजित आज के वेबिनार में आप सभी ने पूर्ण रूप से मनपूर्वक सहभागिता बनाए रखी। हम आभारी हैं। डॉ. चतुर्वेदीजी के निवास पर तकनीकी कारण से नेट अचानक बंद हो जाने के कारण विलंब हुआ, मगर वह स्वयं कार ड्राइव करके पच्चीस किमी. दूरी तय करके मेरे घर पर ही आ गए। विलंब के कारण क्षमाप्रार्थी हूँ। न्यास द्वारा आयोजित डॉक्टरों की इस वेबिनार परिचर्चा हेतु सुझाव अवश्य दीजिए।

कार्यक्रम में 1540 मोबाइल या लैपटॉप जुड़े थे। श्रोताओं की संख्या काफी रही होगी। जो फोटो मिल रहे हैं, उनमें कई लोगों ने टी.वी. पर समूह में बैठकर देखा है। कुल 419 प्रश्न आए थे। सभी को समाहित करने का प्रयास किया गया, सबके नाम लेने की कोशिश की गई फिर भी कुछ नाम छूट गए होंगे। आगे उनको अवश्य रखेंगे।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास कोरोना संकट के इस दौर में लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता प्रदान करने के लिए निरंतर सुप्रसिद्ध चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ वेबिनार कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इसी क्रम में 12 जून को तृतीय स्वास्थ्य परिचर्चा 'केवल बुढ़ापे का रोग

नहीं अर्थराइटिस : उपचार व निदान' विषय पर आयोजित की। इस वेबिनार में डॉ. (जनरल) वेद प्रकाश चतुर्वेदी सेवानिवृत्त महानिदेशक आर्मी मेडिकल सेवा, कंसल्टेंट, सर गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली ने लोगों को अर्थराइटिस से जुड़े स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक उपाय बताए। डॉ. (जनरल) वेद प्रकाश चतुर्वेदी, (एम.डी. मेडिसिन, रुमेटोलॉजिस्ट) देश के प्रथम डी.एम. योग्य रुमेटोलॉजिस्ट (Rheumatologist) हैं। वेबिनार में उन्होंने बताया कि हृदय रोगों के विषय मे तो बहुत शोध हुआ, किंतु जोड़ों के विषय में बहुत कम; इसका एक कारण यह है कि यह सामान्य रूप से महिलाओं से जुड़ी बीमारी है। जोड़ों का दर्द आज की बीमारी नहीं है, यह पाँच हजार वर्ष से भी पुरानी है। जोड़ों का इलाज परंपरागत रूप से तो हड्डी रोग विशेषज्ञ ही करते थे, लेकिन अमेरिकी शोधकर्ताओं ने सर्वप्रथम शोध किया तो उन्होंने अर्थराइटिस के बारे में कहा कि इसका हड्डी और जोड़ से कुछ खास लेना-देना नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि रोग प्रतिरोधक क्षमता की कमी इसकी प्रमुख वजह होती है, इसलिए इसे 'इम्यूनोलॉजी' नाम दिया गया। इसे एक तरह से दर्दयुक्त विकलांगता कह सकते हैं। अर्थराइटिस के विज्ञान के विषय में बात करें तो यह दो तरह की हैं—एक वृद्धावस्था में होती है, जिसे 'ऑस्टियो अर्थराइटिस' कहते हैं। इससे हमें इतनी अधिक चिंता नहीं है। जैसे बाल सफेद होते हैं, वैसे ही जोड़ों के पुराने होने पर यह रोग होता है। लेकिन जब युवा महिलाओं को जब यह बीमारी होती है तो यह सारे जोड़ों में दर्द होता है। इसे 'पॉली अर्थराइटिस' कहते हैं, जब सिर्फ एक जोड़ में दर्द होता है तो इसे 'मोनो अर्थराइटिस' कहते हैं। इसमें सुबह-सुबह अधिक दर्द होता है। कुल-मिलाकर आप यह समझ लें कि 'अर्थराइटिस' का कारण जोड़ों में समस्या नहीं, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी है; और हाँ, हर जोड़ों का दर्द अर्थराइटिस नहीं होता है। इसके कई कारण होते हैं। कमर का गठिया भी रोग होता है, जिसमें आराम करते समय कमर अकड़ जाती है। इसे 'स्पाइनल अर्थराइटिस' भी कहते हैं। यह बीमारी 20 वर्ष की उम्र में भी हो सकती है। बच्चों में भी 'जुविनाइल अर्थराइटिस' हो जाती है। कुल-मिलाकर अर्थराइटिस चार प्रकार के अर्थराइटिस होते हैं। समय रहते यदि आप योग्य डॉक्टर के पास पहुँच गए तो यह बीमारी पूरी तरह से ठीक हो सकती है। अर्थराइटिस के कारण से आयु भी घट जाती है। इन लोगों की विशेष उपस्थिति रही, जिसमें श्री योगेश ताम्रकार, मणिकांत माहेश्वरी, नरेंद्र त्रिपाठी, अवधेश शुक्ला, मोतीलाल गोयल, विजय तिवारी, कामता पांडे, अभिनव त्रिपाठी 'रंजन', डोली शर्मा, नीता सोनी, कृष्णा पांडे, दीपक

वर्मा, विनोद यादव, अनुराग गौतम, संजय सेन, जाह्नवी त्रिपाठी, सीमा सिंह यादव, प्रो. नीलम रिछारिया, सतीश शर्मा, अनुज परौहा, विजय तिवारी, अनुराग गौतम, हरीश द्विवेदी (सांसद), दयाशंकर सिंहल (लखनऊ), संजीव कुमार (गुरुग्राम), कमलेश्वर अग्रवाल, अरविंद मिश्रा, प्रवीण गुप्ता, मंटू खरे, मनीष सिंघल, ब्रजेश अग्रवाल, साहित्य मिश्रा, जे.एन. चतुर्वेदी, गजेंद्र सोनकिया, साकेत मिश्रा, राधे शुक्ला, पप्पू गुप्ताजी, संजय शाह, विनीत रावत, प्रवीन नायक, श्रीराम रिछारिया, अनिल खरे, संतोष शर्मा, अनिल रावत, मोहित मिश्रा, प्रवीण दूबे, डॉ. अनुराग पांडे, राकेश शुक्ला, सनत जैन, संकठा द्विवेदी, अरुण चौरसिया तथा न्यास की सचिव श्रीमती आशा रावत, श्रीमती मालती मिश्रा, रेखा अवस्थी, डॉ. रचना मिश्रा एवं श्रीमती प्रमिला मिश्रा आदि ने भाग लेते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

प्रमुख प्रश्न व उनके उत्तर–

रतीशचंद्र रावत : अर्थराइटिस क्यों होता है ?

डॉ. (जनरल) वेदप्रकाश चतुर्वेदी : यह रोग प्रतिरोधक क्षमता की खराबी से होता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता क्यों कम और खराब होती है। इस विषय पर काफी शोध हो रहा है।

डॉ. प्रमोद मिश्रा : सर्दियों में अर्थराइटिस क्यों अधिक बढ़ जाता है ?

डॉ. (जनरल) वेदप्रकाश चतुर्वेदी : जब भी वातावरण में ठंडक बढ़ जाती है तो जमने जैलिंग फिनोमिना की वजह से ऐसा होता है।

विनोद कुमार रावत : क्या ए.सी. चलाने से अर्थराइटिस का दर्द बढ़ता है ?

डॉ. (जनरल) वेदप्रकाश चतुर्वेदी : इसका ए.सी. या ठंडे पानी से कोई संबंध नहीं है, और आपको क्या खाने से तकलीफ होती है, इसे भी डॉक्टर से अधिक आप खुद समझ सकते हैं।

श्रीमती जया मिश्रा : क्या अर्थराइटिस पूरी तरह ठीक हो सकता है ?

डॉ. (जनरल) वेदप्रकाश चतुर्वेदी : बिल्कुल ठीक हो सकता है, यदि आप समय पर इसका पूर्ण इलाज करा लेते हैं। समझ लीजिए, यदि ब्लड प्रेशर या डायबिटीज की समस्या है तो इसकी दवा लेने से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। इसी प्रकार अर्थराइटिस को भी नियंत्रित किया जा सकता है। इसे नियंत्रित न करने पर इसके कई गंभीर नतीजे सामने आ सकते हैं।

रमेश मिश्रा : एक खास मुद्रा में बैठने के बाद उठने की स्थिति नहीं होती है, क्यों ?

डॉ. (जनरल) वेदप्रकाश चतुर्वेदी : इसके मेडिकल, सर्जिकल और कई अन्य कारण हो सकते हैं। हमारी एक बहुत पुरानी सोच है कि जो चीज पुरानी होगी, वह अच्छी होगी; परंतु जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है, बैठने और अपनी मुद्राओं में बदलाव लाइए। यह समस्या इस बात का प्रमाण है कि आपके जोड़ों को नुकसान पहुँच रहा है।

अशोक गुप्ता : घुटने और एड़ी में दर्द होता है, कैसे ठीक हो सकता है? क्या गठिया और अर्थराइटिस एक ही है?

डॉ. (जनरल) वेदप्रकाश चतुर्वेदी : पुराने जमाने की चिकित्सा पर ही आधुनिक चिकित्सा विकसित हुई है। चूँकि गठिया एक पुराना शब्द है, ये प्राय: एक ही हैं, लेकिन विशेषज्ञ आपको इसके कई अलग-अलग कारण बताएँगे। रही बात एड़ी के दर्द की, तो इसके भी कई कारण होते हैं। जैसे दाँत के दर्द को पायरिया कह दिया जाता था पर दाँत दर्द का कारण हमेश पायरिया नहीं होता। अत: एड़ी के दर्द के भी कई कारण होते हैं। कुछ निश्चित मेडिकल चेकअप के बाद इसका पता लगाया जा सकता है।

डॉ. सुनील अग्रवाल : ऑस्टो अर्थराइटिस के मामलों में घुटनों के प्रत्यारोपण की कब आवश्यकता होती है और इसके क्या परिणाम होते हैं?

डॉ. (जनरल) वेदप्रकाश चतुर्वेदी : यदि जोड़ लगभग पूरी तरह खराब हो गया है तो जोड़ों के ऑपरेशन की स्थिति बनती है, फिर यह भी देखना होता है कि मरीज के गुणवत्ता पूर्ण जीवन पर इसका क्या असर पड़ रहा है, अत: इस पर मरीज का मत प्रमुख होता है। होता क्या है कि आँख की रोशनी से जुड़ी परेशानी पर तो आप तुरंत ऑपरेशन करा लेते हैं, लेकिन जोड़ों के दर्द की स्थिति में लोग टालते नजर आते हैं। इससे देर-सवेर आपको बहुत नुकसान होता है।

कार्यक्रम : हृदय रोग, डायबिटीज व कोलेस्ट्रॉल समस्या तथा निदान
परिचर्चा वेबिनार एवं कोरोना काल में सेवा कार्यों हेतु सम्मान
डॉ. राकेश वर्मा, प्रोफेसर कार्डियोलॉजी
(अपर महानिदेशक स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार, प्रधानमंत्री के पूर्व चिकित्सक, कार्डियोलॉजी विभाग प्रमुख, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली)
दिनांक : 19 जून, 2020 (शुक्रवार)
कार्यक्रम स्थल : दिल्ली से वेबिनार

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा आयोजित आज के चतुर्थ वेबिनार में आप सभी ने पूर्ण रूप से मनपूर्वक सहभागिता बनाए रखी। हम आभारी हैं। डॉ. राकेश वर्माजी ने बड़े सरल उदाहरण प्रस्तुत करते हुए हृदय रोग, डायबिटीज व कोलेस्ट्रॉल की समस्या व निदान विषय पर दो घंटे चर्चा की।

कार्यक्रम में 1674 मोबाइल या लैपटॉप से लोग देश-विदेश से जुड़े थे। श्रोताओं की संख्या काफी रही होगी। जो फोटो मिल रहे हैं, उनमें कई लोगों ने टी.वी. पर समूह में बैठकर देखा है। कुल 452 प्रश्न आए थे। सभी को समाहित कर लिया गया, सबके नाम लेने की कोशिश की गई, पर कुछ नाम शायद छूट गए होंगे। आगे उनको अवश्य रखेंगे।

कोविड-19 में सेवा करनेवाली विभिन्न संस्थाओं के 170 कार्यकर्ताओं को ई-अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित भी किया।

न्यास द्वारा आयोजित स्वास्थ्य जिज्ञासा की इस वेबिनार परिचर्चा हेतु सुझाव अवश्य दीजिए।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के तत्त्वावधान में 19 जून, 2020 को चतुर्थ स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन किया गया। **हृदय रोग, डायबिटीज व कोलेस्ट्रॉल : समस्या व निदान** विषय पर वेबिनार के माध्यम से परिचर्चा हुई, जिसमें अपर महानिदेशक स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार, प्रधानमंत्री के पूर्व चिकित्सक तथा कार्डियोलॉजी विभाग (सफदरजंग अस्पताल) के प्रमुख डॉ. राकेश वर्मा ने लोगों को संबोधित किया। इस परिचर्चा में देश-विदेश से 1674 लैपटॉप एवं मोबाइल के जरिए 5 हजार लोग सहभागी हुए। इस अवसर पर न्यास की ओर से समाज-सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट भूमिका निभा रहे 170 कोरोना योद्धाओं को प्रमाण-पत्र देकर इ-अभिनंदन भी किया गया। इस मौके पर बोलते हुए डॉ. राकेश वर्मा ने कहा कि कोरोना संकट के दौरान हम सभी को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। यह लड़ाई सिर्फ सरकार या सरकारी व निजी संस्थाओं की नहीं है, बल्कि हम सभी की है। इसमें हम सब को सहयोग करना है। उन्होंने कहा कि ठंडी चीजों का कम-से-कम इस्तेमाल करें। यदि 102-103 डिग्री तक बुखार है तो मेहनत का काम न करें। यदि सर्दी-जुकाम है तो घर के भीतर भी मास्क लगाकर रहें। कोरोना वायरस की कड़ी को तोड़ना है तो एक-दूसरे से 6-7 फीट तक की दूरी बनाए रखें। उन्होंने यह भी कहा कि कार में अकेले बैठे हैं या सुनसान जगह पर हैं तो मास्क लगाने की आवश्यकता नहीं है। हृदय रोग से जुड़े विकारों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि हृदय रोग को लेकर लोगों में भ्रांतियाँ हैं कि यह सिर्फ उन्हीं को हो सकता है, जो बुजुर्ग होते हैं। हृदय रोग अलग-अलग प्रकार का होता है। माँ के गर्भ से लेकर मरते दम तक यह अलग-अलग प्रकार का हो सकता है। जब बच्चा माँ के गर्भ में होता है तो तीसरे महीने से ही बच्चे का हृदय आकार लेने लगता है। हृदय के अंदर चार चैंबर होते हैं तथा चार वॉल्व भी होते हैं। बच्चे के जन्म के समय हृदय रोग की संभावना की बात करें तो 10 हजार में से 5 बच्चे हृदय रोग के साथ पैदा हो रहे हैं। जब बच्चा पैदा होता है तो वह रोता है तथा रक्त संचार होने से उसका रंग सामान्यत: गुलाबी होता है। किसी-किसी बच्चे का रंग नीला हो जाता है, ऐसे बच्चों को तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। चूँकि हर जिले में ऐसे बच्चों के हृदय के शल्य चिकित्सा की व्यवस्था नहीं होती, लेकिन प्रत्येक राज्य की राजधानी में ये सुविधाएँ उपलब्ध होती हैं। इसके बाद 10 वर्ष तक के बच्चों में 100 में से 3 बच्चों को रुमेटिक हार्ट डिजीज होने की संभावना भी रहती है। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश आदि देशों में यह बीमारी अधिक होती है, जबकि यूरोप में बहुत कम। यदि

हम अधिक-से-अधिक स्वच्छता बनाए रखें तो इससे निजात पा सकते हैं। इसके लक्षण आपको जानना चाहिए। इस बीमारी से बच्चे के गले में खरास होती है तथा बुखार भी होता है। कई बार वे बता पाता हैं तो कई बार नहीं भी। इसे कभी भी नजरअंदाज न करें।

गले का खसरा होने के कुछ सप्ताह में कलाई, कोहनी, कंधा, एड़ी में दर्द हो सकता है एवं सूजन भी आ सकती है। अधिकतम दो जोड़ों में सूजन हो सकती है। कुछ सप्ताह बाद एक जोड़ को छोड़कर वह दूसरे जोड़ को पकड़ लेता है। ऐसी स्थिति में तुरंत इलाज शुरू करवाएँ। यदि समय पर और पूरा इलाज नहीं हुआ तो 5 से 10 साल बाद यह बीमारी पुन: लौट सकती है, वह भी बहुत बुरी तरह से। 8 से 20 साल के बीच उसे दौड़ने में परेशानी होगी। गले के खरास और जोड़ों के दर्द के स्तर पर ही इलाज हो जाएगा तो बहुत अच्छा रहेगा, क्योंकि बीमारी के हृदय तक पहुँचने में काफी देर हो जाएगी, फिर इलाज कठिन हो जाएगा। इसके बाद हृदय से जुड़ी रक्तचाप की बीमारी की संभावना भी कई बार 20 साल की उम्र से ही प्रारंभ हो जाती है।

रक्तचाप वह दबाव है, जिससे शरीर में रक्त का संवहन होता है। पैर के घुटनों तक और घुटनों से शिखा तक रक्त हृदय में लगे कंप्रेशर के जरिए आगे प्रवाहित होता है, इसलिए हृदय का विशेष ध्यान रखना चाहिए। हृदय भी एक मशीन की तरह है। रक्तचाप की समस्या 20 से 40 साल तक हो सकती है। हृदय की कार्यक्षमता का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि हृदय एक सेकेंड में 80 बार धड़कता है। हृदय एक मिनट में 2400 सी.सी. (ढाई लीटर) रक्त पंप करता है तो वहीं एक घंटे में 150 लीटर रक्त पंप करता है। हृदय को रक्त से ही ऊर्जा मिलती है; लेकिन हृदय में जो रक्त भरा है, उस रक्त का प्रयोग वह स्वयं के लिए नहीं करता। शरीर में जो धमनियाँ होती हैं, वह हृदय को रक्त उपलब्ध कराती हैं। जो लोग अपनी धमनियों का खयाल नहीं रखते, उनकी धमनियाँ खराब हो जाती हैं। यह ठीक वैसे ही है, जैसे घर में पड़ी पुरानी पाइपलाइन होती है, जिसमें धीरे-धीरे कचरा जमता जाता है और उसकी परिधि कम हो जाती है। रक्त के अंदर मौजूद गंदगी—वसा धमनियों में ठीक उसी प्रकार चिपक जाती है, इसलिए ये हृदय को उचित मात्रा में रक्त आपूर्ति नहीं कर पाती हैं। ऐसे लोगों को हार्टअटैक होने की संभावना अधिक रहती है। शरीर के सभी अंग प्रकृति पर निर्धारित हैं। ये प्रकृति से दूर नहीं होना चाहते हैं। शरीर के सभी अंगों का अपना-अपना काम है, जब एक अंग काम नहीं करेगा तो वह दूसरे अंगों को भी प्रभावित करेगा। वह हरेक अंग को प्रभावित करेगा। हम सभी लोग पैदल चलना भूल गए हैं। सेहत को बेहतर

करनेवाला भोजन करना भूल गए हैं। धार्मिक ग्रंथों में जो बातें लिखी हैं, उन्हें विस्मृत कर दिया है। इसी तरह हम लगातार धूम्रपान व मदिरापान जैसे व्यसनों की ओर बढ़ रहे हैं।

हमें प्रतिदिन 4 से 6 किमी. पैदल चलना चाहिए। दौड़िए, बेशक थकने पर रुक जाएँ। जितना चलेंगे, उतना शरीर के लिए अच्छा है। हलका-फुल्का व्यायाम करें। परंपरागत आहार लीजिए। विदेशी आहार—पिज्जा, बर्गर कम-से-कम खाइए। भारत में तैयार होनेवाला तेल सबसे अच्छा होता है। सभी तरह के सिगरेट से दूर रहें। शरीर के लिए जितना नुकसानदायक तंबाकू और सिगरेट है, उतना कोई ओर नहीं। इसी तरह मदिरा के सेवन से दूर रहें। भारत एक गरम देश है, इसलिए चिकित्सा परिषद् आदि आयुष मंत्रालय, कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, सभी शराब से दूर रहने की सलाह देते हैं। मधुमेह की बीमारी का भी समय पर इलाज करवाएँ। केंद्र और राज्यों के सभी हॉस्पिटलों में मधुमेह की दवाएँ नि:शुल्क मिलती हैं। नमक की मात्रा बिल्कुल कम कर दें। हृदय शरीर का इंजन है।

कार्यक्रम का संचालन पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने किया। इस अवसर पर श्रोताओं द्वारा लगभग 452 प्रश्न पूछे गए, जिनको डॉ. राकेश वर्माजी ने अपने उद्‌बोधन में समाहित करके सभी को संतुष्ट किया। कार्यक्रम के अंत में न्याय की सचिव श्रीमती आशा रावत ने सभी का आभार व्यक्त किया।

प्रस्तुत है डॉ. राकेश वर्मा द्वारा श्रोताओं के चयनित प्रश्नों के उत्तर—

श्री योगेश ताम्रकार एवं ब्रजेश अग्रवाल : वास्तविक शुगर किस उम्र में किस स्तर पर होना चाहिए? वैसे यह माना जाता है कि 125 एम.जी./डी.एल. तक सामान्य है। कुछ देशों में 180 एम.जी./डी.एल. को सामान्य माना जाता है?

डॉ. राकेश वर्मा : समय के साथ-साथ हर चीज का ज्ञान बढ़ता है, समझ बदलती है। ये पैरामीटर बदलते रहते हैं। पहले आप मोतियाबिंद का ऑपरेशन देखे हैं, कई दिनों तक मरीज को भरती रहना पड़ता था, आँख में मोटा चश्मा लगता था; लेकिन अब यह ऑपरेशन पाँच मिनट में संपन्न होता है। इसलिए चिकित्सकों की सलाह व जो मानक तय किए गए हैं, उन पर भरोसा करना चाहिए। यह मानक काफी शोध कार्यों के बाद तय किए जाते हैं।

श्री राकेश शुक्ला राधे : डीजे साउंड इतना तेज बजता है कि कई बार धड़कनें बढ़ जाती हैं, और क्या हृदय रोगी का जूठा भोजन खाने से हृदय रोग होता है?

डॉ. राकेश कुमार वर्मा परिचर्चा में भाग लेते हुए

डॉ. राकेश वर्मा : जूठा भोजन खाने का हृदय रोग से कोई संबंध नहीं है। डी.जे. की अत्यधिक ध्वनि कान की सुनने की क्षमता से अधिक होगी तो निश्चित ही नुकसान पहुँचाएगी।

श्रीराम रिछारिया : क्या हृदय रोग की आनुवंशिक श्रृंखला टूट सकती है ?

डॉ. राकेश वर्मा : अपने प्रांत और शहर से निकलकर बाहर दूर वैवाहिक संबंध स्थापित करने से यह श्रृंखला टूट सकती है।

श्री रमेश मिश्रा : मधुमेह से रेटिना पर क्या असर होता है ?

डॉ. राकेश वर्मा : चाहे मधुमेह का कितना भी इलाज क्यों न कर लें, पर कुछ-न-कुछ इसका असर जीवन भर रहता है। हर दिन व्यायाम करना, मानसिक तनाव नहीं लेना ही इसका बचाव है। अति महत्त्वाकांक्षाएँ न करके भी आप मधुमेह से बच सकते हैं।

श्री गजेंद्र सोनकिया : माताजी 65 साल की हैं, हृदय में 7 ब्लॉकेज हैं, क्या ऑपरेशन करना चाहिए ? और इसमें कितना खर्च आ सकता है ?

डॉ. राकेश वर्मा : यह ब्लॉकेज की लोकेशन पर निर्भर करता है, इसलिए

एंजियोग्राफी देखकर ही विस्तृत जानकारी दी जा सकती है।

श्री रजनीश : मेरी उम्र 53 साल है, परिवार में हृदय रोग की हिस्टरी रही है तो अपनी आशंका दूर करने के लिए क्या करना चाहिए ?

डॉ. राकेश वर्मा : यदि आपको किसी तरह की कोई परेशानी नहीं है तो डरने की आवश्यकता नहीं है। आप व्यायाम आदि करते रहे हैं, फिर भी यदि आशंका या भ्रम है तो जरूरी जाँच करा सकते हैं।

श्री विवेक स्वरूप : मधुमेह के मरीज साइलेंट हार्टअटैक से कैसे बच सकते हैं ?

डॉ. राकेश वर्मा : मधुमेह हृदय रोग व विकार का बहुत बड़ा कारण है, इसलिए हर वह उपाय करना चाहिए, जिससे आप मधुमेह से बचें। व्यायाम व जीवन-शैली को व्यवस्थित रखना सबसे प्रमुख उपाय हैं।

श्री प्रदीप खरे : फ्रोजन सोल्डर से ग्रसित हो गया हूँ। इसकी क्या वजह हो सकती है ?

डॉ. राकेश वर्मा : सामान्यत: यह मधुमेह के कारण भी होता है। यदि एक कंधे में हुआ है तो दूसरे में भी होने की संभावना रहती है। इसलिए समय पर उचित इलाज आवश्यक है।

दिनेश अग्निहोत्री : मैं उच्च रक्तचाप एवं कोलेस्ट्रॉल की समस्या से परेशान हूँ, हमें खाने में किस तेल का उपयोग करना चाहिए, जिससे कोई हानिकार तत्त्व शरीर में निर्मित न हों ?

डॉ. राकेश वर्मा : जो स्थानीय तेल हो, उसे ही खाना चाहिए, रिफाइंड तेल का उपयोग शून्य कर दीजिए। स्थानीय उत्पाद ही दोनों समस्याओं को ठीक रख सकते हैं। □

कोरोना काल में सेवा कार्यों हेतु इ-सम्मान

दिनांक : 19 जून, 2020 (शुक्रवार)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा

कोविड-19 में सेवा कार्यों हेतु नागरिकों को इ-अभिनंदन पत्र प्रदान किए गए। डॉ. राकेश वर्मा ने वेबिनार के माध्यम से देश के प्रमुख लोगों के उत्कृष्ट कार्यों हेतु सम्मानित किया गया। सूची संलग्न है।

क्र.सं.	नाम	शहर
1.	श्री सत्य भूषण जैन	दिल्ली
2.	श्री राकेश कुमार बिंदल	दिल्ली
3.	श्री विनीत रावत	दिल्ली
4.	श्री राजेश वर्मा	दिल्ली
5.	श्री अरविंद मिश्रा	दिल्ली
6.	श्री विष्णु कुमार मित्तल	दिल्ली
7.	श्री रोहित भसीन	दिल्ली
8.	श्री राजेश रैकवार	दिल्ली
9.	श्री अनूप नारंग	दिल्ली
10.	श्री प्रभात कुमारजी	दिल्ली
11.	श्री नीरज कुमार सिंह	दिल्ली
12.	श्री रंजीत कुमारजी	दिल्ली
13.	श्री संकल्प मिश्र	दिल्ली
14.	श्रीमती प्रमिला मिश्र	दिल्ली
15.	श्री घनश्याम पटेल	दिल्ली
16.	श्री रवि कुमार	दिल्ली
17.	श्रीमती शशि अग्रवाल	दिल्ली
18.	श्री वेद प्रकाश टंडन	दिल्ली

क्र.सं.	नाम	शहर
19.	श्री सुरेश कुमार भारद्वाज	दिल्ली
20.	श्री विनोद कुमार तोमर	दिल्ली
21.	श्रीमती नेहा शालिनी दुआ	दिल्ली
22.	श्रीमती टीना आहूजा	दिल्ली
23.	श्रीमती शकुंतला उपाध्याय	दिल्ली
24.	श्रीमती प्रियल भारद्वाज	दिल्ली
25.	श्री साकेत मिश्र	दिल्ली
26.	श्री आर.जी. अग्रवाल	दिल्ली
27.	श्री कामता प्रसाद पांडेय	सतना
28.	श्री विजय तिवारी	सतना
29.	श्री अभिषेक तिवारी 'अंशू'	सतना
30.	श्री सचिन शुक्ला	सतना
31.	श्रीमती जाह्नवी त्रिपाठी	सतना
32.	श्री अभिनव त्रिपाठी 'रंजन'	सतना
33.	श्री महेंद्र अग्रवाल 'गुड्डा'	सतना
34.	श्री कमलेश्वर अग्रवाल	सतना
35.	श्री कृष्णा पांडेय	सतना
36.	श्री मोतीलाल गोयल	सतना
37.	श्री अशोक गुप्ता	सतना
38.	सुश्री शिखा सिंह तिवारी	सतना
39.	श्री संजय शाह	सतना
40.	श्री अवधेश कुमार शुक्ला	सतना
41.	श्री विनय श्रीवास्तव	सतना
42.	श्री श्याम लाल गुप्ता	सतना

क्र.सं.	नाम	शहर
43.	श्री शिवेंद्र शर्मा	सतना
44.	श्री ऋषभ शुक्ला 'छोटू'	सतना
45.	श्री सौरभ सिंह बरगाही	सतना
46.	श्री भूपेंद्र केवट	सतना
47.	श्री शैलेंद्र दहिया	सतना
48.	श्री दिव्यांशु चतुर्वेदी	सतना
49.	श्री लवली वर्मा	सतना
50.	श्री मनीष वर्मा	सतना
51.	श्री विवेक मिश्रा	सतना
52.	श्री सौरभ सिंह परिहार	सतना
53.	श्री अभिषेक द्विवेदी	सतना
54.	श्री शुभम तिवारी	सतना
55.	श्री अमित सिंह गहरवार	सतना
56.	श्री शुभम सिंह परिहार	सतना
57.	श्री शिवांश सिंह बघेल	सतना
58.	श्री दिव्यम् सिंह तिवारी	सतना
59.	श्री अंकित गुप्ता	सतना
60.	श्रीमती नेहा अग्रवाल	सतना
61.	श्री विजय दुबे	सतना
62.	श्री हरिओम गुप्ता	सतना
63.	श्री सुभाष शर्मा 'डॉली'	सतना
64.	श्री योगेश कुमार ताम्रकार	सतना
65.	श्री उत्तम बनर्जीजी	सतना
66.	श्री मणिकांत माहेश्वरी	सतना

क्र.सं.	नाम	शहर
67.	श्रीमती मंजूषा शाह	सतना
68.	श्री सुब्रत शर्मा (मोनू)	नौगाँव
69.	श्री नीरज कुमार रैकवार	नौगाँव
70.	श्री नरेश कुमार वर्मा	नौगाँव
71.	श्री वसंत कुमार चतुर्वेदी	नौगाँव
72.	श्री शिवम द्विवेदी	नौगाँव
73.	श्री गजेंद्र सोनकिया	नौगाँव
74.	श्री संतोष कुमार गंगेले 'कर्मयोगी'	नौगाँव
75.	श्री सुनील कुमार रावत	नौगाँव
76.	डॉ. अजीत कुमार जायसवाल	नौगाँव
77.	श्री हरिनारायण शर्मा	नौगाँव
78.	श्री निखिल बंसल	नौगाँव
79.	श्री सावन दीक्षित	नौगाँव
80.	श्री रमाकांत त्रिवेदी	नौगाँव
81.	श्री रमाशंकर मिश्र 'मनीषी'	नौगाँव
82.	श्री ललित नायक	नौगाँव
83.	श्रीमती (डॉ.) रचना मिश्रा	नौगाँव
84.	श्री साहित्य मिश्र	नौगाँव
85.	श्री गौरव मिश्र	नौगाँव
86.	श्री राजेश अग्निहोत्री	नौगाँव
87.	श्री राजीव कुमार तिवारी	नौगाँव
88.	श्री सतीश चंद्र रावत	नौगाँव
89.	श्री पुष्पेंद्र नाथ पाठक	नौगाँव
90.	श्री प्रवीण गुप्त	छतरपुर

क्र.सं.	नाम	शहर
91.	श्री राकेश शुक्ल 'राधे'	छतरपुर
92.	श्री कल्याण सिंह	छतरपुर
93.	श्री प्रेम कुमार गुप्ता	छतरपुर
94.	श्री सनत कुमार जैन	छतरपुर
95.	श्री मनोज सोनी	छतरपुर
96.	श्री विनोद कुमार रावत	छतरपुर
97.	श्री मनीष कुमार दोसाज	छतरपुर
98.	श्री संतोष कुमार शर्मा	छतरपुर
99.	श्री अवनीश गुप्ता	छतरपुर
100.	श्री राकेश लोहिया	छतरपुर
101.	श्री श्याम अग्रवाल	छतरपुर
102.	श्री अरुण राय	छतरपुर
103.	श्री राकेश रूसिया	छतरपुर
104.	श्री मुकेश सोनी	छतरपुर
105.	श्री आनंद अग्रवाल	छतरपुर
106.	श्री मुकेश चौबे	छतरपुर
107.	श्री सौरभ तिवारी	छतरपुर
108.	श्री प्रदीप सेन	छतरपुर
109.	श्रीमती कोमल टिकरया	छतरपुर
110.	श्री अंकुर यादव	छतरपुर
111.	श्री सुरेंद्र अग्रवाल	छतरपुर
112.	श्री जीतेंद्र रिछारिया	छतरपुर
113.	श्रीमती रेखा अवस्थी	छतरपुर
114.	श्री सचिन अग्रवाल	छतरपुर

क्र.सं.	नाम	शहर
115.	श्री के.एन. सोमन	छतरपुर
116.	श्री मनोज असाटी	छतरपुर
117.	श्री नीरज भार्गव	छतरपुर
118.	श्री विपिन अवस्थी	छतरपुर
119.	श्री सुरेश बाबू खरे	छतरपुर
120.	श्री नरेंद्र मिश्र 'रिबलू'	छतरपुर
121.	श्री प्रदीप खरे 'मंटू'	छतरपुर
122.	डॉ. राजेश अग्रवाल	छतरपुर
123.	श्री ऋषि तिवारी	धवर्रा
124.	श्री रोहित सिंह	धवर्रा
125.	श्री दिव्यांश सिंह	धवर्रा
126.	श्री जितेंद्र पाल	धवर्रा
127.	श्री बबलू पाल	धवर्रा
128.	श्री आकाश राजपूत	धवर्रा
129.	श्री अनुपम पांचाल	धवर्रा
130.	श्री अमित चंसौया	धवर्रा
131.	श्री अभिलाष तिवारी	धवर्रा
132.	श्री ओंकार द्विवेदी	धवर्रा
133.	श्री अभय प्रताप सिंह	धवर्रा
134.	श्री शशांक मिश्र	धवर्रा
135.	श्री प्रवीण कुमार दुबे	धवर्रा
136.	श्री श्रीराम रिछारिया	धवर्रा
137.	श्री अनूप मिश्र	धवर्रा
138.	श्री ब्रजेश वाजपेयी	धवर्रा

क्र.सं.	नाम	शहर
139.	श्री मनोज कुमार तिवारी	धवर्रा
140.	श्री शीतल कुशवाहा	धवर्रा
141.	श्री प्रद्युम्न सिंह राठौर	धवर्रा
142.	श्री ओम प्रकाश राजपूत	धवर्रा
143.	श्री देवी पाल	धवर्रा
144.	श्री मुकेश राजपूत	धवर्रा
145.	श्री खेमचंद्र राजपूत	धवर्रा
146.	श्री केशव मिश्र	धवर्रा
147.	श्री अनिल कुमार खरे	हरपालपुर
148.	श्री संजीव कुमार	गुरुग्राम
149.	श्री विनय कुमार	गुरुग्राम
150.	श्रीमती ऋचा वशिष्ठ	गुरुग्राम
151.	श्री श्री 1008 श्री शंकर्षणाचार्यजी महाराज	सागर
152.	श्री संकठा प्रसाद द्विवेदी	प्रयागराज
153.	श्री पुष्पेंद्र सिंह	प्रयागराज
154.	डॉ. अनुराग पांडे	वाराणसी
155.	श्री पुनीत साहू	कानपुर
156.	श्री शिव कुमार गौतम	मथुरा
157.	श्री जय कुमार सिंह	भोपाल
158.	श्रीमती मालती मिश्रा	रीवा
159.	श्री दिव्यांशु मिश्र	ग्वालियर
160.	श्री योगेंद्र प्रताप सिंह	खजुराहो
161.	श्री भारत भूषण	इंदौर
162.	श्री विनय जांगिड	इंदौर

क्र.सं.	नाम	शहर
163.	श्री शशांक गुप्ता	महोबा
164.	श्रीमती अनुभूति मिश्रा	नोएडा
165.	श्री प्रवीण नायक	नोएडा
166.	श्री विकास मिश्रा	नागपुर
167.	डॉ. राजेश सर्वज्ञ	मुंबई
168.	डॉ. एस. कृपाकर मुरली	कोयंबटूर
169.	सुश्री राजलक्ष्मी मंदा	चेन्नई

कार्यक्रम : बच्चों के कैंसर और एच.आई.वी. : दोनों ही उपचार योग्य हैं

परिचर्चा वेबिनार : डॉ. आलोक हेमल, प्रोफेसर बाल रोग विभाग, प्रभारी हेमटोलॉजी, ऑन्कोलॉजी और एच.आई.वी.; अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विज्ञान संस्थान और डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली

दिनांक : 26 जून, 2020 (शुक्रवार)

कार्यक्रम स्थल : दिल्ली से वेबिनार

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा बच्चों के कैंसर व एच.आई.वी. विषय पर पंचम स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन।

सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. आलोक हेमल ने वेबिनार के जरिए लोगों के सवालों के जवाब दिए।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा लोगों में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित की जानेवाली स्वास्थ्य परिचर्चाओं का क्रम जारी है। 26 जून को पंचम स्वास्थ्य परिचर्चा में अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, नई दिल्ली में प्राध्यापक व सुप्रसिद्ध कैंसर व एच.आई.वी. रोग विशेषज्ञ डॉ. आलोक हेमल ने वेबिनार के जरिए लोगों को संबोधित किया। इस परिचर्चा में देश-विदेश से 1590 मोबाइल और लैपटॉप से भारी संख्या में लोगों ने सहभागिता दर्ज की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. आलोक हेमल ने बताया कि सर्वप्रथम 1981 में दुनिया में पहले 'एच.आई.वी.' मरीज का पता चला था, इसके बाद 1986 में इस विषाणु का नाम 'एच.आई.वी.' रखा गया। उन्होंने बताया कि भारत के चेन्नई में यौनकर्मियों में इस विषाणु का पहली बार पता चला। भारत में नेशनल एड्स कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (नाको) के द्वारा 'एच.आई.वी.' जागरूकता के कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं। यही नहीं, डॉ. आलोक हेमल ने बताया कि अब 'एच.आई.वी.' का इलाज संभव है, बस यह दीर्घकालिक होता है, इसमें धैर्यपूर्वक उपचार कराने की आवश्यकता है। दवाएँ खाते रहने से सामान्य व्यक्ति की तरह 'एच.आई.वी.' पीड़ित भी जीवन जी सकता है। यहाँ तक की वह विवाह भी कर सकता है और उससे पैदा होनेवाले बच्चे भी 'एच.आई.वी.' से मुक्त रहेंगे। डॉ. हेमल ने कैंसर रोग के विषय में फैली भ्रांतियों को भी दूर किया। इस दौरान लगभग 390 चयनित प्रश्न पूछे

गए, जिनमें से अधिकांश का समाधान डॉ. आलोक हेमल के संबोधन के जरिए हुआ तथा कई प्रश्नों के अलग से उत्तर दिए गए। कार्यक्रम का संचालन न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने किया। वहीं न्यास की सचिव आशा रावत ने सभी का आभार व्यक्त किया। प्रस्तुत है डॉ. आलोक हेमल द्वारा लोगों के प्रश्नों के दिए गए उत्तर के प्रमुख अंश—

राजीव शुक्ला : कैंसर के प्राथमिक लक्षण क्या हैं और इसका निदान क्या है ?

डॉ. आलोक हेमल : लंबे समय तक बुखार, खून की कमी (एनीमिया), शरीर के किसी भी अंग से रक्त का स्राव, दाग पड़ना, हड्डियों में दर्द, लीवर का बढ़ जाना आदि कुछ विशेष लक्षण हैं। सी.बी.सी. टेस्ट करवाना चाहिए। आज देश के किसी भी जिले में यह जाँच संभव है। बच्चों में कैंसर का अब तक कोई विशिष्ट कारण पता नहीं चला है। यह आनुवंशिक या पर्यावरणीय कारणों से भी हो सकता है। कई बार कोशिकाओं के अनियमित आकार लेने के कारण भी ऐसा होता है। साफ-सफाई रखते हुए जीवन-शैली को व्यवस्थित रखें। तंबाकू व मादक पदार्थों का सेवन न करें। इससे कैंसर की संभावना से बचा जा सकता है।

श्याम लाल गुप्ता : एच.आई.वी. का इतिहास बताइए ?

डॉ. आलोक हेमल : वर्ष 1981 में पहला मामला सामने आया था तथा 1982 में इसे 'एड्स' नाम दिया गया। 1986 में इसे 'एच.आई.वी.' नाम दिया गया। 2004 में नाको के जरिए इसके विषय में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम शुरू किया गया। प्रत्येक वर्ष इसके बजट में वृद्धि हो रही है। आज देश में एच.आई.वी. के इलाज में

काफी प्रगति हुई है। यहाँ तक की कई एच.आई.वी. पीड़ित व्यक्ति शादी कर रहे हैं तथा गैर-एच.आई.वी. स्वस्थ बच्चे पैदा कर रहे हैं।

यदि गलती से संक्रमित सुई लग जाए तो क्या करना चाहिए ?

डॉ. आलोक हेमल : सबसे पहले उसे साफ पानी से धोएँ। इसके बाद एच.आई.वी. एंटी बॉडी टेस्ट करवाना चाहिए। हम दूसरा टेस्ट 6 सप्ताह बाद और तीसरा टेस्ट 6 माह बाद करवाते हैं। एच.आई.वी. संक्रमण होने की स्थिति में इलाज शुरू कर दिया जाता है। इस दौरान यह भी देखते हैं कि कहीं हेपेटाइटिस-बी या सी का संक्रमण तो नहीं हुआ है।

प्रो. (डॉ.) आलोक हेमलजी का उद्‌बोधन

रमेश मिश्रा : शरीर पर लाल तिल व छोटी-छोटी गाँठें हैं, क्या यह कैंसर के लक्षण हैं ?

डॉ. आलोक हेमल : शरीर में सिर्फ लाल तिल होंने या छोटी गाँठें होने से कैंसर है, ऐसा नहीं कह सकते हैं। आपको डॉक्टर को दिखाकर उचित परामर्श लेना चाहिए।

रमाकांत दीक्षित : बच्चों के शरीर में दाग पड़ जाते हैं, यह सिर्फ खून की कमी है या कुछ और ?

डॉ. आलोक हेमल : ये दाग कभी-कभी पड़ते हैं या स्थायी हैं, यह देखना महत्त्वपूर्ण है। प्लेटलेट्स काउंट का टेस्ट कराना होगा। यह एलर्जिक या वायरल भी हो सकता है। सी.बी.सी. टेस्ट करवा लें तो सही पता चल जाएगा।

श्रीराम रिछारिया : बच्चों में पहली स्टेज में ही कैंसर की पहचान कैसे कर सकते हैं ?

डॉ. आलोक हेमल : जैसा कि मैंने पूर्व में कहा कि इसका कोई विशेष कारण पता नहीं चलता है। यह आनुवंशिक और पर्यावरणीय कारणों से भी हो सकता है। आनुवंशिकी में बदलाव होता रहता है। इसी तरह कोशिकाएँ भी बदलती हैं, लेकिन जब ये अनियमित रूप लेने लगते हैं, तब कैंसर होता है। अगर बच्चे को लंबे समय तक बुखार, खून की कमी, वजन का कम होना, शरीर सफेद पड़ना आदि कुछ ऐसे लक्षण हैं, तो आपको तुरंत डॉक्टर से परामर्श करना चाहिए। आज यह सामान्य जाँचें छोटी-छोटी जगहों पर भी संभव हो गई हैं। इसके लिए बड़े शहरों में भागने की आवश्यकता नहीं है।

अरविंद खरे : क्या एक बार कैंसर होने पर इसका जीवन पर्यंत इलाज चलता है ?

डॉ. आलोक हेमल : एम्स हो या कोई अन्य चिकित्सा संस्थान, हर जगह इलाज की विधियाँ सामान्य रूप से एक जैसी होती हैं। यह बच्चों के ऊपर कैंसर के असर या खतरे को देखकर कहा जा सकता है कि कितने समय तक इलाज चलेगा; लेकिन यदि अच्छे से फॉलोअप करते रहें तो बच्चों के ठीक होने की संभावना अधिक बढ़ जाती है।

नूतन सोनी : युवा अवस्था में क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए ?

डॉ. आलोक हेमल : युवा अवस्था में ही यौन-शिक्षा दी जानी चाहिए। विदेशों में 6 से 10 साल तक के बच्चों को यौन-शिक्षा दी जाती है। हमारे यहाँ की सामाजिक परिस्थितियों को देखते हुए 10 से 12 साल के बच्चों को यौन-शिक्षा दी जा सकती है। यह सार्वजनिक विमर्श का विषय है। कैंसर हो या एच.आई.वी. इससे बचाव के लिए जागरूकता की भूमिका काफी अहम है।

जितेंद्र मिश्रा : जन्म के समय से ही बच्चों को नर्सरी में रखने का प्रचलन बढ़ा है, तो क्या यह कैंसर का कारक हो सकता है ?

डॉ. आलोक हेमल : यह निर्भर करता है कि बच्चे को जन्म के समय ऑक्सीजन की कमी हुई है क्या। बच्चे को जन्म के समय यदि ऑक्सीजन की कमी हुई हो, तभी

नर्सरी में रखना चाहिए। अच्छे डॉक्टरों को पता होता है कि कब नवजात को नर्सरी में रखना चाहिए। आवश्यकता न होने पर नवजात को नर्सरी में नहीं रखना चाहिए, इसके नुकसान भी हैं। ऐसा करने वाले डॉक्टरों के बारे में मेरा कुछ भी कहना उचित नहीं होगा।

सिद्धार्थ रिछारिया : आज कैंसर का इलाज बहुत महँगा है, ऐसे में सरकार की ओर से प्रदान की जानेवाली सुविधाओं का लाभ कैसे लिया जा सकता है ?

डॉ. आलोक हेमल : कैंसर रोगियों के इलाज में सरकारी और गैर-सरकारी संस्थान बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। सभी सरकारी अस्पतालों में नि:शुल्क इलाज की व्यवस्था है। सर्जरी भी नि:शुल्क होती है।

कामता प्रसाद पांडे : क्या एच.आई.वी. पीड़ित माँ-बाप से जन्म लेनेवाले बच्चे को इस विषाणु से बचाया जा सकता है ?

डॉ. आलोक हेमल : बिल्कुल बचाया जा सकता है। आज विज्ञान ने इतनी तरक्की कर ली है कि एच.आई.वी. पीड़ितों का इलाज भी संभव है और उनसे जन्म लेनेवाले बच्चे भी एकदम स्वस्थ रहते हैं।

सुश्री युक्ति रावत : ल्यूकेमिया के क्या लक्षण हैं ?

डॉ. आलोक हेमल : यह रक्त और अस्थिमज्जा का कैंसर होता है। रक्त की कमी होना, बुखार आना, भूख लगना, खाँसी आदि इसके प्रमुख लक्षण हैं; लेकिन इससे डरें नहीं, यह इलाज कराने से ठीक हो सकता है।

अरविंद मिश्रा : यदि बच्चों को बार-बार दस्त, उलटी या जुकाम हो तो क्या करना चाहिए ?

डॉ. आलोक हेमल : 15 से 20 बार दस्त हो तो कोई दिक्कत नहीं है। पानी पर्याप्त मात्रा में देते रहें। उलटी भी सामान्य होती है। कई बार व्यवस्थित मुद्रा में बच्चों को दूध न पिलाने से भी ऐसा होता है। हाँ, यदि दस्त या उलटी असमान्य है तो डॉक्टर को तत्काल दिखाना चाहिए।

हरदयाल कुशवाहा : कैंसर उपचार में मंत्र थैरैपी कितनी उपयोगी होती है ?

डॉ. आलोक हेमल : अभी तक किसी शोध के जरिए तो यह बात सिद्ध नहीं हुई है कि कैंसर के इलाज में यह प्रत्यक्ष रूप से लाभदायक हुई है; लेकिन ऐसा देखा गया है कि मंत्र थैरैपी मानसिक रूप से मरीज को मजबूत करती है। हम भी इसके विषय में शोध कर रहे हैं।

अनुराग गौतम : बच्चे को बहुत तेज बुखार आता है, इसे बचपन में ब्रेन फीवर हुआ था। क्या कारण हो सकता है ?

डॉ. आलोक हेमल : बचपन में यदि वह ठीक हो गया था तो अब आनेवाले बुखार का कारण वायरल या संक्रमण हो सकता है। बुखार के एक नहीं, हजारों कारण होते हैं, चिंतित नहीं होना चाहिए।

डॉ. अंजली क्वात्रा : भारत में बच्चों में एच.आई.वी. की वृद्धि दर क्या है ?

डॉ. आलोक हेमल : देश में 21 लाख एच.आई.वी. पीड़ित हैं, जिनमें 1 लाख 45 हजार बच्चे हैं। माता-पिता से बच्चों में एच.आई.वी. का संक्रमण अधिक देखा गया है।

श्रीमती जया तिवारी : बच्चों को अधिक एंटीबायोटिक दवाएँ देने के क्या नुकसान हो सकते हैं ? क्या ये दवाएँ कैंसर का कारण बन सकती हैं ?

डॉ. आलोक हेमल : आपने कई मीडिया रिपोर्ट में एंटीबायोटिक के अधिक या गलत सेवन से होनेवाले नुकसान के बारे में पढ़ा होगा। यह प्रत्यक्ष रूप से कैंसर तो नहीं, लेकिन कई अन्य घातक बीमारियाँ पैदा कर सकती हैं। दरअसल एंटीबायोटिक दवाएँ अधिक देने से वह शरीर में प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेती हैं, ऐसे में बाद में दी जानेवाली दवाओं का असर नहीं होता। इसलिए अच्छे डॉक्टर की सलाह पर उचित तरीके से ही एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग करना चाहिए।

प्रवीण गुप्त : जिला स्तर पर कैंसर के इलाज की क्या सुविधाएँ होती हैं ?

डॉ. आलोक हेमल : इसमें कोई दो मत नहीं कि देश में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार तेजी से हो रहा है। जहाँ-जहाँ मेडिकल कॉलेज हैं, वहाँ इसके इलाज की व्यापक सुविधाएँ दी जा रही हैं। चूँकि कैंसर के इलाज के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ साफ-सफाई आदि का भी बहुत ध्यान रखना पड़ता है, इसलिए सरकार जिला स्तर पर भी इसके इलाज की सुविधाएँ देने की ओर अग्रसर है।

बी.बी. महार : कैंसर का इलाज हम नेपाल से आकर डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल में करवा सकते हैं क्या ?

डॉ. आलोक हेमल : भारत देश दुनिया भर में लोगों की सेवा के लिए जाना जाता है। आप बिल्कुल आएँ, यहाँ आपको पूरा इलाज मिलेगा। हमने हाल ही में नेपाल के दो बच्चों का इलाज कर उन्हें पूर्ण स्वस्थ किया है।

विवेक राठी : बोन मैरो ट्रांसप्लांट (अस्थिमज्जा प्रत्यारोपण) क्या होता है ?

डॉ. आलोक हेमल : जब हम दूसरे चरण के इलाज में प्रवेश करते हैं तो

बोन मैरो ट्रांसप्लांट की आवश्यकता पड़ती है। यह इलाज की एक अहम विधि है। अस्थिमज्जा में ही आर.बी.सी. और डब्ल्यू.बी.सी. बनती हैं।

सौरभ सिन्हा : कैंसर का नाम सुनते ही डर पैदा हो जाता है, इसकी कोई वैक्सीन नहीं है क्या ?

डॉ. आलोक हेमल : पहली बात तो हर छोटी-मोटी बीमारी को कैंसर न समझें। अच्छी जीवन-शैली को अपनाकर स्वस्थ्य रहें; और कैंसर कोई लाइलाज बीमारी तो है नहीं, इसका इलाज भी संभव है।

डॉ. आलोक हेमल ने कैंसर एवं एच.आई.वी. के बारे में वेबिनार में जुड़े लोगों को कहा कि कोविड-19 काल में अपने-अपने घरों में रहते हुए स्वच्छता का पालन करें, दो गज की दूरी रखें, फेस मास्क लगाएँ, हाथों को बार-बार धोते रहें तो हम संक्रमण से बच सकेंगे। कैंसर और एच.आई.वी. से बचने का सबसे बड़ा उपाय है—धूम्रपान एवं मादक पदार्थों से कोसों दूर रहना। अपने आसपास के बच्चों को भी यही शिक्षा दें। यही बचाव का मंत्र है। इस अवसर पर उन्होंने पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा भी की। उन्होंने न्यास को आश्वस्त किया कि इस संदर्भ में कोई भी आवश्यकता होने पर वह न्यास के साथ सदैव सहयोग के लिए तत्पर हैं। न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र द्वारा बुंदेलखंड एवं बघेलखंड क्षेत्र में स्वास्थ्य जागरूकता के लिए इतनी बड़ी संख्या में तकनीकी माध्यम से लोगों को जोड़ने पर आभार व्यक्त किया और उन्होंने कहा कि मैं स्वयं न्यास द्वारा आयोजित पिछली तीन स्वास्थ्य परिचर्चाओं में शामिल रहा हूँ, यह बहुत ही सार्थक पहल है।

□

कार्यक्रम : प्राकृतिक आपदाओं में स्वयं का बचाव कैसे करें ?

परिचर्चा वेबिनार : डॉ. अंजली क्वात्रा, महानिदेशक, आपदा, जोखिम एवं सुरक्षा केंद्र तथा संस्थापक एवं अध्यक्षा फिलन्थ्रोप, नई दिल्ली

दिनांक : 03 जुलाई, 2020 (शुक्रवार)

कार्यक्रम स्थल : सतना से वेबिनार

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा 3 जुलाई, शुक्रवार को 'प्राकृतिक आपदाओं में स्वयं का बचाव कैसे करें' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। कोरोना संकट के दौरान स्वास्थ्य समेत विभिन्न विषयों पर न्यास की ओर से आयोजित यह षष्ठम परिचर्चा थी। इस परिचर्चा में महानिदेशक आपदा, जोखिम एवं सुरक्षा केंद्र, संस्थापक तथा अध्यक्षा फिलन्थ्रोप डॉ. अंजली क्वात्रा ने लोगों को आपदा के समय बचाव के छोटे-छोटे, लेकिन कारगर उपाय बताए। डॉ. अंजली क्वात्रा ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में सरकार के साथ सामाजिक सहभागिता बहुत आवश्यक है। हर परिवार में एक व्यक्ति यदि आपदा प्रबंधन में प्रशिक्षित हो जाए तो आपदा से होनेवाले नुकसान को कम किया जा सकता है। यदि आपदा प्रबंधन की जानकारी हो तो प्रत्येक वर्ष लगभग एक करोड़ लोगों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि आपदाएँ दो तरह की होती हैं, प्रकृति जन्य व मानव-जनित। प्राकृतिक आपदाओं में तूफान, चक्रवात, भूकंप, जंगल की आग, बिजली गिरना

प्रमुख हैं। मानवजनित आपदाएँ तो प्राकृतिक आपदाओं से भी खतरनाक होती हैं। इमारत का ढह जाना, गैस रिसाव, विस्फोट, सड़क, रेल हादसे, हवाई जहाज का क्रैश हो जाना, परमाणुवीय आपदाएँ भी तेजी से बढ़ रही हैं। आजकल प्रदूषण को भी मानव-जनित आपदा के रूप में गिना जाने लगा है। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक आपदा का पहला सिद्धांत है कि स्वयं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कार्य करें।

सर्वप्रथम हमें क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी होनी चाहिए। इसके बाद के चरण में हमें परिवार के साथ मिलकर आपदा प्रबंधन के लिए आपातकालीन योजना तैयार करनी चाहिए। इस योजना में हर व्यक्ति की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए, जैसे कौन बिजली बंद करेगा, चाबी या बैग कौन उठाएगा, गैस सिलेंडर बंद कौन करेगा आदि। ध्यान रहे, आपदा के समय हर एक सेकेंड कीमती होता है। हर साल 15 लाख तो हृदयाघात से ही मर जाते हैं। आपदा प्रबंधन हेतु आवश्यक है कि संपर्क के स्थान तय करें। आपातकालीन स्थिति में हम कैसे और कहाँ मिलेंगे, भूकंप या बाढ़ में हमारा मीटिंग पॉइंट क्या होगा, यह पता होना चाहिए। एक डिजास्टर किट तैयार रखनी चाहिए। आपातकालीन स्थिति में तीन दिन तक के खाने का इंतजाम होना चाहिए। पानी की बोतल व दवाएँ रखी होनी चाहिए। कुछ आम दवाएँ, फर्स्ट एड की सामग्री, टॉर्च, रेडियो, अतिरिक्त बैटरी, जरूरी कागजात, जैसे बीमा, बैंक, आधार कार्ड तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज किट में रखे होने चाहिए।

वेबिनार में 1679 मोबाइल व लैपटॉप से लोग देश-विदेश से जुड़े। इस वेबिनार में लोगों द्वारा 324 प्रश्न पूछे गए। डॉ. अंजलि क्वात्रा ने अपने संबोधन के जरिए लगभग सभी प्रश्नों का उत्तर दिया। कार्यक्रम का संचालन पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने किया। कार्यक्रम में न्यास की सचिव श्रीमती आशा रावत ने बुंदेलखंड व बघेलखंड के साथ ही देश व विदेशों से न्यास द्वारा आयोजित सभी छह परिचर्चाओं में अपनी सहभागिता दर्ज करानेवाले प्रबुद्ध जनों का आभार व्यक्त किया। इन परिचर्चाओं को प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में पूर्ण इंटरव्यू प्रसारित करने के लिए एवं जनता को जोड़ने के लिए आभार व्यक्त किया। न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने बताया कि 7 जुलाई को पूजनीय दद्दाजी की 96वीं जंयती के अवसर पर उनके जन्मस्थान ग्राम धवर्रा में पं. गणेश प्रसाद मिश्र स्टेडियम में दद्दाजी की भव्य प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ वृक्षारोपण, बच्चों को लेखन सामग्री का वितरण तथा किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सब्जियों के

बीजों का वितरण किया जाएगा। न्यास द्वारा सतना, रीवा, छतरपुर, सागर, प्रयागराज एवं दिल्ली में अनेक सेवा-कार्य किए जाएँगे।

उल्लेखनीय है कि पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा कोरोना संकट के दौरान एक तरफ जहाँ बुंदेलखंड एवं बघेलखंड में व्यापक राहत-कार्य संचालित किए गए, वहीं इस दौरान वेबिनार जैसी नई तकनीक के जरिए घर बैठे लोगों को स्वास्थ संबंधी जागरूकता प्रदान करने के लिए देश के प्रतिष्ठित चिकित्सकों के साथ परिचर्चाएँ आयोजित की गईं। आपदा प्रबंधन के विषय के साथ समाप्त हुईं, इन परिचर्चाओं में लगभग दस हजार से अधिक लोगों की प्रत्यक्ष सहभागिता रही।

प्रस्तुत है कार्यक्रम में पूछे गए कुछ प्रमुख प्रश्न एवं डॉ. अंजली क्वात्रा द्वारा दिए गए उनके उत्तर—

संवाद करते हुए डॉ. मिश्रजी एवं डॉ. अंजली क्वात्राजी, नई दिल्ली

श्रीराम रिछारिया : भूकंप से अपना बचाव कैसे करें ?

डॉ. अंजली क्वात्रा : हमारे देश की 59 प्रतिशत भूमि भूकंप प्रभावित है। भूकंप की तैयारी के तीन चरण हैं। भूकंप आए तो भागना नहीं चाहिए। भूकंप तो एक मिनट

के लिए आता है। यदि आप इतने कम समय में भागने का प्रयास भी करेंगे तो सीढ़ियों के जरिए निकलेंगे, जबकि सीढ़ियाँ और बालकनी तो घर का कमजोर हिस्सा होती हैं। भूकंप में सबसे अधिक नुकसान बिल्डिंग के ठीक नीचे खड़े लोगों को अधिक है। बाहर भागने की जगह हमें अंदर ही सुरक्षित रहने की जगह खोजनी चाहिए। उस जगह पर बैठें या छिपें, जहाँ बड़े सामान नहीं रखे हों। कमरों के कोनों में तब तक सुरक्षित बैठे रहें, जब तक भूकंप समाप्त न हो जाए। भूकंप के बाद आफ्टर शॉक्स आते हैं, इसलिए कुछ देर तक सुरक्षित बैठे रहें। घर से बाहर निकलते समय बिजली, गैस आदि की आपूर्ति बंद कर दें।

ब्रजेश अग्रवाल : मार्ग में हम सब अनेक वाहन दुर्घटना को देखते हैं। ज्यादातर व्यक्ति बिना झंझट के देखते हुए निकल जाते हैं, जिसका कारण कानूनी पचड़े का भय होता है, जबकि अब किसी की जान बचाने या मदद करने में कोई अनावश्यक अड़चन नहीं है, यह जागरूकता जनमानस में होना आवश्यक है। हम चोटिल व्यक्ति को दुर्घटना स्थल पर कैसे मदद कर सकते हैं, यह जानकारी देने की कृपा करें ?

डॉ. अंजली क्वात्रा : लोगों को प्रशिक्षित करना आवश्यक है। हमें बताना होगा कि हम एक-दूसरे की मदद नहीं करेंगे तो किसी दिन उस जगह पर हम या हमारा कोई अपना भी हो सकता है। पहले एक घंटे में यदि मदद मिल जाती है तो जान बचाई जा सकती है। पुलिस पहले तंग करती थी, कोर्ट में गवाही आदि होती थी, लेकिन कुछ वर्षों पूर्व हमारी सरकार ने मदद करनेवाले को तंग नहीं करने से जुड़ा कानून बनाया है। उसे किसी तरह से तंग नहीं किया जाएगा। हाल ही में यह कानून बना है। नया कानून बनने के बाद आपकी इच्छा है तो आप घटनास्थल के बारे में कोई जानकारी दें, अन्यथा आप मानवीय मदद देने के बाद जा सकते हैं।

राहुल खरे : हम थाइलैंड में रहते हैं, अपने देश की चिंता रहती है, हम समाचार के माध्यम से सुन रहे हैं कि वहाँ कोविड-19 के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है, ऐसे में सरकार इस महामारी से बचाव के लिए किस तरह के प्रयास कर रही है ?

डॉ. अंजली क्वात्रा : स्वास्थ्य राज्य सरकार का विषय होता है, इसलिए हर राज्य अलग-अलग व्यवस्थाएँ कर रहे हैं। इस महामारी को राष्ट्रीय आपदा घोषित कर केंद्र सरकार भी राज्यों को बहुत मदद कर रही है। समय पर लॉकडाउन किया गया, इससे स्वास्थ्य अधोसंरचना तैयार करने का समय मिल गया। इंडियन काउंसिल ऑफ

मेडिकल रिसर्च के प्रयास भी अभिनंदनीय हैं। आज हमारे देश में पी.पी.ई. किट एवं टेस्टिंग किट तैयार हो रहे हैं। कुल-मिलाकर यहाँ का रिकवरी रेट दुनिया के किसी भी देश के मुकाबले बहुत अच्छा है। आयुर्वेद ने साबित कर दिया कि वह असाध्य रोगों के इलाज में सहायक हो सकता है।

पुष्पेंद्र नाथ पाठक : घरों में शादी-विवाह के दौरान करंट लगने से आए दिन लोग हादसे का शिकार हो जाते हैं, कई बार लोगों की जान भी चली जाती है, इससे कैसे बचें ?

डॉ. अंजली क्वात्रा : साधारण उपाय है। हमें पता होना चाहिए कि बिजली पानी से आगे बढ़ती है। लकड़ी का इस्तेमाल कर तार को हिलाएँ। चप्पल और जूते पहनकर ही तार को हटाएँ। पीड़ित व्यक्ति की श्वास प्रक्रिया में किसी तरह की रुकावट न आए, इसलिए सी.पी.आर. के माध्यम से सीने पर दबाव डालकर उसे ऑक्सीजन देने का प्रयास करें। इस प्रकार जितना जल्दी हो सके, उस व्यक्ति को नजदीकी अस्पताल तक पहुँचाने का प्रयास करें।

दीपन वर्मा : सरकार आपदा प्रबंधन के प्रशिक्षण को नर्सरी के बच्चों के पाठ्यक्रम में क्यों नहीं शामिल करते हैं ?

डॉ. अंजली क्वात्रा : हम एन.जी.ओ. की तरफ से इस बात को लेकर केंद्र सरकार से लगातार पत्राचार करते रहते हैं। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए यह और अधिक प्रासंगिक हो गया है कि आपदा प्रबंधन को नर्सरी जैसी कक्षाओं के साथ ही पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया जाए।

विवेक स्वरूप : प्रयागराज तीन नदियों के तट पर स्थित है। कई बार बाढ़ से दो-दो मंजिल के मकान डूब जाते हैं, ऐसी क्या व्यवस्था की जाए, जिससे बाढ़ व जलभराव से बचा जा सके और नुकसान भी कम-से-कम हो ?

डॉ. अंजली क्वात्रा : सामान्यत: बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में घर नहीं बनाना चाहिए, लेकिन फिर भी यदि पुराने घर हैं या जानकारी के अभाव में नया घर बाढ़ प्रभावित क्षेत्र या नदी के किनारे बना लिया गया है तो जमीन का स्तर ऊँचा करना चाहिए। वाटरशेड मैनेजमेंट करना चाहिए। तैराकी का प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ ही आपदा प्रबंधन के लिए जो प्राथमिक अनिवार्यताएँ हैं, उनकी जानकारी होना चाहिए।

कार्यक्रम : 96वें जन्म दिवस पर वृक्षारोपण, फलदार वृक्ष वितरण अभियान का शुभारंभ

दिनांक : 06 जुलाई, 2020 (सोमवार)

कार्यक्रम स्थल : पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर, धवर्रा (नौगाँव) जिला-महोबा (उ.प्र.)

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न

श्री वीरेंद्र कुमार तिवारी (चेयरमैन, राज्यमंत्री स्तर, उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण एवं लघु विकास सहकारी संघ लिमिटेड) द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर ग्राम धवर्रा के पं. गणेश प्रसाद मिश्र स्टेडियम में पंडितजी की मूर्ति पर पुष्पांजलि के बाद स्टेडियम परिसर में वृक्षारोपण किया गया। श्री तिवारीजी ने बताया कि सेवा ही संकल्प का भाव पूज्य दद्दाजी से सदैव ही सीखने को मिलता है। उन्होंने बताया कि न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रजी जैसे लोग विरले ही होते हैं, जो दिल्ली में होने के बाद भी अपनी जन्मभूमि की सेवा में सतत लगे रहते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि आज प्रदेश स्तर पर मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुरू किया गया वृक्षारोपण

का यह अभियान ग्राम धवर्रा, जिला महोबा से आरंभ किया गया।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रजी ने बताया कि प्रदेश स्तर के इस वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत ग्राम धवर्रा, जिला महोबा से होना बहुत ही हर्ष का विषय है। उन्होंने श्री वीरेंद्र तिवारीजी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में एस.डी.एम. कुलपहाड़, मो. अवीश सहित समस्त सरकारी अधिकारी, एस.डी.ओ श्री पी. अवध सिंह, प्रधान श्री रवि श्रीवास, श्री संकल्प मिश्रा, श्री अमृतांश पाठक, श्री प्रशांत मिश्रा, श्री अनूप मिश्रा, श्री श्रीराम रिछारिया, श्री प्रवीण दूबे, श्री नारायण अनुरागी, श्री मोहित मिश्रा, श्री मनोज तिवारी, श्री प्रद्युम्न सिंह, श्री ब्रजेश वाजपेयी, श्री भोला कुशवाहा सहित अन्य ग्रामीण गण्यमान्यजन उपस्थित रहे।

पूज्य दद्दाजी के जन्मदिवस पर हुए सामाजिक कार्यक्रम एवं किसानों को वितरित किए सब्जी के बीज, फलदार पौधे ग्राम-धवर्रा, में आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा पर आधारित कई विशेष कार्यक्रम किए गए। दद्दाजी का स्वप्न था ग्रामीण विकास सर्वोपरि है।

कार्यक्रम : श्रद्धांजलि सभा एवं वृक्षारोपण
दिनांक : 07 जुलाई, 2020 (मंगलवार)
कार्यक्रम स्थल : पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर, धवर्रा (नौगाँव), जिला-महोबा (उ.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र 'दद्दाजी' के जन्मदिवस पर समाज सेवा के अनेक कार्यक्रम आयोजित हुए

7 जुलाई, 2020, श्रावण, कृष्ण द्वितीया, मंगलवार को पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा पूज्य दद्दाजी के जन्मदिवस पर आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा पर आधारित कई कार्यक्रम किए गए। प्रातः 10 बजे धवर्रा स्टेडियम में मुख्य आयोजन हुआ। कोविड-19 महामारी के कारण सार्वजनिक कार्यक्रम करना निषिद्ध है, इसलिए कोरोना से बचाव के नियमों का पालन करते हुए पूज्य दद्दाजी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर भारी संख्या में लोगों ने पूज्य दद्दाजी की भव्य प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

लेखन सामग्री का वितरण

पुष्पांजलि अर्पित करने के पश्चात् बच्चों में लेखन सामग्री का वितरण किया गया। इससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को पढ़ाई में सहयोग मिलेगा।

फलदार पौधों का वितरण

कार्यक्रम के अगले चरण में 200 परिवारों को अपने घरों में उत्पादन हेतु सब्जियों के बीज दिए गए।

न्यास के कार्यकर्ताओं द्वारा पाँच प्रकार की सब्जियों—लौकी, कुम्हड़ा, करेला, तोरई व सेम के बीज वितरित किए गए। ये 25 बीजों के दाने सीजन में हमें ताजी, हरी और रसायनों के कुप्रभाव से मुक्त सब्जियाँ घर की चारदीवारी के अंदर ही देंगे।

फलदार पौधे भी प्रदान किए

इस अवसर पर सभी ग्रामवासियों को 3000 फलदार पौधे, जैसे—आम, अमरूद, आँवला, अनार, जामुन, कटहल आदि प्रदान किए गए। पौधे प्रदान करने के साथ ही सभी को पौधारोपण का महत्त्व भी बताया गया तथा उसकी सुरक्षा के उपाय भी बताए गए। न्यास का प्रयास है कि इस कोरोनाकाल में लोग अपने-अपने घरों पर सब्जियाँ उगाएँ, जिससे वे अपनी दैनिक जरूरत की सब्जी प्राप्त करने में आत्मनिर्भर हों।

वृक्षारोपण, फलदार वृक्ष वितरण एवं बीज वितरण अभियान का शुभारंभ करते हुए न्यास के पदाधिकारी एवं पुष्पेंद्र नाथ पाठक (पूर्व विधायक)

खेल परिसर में वृक्षारोपण करते हुए
संकल्प मिश्र, डॉ. रचना मिश्रा, श्रीमती आशा रावत एवं गाँव के कार्यकर्ता

कार्यक्रम : शासकीय हाई स्कूल, मानपुरा में वृक्षारोपण

दिनांक : 07 जुलाई, 2020 (मंगलवार)

कार्यक्रम स्थल : पं. गणेश प्रसाद मिश्र शासकीय हाई स्कूल, मानपुरा, वि.ख.—नौगाँव, जिला-छतरपुर (म.प्र.)

वृक्षारोपण में लंबी आयु के पेड़ लगाए गए

शासकीय हाई स्कूल मानपुरा, नौगाँव विकास खंड में दद्दाजी के नाम से हाई स्कूल का नामकरण किया गया था। उस परिसर में भी वृक्षारोपण किया गया, जिसमें विद्यालय के प्राचार्य, जिला शिक्षा अधिकारी सहित संकुल के शिक्षक उपस्थित रहे ।

दद्दाजी का स्वप्न था ग्रामीण विकास

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास का यह छोटा सा प्रयास है, जो आगे सभी गाँववालों को प्रेरणा देगा। बार-बार हम अपने घर के बीजों को बचाकर दूसरे लोगों को भी आगे दें, जिससे यह क्रम प्राचीन परंपराओं के साथ आसपास तक फैलता जाए। दद्दाजी की धारणा थी कि गाँव का हर घर तभी सशक्त बनेगा, जब वह छोटी-छोटी बातों पर शहर पर निर्भर न रहे। स्वदेशी का पालन करें, आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं देशी जड़ी-बूटियों से छोटी-छोटी बीमारियों का इलाज करें। इसलिए उनके 96वें जन्मदिवस के अवसर पर हम सब संकल्प करें कि आनेवाले समय में स्वदेशी सामान का प्रयोग करेंगे और चीन के सामान का पूर्णत: बहिष्कार करेंगे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए किए गये कार्य के तहत वृक्षारोपण करने वालों को उत्साहित करने के साथ ही मेधा को प्रोत्साहित करने के लिए पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा वृक्षारोपण एवं मेधावी छात्र सम्मान दिया गया।

कार्यक्रम की सफलता के उपरांत एक संयुक्त फोटो

वृक्षारोपण कार्यक्रम में उपस्थित महानुभाव, मानपुरा विद्यालय

वृक्षारोपण करते हुए न्यास के पदाधिकारी व सदस्य

विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण करते हुए श्री संतोष कुमार शर्मा जिला शिक्षाधिकारी, श्रीमती आशा रावत, डॉ. राकेश मिश्र

न्यास की सचिव श्रीमती आशा रावत एवं पूर्व विधायक पुष्पेंद्र नाथ पाठक 'गुड्डन' ने मेधावी छात्राओं को सम्मनित किया

पं. गणेश प्रसाद स्मृति शासकीय हाई स्कूल मानपुरा में पदाधिकारीगण

कार्यक्रम : साहित्यिक सांस्कृतिक सम्मान एवं वृक्षारोपण

दिनांक : 07 जुलाई, 2020 (मंगलवार)

कार्यक्रम स्थल : निम्बार्क आश्रम, बाई का बाग, प्रयागराज (उ.प्र.)

प्रयागराज में गंगापार जिले में आदिवासी समुदाय को आदरणीय बड़े भैया डॉ. राकेश मिश्रजी के ट्रस्ट पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के सौजन्य से खाद्यान्न सामग्री के वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस सहयोग हेतु हम आभारी हैं। श्रीमती आरती अग्रवाल, जिला महामंत्री महिला मोर्चा भाजपा गंगापार और एस.डी.एम. हँडिया श्री सुभाष यादवजी, पिंटू अग्रवाल भाजपा नेता झूसी कॉलोनी, पुष्पेंद्र पांडेयजी, श्री राजेश पांडेय, श्री संदीप कुशवाहा और श्री पुष्पेंद्रजी के बड़े भाई और काफी लोग सहयोग में मौजूद रहे। सैदाबाद ढोकरी ग्रामसभा में मुसहर बस्ती में भोजन की व्यवस्था कराई गई है।

कार्यक्रम : महिलाओं की स्वास्थ्य समस्याएँ और निदान
परिचर्चा वेबिनार : डॉ. दिव्या नागपाल गुप्ता, स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंदौर (म.प्र.)
दिनांक : 24 जुलाई, 2020 (शुक्रवार)
कार्यक्रम स्थल : दिल्ली से वेबिनार

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा महिलाओं की स्वास्थ्य परिचर्चा में समस्याओं का मिला समाधान देश-विदेश से जुड़ी महिलाओं को डॉ. दिव्या ने दिए अचूक मंत्र महिला सशक्तीकरण का बेहतरीन उदाहरण, महिलाओं ने महिलाओं के स्वास्थ्य विषय पर महिला डॉक्टर के साथ मिलकर आयोजित की स्वास्थ्य परिचर्चा

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा कोरोना महामारी के दौरान स्वास्थ्य एवं जीवन-शैली से जुड़े विषयों पर देश के सुप्रसिद्ध चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ परिचर्चाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 24 जुलाई, 2020 शुक्रवार को सप्तम स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन महिलाओं की स्वास्थ्य समस्याओं और निदान विषय पर किया गया। इस विषय पर देश की सुप्रसिद्ध महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. दिव्या नागपाल गुप्ताजी ने अपने विचार रखते हुए महिलाओं की जिज्ञासाओं का सरल भाषा में समाधान किया। उल्लेखनीय है कि डॉ. दिव्या नागपाल ने इंदौर के चौइथराम हॉस्पिटल से हाईरिस्क प्रेगनेंसी में प्रशिक्षण लिया है। इनके द्वारा प्रस्तुत रिसर्च पेपर 'गर्भ संस्कार' एक अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में पुरस्कृत किया जा चुका है। इसके साथ ही आप किशोर बालिकाओं (13-17 वर्ष) में होनेवाली स्वास्थ्य समस्याओं की विशेषज्ञ डॉक्टर हैं।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा

न्यास द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य पर, महिला डॉक्टर द्वारा संबोधित एवं महिला द्वारा ही संचालित हुई परिचर्चा में अपने विचार रखते हुए डॉ. दिव्या नागपाल गुप्ताजी ने कहा कि महिलाएँ परिवार और समाज का केंद्र होती हैं, वह एक ऐसी धुरी होती हैं, जिसके चारों ओर हमारा परिवार विकसित होता है। इसलिए महिलाओं को स्वयं और समाज को भी उनके स्वास्थ्य को लेकर जागरूक होना पड़ेगा। महिलाओं को उनकी अटूट शक्ति और क्षमताओं के विषय में बतलाना होगा। उन्होंने कहा कि मैं घर की महिलाओं से विनम्रतापूर्वक कहना चाहूँगी कि आप अपने लिए हर दिन एक घंटा निकालें। उस एक घंटे में कोई भी व्यायाम करें। यह एक घंटा आपका अपना होना चाहिए। 40-45 मिनट अनिवार्य रूप से खुली हवा में टहलिए। योग व व्यायाम अवश्य करें। आपका अपने आप से वार्त्तालाप होना बहुत आवश्यक है। आप सकारात्मक विचारों को आत्मसात् करें। इसके साथ ही आप जिस प्रकार से घर के अन्य सदस्यों की सेहत को लेकर ध्यान देती हैं, उन्हें पौष्टिक आहार प्रदान करना सुनिश्चित करती हैं, उसी तरह अपने शरीर को भी पौष्टिक आहार प्रदान करें। प्राय: देखने में आता है कि महिलाएँ जो भोजन घर में बचा होता है, उसे ही खा लेती हैं। दूध-दही आदि का नियमित रूप से सेवन करें। आध्यात्मिक कार्यों में भी समय लगाएँ। व्रत शारीरिक क्षमता से अधिक न करें, क्योंकि इससे एसिडिटी आदि की आशंका भी बढ़ जाती है। शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य को भी मजबूत करें। किसी भी प्रकार की शारीरिक समस्या होने पर तत्काल चिकित्सक के पास जाना चाहिए, अब समय आ गया है कि आप अपने बारे में अवश्य सोचें। वेबिनार में 1714 फोन व लैपटॉप से महिलाएँ और प्रबुद्धजन देश के कोने-कोने से जुड़े। इस परिचर्चा में 256 प्रश्न प्राप्त हुए, जिनका श्रीमती प्रमिला मिश्रा द्वारा कार्यक्रम में सफलतापूर्वक संचालन किया गया। इनमें अधिकांश प्रश्नों का उत्तर डॉ. दिव्या नागपाल के प्रारंभिक उद्‌बोधन में ही मिल गया। वहीं कई विशिष्ट प्रश्नों व जिज्ञासा का समाधान उन्होंने संवाद सत्र में दिया। कार्यक्रम में पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भविष्य में निरंतर महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर वेबिनार का आयोजन किया जाता रहेगा। न्यास की सचिव श्रीमती आशा रावत ने वेबिनार को सफल बनाने के लिए सभी महिलाओं और प्रबुद्धजनों का आभार प्रगट किया।

वेबिनार में पूछे गए विशिष्ट प्रश्न व डॉ. दिव्या नागपाल गुप्ता द्वारा दिए गए उत्तर

प्रश्न : पेशाब के मार्ग में जलन की वजह क्या है? पीरियड्स के दौरान यह अधिक होती है।

डॉ. दिव्या नागपाल गुप्ता : 5-55 साल की उम्र तक हर पड़ाव में महिलाएँ किसी-न-किसी स्वास्थ्य विकार से जूझती हैं। पेशाब में जलन रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने की वजह से होती है। नियमित रूप से नींबू पानी पीने से इसमें काफी राहत मिलेगी। हरी मिर्च में भी विटामिन सी होता है, लेकिन इसका अत्यधिक सेवन न करें। सब्जियों में तोड़कर हरी मिर्च डालें। पानी का अत्यधिक सेवन करें। किसी भी स्थिति में बार-बार पेशाब रोकना ठीक नहीं है। पेशाब जाने के बाद आंतरिक अंग को साफ पानी से धो लें और सूखे साफ-सुथरे कपड़े से साफ करें। इससे संक्रमण नियंत्रित होगा। एक अच्छे स्त्री रोग विशेषज्ञ की सलाह इसमें ली जा सकती है।

प्रश्न : माहवारी से पहले चेहरे पर फुंसियाँ क्यों हो जाती हैं?

डॉ. दिव्या नागपाल गुप्ता : माहवारी से पहले हमारे शरीर में एक हार्मोन्स तेजी से स्रावित होता है। यह हमारे शरीर में बदलाव लाता है। माहवारी से पहले 150 प्रकार के लक्षण चिकित्सा विज्ञान में बताए गए हैं। यदि यह लक्षण स्थायी रूप से हों तो चिकित्सक को दिखाना चाहिए।

प्रश्न : पीरियड्स के दौरान तीन से पाँच दिन तक बहुत दर्द होता है, सिर्फ एलोपैथिक दवाओं से ही ठीक होता है, इससे कोई नुकसान तो नहीं है?

डॉ. दिव्या नागपाल गुप्ता : यह सामान्य रूप से होता है। माहवारी शुरू होने के बाद दवाई लेने के बजाय यदि दो दिन पूर्व दवाएँ लें तो ज्यादा ठीक रहेगा। छोटे-छोटे घरेलू इलाज से भी ठीक होता है। अजवायन को सेंक लें, इसे पानी के साथ ले सकते हैं। मूत्र विकारों के लिए अजवायन काफी मददगार होती है। हाँ, ध्यान रखें कि दिन में एक बार ही इसका सेवन करें। दवाएँ कोई भी नुकसान नहीं करतीं, बशर्ते डॉक्टर के परामर्श के अनुसार ली जाएँ।

प्रश्न : 40 साल की उम्र के बाद महिलाओं को क्या अलग से दवाएँ और टॉनिक लेने की आवश्यकता होती है? कई बार कुछ काम करने का मन नहीं होता, इसका क्या कारण हो सकता है?

डॉ. दिव्या नागपाल गुप्ता : काम करने का मन नहीं करने के कई कारण हो सकते हैं। 40 साल की उम्र में हमारा शरीर इसलिए थकान महसूस करने लगता है, क्योंकि पहले शरीररूपी मशीन का ध्यान नहीं रखा गया, अर्थात् शरीररूपी मशीन को भी आवश्यक पोषक तत्त्व देने चाहिए। पहले हम पर्याप्त मात्रा में धूप लेते थे। आजकल धूप का सेवन नहीं करने से विटामिन-डी नहीं मिल पाता है। शरीर के पोषक तत्त्वों की कमी के लिए विटामिन सी, डी और बी की दवाएँ लेनी चाहिए। यदि एक बार आवश्यक चिकित्सकीय जाँच करवा लें तो पता चल जाएगा कि कौन-कौन से पोषक तत्त्वों की शरीर में कमी है, उसके अनुसार दवाएँ व पोषक तत्त्व लेना उचित रहेगा।

प्रश्न : 28 साल की उम्र है, तीन माह से गर्भवती हूँ, आर्थराइटिस भी है तो क्या दवाएँ लेते रहना ठीक रहेगा ?

डॉ. दिव्या नागपाल गुप्ता : कुछ दवाएँ बिल्कुल सुरक्षित होती हैं, कुछ दवाओं में स्टीरोइड्स होती है। इसलिए डॉक्टर के सुझाव पर दवाएँ ले सकते हैं। बेहतर होगा कि आर्थराइटिस का समुचित इलाज प्रेगनेंसी के बाद करवाएँ।

प्रश्न : क्या आपको नहीं लगता है कि प्राइवेट हॉस्पिटल अधिकांश मामलों में आवश्यकता न होने पर भी प्रसव के दौरान ऑपरेशन को प्राथमिकता देते हैं ?

डॉ. दिव्या नागपाल गुप्ता : बहुत अच्छा प्रश्न है, क्योंकि आजकल यह चर्चा का विषय है। देखिए, आजकल मेडिकल साइंस इतनी तरक्की कर चुका है कि हमें शरीर के भीतर हो रहे बदलावों की हर जानकारी पता चल जाती है। इसलिए उसके अनुसार इलाज संबंधी निर्णय लिये जाते हैं, जैसे—अंदर पानी कम है या ज्यादा, बच्चे की नाल पैर तक फँसी है या बच्चा मार्ग से निकलकर आ पाएगा या नहीं। ऐसी अनेक स्थितियों की जानकारी हमें सोनोग्राफी के माध्यम से पता चलती है। प्रसव सामान्य नहीं होने की स्थिति में सिजेरियन, अर्थात् ऑपरेशन को प्राथमिकता दी जाती है। मैं खुद डॉक्टर हूँ, इसके बावजूद मेरे तीनों बच्चे सिजेरियन से हुए। मैं और मेरे बच्चे स्वस्थ हैं। इसलिए इस भ्रांति को मन से निकालना चाहिए।

प्रश्न : 14 वर्ष आयु है, 10 वर्ष की आयु से ही पीरियड्स शुरू हो गए थे, वजन लगातार बढ़ रहा है ! क्या करूँ ?

डॉ. दिव्या नागपाल गुप्ता : खान-पान और व्यायाम से अपनी जीवन-शैली को अनुशासित करें। कुछ व्यायाम करना नहीं आता है तो सीढ़ियों से चढ़ना-उतरना और घर में छोटे-छोटे व्यायाम करें। इससे पीरियड्स सामान्य हो जाएँगे, यदि फिर भी

ठीक न हो तो डॉक्टर को दिखाएँ।

प्रश्न : बच्चेदानी को किन परिस्थितियों में निकालना अनिवार्य हो जाता है ?

डॉ. दिव्या नागपाल गुप्ता : भगवान् ने जिस रूप में शरीर की रचना बनाई है, उसमें किसी तरह की छेड़छाड़ तब तक नहीं करनी चाहिए, जब तक बहुत अनिवार्य न हो। गाँठ बड़ी हो या रक्तस्राव अधिक होने जैसी परिस्थितियों में ही इसे निकालना होता है। अनेकानेक महिलाएँ बच्चेदानी का ऑपरेशन कराकर स्वस्थ हैं।

प्रश्न : प्लेटलेट्स बढ़ाने के कोई उपाय हैं क्या ?

डॉ. दिव्या नागपाल गुप्ता : अच्छे खान-पान के अलावा कोई भी विकल्प नहीं है। हरी सब्जियों का सेवन और अंकुरित अनाज का अधिक-से-अधिक सेवन करें।

प्रश्न : बच्चेदानी एक स्थान से दूसरे स्थान पर खिसक गई है, रक्तस्राव अधिक होता है और सूजन है ?

डॉ. दिव्या नागपाल गुप्ता : बच्चेदानी यात्रा नहीं करती है, इसलिए आपका यह कहना ठीक नहीं है। बच्चेदानी अपने स्थान पर ही रहती है। रक्तस्राव और सूजन के कारणों को जानना होगा।

प्रश्न : हीमोग्लोबिन चाहकर भी 10 से अधिक नहीं बढ़ पाता है, क्या करें ?

डॉ. दिव्या नागपाल गुप्ता : हेमेटोलॉजिस्ट को दिखाना चाहिए।

प्रश्न : पीरियड्स देर से आने की वजह पति के साथ शारीरिक संबंध बनाने का अंतराल भी अहम कारक होता है क्या ?

डॉ. दिव्या नागपाल गुप्ता : दोनों में कोई समानता नहीं है। पीरियड्स देर से आना एक सामान्य बात है। कोई बहुत बड़े शारीरिक बदलाव दिखें तो किसी अच्छे स्त्री रोग विशेषज्ञ को दिखाना चाहिए।

प्रश्न : प्रेगनेंसी के दौरान अस्थमा हुआ था, जिससे अब बच्चों को भी अस्थमा हो गया है, क्या निदान है ?

डॉ. दिव्या नागपाल गुप्ता : प्रेगनेंसी के दौरान होनेवाला अस्थमा आपके बच्चों में नहीं आता है। यह आपके परिवार में पहले से रहा होगा। यदि सिर्फ आपको प्रेगनेंसी में अस्थमा हुआ हो तो आपके बच्चों में नहीं आएगा। बच्चों के अस्थमा को ठीक किया जा सकता है, वह भी व्यायाम के जरिए। हालाँकि यह व्यायाम सामान्य स्थिति से कुछ अधिक समय तक किया जाना चाहिए।

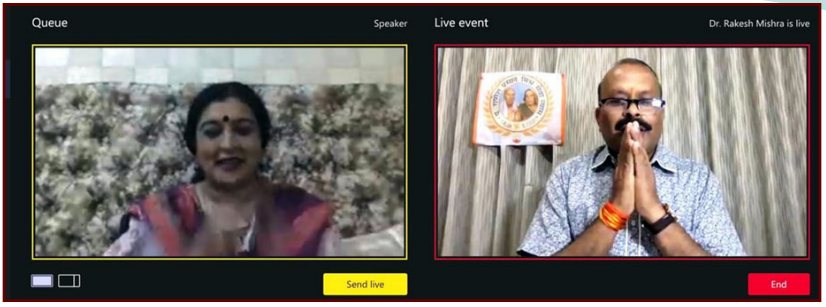

आपसी संवाद करते हुए डॉ. मिश्रजी एवं डॉ. गुप्ताजी

आपसी संवाद करते हुए

कार्यक्रम : श्री रामजन्मभूमि मंदिर शुभारंभ पर सुंदरकांड पाठ
दिनांक : 05 अगस्त, 2020 (बुधवार)
कार्यक्रम स्थल : पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर, धवर्रा, जिला-महोबा (उ.प्र.)

धवर्रा गाँव में दिखा राम-भक्ति का विहंगम दृश्य
सुबह से ही राम-धुन के साथ निकली राम-भक्तों की टोली
प. गणेश प्रसाद मिश्र की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ संकीर्तन

राम मंदिर निर्माण की आधारशिला रखे जाने का उल्लास हमारे गाँव को किस प्रकार स्पंदित कर रहा है, इसकी एक झलक उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित धवर्रा गाँव में 5 अगस्त बुधवार को देखने को मिला। दरअसल मंदिर निर्माण आंदोलन की जब-जब चर्चा होती है, बुंदेलखंड के इस गाँव का अवश्य जिक्र होता है। गाँव के प्रसिद्ध समाजसेवी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पहली पीढ़ी के प्रचारकों में शामिल रहे पं. गणेश प्रसाद मिश्र 6 दिसंबर, 1992 को अपने मित्र साधुरामजी मिश्र के साथ अयोध्या पहुँच गए थे। 68 वर्ष की आयु में मंदिर आंदोलन के दौरान उन्होंने जिस प्रकार इस आंदोलन में सक्रिय सहभागिता दिखाई और लोगों को एकजुट किया, उसके किस्से आज भी यहाँ लोगों द्वारा खूब सुने और सुनाए जाते हैं। यही वजह है कि 5 अगस्त, 2020 के शुभ दिन के अवसर पर सुबह से ही गाँव में रामभक्तों की टोली जय श्रीराम के नारों के साथ गलियों में निकल पड़ी। इस अवसर पर राम भक्तों ने कारसेवा में भाग लेने के साथ बुंदेलखंड के गाँव-गाँव तक राम मंदिर आंदोलन की अलख जगानेवाले पूज्य दद्दाजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर रामभक्तों ने पं. गणेश प्रसाद मिश्रजी की प्रतिमा के पास भजन-संकीर्तन का भी आयोजन किया। इसके बाद राम भक्तों की टोली गाँव में राम धुन के साथ फेरी लगाने निकल पड़ी। गाँव में बने सभी देवालयों में पहुँचकर युवाओं ने खूब जय-जयकारे लगाए। रामभक्तों की इस टोली का उत्साह देखते ही बन रहा था, गाँववाले भी घरों से निकलकर रामलला हम आएँगे, मंदिर वहीं बनाएँगे, जय श्रीराम, जय श्रीराम के नारे लगाकर रामभक्ति के इस यज्ञ में स्वयं को सहभागी बना रहे थे। यहाँ आपको बता दें कि पं. गणेश प्रसाद मिश्र की प्रेरणा से धवर्रा गाँव में सेवा के कई ऐसे प्रकल्प संचालित हो रहे हैं, जिनसे इस गाँव की देशभर में चर्चा होती है। पं. गणेश

प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के जरिए डॉ. राकेश मिश्र धवर्रा, नौगाँव ही नहीं बुंदेलखंड और बघेलखंड में स्वास्थ्य, शिक्षा, जैविक कृषि, पर्यावरण समेत कई विषयों पर ऐसे स्थायी कार्यक्रम संचालित कर रहे हैं, जिनसे इस क्षेत्र के लोगों के जीवन स्तर को गुणवत्ता मिल रही है। गाँव में विविध जाति और पंथ के लोगों के बीच समरसता की जैसी भावना अनुप्रमाणित है, उसके पीछे पं. गणेश प्रसाद मिश्रजी ही थे।

प्रभातफेरी, भजन एवं प्रसाद वितरण

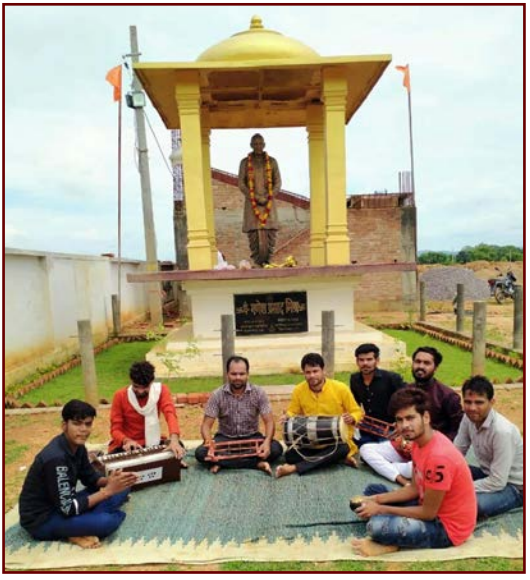

खेल परिसर में राधुन करती नौजवान मंडली

कार्यक्रम : तृतीय पुष्प कार्यवृत्त का विमोचन
दिनांक : 30 सितंबर, 2020 (बुधवार)
कार्यक्रम स्थल : 142, नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के सेवा कार्यों से अभिभूत हूँ : दत्तात्रेय होसबाले

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा अपने तृतीय कार्यवृत्त का विमोचन आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह मान्यवर दत्तात्रेय होसबालेजी के कर-कमलों से किया गया। न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कार्यक्रम की रूपरेखा रखते हुए कहा कि पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास को स्थापित हुए तीन वर्ष पूर्ण हो गए हैं। हर वर्ष हमने यह परंपरा बनाई है कि 1 अप्रैल से 31 मार्च तक की न्यास की गतिविधियों की पुस्तिका जनता के समक्ष प्रस्तुत की जाए। यह पुस्तिका समाज के प्रति न्यास के उत्तरदायित्व एवं कार्यक्रमों की जानकारी देती है। कोविड-19 महामारी के कारण इस वर्ष सेवा न्यास अपनी वार्षिक गतिविधियों पर प्रगति प्रतिवेदन पुस्तक प्रकाशित नहीं कर सका था। पं. गणेश प्रसादजी का मानना था कि किसी भी सार्वजनिक कार्य को करने से जो लाभ मिलता है, वह सबको बाँटा जाए। विभिन्न कार्यक्रमों हेतु नागरिकों से प्राप्त आर्थिक एवं अन्य सहयोग को सभी को बताना चाहिए। इसी कड़ी में सेवा न्यास अपने कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत करता है।

इस अनौपचारिक कार्यक्रम के अवसर पर माननीय दत्तात्रेयजी ने कहा कि राकेशजी, आपके सेवा न्यास को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ कि आप वर्ष भर में अनेकानेक कार्यक्रम करते रहते हैं। केवल मध्य प्रदेश ही नहीं तो उत्तर प्रदेश व दिल्ली के भी अनेक जिलों में न्यास की गतिविधियों व समाचारों को पढ़ता व सुनता रहता हूँ। प्रयागराज में माघ मेले व कुंभ मेले में लगातार पैंतालीस दिनों तक जिन कल्पवासियों की सेवा में न्यास मदद करता है, वह काबिले तारीफ है। इसमें केवल धार्मिक आयोजन मात्र नहीं होते हैं अपितु इस वर्ष न्यास द्वारा दो बार चिकित्सा शिविरों के आयोजन से हजारों तीर्थयात्रियों को आँख के चश्मे व कान की मशीन दी गई। भारतीय संस्कारों को पल्लवित-पुष्पित करने के लिए दद्दाजी की प्रेरणा से 50 बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार भी किया गया। समाज में उपेक्षा की दृष्टि से देखे जानेवाले थर्ड

जेंडर वर्ग किन्नरों का सम्मेलन करना पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास का विशेष उल्लेखनीय कार्य है। पर्यावरण संरक्षण, ग्राम विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, छात्रों को शुद्ध पेयजल, खेल-कूद का विशाल परिसर निर्माण, विभिन्न क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का आयोजन निश्चित रूप से एक अच्छे सेवाभावी न्यास की ओर इंगित करता है। इन गतिविधियों को देखने-सुनने पर ध्यान में आता है कि अल्पकाल में ही दद्दाजी की स्मृति में सेवा न्यास की प्रेरणास्रोत श्रीमती शांति मिश्रा ने यह कार्य जो प्रारंभ कराया है, आज तीन वर्षों में यह एक वटवृक्ष बनता जा रहा है। अभी तक न्यास द्वारा देश के मशहूर चिकित्सा संस्थान दि मेदांता मेडिसिटी गुरुग्राम द्वारा तीन बड़े स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन नौगाँव एवं सतना में किया जाना सेवाधर्मिता दरशाता है। अभी तक ग्यारह बड़े स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर दीन-दु:खियों की सेवा करने के कारण ही न्यास के कार्यकर्ताओं को बधाई का पात्र बनाता है।

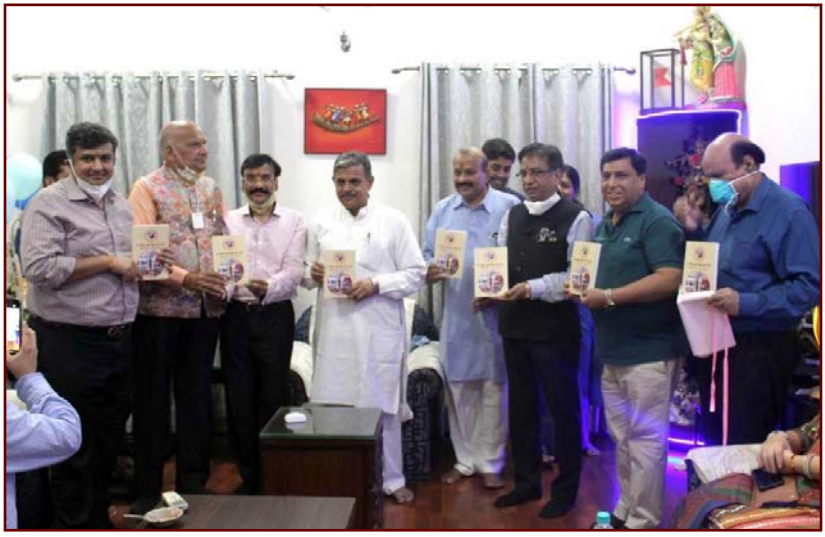

मान्यवर दत्तात्रेय होसबालेजी ने यह भी कहा कि आज संस्कारों को हम परिवारों में डालते हैं तो निश्चित रूप से आनेवाली पीढ़ी अपने आप संस्कारवान बनती है। संस्कारवान घर के वातावरण का प्रभाव परिवार पर होता है और परिवार का प्रभाव समाज पर होता है और समाज का प्रभाव देश पर होता है। माननीय दत्तात्रेयजी ने संघ के प्रथम पीढ़ी के प्रचारक श्री गणेश प्रसाद मिश्रजी के कुछ अच्छे उद्धरणों की चर्चा

की। उन्होंने कहा कि दद्दाजी सरल, सहज, मेधावी, सेवाभावी कार्यकर्ता थे। वह बहुत ही गंभीर एवं लगनशील प्रकृति के स्वयंसेवक थे। संघ पर प्रथम प्रतिबंध के समय सन् 1948 में पोस्ट मास्टर की नौकरी छोड़कर वह संघ के प्रचारक बन गए। ऐसे त्यागी तपस्वी लोगों के कारण ही आज देश चल रहा है। जीवन के अंतिम समय तक संघ की प्रार्थना नियमित होती रहे, यह भाव उनका सदैव रहता था। संघ कार्य का विस्तार कैसे हो, इसमें वे निरंतर लगे रहते थे। अपने जीवन के अंतिम दिन तक वे नौगाँव नगर में आए हुए संघ विस्तारक की चिंता करते रहे। संघ प्रचारक व्यवस्था पर उनका अटूट विश्वास होने के कारण वे प्रचारकों की केवल भोजन मात्र की नहीं, बल्कि उनके संपर्क हेतु साधन की चिंता करते थे। वे संघ शाखाएँ बढ़ाने के लिए उनके साथ प्रवास में जाते थे। आज उन जैसे महानुभावों के कारण ही संघ की विश्वसनीयता बनी है। ऐसे अनेकानेक कार्यकर्ता जिनका पथ पर नाम भी नहीं है, वह भी अपने पीछे अपने कार्यों से अपने नाम को जीवंत रख गए हैं। ग्राम धवर्रा में मेरा जाना हुआ है, वहाँ गाँव का सर्वांगीण विकास हो रहा है। मैंने न्यास के कार्यकर्ताओं से चर्चा में भी सुना है।

यह पुस्तिकारूपी कार्यवृत्त सेवा न्यास के सभी सहयोगियों व कार्यकर्ताओं को पाथेय प्रदान करेगा। कार्यकर्ताओं को उनसे प्रेरणा मिले, ईश्वर उन्हें शक्ति दें कि इसी प्रकार से वह सेवा काम में लगे रहें। अभी कोविड महामारी के दौरान भी सेवा न्यास के द्वारा आठ विभिन्न वेबिनार आयोजित किए गए, जो अपने आप में अनूठा उदाहरण है। सतना व नौगाँव में पटबंद मंदिरों के पुजारियों को राशन सामग्री देना हो या बिछड़े हुए ट्रेन से आए हुए ग्रामीण यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुँचाना हो या घरों में बंद लोगों को भोजन देना हो, इस कार्य में न्यास ने भरपूर कार्य किया है। यह संघ के संस्कारों का ही प्रकटीकरण है कि पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास ने बेहतरीन ढंग से किया है।

मैं प्रभु से प्रार्थना करता हूँ कि दद्दाजी की तीसरी पीढ़ी यानी डॉ. राकेश मिश्र, प्रमिला और उनके पुत्र संकल्प इन सेवा कार्यों में सतत लगे हुए हैं। अच्छी बात है कि दद्दाजी की चारों बेटियाँ स्वयं इस काम में सक्रिय हैं। आज संकल्प के जन्मदिन पर धवर्रा गाँव में सात पौधों का वृक्षारोपण करना, दद्दाजी के पर्यावरण प्रेम का ही नतीजा दरशाता है। श्रीमती आशा दीदी, मालती, रेखा एवं डॉ. रचना मिश्रा सहित सभी सेवा न्यास के काम में निरंतर लगी हुई हैं। राकेशजी, सभी परिवारजनों को सेवा कार्यों में लगाए हुए हैं, जो एक अच्छे परिवार भाव का उदाहरण है। सभी बहनें अपने भाई के

साथ संघ के संस्कारों से अनुप्राणित होकर इन कार्यों को निरंतर कर रही हैं। दद्दाजी की स्मृति में प्रतिवर्ष होनेवाली व्याख्यानमाला के विषय भी बड़े ही सारगर्भित हैं। आज इस अवसर पर यह कार्यवृत्त का प्रकाशन अनेक लोगों को सेवा कार्यों के प्रति प्रेरित करेगा। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा सतना नगर में अपना सपना—हरा-भरा सतना का सफल अभियान हमें निश्चित ही पर्यावरण के प्रति यह भाव दूरगामी परिणाम देगा।

कार्यक्रम के अंत में संकल्प मिश्र ने सभी का आभार व्यक्त किया, विशेषकर श्री प्रभात कुमारजी एवं उनके परिवार का भी कि वे सपरिवार उपस्थित भर नहीं हुए, बल्कि उन्होंने अल्प समय में यह पुस्तिका विमोचन के लिए उपलब्ध कराई। आज सौभाग्य का विषय है कि न्यास के ही सदस्य संकल्प मिश्र का जन्मदिन भी है। इस अवसर पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए अनौपचारिक समारोह में यह कार्यवृत्त प्रकाशित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का सहभोज हुआ। इस अवसर पर न्यास के सहयोगी श्री सत्यभूषणजी जैन, श्री गोविंद अग्रवालजी, डॉ. नरेश पमनानी, श्री राकेश बिंदलजी, श्री वी.पी. टंडनजी, श्रीमती वंदना टंडन, श्री आदित्य अग्रवाल, डॉ. रेखा पाठक (फरीदाबाद), श्री संजीव कुमार (गुरुग्राम), श्री विनीत रावत, श्री रंजीत कुमार, श्रीमती अनीता रावत सहित न्यास के प्रमुख कार्यकर्ता परिवार सहित उपस्थित रहे।

दत्तात्रेय होसबालेजी का सम्मान करते संकल्प मिश्र, श्री राकेश बिंदल, श्री सत्यभूषण जैन, श्री गोविंद अग्रवालजी, डॉ. नरेश पमनानी, श्री वी.पी. टंडन, श्री प्रभात कुमार, श्री आदित्य अग्रवाल

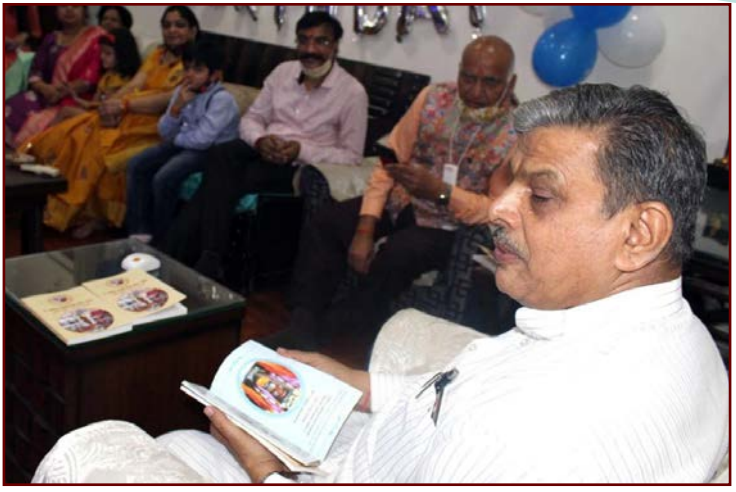

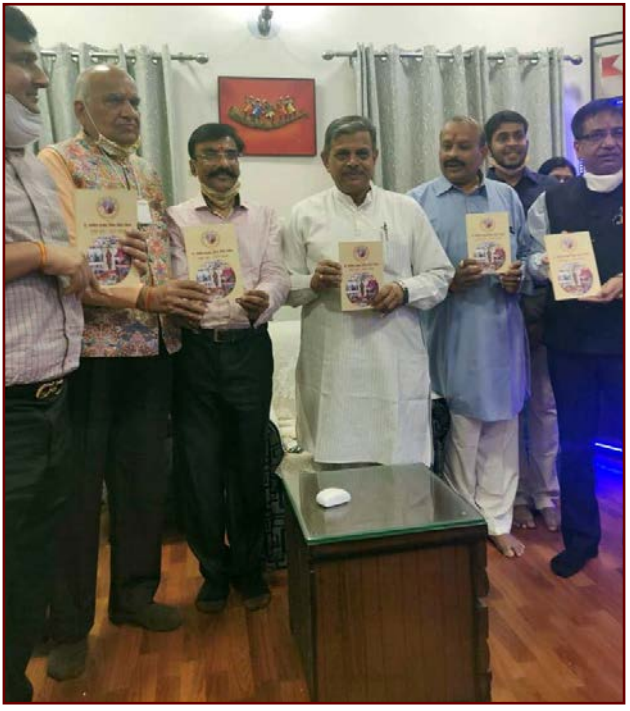

कार्यवृत का विमोचन करते मा. सह सरकार्यवाहजी

कार्यक्रम : अपना सपना—हरा-भरा सतना वृक्षारोपण अभियान (द्वितीय चरण का शुभांरभ)

दिनांक : 04 अक्तूबर, 2020 (रविवार)

कार्यक्रम स्थल : मंदाकिनी विहार, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, गढिया टोला, कोठी रोड, सतना (म.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की पहल : शहर में दौड़ेगी ट्री एंबुलेंस, पौधे लगाने के साथ उनकी रक्षा भी करेगी

प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व हेतु यज्ञ की समिधा हम सभी को बनना होगा। इस मंत्र को साकार करते हुए पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा सतना के हाउसिंग बोर्ड, मंदाकिनी विहार कॉलोनी, गढिया टोला से अपना सपना—हरा-भरा सतना अभियान के तहत वृक्षारोपण का द्वितीय चरण प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम में पूज्य गणेश प्रसाद मिश्र व शांति मिश्रा के चित्रों पर माल्यार्पण करते हुए अभियान का श्रीगणेश किया गया। यह अभियान देश भर में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में हो रहे प्रयासों की दिशा में न सिर्फ अभिनव हैं, बल्कि पर्यावरण और मनुष्य के बीच सहकारिता विकसित करने का अनुपम उदाहरण भी है। दरअसल पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा किए जानेवाले वृक्षारोपण में लोगों को अपने परिजनों के जन्मदिवस के अवसर पर पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया जाता है। इसी क्रम में उसकी देखभाल के लिए लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास किए जाते हैं। वृक्षारोपण करनेवाले व्यक्ति को पौधे, मिट्टी खोदने, पानी, खाद डालने की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाती है। यही नहीं, आवश्यकता पड़ने पर न्यास के कार्यकर्ता स्वयं लगाए गए पौधों की देखभाल करते हैं। इस अवसर पर न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कहा कि न्यास द्वारा नौगाँव में वृक्षारोपण के जो अभिनव प्रयोग किए गए, उसे सतना में भी स्थानीय लोगों के सहयोग से सफल बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पौधों व वृक्ष के जरिए एक ओर जहाँ पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य पूर्ण होता है, वहीं इससे आर्थिक आत्मनिर्भरता भी आती है। इस मौके पर उन्होंने स्थानीय लोगों से आग्रह किया कि वृक्षों का भी अपने बच्चों की तरह लालन-पालन करें, क्योंकि एक वृक्ष मनुष्य को जीवनपर्यंत हवा, ऊर्जा, फल, छाया तथा अन्य उत्पाद प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि न्यास द्वारा पर्यावरण एवं जैविक कृषि के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य किया गया

है। नौगाँव तथा उसके आसपास न्यास के कार्यों से आ रहे सामाजिक परिवर्तन को देखा जा सकता है। उन्होंने न्यास की अन्य गतिविधियों के विषय में संक्षिप्त जानकारी देते हुए बताया गया कि कोरोना संकट में 8 अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय परिचर्चाओं के जरिए स्वास्थ्य के विविध पहलुओं पर जागरूकता प्रसार के सफल कार्यक्रम किए जा चुके हैं।

इस अवसर पर डॉ. श्राकेश मिश्रजी ने स्पष्ट किया कि न्यास के कार्यक्रम विशुद्ध रूप से गैर-राजनीतिक व पर्यावरण तथा सामाजिक विषयों पर केंद्रित होते हैं। चूँकि मुझे सतना की पुण्यभूमि ने जीवन में बहुत कुछ प्रदान किया है, इसलिए इस शहर के लिए जितना संभव हो, मैं समाज की सज्जन शक्ति के साथ मिलकर कार्य करता रहूँगा।

ट्री एंबुलेंस से होगी वृक्षों की देखभाल

यहाँ खास बात यह है कि न्यास द्वारा एक ट्री एंबुलेंस उपलब्ध कराई जाएगी। इस ट्री एंबुलेंस में एक कर्मचारी नियुक्त होगा, जो कि पौधे लगाने में सहयोग करने के साथ उसे समय-समय पर खाद, ट्री गार्ड आदि सब सुविधाएँ उपलब्ध कराएगा। यह सब कार्य स्थानीय पर्यावरण प्रेमियों के सहयोग से ही संभव होगा।

इनकी रही विशेष उपस्थिति

इस कार्यक्रम में शहर के प्रमुख अतिथियों में नरेंद्र त्रिपाठी, योगेश ताम्रकार, मणिकांत माहेश्वरीजी, श्री अतुल मेहरोत्राजी, पूर्व प्राचार्य श्री जी.पी. रिछारिया, श्री आर.के. जैन, डॉ. सुनील अग्रवाल, राजीव व्यास, ए.के. सोनीजी, श्री शंकरलाल तिवारी (पूर्व विधायक), श्री पन्नालाल अवस्थी, श्री कमलाकर चतुर्वेदी, प्रो. हर्षवर्धन श्रीवास्तव, श्री मनमोहन माहेश्वरी, श्री विनोद पंडित, श्रीमती वर्षा तिवारी, श्रीमती अनुराधा शर्मा, सुश्री दिलकश जैब, सुश्री स्नेहलता वर्मा, श्री विजय दुबे, श्री डॉली शर्मा, बेटा शुक्ला, श्री अशोक गुप्ता, सीमा यादव, श्रीमती नीता सोनी, श्रीमती प्रतिमा बागरी (महिला मोर्चा), श्यामलाल गुप्ता, श्री विनोद यादव, श्रीमती ममता पांडे, (महापौर), श्रीमती विमला पांडे (पूर्व महापौर), संध्या उर्मलिया, डॉ. आर.पी. सिंह, डॉ. एच.एन. सिंह, वीर बहादुर सिंह, विमल पांडेय समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन कामता पांडेय तथा कार्यक्रम की प्रस्तावना श्री

कमलेश्वर अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत की गई एवं आभार प्रदर्शन अभिनव रंजन त्रिपाठी द्वारा किया गया।

इन्होंने किया अपने प्रियजनों के नाम वृक्षारोपण

इस अवसर पर शहर के कई समाजसेवी व पर्यावरण प्रेमियों ने न्यास को 1500 रुपए का सहयोग प्रदान कर अपने परिजनों के नाम से पौधा लगाया। वृक्षारोपण करनेवालों में श्री कामता पांडेय (भाजपा मीडिया प्रभारी), श्रीमती जाह्नवी त्रिपाठी (भाजपा नेत्री), श्री पन्नालाल अवस्थी (भाजपा नेता), संकल्प मिश्रा, श्री कार्तिकेय अग्रवाल, श्री अनुराग गौतम, श्री विवेक आनंद (औरंगाबाद महाराष्ट्र) जैसे गणमान्य जन प्रमुख रहे। यह अभियान वर्ष भर निरंतर चलता रहेगा।

'अपना सपना—हरा-भरा सतना' अभियान के शुभारंभ के अवसर पर
मंदाकिनी विहार, सतना में अतिथिगण व न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र

सतना नगर में 'अपना सपना—हरा-भरा सतना' के शुभारंभ के अवसर पर गण्यमान्य नागरिकगण

वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ करते श्री योगेश ताम्रकार (उद्योगपति), डॉ. सुनील अग्रवाल (सार्थक अस्पताल), श्री अतुल मेहरोत्रा (चेयरमैन, मेहरोत्रा बिल्डकॉम) एवं डॉ. राकेश मिश्र

श्रीमती ममता पांडे, (महापौर), श्रीमती विमला पांडे (पूर्व महापौर), श्री शंकरलाल तिवारी (पूर्व विधायक), प्रो. आर. के. जैन, श्री कमलाकर चतुर्वेदी (चेयरमैन, कोऑपरेटिव बैंक), श्रीमती जाह्नवी त्रिपाठी, अरविंद सिंह 'पप्पु', मनमोहन माहेश्वरी

वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ करते हुए श्री शंकरलाल तिवारी (पूर्व विधायक), श्री मणिकांत माहेश्वरी, श्री अवधेश शुक्ला (संपादक नवस्वदेश), श्री कमलेश्वर अग्रवाल, श्री श्यामलाल गुप्ता, श्री कामता पांडे, श्रीमती अनुराधा शर्मा

पूर्वजों की स्मृतियाँ सँजोने का माध्यम वृक्ष गार्ड

सतना नगर में 'अपना सपना—हरा-भरा सतना' के शुभारंभ के अवसर पर शहर के प्रतिष्ठित गणमान्य नागरिकगण

कार्यक्रम : किडनी रोग का उपचार संभव
परिचर्चा वेबिनार : डॉ. अनूप कुमार
दिनांक : 06 अक्तूबर, 2020 (मंगलवार)
कार्यक्रम स्थल : सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली से वेबिनार

विषय : किडनी रोग का उपचार संभव–समय पर सावधानियों से बचा जा सकता है

किडनी संबंधी बीमारियों पर चर्चा के लिए देश के जाने-माने यूरोलॉजिस्ट एवं किडनी ट्रांसप्लांट के विशेषज्ञ डॉ. अनूप कुमारजी के साथ यह परिचर्चा होगी। उन्होंने सेवा न्यास द्वारा आयोजित वेबिनार में रहने की सहमति प्रदान की है। डॉ. अनूप कुमारजी वर्तमान में सफदरजंग अस्पताल एवं वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में यूरोलॉजी, रोबोटिक्स और रेनल ट्रांसप्लांट के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। उनको एडवांस रोबोटिक्स में प्रतिष्ठित ए.यू.ए. एंड्रोलॉजी क्लिनिक फेलोशिप से सम्मानित किया गया है। वह पिछले 26 वर्षों के विशाल अनुभव के साथ यूरोलॉजिकल कैंसर व किडनी फेल (रेनल ट्रांसप्लांट) के उपचार के लिए समर्पित हैं। डॉ. अनूप कुमारजी ने दुनिया भर में अपनी उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने भारत में 3D लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में अग्रणी काम किया है। डॉ. अनूप कुमारजी उत्कृष्ट सर्जिकल विशेषज्ञतावाले एक उत्कृष्ट चिकित्सक हैं। जो ध्वनि निर्णय का उपयोग करते हैं और अपने रोगियों की देखभाल में बहुत सतर्क रहते हैं, जिससे उनका चिकित्सा के क्षेत्र में बहुत सम्मान है।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास लोगों को अंगदान की ओर प्रेरित करे : डॉ. अनूप कुमार

- किडनी रोग से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना आवश्यक
- पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा नवम् स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा शुक्रवार को नवम् स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन किया गया। सेवा न्यास वर्चुअल माध्यम से कोरोना के वैश्विक संकट के बीच प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के उस आह्वान को जन-जन तक पहुँचा रहा है, जिसके जरिए स्वस्थ और सबल भारत के निर्माण का उद्देश्य निहित है। नई दिल्ली से

शुक्रवार को किडनी रोग का उपचार संभव विषय पर आयोजित परिचर्चा में डॉ. अनूप कुमार ने सरल शब्दों में किडनी व पथरी से संबंधित विभिन्न बीमारियों पर जागरूक रहने से समय पर सावधानियों से बचा जा सकता है। सुप्रसिद्ध किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. अनूप कुमार (विभागाध्यक्ष, यूरोलॉजी, रोबोटिक्स, रेनल ट्रांसप्लांट, सफदरजंग अस्पताल एवं वर्धमान मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली) ने किडनी व उससे जुड़ी बीमारियों को लेकर महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान कीं। इस अवसर पर उन्होंने वेबिनार में जुड़े लोगों की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया। वेबिनार में 1863 मोबाइल या लैपटॉप से देश-विदेश से लोग जुड़े रहे। परिचर्चा में 319 प्रश्नों का डॉ. अनूप कुमार ने लाइव सेशन में ही प्रत्यक्ष रूप से सरल व रोचक भाषा में उत्तर दिया। इस अवसर पर डॉ. अनूप कुमार ने कहा कि दो लाख लोगों को हर साल किडनी की आवश्यकता होती है। जिनमें 10 हजार लोगों को ही किडनी मिल पाती है। देश में कई संस्थाएँ किडनी दान के प्रति जागरूकता प्रदान करने का कार्य करती हैं। उन्होंने किडनी से जुड़े पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के द्वारा छोटी-छोटी बातें भी प्रभावी तरीके से लोगों को बताईं। उदाहरण के लिए आजकल रोबोटिक्स के जरिए मात्र कुछ मिनट के भीतर ही किडनी का ऑपरेशन किया जा सकता है। रात में कई

बार पेशाब आना सामान्य बात है। मृत्यु के उपरांत भी अंगदान किया जाना चाहिए। दधीचि देहदान समिति दिल्ली इस प्रकार के संकल्प पत्र भराने का कार्य करती है। एक व्यक्ति के अंगदान से बीस लोगों को नई जिंदगी मिल सकती है। हम सबको यह प्रतिज्ञा करनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र द्वारा किया गया। न्यास की सचिव श्रीमती आशा रावत ने सभी का आभार प्रकट किया व उन्होंने कहा कि यह परिचर्चा का शब्दश: वीडियो न्यास के यूट्यूब चैनल पर देखकर लाभान्वित हो सकते हैं।

परिचर्चा में शामिल महत्त्वपूर्ण सवाल एवं डॉ. अनूप कुमार द्वारा दिए गए उत्तर

प्रश्न : किडनी से जुड़ी गंभीर बीमारी का प्रारंभिक लक्षण क्या है?

डॉ. अनूप कुमार : माथे और पैर में सूजन होना किडनी से जुड़ी बीमारी के लक्षण होते हैं। कमजोरी, प्यास व पेशाब मार्ग में असामान्य लक्षण होने लगते हैं।

प्रश्न : किडनी से जुड़ी बीमारियों से बचने के लिए जीवन-शैली को कैसे व्यवस्थित करें?

डॉ. अनूप कुमार : किडनी की पथरी से बचने के लिए मांसाहार से दूर रहें। आर.ओ. का पानी पीएँ। ग्रामीण इलाकों में मटके का उपयोग किया जाता है। वह पूरी तरह शुद्ध होता है। पानी और किडनी का गहरा संबंध होता है। हर व्यक्ति को पर्याप्त पानी पीना चाहिए।

प्रश्न : महिलाओं को किडनी से जुड़े रोग से बचने के लिए क्या करना चाहिए?

डॉ. अनूप कुमार : महिलाएँ अकसर लोक-लाज के कारण काफी देर तक पेशाब रोककर रखती हैं, ऐसा न करें। यह गंभीर बीमारी का कारण बन सकता है।

प्रश्न : क्या बार-बार पेशाब आना गंभीर समस्या है?

डॉ. अनूप कुमार : रात में कई बार अधिक पेशाब आता है, यह सामान्य है। हाँ, असामान्य तरीके से कई बार पेशाब आने पर जाँच अवश्य कराएँ।

प्रश्न : किडनी की पथरी का प्रमुख कारण क्या होता है? क्या एक किडनी से भी व्यक्ति स्वस्थ रह सकता है?

डॉ. अनूप कुमार : किडनी की पथरी के कई कारण होते हैं, किंतु पानी कम पीना और पानी में पोषक तत्त्वों की कमी प्रमुख कारण होते हैं। एक किडनी से भी व्यक्ति, किडनी दान देनेवाला और लेनेवाला दोनों स्वस्थ रह सकते हैं। यहाँ तक की सामान्य व्यक्ति कि तरह बच्चे पैदा करने और अन्य कार्य करने में भी सक्षम होते हैं।

प्रश्न : देश में किडनी से जुड़ी बीमारियों के उपचार की क्या सुविधाएँ उपलब्ध हैं?

डॉ. अनूप कुमार : प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के नेतृत्ववाली सरकार ने स्थान-स्थान पर जिला केंद्रों तक डायलिसिस सेंटर बनाए हैं। सफदरजंग हॉस्पिटल में पंजीयन कराने के पश्चात् वहाँ से क्रम के अनुसार किडनी भी मिल जाती है। सफदरजंग हॉस्पिटल में किडनी के रोबोटिक्स के जरिए इलाज का पहला केंद्र बना है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन के प्रयासों से लगभग हर जिले में डायलिसिस सेंटर बनाए गए हैं।

प्रश्न : क्या एक किडनी दान कर भी व्यक्ति स्वस्थ रह सकता है?

डॉ. अनूप कुमार : लोगों के मन में रक्तदान के प्रति जिस प्रकार गलत धारणा थी, ठीक उसी प्रकार किडनी देने के प्रति भी गलत धारणा है। किडनी दान करनेवाले या किडनी प्राप्त करनेवाले दोनों ही एक किडनी से स्वस्थ जीवनयापन कर सकते हैं। वह एक सामान्य व्यक्ति की तरह बच्चे पैदा करने और अन्य कार्य भी सामान्य तरीके से कर सकता है। हम सभी को देश के आदर्श नागरिक और मानवता की सेवा हेतु किडनी दान करनी चाहिए। आज दधीचि देहदान समिति के साथ ही कई सामाजिक संगठन इस दिशा में अभूतपूर्व कार्य कर रहे हैं। किंतु जागरूकता के अभाव के कारण लोग किडनी दान करने से परहेज करते हैं।

□

कार्यक्रम : हरा-भरा छतरपुर वृक्षारोपण अभियान
दिनांक : 11 अक्तूबर, 2020 (रविवार)
कार्यक्रम स्थल : गंगोत्री पुरम्, देरी रोड, छतरपुर (म.प्र.)

छतरपुर नगर में पर्यावरण प्रदूषण निरंतर बढ़ रहा है। पं. गणेश प्रसाद मिश्र न्यास में छतरपुर के जुड़े लोगों ने छतरपुर को प्रदूषण मुक्त करने का बीड़ा उठाया है। इसी तारतम्य में आज गंगोत्री पुरम्, देरी रोड पर फलदार व छायादार वृक्ष रोपे गए। इस अवसर पर देवेंद्र अग्रवाल, नरेंद्र मिश्रा 'डब्लू', प्रवीण गुप्त, अवधेश मिश्रा, अवध नारायण अवस्थी, सोनू नायक, विद्यासागर सोनी, रमेश दीक्षित, दीपक महाराज, नूतन सोनी, यशवर्धन, विवेक खरे 'बंटी', भोला, मिथलेश शर्मा, अशोक यादव, बाबूलाल यादव, दयाराम विश्वकर्मा, खिलावन सिंह, राजाराम साहू, हज्जू। रैकवार सहित गंगोत्रीपुरम् परिवार मौजूद रहा।

कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए नरेंद्र मिश्रा ने बताया कि न्यास पूरे देश में समाजसेवा व पर्यावरण संरक्षण हेतु कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में यह वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है और हम सभी आगे भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे।

श्री नरेंद्र मिश्रा, श्री देवेंद्र अग्रवाल, श्री बॉबी असाटी, श्री प्रवीण गुप्त अभियान में वृक्षारोपण करते हुए

कार्यक्रम : 'अपना सपना—हरा-भरा सतना' वृक्षारोपण
भारत के गृहमंत्री श्री अमित शाहजी के जन्मदिन के अवसर पर
दिनांक : 22 अक्तूबर, 2020 (गुरुवार)
कार्यक्रम स्थल : सतना नगर के धवारी स्थित भगवान् परशुराम मंदिर प्रांगण

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के तत्त्वावधान में वृक्षारोपण करके भारत के गृहमंत्री अमित शाहजी का मनाया गया जन्मदिन

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा 'अपना सपना—हरा-भरा सतना' वृक्षारोपण अभियान के तहत आज भारत के गृहमंत्री श्री अमित भाई शाहजी के जन्मदिन के अवसर पर सतना नगर के धवर्रा स्थित भगवान् परशुराम मंदिर प्रांगण में न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रजी के मार्गदर्शन पर पीपल का वृक्ष रोपित किया गया। न्यास के द्वारा जल्द ही शहर में दौड़ेगी ट्री एंबुलेंस, जो पेड़ों की देखरेख व उनको बच्चों की तरह पालेगी। रंजन त्रिपाठी ने इस अवसर पर बताया कि न्यास के द्वारा लोगों के जन्मदिन पर वृक्ष लगाकर उनकी स्मृतियों को ताजा किया जाता है, साथ-ही-साथ यह संदेश दिया जाता है कि अपने शहर को साफ-सुथरा रखने के लिए पेड़ लगाना बहुत जरूरी है। श्री कमलेश्वर अग्रवाल ने लोगों का आह्वान किया कि वे भी आगे आकर स्वयं अपने लोगों की याद में एक पेड़ लगाएँ। न्यास के कार्यकर्ता उनके द्वारा दी गई तिथि व समय सारणी के अनुसार पेड़ लगाएँगे।

ज्ञातव्य है कि यह अभियान केवल पीपल के पेड़ों को लगाने के लिए चल रहा है। पीपल का वृक्ष चौबीस घंटे ऑक्सीजन देता है तथा इससे शीतल हवा मिलती है, अत: आप सबको संकल्प लेना चाहिए कि अपने प्रियजन की याद में एक पेड़ अवश्य लगाएँ।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से कमलेश्वर अग्रवालजी, अभिनव त्रिपाठीजी, विजय दुबेजी, कामता पांडेयजी, एड. उपेंद्र तिवारीजी, एड. संजीव मिश्राजी, अनुराग गौतमजी, अखिल त्रिपाठीजी, सौरभ मिश्रजी, उदयभान कुशवाहाजी उपस्थित रहे!

श्री कमलेश्वर अग्रवाल, श्री विजय दुबे, अनुराग गौतम, अभिनव त्रिपाठी, संजीव मिश्रा, श्री अभिनव त्रिपाठी एवं अन्य न्यासीगण सतना में वृक्ष लगाते हुए

कार्यक्रम : वेबसाइट का लोकार्पण

दिनांक : 24 अक्तूबर, 2020 (शनिवार) 'आश्विन शुक्ल, अष्टमी' विक्रम संवत् 2077
कार्यक्रम स्थल : राष्ट्र मंदिर, विश्व रामायण आश्रम, 20/13, नंगली पूना, जी.टी. करनाल रोड, दिल्ली-110036

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की वेबसाइट का लोकार्पण

पीड़ित मानवता की सेवा के लिए देश भर में काम कर रहे पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की वेबसाइट का लोकार्पण आगामी 24 अक्तूबर को किया जा रहा है। न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रा ने बताया कि न्यास पिछले 4 वर्षों से समाजसेवा के क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है, जिसकी जानकारी उक्त वेबसाइट में अपलोड की गई है, ताकि अन्य लोग भी न्यास के कार्यों को देखकर उनमें सहभागी बनें। वेबसाइट के लोकार्पण कार्यक्रम में माइक्रोसॉफ्ट टीम एप के माध्यम से हजारों लोगों ने सीधा प्रसारण देखा।

सेवा है यज्ञ कुंड, समिधा सम हम जलें, भाव से कार्य कर रहा है पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास : अजय भाईजी

नर सेवा-नारायण सेवा के भाव से कार्य करनेवाले इस न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र व उनकी चारों बहनें सतत लगे हुए हैं। इस वेबसाइट www.https://gpmsevanyas.org के माध्यम से समाज के बाकी लोगों को प्रेरणा लेनी चाहिए। दद्दाजी का संपूर्ण जीवन पीड़ित, शोषित मानवता की सेवा में व्यतीत हुआ है। मुझे भी उनके गाँव धवर्रा (नौगाँव) जाने का सौभाग्य मिला है। गाँवों में आज भी एकता व भाईचारे का भाव-दर्शन करना हो तो उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश के बीच में बसे धवर्रा गाँव को देखना चाहिए। आज इस गाँव का संपूर्ण कायाकल्प हो गया है। अजय भाईजी ने कहा कि आजादी के 70 साल में जहाँ इस गाँव में बिजली नहीं थी, पेयजल नहीं था, सड़कें नहीं थीं, आज एक सपूत पैदा हो जाए तो धवर्रा में बिजली चौबीस घंटे आ गई, साथ में 33/11 के.वी. का पावर हाउस बन गया, घर-घर पानी हो गया, नल जल योजना से घर-घर में नल लगनेवाले हैं, पक्की-चौड़ी सड़कें बन गई है। **'पूत सपूत तो क्यों धन संचय, पूत कपूत तो क्यों धन संचय'** इस वाक्य को

पं. गणेश प्रसादजी बारंबार कहते थे। अब लग रहा है कि डॉ. राकेशजी पर यह कहावत उचित लग रही है। दिल्ली में इतनी व्यस्तता के बावजूद भी आज क्षेत्र की छोटी-छोटी चिंता करते रहते हैं। गाँव में पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर का निर्माण हो, जहाँ यहाँ चौबीस प्रकार की खेल सुविधाएँ स्थापित हो गई हैं। वृक्षारोपण हो या कृषि सुधार की बात हो, सबमें गाँव अव्वल दरजे पर है। उक्त बातें विश्व रामायण आश्रम में आयोजित वेबसाइट लोकार्पण अवसर पर कही गईं।

न्यास के संबंध में जानकारी देते हुए डॉ. राकेश मिश्र ने सेवा न्यास की गतिविधियों व कार्य विस्तार पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सतना नगर में **'अपना सपना—हरा-भरा सतना'** अभियान में जन्मदिवस, शुभ विवाह प्रसंग हो या बुजुर्गों की पुण्यतिथि हो, इसको यादगार बनाने के साथ पर्यावरण रक्षा के लिए पीपल, नीम व बरगद के पेड़ लगाए जा रहे हैं। दद्दाजी के भावानुरूप इन वृक्षों को बच्चों की तरह परवरिश करने के लिए ही एक ट्री एंबुलेंस चलाई जाएगी, जो सर्वसुविधा युक्त होगी एवं सभी पेड़ों की देखरेख करेगी।

आज दुर्गाष्टमी के पावन पर्व पर वेबसाइट के माध्यम से देश-दुनिया भर के लोग पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के कार्यों को देख रहे हैं। आपके सुझावों को भी इस पर लिख सकते हैं। आगामी कार्यक्रमों का कैलेंडर भी इसमें है। डॉ. राकेश मिश्र ने बताया कि कोविड-19 कालखंड में भी सेवा के कार्य सतना, सागर, प्रयागराज, नौगाँव, धवर्रा, दिल्ली में कार्यकर्ताओं ने किए हैं। लोगों को मास्क, सैनिटाइजर, भोजन व बंद मंदिर के पुजारियों को राशन सामग्री देकर, पीड़ित मानवता की सेवा की गई है।

आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा बताते हुए डॉ. राकेश मिश्र ने बताया कि आगामी 31 अक्तूबर को **'एक भारत-श्रेष्ठ भारत दौड़ का आयोजन'** धवर्रा खेल परिसर में किया जाएगा। आगामी 16 नवंबर को पूज्य गणेश प्रसादजी मिश्र की चौथी पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा, सुंदरकांड का पाठ, मेधावी छात्रों का सम्मान, पेयजल टंकियों का वितरण एवं लेखन-पठन सामग्री का वितरण कार्यक्रम प्रस्तावित है।

कार्यक्रम में विश्व प्रसिद्ध कथावचक श्री अजय भाईजी के मंगलाचरण से प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का स्वागत किया गया। श्री सत्य भूषण जैन का राकेश वर्मा ने, डॉ. अनूप कुमारजी का श्री दीपन वर्मा ने, श्री विष्णु सुरेखा का श्री सी.बी. तिवारी ने डॉ. आलोक हेमल का ओम प्रकाशजी ने श्रीमती वंदना टंडन का किया। इस अवसर पर वेबसाइट का निर्माण करनेवाली शाश्वत भारत इंफो सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के श्री अतुल गर्ग (एम.डी.), श्री शशिकांत मिश्र (संस्थापक), श्री उमेश सिंह, श्री अनेश माथुर को अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न देकर श्री अजय भाई ने सम्मानित कर आशीर्वाद दिया।

न्यास की गतिविधियों पर आधारित पुस्तक तृतीय पुष्प का विमोचन भी किया गया, जिसमें प्रभात प्रकाशन के श्री प्रभात कुमारजी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कहा कि यह कार्यक्रम वर्चुअल माध्यम से माइक्रोसॉफ्ट टीम, यू-ट्यूब व फेसबुक माध्यम से देश व दुनिया के हजारों लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में दिल्ली की अनेक जानी-मानी शख्सियतों ने उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें श्री विष्णु मित्तल, श्री राजकुमार गुप्ताजी, श्री मंजीत बंसलजी, श्री प्रभात कुमार, श्री संजीव कुमार, श्री आदित्य अग्रवाल, श्री विष्णु कुमार, सुरेखा, श्रीमती वंदना टंडन, श्रीमती अनीता रावत, श्री ऐश्वर्य पांडे, श्री राजेश वर्मा सहित अनेक परिवारों ने प्रत्यक्ष रहकर भाग लिया।

कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन श्री विनीत रावत ने करते हुए देश-विदेश से वर्चुअल रूप में सम्मिलित हो रहे लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस राष्ट्र मंदिर आश्रम के श्री संजय राणाजी, वेबसाइट लोकार्पण समारोह के लिए तकनीकी सहयोग देनेवाली टीम के सभी अधिकारीगण, आश्रम के व्यवस्थापक बंधुओं, उपस्थित महानुभावों, मीडिया, सोशल मीडिया का विशेष आभार व्यक्त किया है, जिन सभी के कारण पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के कार्यों को जन-जन तक पहुँचाने में सहयोग मिल रहा है।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की वेबसाइट उद्घाटन कार्यक्रम

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की वेबसाइट उद्घाटन कार्यक्रम

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की वेबसाइट उद्घाटन कार्यक्रम पर अतिथियों का सम्मान करती श्रीमती वंदना टंडन, अनीता रावत

कार्यक्रम में राकेश शर्मा, श्री अजय भाई को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए

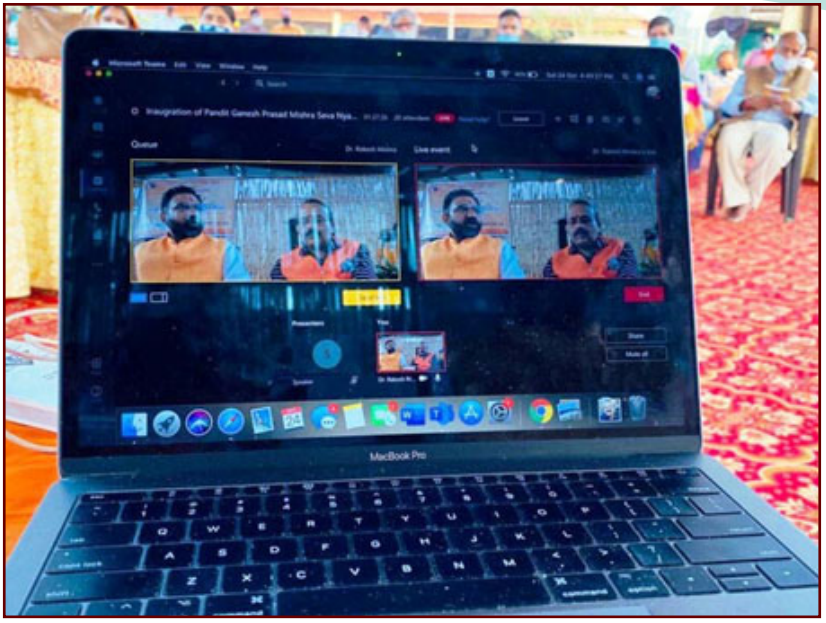

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की वेबसाइट उद्घाटन कार्यक्रम

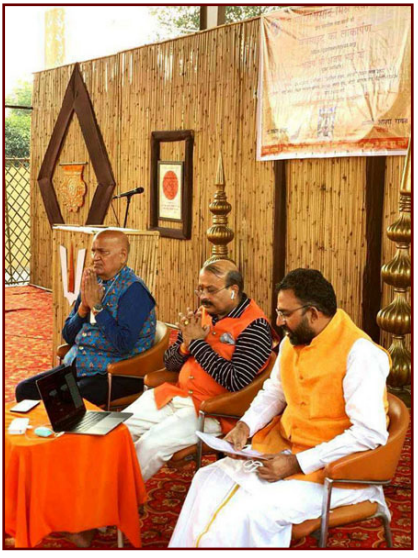

वेबसाइट उद्घाटन कार्यक्रम से पूर्व प्रार्थना

कार्यक्रम : 'अपना सपना—हरा-भरा सतना'
वृक्षारोपण अभियान
दिनांक : 05 नवंबर, 2020 (गुरुवार)
कार्यक्रम स्थल : गोल पार्क, मास्टर प्लान, सतना (म.प्र.)

श्री ओमप्रकाश सखलेचा (केबिनेट मंत्री, मध्यप्रदेश) ने किया वृक्षारोपण

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास सतना द्वारा चलाए जा रहे वृक्षारोपण अभियान अपना सपना—हरा-भरा सतना वास्तव में अब जनआंदोलन का रूप लेता जा रहा है। न्यास के तत्त्वावधान में सतना प्रवास में सतना पधारे मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश सखलेचा (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री), पूर्व मुख्यमंत्री एवं सतना लोकसभा 1996 के पूर्व प्रत्याशी स्व. वीरेंद्र कुमार सखलेचा की पुण्य स्मृति को सहेजते हुए गोल पार्क, मास्टर प्लान में वृक्षारोपण किया।

वृक्षारोपण करके पूर्व मुख्यमंत्री सखलेचाजी की
स्मृतियों को जीवंत बनाया
ओमप्रकाश सखलेचाजी पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के
अभियान अपना सपना—हरा-भरा सतना में मेधावी छात्र
अवतांश पांडेय को किया सम्मानित।

मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा ने पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के तत्त्वावधान में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में शामिल होकर मास्टर प्लान स्थित गोल पार्क में अपने स्वर्गीय पिता के नाम पर नीम का पौधा रोपित किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में पूज्य गणेश प्रसाद मिश्र (दद्दाजी) एवं शांति मिश्रा (बाईजी) के चित्रों पर माल्यार्पण किया व दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया। न्यास द्वारा किए जा रहे इन कार्यों को पुण्य कार्य बताते हुए कहा कि कोरोना काल ने समाज को, प्रकृति और अपने भूले संस्कारों को याद करने और जुड़े रहने का अवसर दिया है।

प्रदेश शासन के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री सखलेचा ने कहा कि सतना से उनकी गहरी यादें जुड़ी हैं। न्यास के अध्यक्ष डॉ.

राकेश मिश्र के कार्यों और प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इस पुण्य कार्य में शामिल होकर उन्हें खुशी हो रही है। श्री सखलेचा ने कहा कि हम प्रकृति के बिना जिंदा नहीं रह सकते हैं। लोग अपने संस्कारों को भूलते जा रहे थे और प्रकृति से दूर हो रहे थे, लेकिन कोरोना ने लोगों को प्रकृति और संस्कारों से जुड़ने के लिए विवश किया। श्री सखलेचा ने कहा कि पेड़-पौधे सिर्फ प्रदूषण नहीं रोकते, बल्कि नक्षत्रीय दृष्टि से लगाए गए पेड़-पौधे सामाजिक और आर्थिक उन्नति के साथ नकारात्मक वातावरण को भी समाप्त करते हैं। उन्होंने कहा कि यह बात वैज्ञानिक अध्ययन और प्रयोगों में भी सही पाई गई है। कैबिनेट मंत्री श्री सखलेचा ने कहा कि वे प्रयास करेंगे कि अगली बार जब सतना आएँ तो नक्षत्र के अनुसार पौधों को पार्क में रोपित करें। उन्होंने कहा कि पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास, जिस लगन-निष्ठा से यह पुण्य कार्य कर रहा है, वह सराहनीय है।

कार्यक्रम में उपस्थित न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने संक्षेप में न्यास के सेवा कार्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पौधारोपण के इस अभियान में सिर्फ पेड़ लगाना उद्देश्य नहीं है, बल्कि पौधे जिंदा रहें, इसका खास ध्यान रखा जाएगा और इसके लिए ट्री एंबुलेंस की व्यवस्था की गई। जो पौधों की देख-रेख और सुरक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि न्यास के कार्यकर्ता और शहर के गणमान्य नागरिक इस कार्य में अपना भरपूर सहयोग और समर्थन दे रहे हैं। इस मौके पर न्यास के सेवा कार्यों पर प्रकाशित पुस्तक का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम में न्यास के कार्यकर्ताओं ने मंत्री द्वय श्री सखलेचा एवं राज्यमंत्री रामखेलावन पटेल को स्मृतिचिह्न भी प्रदान किया गया।

होनहार छात्र अवतांश पांडेय का सम्मान

शिक्षा के क्षेत्र में भी पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान शहर से आई.आई.टी. में चयनित हुए छात्र अवतांश पांडेय का कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश सखलेचा एवं राज्य मंत्री रामखेलावन पटेल तथा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने स्मृतिचिह्न देकर सम्मानित किया। न्यास के अध्यक्ष डॉ. मिश्र ने कहा कि जिले के होनहार छात्रों के लिए यह सम्मान प्रेरणादायी एवं अन्य छात्रों के लिए अनुकरणीय होगा। न्यास शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़नेवाले सभी छात्रों का सम्मान करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

पंद्रह सौ रुपए देकर मंत्रीजी ने लगाया पौधा

कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश सखलेचा ने अपनी जेब से पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास को मंच में ही पंद्रह सौ रुपए नकद देकर अपने स्व. पिता श्री वीरेंद्र कुमार सखलेचा की स्मृति में पौधा लगाया। उन्होंने लोगों से यह आह्वान भी किया कि वे भी अपने जन्म दिवस या अन्य खुशी के अवसरों पर इसी तरह पौधे लगाकर न्यास द्वारा किए जा रहे हैं। सराहनीय कार्य में सहभागी बनें।

ये रहे उपस्थित

इस दौरान समाजसेवी एवं व्यवसायी अतुल मेहरोत्रा, वरिष्ठ भाजपा नेता अखंड प्रताप सिंह, नगर निगम अध्यक्ष अनिल जायसवाल, अशोक गुप्ता, नगर पुलिस अधीक्षक विजय सिंह, इंजीनियर रमेश जैन, प्रहलाद कुशवाहा, अनंत सोनी, बाबूलाल पटेल, सुभाष शर्मा डॉली, विजय तिवारी, बालकृष्ण शुक्ला, कमलेश्वर अग्रवाल, अनुराधा शर्मा, स्नेहलता वर्मा, राजीव व्यास, कामता पांडे, कृष्णा पांडे, अभिनव त्रिपाठी, श्याम लाल गुप्ता श्यामू, जाह्नवी त्रिपाठी, नीता सोनी, राजेंद्र अग्रवाल, बालेंद्र गौतम, हरीश अग्रवाल, विजय दुबे, अनुराग गौतम, अभिषेक तिवारी अंशू, अरविंद सिंह पप्पू, रामदास उपाध्याय, सचिन शुक्ला सहित बड़ी संख्या में शहर के गणमान्यजन उपस्थित रहे। संचालन कृष्णा पांडेय एवं आभार प्रदर्शन अभिनव त्रिपाठी रंजन ने किया।

श्री ओमप्रकाश सखलेचा (मंत्री सूक्ष्म, लघु, मध्य उद्यम, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी), श्री रामखेलापन पटेल (राज्य मंत्री), डॉ. राकेश मिश्र

श्री अखंड प्रताप सिंह, श्री अतुल मेहरोत्रा, श्रीमती जाह्नवी त्रिपाठी, श्रीमती नीता सोनी, श्री प्रह्लाद कुशवाह, श्री विजय तिवारी, सुश्री स्नेहलता वर्मा ने समारोह में भाग लिया

पूर्व मुख्यमंत्रीजी नीम का वृक्ष लगाते श्री ओमप्रकाश सखलेचा स्मृति में

नं.-२२
स्व.श्री बीरेन्द्र कुमार सखलेचा जी (पूर्व मु
मंत्री म.प्र.) की पुण्य स्मृति में उनके सुपु
श्री ओम प्रकाश सखलेचा (उद्योग
मंत्री म.प्र.) द्वारा रोपित वृक्ष (05.11.202
पं. गणेश प्रसाद मिश्र
सेवा न्यास अभियान "अपना सतना हरा भरा सतना"

कार्यक्रम : पं. गणेश प्रसाद मिश्रजी की चतुर्थ पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा, सुंदर कांड, प्रतिभा सम्मान व पेयजल टंकियों का वितरण कार्यक्रम संपन्न

दिनांक : 16 नवंबर, 2020 (सोमवार)

कार्यक्रम स्थल : पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर, धवर्रा, जिला-महोबा (उ.प्र.)

!! पं. गणेश प्रसाद मिश्रजी के ग्राम धवर्रा में मनाई गई चतुर्थ पुण्यतिथि!! !! श्रद्धांजलि सभा, सुंदर कांड, प्रतिभा सम्मान व पेयजल टंकियों का वितरण कार्यक्रम संपन्न!!

मिटा दे अपनी हस्ती को अगर कुछ मरतबा चाहे कि दाना खाक में मिलकर गुले-गुलजार होता है। कुछ लोग दूसरों की जिंदगी आसान बनाने के लिए अपने जीवन की आहुति देकर अपने आप को कष्ट में डालकर दूसरों की जिंदगी बचाते हैं, उन्हें रास्ता दिखाते हैं, उनका भविष्य उज्ज्वल करते है, पं. गणेश प्रसाद मिश्रजी ने ऐसा ही जीवन जिया है। उन्होंने जो संस्कार दिए, जो शिक्षाएँ दीं, जिस प्रकार का जीवन जिया, हमें भी अपने जीवन में उतारना चाहिए, तभी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अपने लिए तो सब जीते हैं, लेकिन जो दूसरों के लिए जीते हैं, सही मायनों में उन्हीं का जीवन सार्थक होता है।

मध्य प्रदेश की सीमा के बीचोंबीच स्थित उत्तर प्रदेश के महोबा जिले की ग्राम पंचायत धवर्रा में बुंदेलखंड के पहले प्रचारक स्व. पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने अपने पिता पं. गणेश प्रसाद मिश्र के संस्कार और पदचिह्नों पर चलते हुए गाँव के विकास का जो सपना सँजोया है, वह पूरा करने में लगे हुए हैं। ग्राम धवर्रा में स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी, रोजगार, सड़क जैसी सुविधाएँ ग्रामीणों को मिल रही हैं। धवर्रा में एक विशाल खेल मैदान भी बनकर तैयार हो चुका है। रविवार को राष्ट्र के कार्य के समर्पण के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक के प्रचारक के रूप में कार्य करनेवाले पं. गणेश प्रसाद मिश्रजी की चौथी पुण्यतिथि मनाई गई। इस दौरान उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, हमीरपुर

से सांसद पुष्पेंद्र सिंह चंदेल, प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह सहित वरिष्ठ नेताओं ने हेलीकॉप्टर से पहुँचकर पं. गणेश प्रसाद मिश्रजी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

तरक्की के साथ-साथ संस्कार जरूरी : वित्त मंत्री सुरेश खन्ना

उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि मिटा दे, अपनी हस्ती को अगर कुछ मरतबा चाहे कि दाना खाक में मिलकर गुले-गुलजार होता है। उन्होंने कहा कि अपने लिए तो सब जीते हैं, लेकिन जो दूसरों के लिए जीते है, सही मायनों में उन्हीं का जीवन सार्थक होता है। उन्होंने कहा कि नौजवानों से हम उन्नति, तरक्की की बात करते हैं, लेकिन संस्कारों की बातें कम करते हैं। आज पंजाब ने तरक्की की, लेकिन वह नशे की चपेट में है।

देश की उन्नति के लिए जिया जीवन : कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि पं. गणेश प्रसाद मिश्र ने हमारे देश की उन्नति हो और विश्व गुरु के रूप में दुनिया में स्थापित हो। इसलिए उन्होंने अपने जीवन का बहुत बड़ा हिस्सा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को समर्पित करते हुए उन्होंने प्रचारक का जीवन शुरू किया। प्रचारक जीवन के पश्चात् विभिन्न प्रकार के रचनात्मक कार्यक्रम, जो डॉ. राकेश मिश्रा कर रहे हैं, वह उनके पूज्य पिता पं. गणेश प्रसाद मिश्र के संस्कारों का प्रभाव है। आज नौकरी के लिए मारामारी होती है, लोग नौकरी के लिए दौड़ लगाते हैं और पं. गणेश प्रसाद मिश्रजी ने पोस्ट मास्टर की नौकरी को छोड़कर राष्ट्र के कार्य के समर्पण के लिए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रचारक के रूप में कार्य किया, ऐसी महान् विभूति को मैं श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

इस अवसर पर सेवा न्यास की वार्षिक गतिविधियों की पुस्तक तृतीय पुष्प का विमोचन अतिथियों ने किया।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कहा कि चार साल पहले दद्दाजी का निधन हुआ था, लेकिन उनके काम ऐसे हैं कि आनेवाली पीढ़ियाँ जानती हैं। उसी काम को करने के लिए दद्दाजी ने अपना पूरा जीवन लगा दिया। उन्होंने कहा कि आज जो सभी लोग यहाँ धवर्रा में उपस्थित हुए हैं, वह पूज्य पं. गणेश प्रसाद मिश्रजी का स्नेह और प्रेम है। धवर्रा में विशाल खेल मैदान तैयार हो चुका है, खिलाड़ी सुबह-शाम मैदान में दौड़ें, अपना शरीर स्वस्थ बनाएँ।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के फिट इंडिया कार्यक्रम को आगे जारी रखें, यही हमारे न्यास की भावना है। पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर धवर्रा में श्रद्धाजलि सभा, सुंदरकांड पाठ, प्रतिभा सम्मान समारोह में छब्बीस छात्र-छात्राओं को ग्यारह-ग्यारह सौ रुपए के चैक, घड़ी व मेडल दिए गए। पचास विद्यालयों को पाँच सौ लीटर की पेयजल टंकियों का वितरण भी किया गया। संस्कृत भाषा में सर्वोच्च स्थान पानेवाली दो छात्राओं को पाँच-पाँच हजार रुपए के चैक प्रदान किए गए। छात्रों को लेखन पठन सामग्री का वितरण समारोह में किया गया। इस अवसर पर महोबा, प्रयागराज, बाँदा, हमीरपुर, झाँसी, सतना, कटनी, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, रीवा, पन्ना, दमोह से अनेक गणमान्य नागरिक, संत वृंद, विधायक, सांसद, प्रशासनिक अधिकारियों, संगठन के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। सभी का आभार संकल्प मिश्र ने व्यक्त किया।

दद्दाजी का स्टेच्यू पर सेवा न्यास के पदाधिकारी श्रीमती आशा रावत, श्रीमती मालती मिश्रा, श्रीमती रेखा अवस्थी, डॉ. रचना मिश्रा, डॉ. राकेश मिश्र, श्रीमती प्रमिला मिश्र एवं संकल्प

पं. गणेश प्रसाद मिश्र जी की चतुर्थ पुण्यतिथि पर
आयोजित कार्यक्रम की झलकियाँ

सुंदर कांड का सामूहिक पाठ एवं पवेलियन का उद्घाटन

पं. गणेश प्रसाद मिश्रजी की चतुर्थ पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा के दौरान उपस्थित विशिष्ट महानुभाव

शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए स्थानीय विद्यालयों को उपलब्ध कराई गई पानी की टंकी

टंकी वितरण कार्यक्रम में उपस्थित
पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रजी

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा टंकी वितरण विद्यालयों की सूची

कार्यालय प्राचार्य शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नौगाँव,
जिला–छतरपुर (म.प्र.), डाइस कोड–23090704868

***

नर सेवा नारायण सेवा के तहत शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा टंकी का वितरण किया गया, जिससे स्कूली छात्रों को काफी सहूलियत हुई।

टंकी प्रदाय हेतु चयनित विद्यालयों की सूची

क्र.	शाला का नाम	प्रकार	डाइस कोड
1.	शास. हाई स्कूल मानपुरा	EPES	23090706903
2.	शास. मा.शाला लुगासी	EPS	23090706205
3.	शास. हाई स्कूल दौनी	EPS	23090709404
4.	शास. प्रा.शाला भदेसर	PS	23090709601
5.	शास. प्रा.शाला खुर्दा	EPS	23090709702
6.	शास. प्रा.शाला बरिया चौकी	PS	23090706701
7.	शास. प्रा.शाला देवपुर	EPS	23090704402
8.	शास. मा.शाला (कन्या) मऊ	EPS	23090703703
9.	शास. प्रा.शाला सिंगरावन कलाँ	PS	23090705301
10.	शास. प्रा.शाला माधोपुर	EPS	23090704302

***

कार्यालय प्राचार्य शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नौगाँव, जिला-छतरपुर (म.प्र.)

डाइस कोड-23090704867

टंकी प्रदाय हेतु चयनित विद्यालयों की सूची

क्र.	शाला का नाम	प्रकार	डाइस कोड
1.	शास. मा.शाला चंदौरा	MS	23090705102
2.	शास. मा.शाला ACC नौगाँव	EPES	23090704844
3.	शास. मा.शाला नेगुवाँ	EPES	23090704603
4.	शास. मा.शाला मुडवारा	EPES	23090704702
5.	शास. मा.शाला ठठेवरा	EPES	23090705001

***

कार्यालय प्राचार्य शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नौगाँव, जिला-छतरपुर (म.प्र.)

डाइस कोड-23090704869

टंकी प्रदाय हेतु चयनित विद्यालयों की सूची

क्र.	शाला का नाम	प्रकार	डाइस कोड
1.	शास. प्रा.शाला गर्रोली	PS	23090703002
2.	शास. मा.शाला सुनाटी	MS	23090703102
3.	शास. प्रा.शाला चंदपुरा	PS	23090703201
4.	शास. मा.शाला नौगाँव	MS	23090704502
5.	शास. मा.शाला कन्या नौगाँव	EPS	23090704843

***

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा सम्मानित छात्र-छात्राएँ समारोह

कार्यालय प्राचार्य शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नौगाँव

जिला-छतरपुर (म.प्र.), डाइस कोड-23090704868

***

टंकी प्रदाय हेतु चयनित विद्यालयों की सूची

क्र.	शाला का नाम	प्रकार	डाइस कोड	प्रभारी का नाम	मोबाइल नंबर
1.	शास. हाई स्कूल मानपुरा	EPES	23090706903	श्री गोविंद दास अहिरवार	8085152907
2.	शास. मा.शाला लुगासी	EPS	23090706205	श्री भागीरथ अहिरवार	9826218980
3.	शास. हाई स्कूल दौनी	EPS	23090709404	श्री के.के. खरे	9424342348
4.	शास. प्रा.शाला भदेसर	PS	23090709601	श्री प्रेमनारायण सक्सेना	9424923264
5.	शास. प्रा.शाला खुर्दा	EPS	23090709702	श्री संजय मिश्रा	9977587038
6.	शास. प्रा.शाला बरिया चौकी	PS	23090706701	श्री रामप्रसाद अहिरवार	9617748406
7.	शास. प्रा.शाला देवपुर	EPS	23090704402	श्री बाबूलाल अहिरवार	6261429257

8.	शास. मा.शाला (कन्या) मऊ	EPS	23090703703	श्री रमेश कुमार वर्मा	6265198687
9.	शास. प्रा.शाला सिंगरावन कलाँ	PS	23090705301	श्री मनमोहन त्रिपाठी	9981646249
10.	शास. प्रा.शाला माधोपुर	EPS	23090704302	श्री सुंदरलाल अनुरागी	9424714669

***

कार्यालय प्राचार्य शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नौगाँव
जिला-छतरपुर (म.प्र.), डाइस कोड-23090704867

टंकी प्रदाय हेतु चयनित विद्यालयों की सूची

क्र.	शाला का नाम	प्रकार	डाइस कोड	प्रभारी का नाम	मोबाइल नंबर
1.	शास. मा.शाला चंदौरा	MS	23090705102	श्री अरविन्द गुप्ता	9893419576
2.	शास. मा.शाला ACC नौगाँव	EPES	23090704844	श्री हरिदास अहिरवार	8319382931
3.	शास. मा.शाला नौगाँव	EPES	23090704603	श्री मनीष शर्मा	9755767505
4.	शास. मा.शाला मुडवारा	EPES	23090704702	श्री मोहनलाल अहिरवार	9981386895
5.	शास. मा.शाला ठठेवरा	EPES	23090705001	श्रीमती सावित्री कटारे	8965950475

कार्यालय प्राचार्य शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नौगाँव
जिला-छतरपुर (म.प्र.), डाइस कोड-23090704869

टंकी प्रदाय हेतु चयनित विद्यालयों की सूची

क्र.	शाला का नाम	प्रकार	डाइस कोड	प्रभारी का नाम	मोबाइल नंबर
01.	शास. प्रा.शाला गर्रोली	PS	23090703002	श्रीमती केशर वर्मा	7389613379
02.	शास. मा. शाला सुनाटी	MS	23090703102	श्री छत्रपति अहिरवार	9179374495
03.	शास. प्रा.शाला चंदपुरा	PS	23090703201	श्री किशोरी लाल राजपूत	9752762888
04.	शास. मा. शाला नौगाँव	MS	23090704502	श्री रविंद्र रिछारिया	7415322571
05.	शास. मा. शाला कन्या नौगाँव	EPS	23090704843	श्री वीरेंद्र कुमार दीक्षित	9406731289

***

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास सतना
द्वारा न्याय पंचायत-खमा, वि.खं.-जैतपुर में
स्थापित नि:शुल्क पानी टंकी

क्र.	विद्यालय का नाम	संख्या	प्र.अ. का नाम	मोबाइल नं.
1.	शास. प्राथमिक विद्यालय धवर्रा	01	श्री सनातन रावत	9893401609
2.	शास. कन्या प्राथमिक विद्यालय धवर्रा	01	श्रीमती सरला अग्रवाल	9977843531

3.	शास. पूर्व मा.वि. रावतपुरा खालसा	01	श्री देवेंद्र कुमार दीक्षित	8770318256
4.	शास. प्रा. विद्यालय गंज (बालक)	01	श्री गणेश अहिरवार	9956186174
5.	शास. कन्या प्रा. विद्यालय गंज	01	श्रीमती कांति देवी	9424760143
6.	शास. पूर्व माध्यमिक विद्यालय गंज	01	श्री सतीश खरे	7974555732
7.	शास. पूर्व मा.वि. खमा	01	श्री प्रद्युम्न सक्सेना	9407894033
8.	शास. पूर्व मा.वि. घिसल्ली	01	श्रीमती अंजू रानीदीन	9584790513
9.	शास. प्रा. विद्यालय, जगतपुर	01	कु. रुचि मिश्रा	9425813563
10.	शास. पूर्व मा.वि. चमरूआ	01	श्री हेमंत राजपूत	8839692606
11.	शास. प्राथमिक विद्यालय चमरुआ	01	श्री रमाकांत चतुर्वेदी	9648617920
12.	शास. पूर्व मा.वि. नरवारा	01	श्रीमती मंजुलता	7898667286
13.	शास. प्राथमिक विद्यालय पठारी	01	श्रीमती उमारानी वर्मा	7869164519
14.	शास. पूर्व मा.वि. सलैया कंपोजिट	01	श्री अरविंद सक्सेना	6266490584

कार्यक्रम : श्रद्धांजलि सभा, कंबल वितरण एवं
वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न

दिनांक : 13 दिसंबर, 2020 (रविवार)

कार्यक्रम स्थल : पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर, धवर्रा, जिला-महोबा (उ.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र तपोनिष्ठ, बहुआयामी व्यक्तित्व थे : डॉ. मोहन यादवजी

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को ग्राम धवर्रा में पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया और लोगों को कंबल व वस्त्र भी वितरित किए।

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि पं. गणेश प्रसाद मिश्रजी तपोनिष्ठ एवं बहुआयामी व्यक्तित्व थे। उन्होंने सामाजिक जीवन में जो आयाम स्थापित किए हैं, उनसे वर्तमान पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने जीवन के अलावा सामाजिक लोगों में प्रेरणा करने का कार्य, जो कुछ व्यक्ति कर चुके हैं, उनमें पं. गणेश मिश्र भी शामिल हैं। दद्दाजी ने शिक्षा, स्वास्थ्य, वृक्षारोपण, कृषि व संघ कार्य को सन् 1948 से करते आ रहे, यह नई पीढ़ी को समझने की जरूरत है। धवर्रा गाँव आज तीर्थस्थल के रूप में विकसित हो रहा है। मैं भी यहाँ से कुछ प्रेरणा लेकर जा रहा हूँ कि पूत सपूत तो क्यों धन संचय और पूत कपूत तो क्यों धन संचय? राकेशजी ने ग्राम विकास की जो रेखा खींची है, वह अद्वितीय है।

इस अवसर पर पुष्पेंद्रनाथ पाठक ने संबोधित करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की कि इस खेल परिसर का निर्माण उनके सुपुत्र के अथक प्रयास का प्रतिफल है। यह आनेवाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक रहेगा।

कार्यक्रम में विधायक नागरिक एवं आपूर्ति निगम के अध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह लोधी, पूर्व मंत्री ललिता यादव, विधायक राजेश प्रजापति, भाजपा जिलाध्यक्ष मलखान सिंह, पूर्व विधायक उमेश शुक्ला, पं. गणेश प्रसाद मिश्र के पुत्र डॉ. राकेश मिश्र, दद्दाजी की तीनों बेटियाँ आशा रावत, रेखा अवस्थी, डॉ. रचना मिश्रा एवं गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

डॉ. मोहन यादव (कैबिनेट मेत्री), श्री प्रद्युम्न सिंह (अध्यक्ष, नागरिक आपूर्ति निगम), श्रीमती ललिता यादव (पूर्व मंत्री म.प्र.) श्री राजेश प्रजापति (विधायक), श्री उमेश शुक्ला (पूर्व विधायक), श्री पुष्पेंद्र पाठक (पूर्व विधायक), श्री केशव भदौरिया (संगठन मंत्री), श्री मलखान सिंह (जिलाध्यक्ष) एवं न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र एवं श्री अरविंद पटैरियाजी

कार्यक्रम : पं. गणेश प्रसाद मिश्र स्मृति व्याख्यानमाला
(चतुर्थ पुष्प)
(भारतीय प्राचीन काल गणना : ऐतिहासिक महत्त्व व वैज्ञानिक विश्लेषण **)**
दिनांक : 13 दिसंबर, 2020 (रविवार)
कार्यक्रम स्थल : महाराजा छत्रसाल ऑडिटोरियम, किशोर सागर तालाब के पास, जिला-छतरपुर (म.प्र.)

म.प्र. के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादवजी ने चतुर्थ व्याख्यानमाला में भारतीय प्राचीन कालगणना : ऐतिहासिक महत्त्व व वैज्ञनिक विश्लेषण का महत्त्व प्रतिपादित करते हुए व्याख्यान दिया

भारतीय ऋषि परंपरा और वैदिक संस्कृति से प्राप्त कालगणना के तरीके न सिर्फ वैज्ञानिक हैं, बल्कि समय की माप के सबसे शुद्धतम तरीके हैं। भारतीय प्राचीन कालगणना ब्रह्मांड की उत्पत्ति के साथ प्रारंभ होती है, जबकि वर्तमान दुनिया में प्रचलित कालगणना की विधियाँ सत्ताओं के द्वारा थोपी गई अवैज्ञानिक विधियाँ हैं। भारतीय परंपरा में वर्ष का शुभारंभ चैत्र नवरात्र से होता है, जब बसंत ऋतु के साथ पूरी प्रकृति उत्सव करती हुई नवीन प्रतीत होती है। दिवस का प्रारंभ सूर्योदय के साथ होता है। यह बहुत अवैज्ञानिक है कि हम रात 12 बजे मध्य रात्रि को कैलेंडर की तारीख को बदला हुआ मान रहे हैं। स्टीफन हॉकिंस भी अपने विश्लेषण में लगभग ब्रह्मांड की उत्पत्ति के उसी नतीजे पर पहुँचे, जिस पर भारतीय विचार मौजूद था। आज नहीं तो कल दुनिया हमारी कालगणना को ही समय की माप का सबसे शुद्धतम तरीका मानेगी।

उक्त उद्‌गार म.प्र. शासन के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहर के किशोर सागर स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित पं. गणेश प्रसाद मिश्र स्मृति व्याख्यानमाला के चतुर्थ पुष्प के अवसर पर व्यक्त किए। बतौर मुख्य वक्ता कार्यक्रम में आए श्री यादव ने अपनी पृष्ठभूमि उज्जैन से चर्चा का आरंभ किया। उन्होंने कहा कि उज्जैन कालगणना का पृथ्वी पर सबसे अहम हिस्सा है। उन्होंने उज्जैन से सटे डोंगला के बारे में कहा कि वह ऐसा स्थान है, जहाँ से शुद्ध कालगणना प्रारंभ की गई थी। उन्होंने कहा कि इसीलिए उज्जैन को काल और महाकाल का शहर कहा जाता

है। उन्होंने उज्जैन में होनेवाली भस्म आरती को भी कालक्रिया के रूप में परिभाषित करते हुए कहा कि भस्म आरती के दौरान शिवलिंग को पानी से अभिषेक करने के उपरांत पंचामृत से अभिषेक करते हैं, फिर तमाम वैभव और शृंगार किया जाता है और अंत में फिर पानी से सबकुछ धो दिया जाता है। यह जीवन का चक्र समझाने की विधि है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और इसकी परंपराएँ वैज्ञानिक विश्लेषणों पर आधारित हैं। इसका सबसे सटीक उदाहरण 12 वर्ष में पड़नेवाला कुंभ स्नान है, जो मानव जीवन को नदी किनारे एक माह गुजारने के लिए अवसर देता है, ताकि जीवन पुन: ऊर्जा से भर जाए। उन्होंने अंत में कहा कि आज इंग्लैंड के हिसाब से रात्रि 12 बजे तारीख बदलती है। कभी ऐसा पेरिस के हिसाब से होता था, जबकि पश्चिमी संस्कृति के पास अधिकतम चार हजार वर्षों का ज्ञान है। हमारी कालगणना बताती है कि पृथ्वी की आयु लगभग दो सौ करोड़ वर्ष हो चुकी है। एक दिन हमारी कालगणना पर दुनिया सहमत होगी। इसके लिए म.प्र. शासन भी अपने विज्ञान और तकनीकी विभाग के माध्यम से शोध को आगे बढ़ा रहा है।

न्यास का प्रयास है कि युवा पीढ़ी अपनी जड़ों को पहचाने : डॉ. राकेश मिश्र

मुख्य वक्ता से पहले पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने भी प्रस्ताविक उद्‌बोधन के माध्यम से अपने विचार रखे। उन्होंने सर्वप्रथम विगत चार वर्षों से न्यास के द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला और बताया कि नवंबर 2016 में दद्‌दाजी पं. गणेश प्रसाद मिश्र के निधन के उपरांत अपनी माताजी के कहने पर इस न्यास की परिकल्पना रखी, जो देखते-देखते आज एक बड़े संस्थान के रूप में तब्दील हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष व्याख्यानमाला के अलावा प्रयागराज में माघ मेले का आयोजन, सतना व धवर्रा में स्वास्थ्य शिविरों जैसे अनेक कार्यक्रम संस्था के द्वारा किए जा रहे हैं। श्री मिश्र ने कहा कि उज्जैन में डॉ. मोहन यादव द्वारा प्राचीन कालगणना को समझने के लिए किए जा रहे प्रयासों ने उन्हें प्रभावित किया है, इसलिए उनके विचार बुंदेलखंड तक पहुँचें, अत: इस वर्ष उन्हें व्याख्यामाला में आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि भारत में प्राचीन ज्ञान भरा पड़ा है, जो आज भी प्रासंगिक है। न्यास का उद्‌देश्य है कि इस तरह के आयोजनों के माध्यम से अपनी युवा पीढ़ी को जोड़े रखें।

मैराथन का लोगो जारी, 12 जनवरी को होगा आयोजन

व्याख्यानमाला का प्रारंभ पं. गणेश प्रसाद मिश्र एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण के साथ किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विनोद रावत एवं सहसंयोजक प्रवीण गुप्त व नरेंद्र मिश्रा के द्वारा अतिथियों का स्मृति चिह्न व अंग वस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया। तदुपरांत डॉ. कीर्ति खरे के द्वारा अतिथि परिचय प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के उपरांत डॉ. राकेश मिश्र ने बताया कि स्वस्थ समाज की प्रेरणा के लिए 12 जनवरी युवा दिवस के मौके पर न्यास के द्वारा बुंदेलखंड के 13 जिलों के प्रतिभागियों के साथ 3 आयु वर्गों में मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान अतिथियों के द्वारा मैराथन का लोगो भी मंच से जारी किया गया। कार्यक्रम के समापन पर वंदे मातरम् का गायन किया गया। मंच संचालन डॉ. विनोद रावत ने किया।

इनकी रही विशेष उपस्थिति

उक्त व्याख्यानमाला में छतरपुर कलेक्टर शीलेंद्र सिंह, बड़ामलहरा विधायक प्रद्युम्न सिंह, चंदला विधायक राजेश प्रजापति, पूर्व मंत्री ललिता यादव, पूर्व विधायक उमेश शुक्ला, गुड्डन पाठक, कुलपति टी.आर. थापक, कुलसचिव डॉ. पी.के पटैरिया, भाजपा जिलाध्यक्ष मलखान सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष पुष्पेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व उपाध्यक्ष अर्चना सिंह, अरविंद पटैरिया, डॉ. घासीराम पटेल, नारायण काले, राकेश शुक्ला, विवेक चतुर्वेदी, गोपाल राय, अवधेश राठौर, शंकर्षणाचार्य महाराज, अभिनव त्रिपाठी, बी.बी. गंगेले सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिक एवं सतना, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, झाँसी, महोबा, ललितपुर, बाँदा, सागर, चित्रकूट तथा आसपास के जिलों से आए न्यास से जुड़े सहयोगी शामिल रहे।

स्मृति व्याख्यान माला
भारतीय प्राचीन
काल गणना :
ऐतिहासिक महत्व व
वैज्ञानिक विश्लेषण

बुंदेलखंड मैराथन : 2021
पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास
पं.क्र.: 24
दि.: 17.05.2017
12 जनवरी, 2021 (मंगलवार)
राष्ट्रीय युवा दिवस
रजिस्ट्रेशन
https://gpmsevanyas.org/
@gpmsevanyas
@gpmsevanyas

कार्यक्रम : बुंदेलखंड मैराथन-2021
दिनांक : 12 जनवरी, 2021 (मंगलवार)
कार्यक्रम स्थल : पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर, धवर्रा, जिला-महोबा (उ.प्र.)

बुंदेलखंड मैराथन : 2021 में खास मेहमानों ने प्रातः दिखाई झंडी, शुभकामनाओं का सिलसिला जारी

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के तत्त्वावधान में स्वामी विवेकानंद की जयंती 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के अवसर पर 12 जनवरी को आयोजित बुंदेलखंड मैराथन में गण्यमान्य अतिथियों ने भाग लिया। मैराथन संयोजक नरेंद्र मिश्र 'टिबलू' ने बताया कि कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भाजपा के वरिष्ठ नेता दयाशंकर सिंह, पटना (बिहार) के विधायक एवं उत्तर प्रदेश के सह-प्रभारी संजीव कुमार चौरसिया, दिल्ली भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष आदेश गुप्ता, हमीरपुर सांसद पुष्पेंद्र सिंह चंदेल, मध्य प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री हरिशंकर खटीक, झाँसी मेयर रामतीर्थ सिंघल, महोबा विधायक राकेश गोस्वामी, झाँसी विधायक रवि शर्मा, मऊरानीपुर विधायक बिहारीलाल आर्य, पी.एल. तंतुवाय (विधायक), श्री गंगाचरण राजपूत (विधायक) आदि ने सक्रियता से भाग लिया।

शुभकामना संदेशों से मिला संबल

इस अनूठे आयोजन को लेकर शुभकामनाएँ प्राप्त होने का क्रम लगातार चलता रहा। श्री किरन रिजूजी, केंद्रीय खेल मंत्री, श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया (खेल एवं युवा कल्याण मंत्री), मशहूर फिल्म गायक अनु मलिक, भजन की जानी-मानी गायिका अनुराधा पौड़वाल, अनुप जलोटा, चैंबर ऑफ कॉमर्स, लंदन के चेयरमैन विजय गोयल, दिल्ली की भाजपा प्रवक्ता एवं सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता पूजा सूरी, दक्षिण भारत की अभिनेत्री मधुमती, प्राची अधिकारी, कन्नड़ फिल्म अभिनेत्री रूपा अय्यर, प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पं. सोमेश माथुर तथा बुलेट रानी के नाम से मशहूर राजलक्ष्मी मांडा के बधाई संदेश प्राप्त हुए।

बुलेट रानी के नौगाँव, छतरपुर, महोबा, मऊरानीपुर और निवाडी में पाँच रोड शो

बुलेट रानी के नाम से मशहूर राजलक्ष्मी मांडा आज प्रात: 9 बजे नौगाँव में भारती साहू एवं मातृशक्ति के साथ दोपहर 12 बजे छतरपुर में श्रीमती अर्चना सिंह और मातृशक्ति के साथ एवं अपराह्न 4 बजे महोबा में कु. भारती आर्य और मातृशक्ति के साथ बुंदेलखंड मैराथन के समर्थन में रोड शो करके मैराथन के प्रति जन-जागरण किया।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सभी से इस ऐतिहासिक आयोजन में बढ़-चढ़कर भागीदार बनने की अपील की। जिसे जनता ने पलक पांवडे बिछाकर खिलाड़ियों का स्वागत किया।

बुंदेलखंड की प्रतिभाओं को निखारने का न्यास का प्रयास सराहनीय : राष्ट्रीय मंत्री हरीश द्विवेदी, भाजपा
बुंदेलखंड मैराथन में 30 कि.मी. की दौड़ में अनीश थापा, 10 कि.मी. में देवेंद्र और 7 कि.मी. में राजेश साहू प्रथम आए

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के तत्त्वावधान में आयोजित बुंदेलखंड मैराथन : 2021 प्रात: 7 बजे पं. बाबूराम चतुर्वेदी स्टेडियम छतरपुर, छत्रसाल शौर्यपीठ मऊरानीपुर एवं नवोदय विद्यालय नौगाँव से एक साथ अतिथियों द्वारा ध्वज दिखाकर प्रारंभ की गई। पं. बाबूराम चतुर्वेदी स्टेडियम में अतिथियों के रूप में राष्ट्रीय मंत्री और बस्ती उत्तर प्रदेश के सांसद हरीश द्विवेदी, भाजपा के उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह, पटना (बिहार) के विधायक एवं उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी संजीव कुमार चौरसिया, भाजपा (दिल्ली) के प्रदेशाध्यक्ष आदेश गुप्ता, कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सत्यभूषण जैन, पूर्व मंत्री ललिता यादव, पूर्व नपाध्यक्ष अर्चना सिंह, पिछड़ा वर्ग आयोग की पूर्व सदस्य लक्ष्मी यादव, सतना, चंदेल विधायक राजेश प्रजापति, झाँसी मेयर रामतीर्थ सिंघल, डी.आई.जी. विवेकराज सिंह, छतरपुर कलेक्टर शीलेंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा तथा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र, मौजूद रहे। दीप प्रज्वलन एवं भारतमाता, विवेकानंद, पं. गणेश प्रसाद मिश्र तथा श्रीमती

शांति मिश्र के चित्रों पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण किया गया। मैराथन कार्यक्रम के संयोजक नरेंद्र मिश्रा टिब्लू ने अतिथियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। राष्ट्रीय मंत्री और बस्ती, उत्तर प्रदेश के सांसद हरीश द्विवेदी ने धावकों एवं गण्यमान्य नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा जितने भी समाज-सेवा के क्षेत्र में कार्य किए गए हैं, वे अनूठे और सराहनीय हैं। इसी तारतम्य में आज बुंदेलखंड मैराथन का जो आयोजन हो रहा है, वह एक ओर जहाँ तरुणाई को स्वस्थ रखेगा, वहीं दूसरी ओर उन्हें रोजगार के अवसर भी प्रदान कराएगा। इस महत्त्वपूर्ण कार्य के लिए मैं न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र एवं सभी कार्यकर्ताओं को हृदय से साधुवाद देता हूँ। दूसरी 10 कि.मी. की मैराथन दौड़ महाराजा छत्रसाल शौर्य पीठ से प्रारंभ हुई, जिसका शुभारंभ पूर्व मंत्री हरिशंकर खटीक, विधायक पी.एल. तंतुवाय, पूर्व विधायक लखन पटेल की मौजूदगी में प्रारंभ हुई। इसी तरह तीसरी 7 कि.मी. की दौड़ नवोदय विद्यालय से प्रारंभ हुई, जिसका शुभारंभ हमीरपुर के पूर्व सांसद गंगाचारण राजपूत, वर्तमान सांसद पुष्पेंद्र सिंह चंदेल और महोबा विधायक राकेश गोस्वामी ने किया।

ये थे इंतजाम

मैराथन दौड़ में टाइमर मशीन 7 स्थानों पर लगाई गई थी, ताकि पारदर्शी रूप से बिना किसी भेदभाव के वास्तविक विजेता सामने आ सके। प्रत्येक धावक की टीशर्ट में बिप मशीन लगी हुई थी, जो टाइमर मशीन में उसका समय अंकित करती रही। मैराथन में 14 राज्यों के खिलाड़ी, कोच एवं खेल-प्रेमी शामिल हुए। इसमें पुद्दुचेरी, वाराणसी, शिलांग, हैदराबाद, बिहार, चंडीगढ़ तक के धावकों ने भागीदारी की। इस मैराथन ने कई रिकॉर्ड बनाए हैं।

ये रहे विजेता

30 कि.मी. की मैराथन दौड़, जिसमें पूरे देश के लोग भागीदारी कर रहे थे, इसमें अनीश थापा 1 घंटा 30 मिनट 53 सेकेंड पर पहुँचकर प्रथम रहे। इस दौड़ में द्वितीय स्थान रणजीत पटेल तथा तृतीय स्थान नवीन चौहान ने हासिल किया। अन्य 7 लोगों को सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए। 10 कि.मी. की दौड़ में प्रथम स्थान देवेंद्र 42 मिनट 19 सेकेंड, द्वितीय स्थान मोहन कुर्मी तथा तृतीय

स्थान पीयूष ने प्राप्त किया। इसी तरह 7 कि.मी. की दौड़ में प्रथम स्थान राजेश साहू 29 मिनट 23 सेकेंड, द्वितीय स्थान ओमवीर सिंह एवं तृतीय स्थान चेतराम ने प्राप्त किया। इन दोनों दौड़ों में 7-7 सांत्वना पुरस्कार दिए गए। ज्ञातव्य है कि 10 कि.मी. व 7 कि.मी. की दौड़ सिर्फ बुंदेलखंड के प्रतिभागियों के लिए थी। बुंदेली परिवेश में दौड़ी ग्रामीण महिला ने बनाया रिकॉर्ड। नौगाँव क्षेत्र के ग्राम शिका-रपुरा की रहने वाली श्रीमती जानकीबाई अहिरवार ने 7 कि.मी. की दौड़ साड़ी-चप्पल पहनकर, सिर ढककर पारंपरिक बुंदेलखंडी वेषभूषा में पूरी की। इससे यह प्रतीत होता है कि बुंदेलखंड में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। कामकाजी महिलाएँ भी बिना सुख-सुविधाओं के इस तरह की प्रतियोगिताओं में हिस्सेदारी कर सकती हैं। यह बुंदेलखंड के लिए ही नहीं, वरन पूरे देश के लिए एक संदेश है।

मुस्कान ने पेश की मिसाल

10 वर्ष की नन्ही बच्ची मुस्कान ने 10 कि.मी. की दौड़ पूरी ही नहीं की, वरन मुसकराती हुई खेल परिसर पहुँची। इतनी कम उम्र की बच्ची को देख सभी उपस्थित जन ने उसका करतल ध्वनि से स्वागत किया।

ये रहे मौजूद

मुख्य समापन कार्यक्रम पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर धवर्रा में आयोजित हुआ, जिसमें राष्ट्रीय मंत्री और उत्तर प्रदेश के सांसद हरीश द्विवेदी, भाजपा के उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह, पटना (बिहार) के विधायक एवं उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी संजीव कुमार चौरसिया, भाजपा (दिल्ली) के प्रदेशाध्यक्ष आदेश गुप्ता, कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सत्यभूषण जैन, पूर्व सांसद गंगाचरण राजपूत, पथरिया जिला दमोह के पूर्व विधायक लखन पटेल, हमीरपुर सांसद पुष्पेंद्र सिंह चंदेल, हमीरपुर के पूर्व सांसद गंगाचरण राजपूत, झाँसी मेयर रामतीर्थ सिंघल, महोबा विधायक राकेश गोस्वामी, मऊ-रानीपुर विधायक बिहारी लाल आर्य, महोबा भाजपा जिलाध्यक्ष जीतेंद्र सिंह सेंगर, पूर्व मंत्री ललिता यादव, पूर्व उपाध्यक्ष अर्चना सिंह के अलावा छतरपुर जिले के प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। अतिथियों के उद्‌बोधन के पूर्व भारत सरकार के खेल मंत्री किरण रिज्जू, संत त्रिलोचन दासजी महाराज, बैडमिंटन कोच पी. गोपीचंद्र, भाजपा प्रवक्ता एवं पूजा सूरी, पं. सोमेश माथुर, प्रसिद्ध भजन गायक अनूप जलोटा, संगीतकार अनु

मलिक, प्रसिद्ध भजन गायिका अनुराधा पौडवाल, अभिनेत्री रूपा अय्यर, राजलक्ष्मी मांडा 'बुलेट रानी', प्रसद्धि गायक और सांसद मनोज तिवारी, सुलभ इंटरनेशनल के अध्यक्ष डॉ. बिंदेश्वर पाठक आदि के वीडियो संदेश भी मंच पर लगी विशाल टी.वी. स्क्रीन पर दिखाए गए। इस आयोजन में निर्धारित ज्यूरी में बाँदा के आर.एस.ओ. ब्रजेश सेठीजी, झाँसी आर.एस.ओ., राजीव व्यास, सतना, के.एस. गिल एवं छतरपुर, पन्ना, निवाड़ी, सतना के खेल अधिकारी मौजूद रहे। इन्हीं की अनुशंसा पर न्यास ने 10-10 महिलाओं को नकद पुरस्कार भी प्रदान किए। कार्यक्रम में न्यास की सचिव आशा रावत, पूर्व विधायक पुष्पेंद्रनाथ पाठक, अंजुल सक्सेना, हरसू महाराज, जीतेंद्र गौर, सन्नो सक्सेना, सुदीप पांडेय, प्रवीण गुप्त आदि का महत्त्वपूर्ण सहयोग रहा।

बुंदेलखंड मैराथन-2021

- 30 कि.मी. के प्रतिभागी : 1241
- 10 कि.मी. के प्रतिभागी : 981
- 7 कि.मी. के प्रतिभागी 41
- टोटल प्रतिभागी 2263

30 कि.मी. में विजेता

- प्रथम—अनीश थापा (शिलांग)
- द्वितीय—रंजीत कुमार पटेल (वाराणसी)
- तृतीय—नवीन चौहान (महू, इंदौर)

10 कि.मी. के विजेता

- प्रथम—देवेंद्र रैकवार (मऊ सहानियां, छेतरपुर)
- द्वितीय—मोहन कुर्मी (जबलपुर)
- तृतीय—पीयूष तिवारी (लिधौरा, टीकमगढ़)

07 कि.मी. के विजेता

- प्रथम—राजेश साहू (जबलपुर)
- द्वितीय—ओम वीर सिंह (जालौन)
- तृतीय—चेतराम (जालौन)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास

बुंदेलखंड मैराथन : 2021

(स्वामी विवेकानंद संदेश दौड़)

12 जनवरी, 2021 (मंगलवार) ; समय : प्रात: 6.00 बजे

क्र.	तीन समूह	दूरी	आयु	पुरस्कार/नगद/चैक	प्रारंभ स्थान
1)	युवा मैराथन	30 किलो मीटर	17-45	प्रथम द्वितीय तृतीय 51000+31000+21000 =103000/-	पं. बाबूराम चतुर्वेदी स्टेडियम, छतरपुर (म.प्र.)
2)	बाल मैराथन	10 किलो मीटर	12-16	प्रथम द्वितीय तृतीय 21000+11000+5100 =37100/-	महाराजा छत्रसाल शौर्य पीठ, मऊ सहानियाँ (म.प्र.)
3)	ओल्ड (वॉकथॉन)	07 किलो मीटर	46-60	प्रथम द्वितीय तृतीय 11000+5100+2100 =18200/-	नवोदय विद्यालय, नौगांव (म.प्र.)

- **दौड़ समापन और पुरस्कार वितरण : पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर, धवर्रा, महोबा (उ.प्र.)**
- **दस सांत्वना पुरस्कार देय होंगे।**
- **प्रमाण-पत्र, सभी प्रतिभागियों को देय होंगे।**
- **पंजीयन ऑनलाइन करना होगा : https://www.gpmsevanyas.org**
- **प्रवेश शुल्क: 200/- रुपये। (टी शर्ट एवं एनर्जी पेय दिया जायेगा)**
- **बुंदेलखंड क्षेत्र (उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश) : 15 जिले**

1) महोबा
2) बाँदा
3) हमीरपुर
4) चित्रकूट
5) झाँसी
6) ललितपुर
7) जालौन
8) छतरपुर
9) पन्ना
10) टीकमगढ़
11) निवाड़ी
12) सागर
13) दमोह
14) सतना
15) कटनी

*****

मैराथन के अवसर पर श्री दद्दाजी से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए श्री शीलेंद्र सिंह (कलेक्टर), श्री विवेक राज (डी.आई.जी.), श्री विनय द्विवेदी (एस.डी.एम.) सुश्री प्रियांशी भँवर (एस.डी.एम.)

मैराथन दौड़ से पूर्व दीप प्रज्वलन करते हुए मुख्य अतिथि श्री गंगाचरण राजपूतजी श्री हरिशंकर खटीक (पूर्व मंत्री म.प्र.), श्री पी.एल. तंतुवाय (विधायक), श्री पुष्पेंद्र चंदेल (सांसद)

मैराथन दौड़ से पूर्व दीप प्रज्वलन करते हुए डॉ. राकेश मिश्रजी, श्री पुष्पेंद्र नाथजी 'गुड्डन पाठक', श्री दयाशंकर सिंहजी, श्री जीतेंद्र सिंह (जिलाध्यक्ष) व अन्य

मैराथन दौड़ में पहुँचे मुख्य अतिथि श्री संजीव चौरसियाजी,
श्री हरीश द्विवेदीजी (सांसद, राष्ट्रीय मंत्री, भाजपा), श्री दयाशंकर सिंहजी व अन्य

मैराथन दौड़ से पूर्व धावकों में जोश भरते हुए
बाएँ से दाएँ—श्री दयाशंकर सिंहजी, श्रीमती अर्चना गुड्डू सिंह, श्रीमती ललिता यादव (पूर्व मंत्री), डॉ. राकेश मिश्र, श्री संजीव चौरसियाजी, श्री हरीश द्विवेदीजी, श्री आदेश गुप्ताजी, श्री सत्य भूषण जैनजी, श्री रामतीर्थ सिंहल (महापौर झांसी), समस्त मुख्य अतिथिगण व अन्य

श्री पुष्पेंद्र पाठकजी व श्री गंगाचरण राजपूतजी (पूर्व सांसद) महिला जानकी बाई को सम्मानित करते हुए

मैराथन दौड़ से पूर्व धावकों में जोश भरते हुए
बाएँ से दाएँ—श्री दयाशंकर सिंहजी, श्रीमती अर्चना गुड्डू सिंह, श्रीमती ललिता यादव, डॉ. राकेश मिश्र, श्री संजीव चौरसियाजी, श्री हरीश द्विवेदीजी, श्री आदेश गुप्ताजी, श्री सत्य भूषण जैनजी, श्री रामतीर्थ सिंहल

श्री पुष्पेंद्र चंदेल (सांसद), श्री आदेश गुप्ताजी एवं राकेश गोस्वामी (विधायक) के साथ श्री दद्दूदाजी की स्मृति-चित्र

बुंदेलखंड मैराथन दौड़ में प्रतिभागी धावक

महाराजा छत्रशाल शौर्य पीठ मऊसहानिया से दौड प्रारंभ करते प्रतिभागी

प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए नगर के छात्रा व शिक्षिकाएँ

सेवा न्यास की बैठक करते कार्यकर्तागण

प्रथम स्थान प्राप्त अनीस थापा को पुरस्कार देते अतिथि

30 किमी. के प्रथम विजेता श्री अनीश थापाजी का सम्मान

बुंदेलखंड मैराथन के विजेता अपने पुरस्कार प्राप्त करते हुए साथ ही जन सैलाब

पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर धवर्रा

में ओपन जिम की स्थापना
PUSH OR PULL CHAIR
SHOULDER WHEEL
ARM WHEEL
LEG PRESS
WALKING JOGGER
LEG PRESS STRETCH
SIT UP STATION
WEIGHT LIFTING STATION
SCALING LADDRE
METCO

जिला पंचायत महोत्वा के द्वारा ग्राम धौरा स्टेडियम में ओपन जिम की स्थापना
1. ELLIPTICAL EXERCISER
2. CROSS WALKER
3. AIR WALKER
4. ROWING MACHINE
5. TRIPLE TWISTER
6. DIPS AND LEG
7. SEATED CHEST PRESS
8. WAIST AND BACK MASSAGER
9. SURFING BOARD
10. PUSH OR PULL CHAIR
11. SHOULDER WHEEL
12. ARM WHEEL
13. LEG PRESS
14. WALKING JOGGER
15. LEG PRESS STRETCH
16. SIT UP STATION
17. WEIGHT LIFTING STATION
18. SCALING LADDRE
METCO
METCO

मैराथन की पूर्व तैयारी में बाइक रैली

बाइक रैली में उत्साहित युवा व महिलाएँ

छत्रसाल चौक में मैराथन के ध्वज लहराते हुए

सुश्री राज लक्ष्मी मंदा (बुलेटरानी चैन्नई) ने बाइक रैली से मैराथन का प्रचार करते हुए

KAVYA Residency

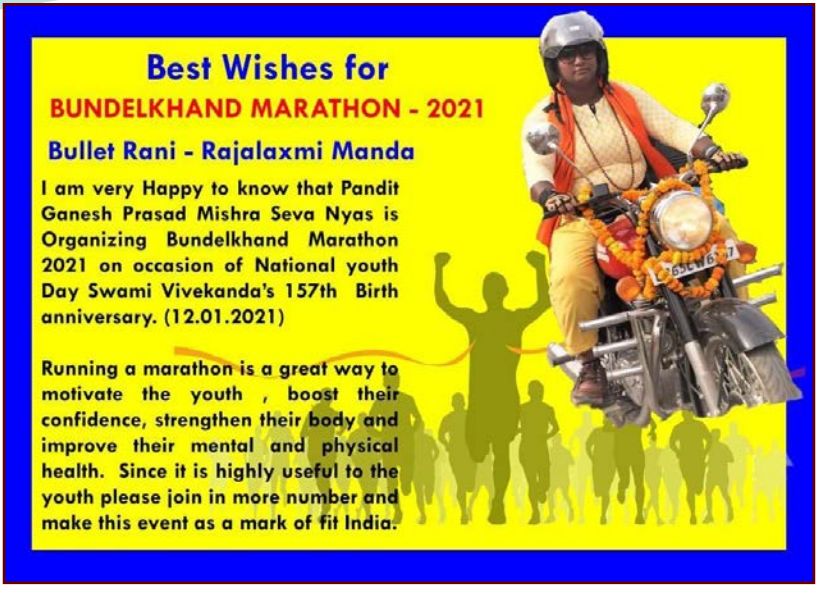
Best Wishes for
BUNDELKHAND MARATHON - 2021
Bullet Rani - Rajalaxmi Manda
I am very Happy to know that Pandit Ganesh Prasad Mishra Seva Nyas is Organizing Bundelkhand Marathon 2021 on occasion of National youth Day Swami Vivekanda's 157th Birth anniversary. (12.01.2021)
Running a marathon is a great way to motivate the youth , boost their confidence, strengthen their body and improve their mental and physical health. Since it is highly useful to the youth please join in more number and make this event as a mark of fit India.

मुद्रित सामग्री विवरण

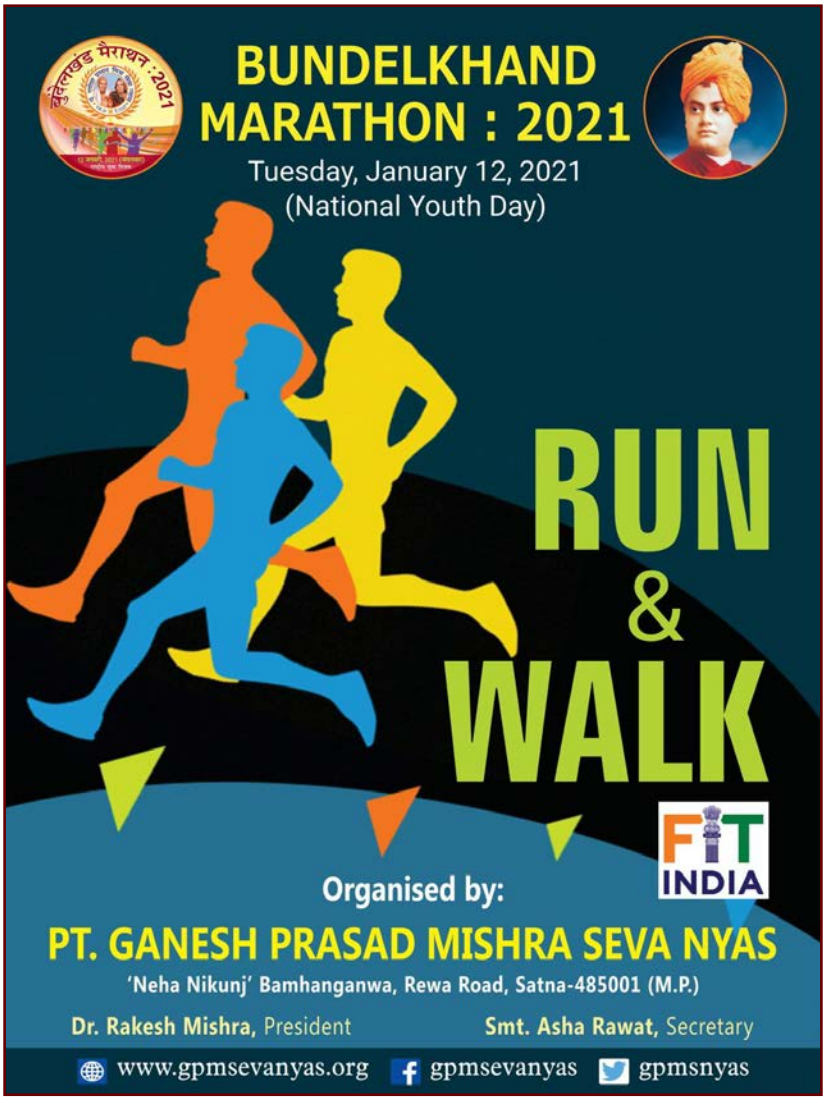

AGE GROUPS

Bal Marathon
12 to 16 years

Yuva Marathon
17 to 45 years

Senior Marathon
46 to 60 years

WHY THIS MARATHON?

- *To promote Swami Vivekananda's thoughts*
- *To create health awareness*
- *To encourage tourism*
- *To create business opportunities for local people*
- *To provide moments of happiness*

FACILITIES

- *T-shirt.*
- *Energy Drink.*
- *Timing Chip.*
- *Medical Facility at starting point, finishing point and throughout the race.*
- *Refreshment for all those who finish the race.*

Starting Point :
Pt. Baburam Chaturvedi Stadium, Chhatarpur (M.P.)

End Point :
Pt. Ganesh Prasad Mishra Sports Premises, Dhawarra (Nowgong) Distt. Mahoba (U.P.)

BUNDELKHAND MARATHON : 2021

RACE RULES

1. The reporting time for all runners is 0600 hrs.
2. The Gun time at the scheduled places for all the three races shall be 0700 hrs.
3. Actual time of runner crossing start line shall be considered as 'Start Time'.
4. Runners crossing the start line before 0710 hrs shall only be eligible for Prize Money and position.
5. Winners shall be decided on the basis on 'Net Time'.
6. Net Time shall be calculated as 'Finish Time minus Start Time'.
7. Runners who cross all timing check points shall be considered as Finisher.
8. Runners shall only be responsible for adherence of route. Any argument related to misguidance from race volunteer etc. shall be overlooked.
9. All runners finishing the race successfully shall be eligible for online certificate. The certificates can be downloaded and printed by visiting www.gpmsevanyas.org and entering the last four digits of the registration number.
10. Any dispute related to race results shall be addressed to by the appointed Committee of Judges.
11. Decision taken by Race Director shall be deemed as final and binding.

JURY

1. **Dr. Piyush Jain,** National Secretary, PEFI
2. **Shri Ajay Sethi,** RSO Banda
3. **Shri Suresh Bonkar,** RSO, Jhansi
4. **Shri Rajeev Vyas,** Sports Officer, Vanijya Mahavidyalaya, Satna
5. **Shri K.S. Gill,** Sports Officer, Janta College Rewa
6. **Shri Sachin Rastogi,** Time Machine Officer
7. **Shri Sudip Pandey,** Co-ordinator

EMERGENCY CONTACT NO.

a. 30 KM :
Shri Pushpendra Pratap Singh 'Guddu'
Mobile No.: 9425162505

b. 10 KM :
Shri Rakesh Shukla 'Radhey'
Mobile No.: 9425304580

c. 07 KM :
Shri Prateek Saxena 'Sanno'
Mobile No.: 9425144295

PRIZES

30 KM
First Prize: ₹ 51,000/-
Second Prize : ₹ 31,000/-
Third Prize : ₹ 21,000/-
& 7 Consolation Prizes

10 KM
First Prize : ₹ 21,000/-
Second Prize : ₹ 11,000/-
Third Prize : ₹ 5,100/-
& 7 Consolation Prizes

7 KM
First Prize : ₹ 11,000/-
Second Prize : ₹ 5,100/-
Third Prize : ₹ 2,100/-
& 7 Consolation Prizes

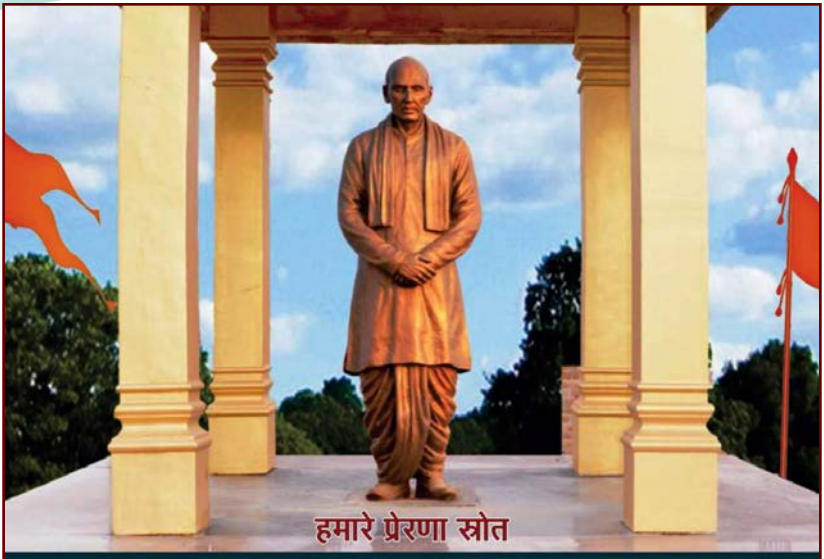

हमारे प्रेरणा स्रोत

बुंदेलखंड मैराथन 2020 निश्चित रूप से भारत सरकार के FIT INDIA कार्यक्रम और बुंदेलखंड की पहचान को पूरे देश में स्थापित करेगी। 'फिटनेस का डोज, आधा घंटा रोज' का मंत्र युवाओं और पूरे समाज को प्रेरित करेगा।

—किरण रिजीजू
केंद्रीय मंत्री

हमारे देश में हर व्यक्ति उत्थान की ओर बढ़ रहा है; बुंदेलखंड में हो रही मैराथन लोगों की भावनाओं को बल देगी; देश की प्रगति में सहभाग करने के लिए आप भी इसमें अवश्य भाग लें।

—अनूप जलोटा
प्रसिद्ध गायक

बुंदेलखंड मैराथन रोजगार और फिटनेस के लिहाज से मील का पत्थर साबित होगी। बुंदेलखंड के उत्साही युवाओं के लिए यह स्वर्णिम अवसर है। अतः आप इसमें अवश्य दौड़ें और फिट रहें।

—अनुराधा पौड़वाल
प्रसिद्ध गायिका

इंद्र जैसा वैभव हो, कुबेर जैसी संपदा ब्रह्मा जैसा ज्ञान हो, आपका स्वास्थ्य अच्छा हो सारे विश्व में आपका नाम हो। 12 जनवरी को बुंदेलखंड में हो रही मैराथन में आप भाग लें, मेहनत करें तो आपका स्वास्थ्य अच्छा होगा और देश को आगे लेकर जाने में आपकी भी भूमिका होगी।

—अनु मलिक
प्रसिद्ध संगीतकार

PT. GANESH PRASAD MISHRA SEVA NYAS

www.gpmsevanyas.org gpmsevanyas gpmsnyas

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास
द्वारा आयोजित
बुंदेलखंड मैराथन : 2021
12 जनवरी, 2021, धवर्रा (महोबा)
(राष्ट्रीय युवा दिवस)
प्रतिभागिता प्रमाण–पत्र
प्रमाणित किया जाता है कि ..... ने
बुंदेलखंड मैराथन : 2021 में ..... में
भाग लिया और ..... समय में दौड़ पूरी की।
हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।
FIT INDIA
डॉ. राकेश मिश्र
अध्यक्ष
नरेंद्र मिश्र 'टिबलू'
संयोजक
www.gpmsevanyas.org gpmsevanyas gpmsnyas
पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास
द्वारा आयोजित
बुंदेलखंड मैराथन : 2021
12 जनवरी, 2021, धवर्रा (महोबा)
(राष्ट्रीय युवा दिवस)
को सफल बनाने में अपूर्व उत्साह के साथ अपना योगदान देने वाले
कर्मठ कार्यकर्ता
को सम्मानस्वरूप यह प्रशस्ति-पत्र प्रदत्त।
FIT INDIA
डॉ. राकेश मिश्र
अध्यक्ष
नरेंद्र मिश्र 'टिबलू'
संयोजक
www.gpmsevanyas.org gpmsevanyas gpmsnyas

''बुंदेलखण्ड मैराथन : 2021 हेतु प्राप्त वीडियों द्वारा शुभकामनाएं संदेश ''

: संदेश :

सेवा भाव को साकार करता पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास

बुन्देलखण्ड के महान कर्मयोगी दद्दा जी

राष्ट्रीय युवा दिवस पर मैराथन दौड़ आज

मंगलवार, 12 जनवरी, 2021

क्रमांक	महान शख्सियत	दायित्व/पदनाम	वीडियो	लिंक
1	मा. श्री किरन रिजीजू जी	युवा मामले एवं खेल (स्वतंत्र प्रभार) अल्पसंख्यक मामले राज्य मंत्री, भारत सरकार	✓	SHRI KIREN RIJIJU MINISTRY OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS.mp4
2	श्रीमती यशोधराराजे सिंधिया जी	खेल एवं युवा कल्याण, तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री, मध्य, प्रदेश शासन	✓	SMT YASHODHARA RAJE SCINDIA HON'BLE MINISTER MP.mp4
3	संत त्रिलोचन दास जी महाराज जी	लोनी, गाजियाबाद (उ.प्र.)	✓	SANT TRILOCHAN DAS JI MAHARAJ.mp4
4	श्री पुलेला गोपीचंद जी	बैडमिंटन कोच	✓	SHRI PULLELA GOPICHAND CHIEF NATIONAL COACH INDIAN BADMINTON TEAM.mp4
5	श्री मुकेश भट्ट जी	हिन्दी फ़िल्म निर्माता	✓	MUKESH BHATT FILMOGRAPHY.mp4
6	श्री अनु मलिक जी	प्रसिद्ध संगीतकार	✓	ANU MALIK JI INDIAN MUSIC DIRECTOR AND SINGER.mp4
7	श्री अनूप जलोटा जी	प्रसिद्ध गायक	✓	ANUP JALOTA JI INDIAN SINGER.mp4
8	श्रीमती अनुराधा पौड़वाल जी	प्रसिद्ध गायिका	✓	ANURADHA PAUDWAL JI INDIAN PLAYBACK SINGER.mp4
9	श्री मनोज तिवारी जी	सांसद, पूर्वी दिल्ली एवं गायक	✓	MANOJ TIWARI JI MP (EAST DELHI) & SINGER AND ACTOR.mp4
10	पं. सोमेश माथुर जी	संगीतकार, मुंबई	✓	PT. SOMESH MATHUR JI.mp4
11	डॉ. बिंदेश्वर पाठक जी	संस्थापक, सुलभ इंटरनेशनल	✓	DR BINDESHWAR PATHAK JI FOUNDING SULABH INTERNATIONAL.mp4
12	गायत्री सिद्ध पंडित लक्ष्मण दास रतन भारद्वाज जी	असाध्य रोग निवारक	✓	GAYATRI SIDH PANDIT LAXMAN DAS RATAN BHARDWAJ.mp4
13	डॉ. (जनरल) वेद प्रकाश चतुर्वेदी	वरिष्ठ सलाहकार, रुमेटोलॉजी और क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी, सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली	✓	DR. (LT GENERAL) VED CHATURVEDI JI.mp4
14	श्री विजय गोयल जी	अध्यक्ष, चेम्बर ऑफ कॉमर्स लंदन		VIJAY GOEL JI ADVISOR GOVT OF MALTA.mp4
15	श्रीमती रूपा अय्यर जी	कन्नड़ फिल्म अभिनेत्री	✓	MS. RUPA IYER, KANNADA FILM ACTRESS.mp4
16	श्रीमती पूजा सूरी जी	अधिवक्ता एवं प्रवक्ता, भाजपा दिल्ली	✓	POOJA SURI JI ADVOCATE SPOKESPERSON BJP.mp4
17	श्रीमती मधुवंती जी	तमिल फिल्म अभिनेत्री	✓	MADHUVANTHII JI ACTOR-STATE EXCUTIVE COMMITTEE MEMBER OF BJP TAMILNADU.mp4
18	सुश्री प्राची अधिकारी जी	फिल्म अभिनेत्री, आन्ध्र प्रदेश (तेलगू)	✓	Ms. PRACHEE ADHIKARI-ACTRESS.mp4
19	श्रीमती (डॉ.) नंदिनी आजाद जी	अध्यक्ष, इंडियन को-ऑपरेटिव नेटवर्क फॉर वीमेन (आई.सी.एन.वी.) एच.क्यू. चेन्नई		https://youtu.be/Nck1faWeZLI
20	श्री राहुल त्रिपाठी जी	गायक, नौगांव	✓	RAHUL TRIPATHI SINGER.mp4
21	श्री सचिन रुस्तगी जी	टाइमिंग सिस्टम का संचालन करना	✓	SACHIN RUSTGI JI TIMING SYSTEM.mp4
22	श्री अंकुर यादव जी	कार्यक्रम की पूर्ण रूपरेखा विडियों के माध्यम से	✓	SHRI ANKUR YADAV ADVERTISEMENT.mp4
23	श्री संतोष गुप्ता जी	गायक, लेखक एवं संगीतकार	✓	SANTOSH GUPTA JI.mp4
24	मैराथन विज्ञापन-1	जी न्यूज	✓	1 ADVERTISEMENT 12-01-2021.mp4
25	मैराथन विज्ञापन-2	मैराथन विज्ञापन-2	✓	ADVERTISEMENT (2) 12-01-2021.mp4
26	मैराथन विज्ञापन-3	मैराथन विज्ञापन-3	✓	ADVERTISEMENT (3) 12-01-2021.mp4
27	श्री प्रवीण नायक	मैराथन विज्ञापन-4	✓	MIX ADVERTISING.mp4
28	सुश्री अमृता गौतम जी	वर्ल्ड हैरिटेज	✓	https://drive.google.com/drive/folders/1T4APZmxAmfQwQIzQ7AOnWd6t-Q52aohb
29	सुश्री बारोनेस वर्मा जी	हाउस ऑफ़ लॉर्ड्स लंदन एवं पूर्व मंत्री	✓	MS. BARONESS VERMA.mp4
30	फाइनल लिंक	जी न्यूज, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़	✓	https://youtu.be/ifJzBuXAd1Y
31	सुश्री राजलक्ष्मी मांडा तमिलनाडु	भाजपा प्रचारक, बाइक शक्ति यात्रा, चेन्नई (तमिलनाडु)	✓	Rajalaxmi Manda ji.mp4 https://youtu.be/lwaQtm8NnsA

******

कार्यक्रम : पं. गणेश प्रसाद मिश्र एवं श्रीमती शांति मिश्राजी की पुण्य स्मृति में माघ माहात्म्य कथा, श्री रामकथा, श्रीमद्भागवत कथा

दिनांक : 7 फरवरी, 2021 (रविवार)

कार्यक्रम स्थल : त्रिवेणी मार्ग, दक्षिण पटरी पुल नं. 2, के पास (झूसी साइड) गंगा तट से पहला भूखंड, सेक्टर नं. 3, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास चश्मे एवं कान की मशीनें देकर नया जीवन प्रदान कर रहा है : श्री विनोद सोनकर, राष्ट्रीय सचिव भाजपा

न्यास द्वारा स्वच्छता कर्मियों को कंबल, जैकेट व टी-शर्ट का वितरण

शिव तांडव, महाकाली, बजरंग बली की प्रस्तुतियों से सजीव नृत्य किया

श्रीराम कथा में राम विवाह प्रसंग पर पं. राहुल शास्त्रीजी की सुमधुर धारा

1280 मरीजों को चश्मे व 136 को कान की मशीनें प्रदत्त की गई

प्रयागराज माघ मेले में पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के द्वारा आयोजित बारहवें स्वास्थ्य शिविर में उद्घाटन अवसर पर पहुँचे कौशांबी लोकसभा क्षेत्र के सांसद और भाजपा के राष्ट्रीय सचिव श्री विनोद सोनकर ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि **'नर सेवा ही नारायण सेवा है'** इस वाक्य को चरितार्थ करते हुए न्यास अपने प्रारंभकाल से समाज सेवा के काम में सक्रियता से लगा है। यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रजी और उनके परिवार जन व सहयोगी अन्य पदाधिकारी धवर्रा गाँव, महोबा से लेकर प्रयागराज में माघ मेले तक इस पुण्य कार्य में लगे हैं। यह वाकई प्रशंसनीय व अभिनंदनीय कार्य है। इस पुनीत कार्य में अपनी व्यस्तता के बाद भी समय निकालकर निश्चित ही बहुत बड़ा पुनीत कार्य कर रहे हैं। आज इस शिविर के माध्यम से जिन बुजुर्गों, माता, भाइयों को नि:शुल्क चश्मा मिला, जिससे वह आज खुद ही अपनी आँखों से पुण्य गंगा माता और यहाँ के आनंद के दर्शन कर सकेंगे। साथ ही, जिनको कान की मशीनें मिलीं, वो खुद अपने कानों से यहाँ की फिजाओं में बह रही हरि नाम की धुन को सुन सकेंगे। ऐसे में तीर्थयात्रियों के आनंद की सीमा को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। आज से उनके जीवन में न्यास के सहयोग से एक नया परिवर्तन आएगा। उन्होंने न्यास के कामों पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि हम सभी को अपने-अपने जीवन में

संकल्प लेकर यथासंभव सेवा कार्यों में हाँथ बँटाना चाहिए। यही हमारी, हमारे द्वारा अर्जित वो पूँजी है, जो हम सबको बेशकीमती आनंद की अनुभूति करा सकती है।

श्री विनोद सोनकर (सांसद एवं राष्ट्रीय मंत्री भाजपा), श्री सत्यभूषण जैन (दिल्ली), डॉ. राकेश मिश्र, डॉ. अजय भारती (विधायक) श्री हर्ष वाजपेयी (विधायक) मरीजों को कंबल व वस्त्र वितरण करते हुए

श्रीमद्भागवत की आरती उतारते श्रद्धालुगण

विभिन्न कल्पवासियों के परिवार (अतुल गुप्ता) सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र से भेंट करते हुए

इस मौके पर न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कहा कि अनेक बार इस मेले में आने का मौका मिला तो अनुभव किया कि यहाँ खाने-पीने के और अनेक धार्मिक आयोजन तो देखने को मिलते हैं, उनमें बहुत से ऐसे जरूरतमंद भी रहते होंगे, जो अपनी आँखों से और कानों से खुद ही अभाव के कारण आनंद से वंचित रहते होंगे, तभी से इस काम को न्यास ने अपने हाथ में लिया है और विगत चार साल से हम इस आयोजन को अनवरत कर रहे हैं।

इस नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में 1280 नेत्र रोगियों को तारा नेत्र संस्थान (उदयपुर) के सहयोग से डॉक्टरों ने परीक्षण कर चश्मे व दवाई दी। वहीं कार्यक्रम में 324 मरीजों के कान का परीक्षण किया गया एवं 136 लोगों को ऐल्प्स इंटरनेशनल लिमिटेड दिल्ली के सहयोग से कान की मशीनें प्रदान की गईं।

श्रीराम कथा में हवन-पूजन

स्वामी श्री शंकर्षणाचार्यजी भीमकुंडवाले महाराज के पावन सान्निध्य में पूरे माघ मास में न्यास के द्वारा अनेक धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। जिनमें माघ माहात्म्य कथा, श्री मद्भागवत कथा एवं श्रीराम कथा लगातार चल रही है। पं. राहुल शास्त्री

वृंदावन के मुखारविंद से अमृत धारा पर राम-जानकी विवाह प्रसंग में झूम उठे।

विशाल भंडारा : पूरे एक माह तक यहाँ मेले में आए साधु-संत व कल्पवासी भोजन कर रहे हैं। श्रीराम कथा एवं स्वास्थ्य शिविर के अवसर पर दो दिनों तक विशेष व्यंजनों के साथ भंडारे का आयोजन भी किया गया। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात के 36 जिलों के तीर्थयात्री एक माह तक यहाँ निवास कर हरि भजन कर कल्पवास कर रहे हैं।

संगम तट पर पूजा

न्यास के सहयोगी एवं अतिथियों ने नाव पर जाकर संगम में डुबकी लगाई व अपने पूर्वजों के नाम पर विशेष पूजा कर आशीर्वाद ग्रहण किया। श्री विष्णु कुमार सुरेखा, श्री राजेश वर्मा, श्री अनूप नारंग, डॉ. पुरुषोत्तम गंगेले, श्री अभिनव त्रिपाठी सतना, श्री बॉबी असाटी, गोविंद अरजरिया, शशिकांत मिश्र एवं न्यास के लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इसके पश्चात् अक्षय वट दर्शन, लेटे हनुमानजी के दर्शन कर सभी के कल्याण की कामना की।

नाविकों एवं पंडा पुजारियों को भी टी-शर्ट, जैकेट देकर न्यास ने शीतकाल में उनका सहयोग किया।

स्वच्छता कर्मियों को कंबल, टी-शर्ट और जैकेट वितरण किया गया— माघ मेले में स्वच्छता करनेवाले महिला एवं पुरुषों को पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की ओर से कंबल, टी-शर्ट व जैकेटें दी गईं। श्री विनोद सोनकर सांसद, श्री हर्ष वाजपेयी, डॉ. अजय भारती, श्रीमती आशा रावतजी के द्वारा यह प्रदान किए गए।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से पंडाल में धूमधाम—आज रविवार को श्रीराम कथा के समापन मौके पर गणेश श्रीवास्तव ग्रुप द्वारा सजीव शिव तांडव, माँ काली आराधना नृत्य और भगवान् बजरंग बली द्वारा राम आराधना नृत्य की बहुत सुंदर प्रस्तुतियाँ दी गईं। पूरा पंडाल जय श्रीराम के नारों से गुंजायमान रहा। विवेक स्वरूप ने यह संयोजन किया एवं श्री प्रवीण खरे 'मंटू' ने संचालन किया।

इनकी रही विशेष उपस्थिति—इस कार्यक्रम में बांदा, चित्रकूट, महोबा, सागर, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़, सतना, रीवा, सीधी, प्रतापगढ़, झाँसी जिलों से हजारों लोग उपस्थित रहे। (शहर उत्तरी) के विधायक श्री हर्ष वाजपेयी, डॉ. अजय भारतीय (विधायक, बारा), श्री लाल बहादुर (विधायक, मंझनपुर), श्री पी.एल.

तंतुवाय (विधायक हटा), श्री सी.पी. शुक्ला (विधायक कप्तानगंज), श्री संजय गुप्ता (विधायक, चायल), श्री अवधेश गुप्ता (क्षेत्रीय उपाध्यक्ष काशी क्षेत्र), श्री एस.के. शर्मा (जिला शिक्षा अधिकारी, छतरपुर), श्री सत्य भूषण जैन, उपाध्यक्ष कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स, श्री विष्णु कुमार सुरेखा, समाजसेवी, श्री वैभव नाथ भारती (जिलाध्यक्ष यमुनापार), डॉ. एल.एस. ओझा (प्रदेश संयोजक चिकित्सा प्रकोष्ठ), श्री दिलीप चौरसिया, प्रयागराज, श्री सिंटू मिश्रा, श्री पुष्पेंद्र सिंह, श्री पवन पांडेय, श्री आशीष केसरवानी, श्री अनूप मिश्रा, श्री पुष्पराज सिंह पटेल, श्री अरविंद सिंह पप्पू (सतना), श्री शिव शंकर सिंह, महोबा, श्री कमलेश सिंह, श्री उमाशंकर मिश्र, श्री राज नारायण तिवारी (रीवा), श्री विजय द्विवेदी, श्री अनिल खरे, श्री प्रवीण दुबे, श्री रिंकू राठौर विशेष रूप से रहे। श्री गणेश केसरवानी (अध्यक्ष महानगर भाजपा श्री बृज विलास मिश्र (जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण रीवा), कानपुर से श्री पुनीत साहू, छतरपुर से श्री मंटू खरे, श्री विनोद सिंह घोष, श्री नरेंद्र मिश्रा, प्रवीण दुबे, रिंकू राठौर, उमाशंकर मिश्र, ब्रजेश वाजपेयी उपस्थित रहे।

भंडारा में प्रसाद वितरण करते कार्यकर्त्ता

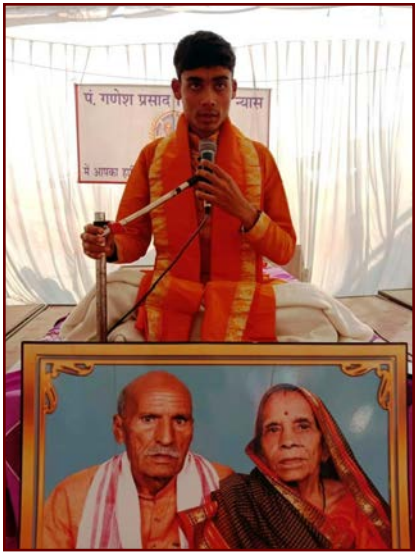

भागवत कथा करते कथावाचक श्री राहुल शास्त्री

यज्ञोपवीत संस्कार समारोह में नव युवक

कार्यक्रम : नेत्र शिविर, सामग्री वितरण व भंडारा
दिनांक : 24 फरवरी (बुधवार)
कार्यक्रम स्थल : त्रिवेणी मार्ग, दक्षिण पटरी पुल नं. 2, के पास (झूसी साइड) गंगा तट से पहला भूखंड, सेक्टर नं. 3, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)

माघ मेले में स्वास्थ्य शिविर से अनूठा संदेश

सामाजिक नवनिर्माण में सशक्त भूमिका निभाता पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास

आज पं. गणेश प्रसाद न्यास किसी परिचय का मोहताज नहीं है। विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों चाहे वह स्वास्थ्य का क्षेत्र हो या शिक्षा का। चाहे धार्मिक आयोजनों की शृंखला हो, खेल का क्षेत्र हो या साहित्यिक अवदान का। न्यास ने प्रत्येक क्षेत्र में बढ़-चढ़कर कार्य किए हैं। बुंदेलखंड मैराथन जैसा अद्‌भुत आयोजन तो पिछड़े बुंदेलखंड के लिए दिवास्वप्न ही था। इसी क्रम में प्रयागराज में लगातार चौथी बार 29 जनवरी से प्रारंभ व 27 फरवरी को संपन्न होने जा रहे माघ मेले में कल्पवासी शिविर का आयोजन एक दुर्लभ एवं वैशिष्ट्यपूर्ण आयोजन था।

देश के कोने-कोने से आए लोग हुए लाभान्वित

न्यास के इस शिविर में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, दिल्ली, राजस्थान आदि के 28 जिलों से प्रतिवर्ष 500 लोग एक माह तक रहते हैं। जिनके निवास, भोजन आदि की व्यवस्था न्यास द्वारा की जाती है। सभी श्रद्धालु श्रीमद् भागवत कथा का रसास्वादन भी करते हैं। इस वर्ष इस अभूतपूर्व आयोजन में जहाँ एक ओर तीन कथाएँ पूर्ण हुईं, वहीं उपनयन संस्कार भी कराए गए।

माघ माहात्मय कथा का समापन, पूर्णाहुति, हवन एवं भंडारा, जहाँ 07 फरवरी को संपन्न हुआ। वहीं इसी दिन नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें आँख व कान के मरीजों को नि:शुल्क कंबल, बिस्तर, दवा, चश्मा, कान की मशीनें तथा सामग्री वितरित की गई। इसी तारतम्य में 24 फरवरी को नेत्र शिविर का भी आयोजन संपन्न हुआ, जिसमें लगभग 1082 लोगों की जाँच हुई तथा उन्हें दवाइयाँ व चश्मे वितरित किए गए। इस शिविर से लोग नई रोशनी एवं श्रवण क्रांति से लाभान्वित हुए।

स्वामी शंकर्षणाचार्यजी भीमकुंड धाम के नेतृत्व में हुआ भव्य आयोजन

इस शिविर में शंकर्षणाचार्यजी की अगुआई में तीन कथाओं के साथ-साथ संगीत रत्न गणेश श्रीवास्तव एवं ग्रुप के द्वारा महाकाली, बजरंगबली, शिव तांडव आदि की नृत्य नाटिकाएँ प्रस्तुत की गईं, जिसे देखकर लोग भाव-विभोर हो गए। आयोजन में त्रिवेणी आरती, गंगा आरती, अक्षयवट आरती, पातालपुरी दर्शन व हनुमानजी की आरती को भी शामिल किया गया था, ताकि लोग इसके महत्त्व को भी जान सकें।

न्यास का उद्देश्य भारतीय संस्कृति को जन-जन तक पहुँचाना

न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने बताया कि इस आयोजन को लेकर न्यास का उद्देश्य तीर्थाटन व पर्यटन के माध्यम से भारतीय संस्कृति व विरासत के दर्शन कराना है। उन्होंने आयोजन के लिए तारा नेत्र संस्थान, सद्गुरु सेवा संघ, ऐल्प्स इंटरनेशनल लिमिटेड का भी आभार व्यक्त किया। साथ ही उनका भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आयोजन को भव्य बनाने में अपना योगदान दिया है। संकल्प मिश्र ने सभी अतिथियों को शॉल व स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। मेले की व्यवस्था में लगे सभी कर्मचारियों व अधिकारियों को कंबल, टी-शर्ट, जैकेटें व न्यास की पुस्तक प्रदान की गईं।

इनकी रही विशेष उपस्थिति

इस शिविर में परमपूज्य शंकर्षणाचार्यजी महाराज भीमकुंड, कथावाचक अनंतराम कुररिया, पं. घनश्याम शास्त्रीजी, डॉ. अरविंद चौरसिया अवर सचिव उत्तर प्रदेश सरकार, बारा के उप-जिलाधिकारी सुभाष यादव, करछना के एस.डी.एम. विनोद पांडे, प्रयाग से मेला अधिकारी विवेक चतुर्वेदी, तहसीलदार विवेक शुक्ला, प्रयागराज एस.एस.पी. सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी, एस.पी. क्राइम आशुतोष मिश्रा, डॉ. राजाराम यादव, पूर्व कुलपति जौनपुर वि.वि., हँडिया तहसीलदार रामप्रसाद त्रिपाठी, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष दर्शना सिंह, शिवांगी मिश्रा पार्षद, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रीता सिंह, गंगापार भाजपा जिलाध्यक्ष अश्वनी द्विवेदी, महामंत्री जीतलाल त्रिपाठी, संजय नकरा, कोषाध्यक्ष आशीष केशरवानी, युवा नेता मनोज निषाद, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य पवन पांडेय, संकटा द्विवेदी, दिलीप चौरसिया,

अतुल गुप्ता, कमलनयन अवस्थी, वृंदावन से राहुल कृष्ण शास्त्री, उच्च न्यायालय अधिवक्ता अशोक पांडेय, महानगर युवा मोर्चा अध्यक्ष विनय मिश्रा 'सिंटू', मंडल अध्यक्ष गौरीशंकर सिंह पटेल, ए.डी.ओ. राकेश सिंह, प्रयाग विश्वविद्यालय मंडल अध्यक्ष ज्ञानेंद्र मिश्र, प्राचीन इतिहास के प्रो. डी.पी. दुबे, प्रयागराज जिला कार्यकारिणी सदस्य स्वाति गुप्ता, शोधछात्र पीयूष मिश्र, भाजपा पूर्व उपाध्यक्ष राकेश त्रिवेदी, एल.डी.बी. बैंक अध्यक्ष वेदप्रकाश सिंह, एस.डी.एम. प्रेमचंद्र मौर्य, वेदप्रकाश शर्मा पुणे, कामकाज सिंह पटेल, विशाल गुप्ता, विवेक स्वरूप, अवंतिका टंडन, सन्नो सक्सेना, कन्हैया अग्रवाल, मोनू शर्मा, राजीव शर्मा, विकास सिंह (रीवा), नरेंद्र गुप्ता 'डब्बू', एड. आदित्य पांडे (सतना), विनोद द्विवेदी (सिंगरौली), विनोद तोमर (दिल्ली), संजीव कुमार, अनिल कुमार (गुरुग्राम), अशोक गौतम (दिल्ली), अंकित शर्मा, एड. चिराग मुद्गल सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

प्रयागराज के एस.एस.पी. श्री सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठीजी मेला परिसर में न्यास के कार्यकर्ता से स्मृति चिह्न ग्रहण करते हुए

कान की मशीन प्राप्त करते हुए मरीज

कथा का रसास्वाद करते श्रद्धालुगण
श्री प्रतीक सक्सेना 'सन्नो', मोनू शर्मा, कन्हैया अग्रवाल एवं अन्य

मुद्रित सामग्री

स्थानीय समाचार-पत्रों में आए आलेख

''बुंदेलखण्ड मैराथन : 2021 कार्यक्रम की विभिन्न चैलनों पर कवरेज''

वीरवार, 04 फरवरी, 2021

क्रमांक	न्यूज चैनल का नाम	शीर्षक	वीडियो	यूट्यूब वीडियो लिंक	वीडियो लिंक
1	THE NETIZEN NEWS	छतरपुर-बुंदेलखंड दौड़ का हुआ आयोजन बुंदेलखंड मैराथन का कवरेज नेटिजन न्यूज में विशेष कवरेज	✓	https://youtu.be/TPHxQ19_geE	The Netizen News.mp4
2	THE PEPTECH TIME मध्य प्रदेश समाचार	पेप्टेक टाईम पर खिलाड़ियों के इंटरव्यू बुन्देलखण्ड मैराथन के विजेता का इंटरव्यू सुन लो	✓	https://youtu.be/S6eAsNA1_FQ	The Peptech Time.mp4
3	THE PEPTECH TIME मध्य प्रदेश समाचार	बुंदेलखंड मैराथन:2021 के आयोजन पर सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ राकेश मिश्र का एक्सक्लूजिव इंटरव्यू अवश्य देखिये। पेप्टेक टाइम्स पर मैराथन लाइव 12 जनवरी	✓	https://www.youtube.com/watch?v=WaAfvLDioIE&feature=youtu.be	The Peptech Time 2.mp4
4	ZEE MADHYA PRADESH & CHATTISGARH	10 किमी विजेता का जी न्यूज पर इंटरव्यू 7KM की Race में पहले स्थान पर रहे Jabalpur के Rajesh Sahu #PTGaneshPrasadMishraSevaNyas #BundelkhandMarathon #NationalYouthDay	✓	https://www.youtube.com/watch?v=pUBT1F21yvQ&feature=youtu.be	ZEE MADHYA PRADESH & CHATTISGARH.mp4
5	PEPTECH TIME MP	विभिन्न विजेताओं के इंटरव्यू पेप्टेक टाईम्स पर पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा आयोजित, बुन्देलखण्ड मैराथन पर क्या बोले विजेता और अतिथि	✓	https://youtu.be/X4RocW0CY-s	PEPTECH TIME MP.mp4
6	BUNDELI CHUGLI	मैराथन दौड़ खूब मची होड़ बुंदेली चुगली चैनल पर मैराथन का कवरेज	✓	https://youtu.be/J7CRCVknOZ4	BUNDELI CHUGLI.mp4
7	SAMNA LIVE	छतरपुर मैराथन दौड़ में दिखा युवाओ का जोश। बुंदेलखंड मैराथन का सामना लाइव चैनल पर लाइव प्रसारित समाचार व इंटरव्यू	✓	https://youtu.be/8yDBfnmhY4c	SAMNA LIVE.mp4
8	MADHYA PRADESH TIME	छतरपुर-बुंदेलखंड मैराथन का धौम सांग हुआ लॉन्च,फिल्मी कलाकारों से भी दी आयोजन के लिये शुभकामनाये। धौम सांग रिलीज समाचार	✓	https://youtu.be/H8pkcETJ9Wk	MADHYA PRADESH TIME.mp4
9	ZEE MADHYA PRADESH & CHATTISGARH	Bundelkhand Marathon 2021 का आगाज, सभी आयु वर्ग के लोग हुए शामिल	✓	https://youtu.be/VaK8k5x0IMM	ZEE MADHYA PRADESH & CHATTISGARH_1.mp4
10	BUNDELI NEWS	न्यूज नेशन में मैराथन लाइव: बुन्देली न्यूज छतरपुर जिले के नौगांव व उत्तर प्रदेश महोबा जिले के धौर्रा में पंडित गणेश प्रसाद मिश्र न्यास द्वारा आयोजित बुंदेलखंड मैराथन में तीन हजार दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें 30 किलोमीटर ,10 किलोमीटर एवं 7 किलोमीटर की दौड़ रखी गई। इस मैराथन दौड़ में बुंदेलखंड के करीब 15 जिलों से 5 हजार प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया , तो वहीं 3 हजार प्रतिभागी मैराथन दौड़ में सम्मिलित हुए। दौड़ की शुरुआत बाबाधाम चतुर्वेदी स्टेडियम छतरपुर, महाराजा छत्रसाल यूनिवर्सिटी मऊमहोनिया, व नवोदय विद्यालय नौगांव से न्यास के अध्यक्ष डॉ राकेश मिश्रा ने हरी झंडी दिखा रवाना की। जिसमे 30 किलोमीटर की दौड़ में प्रथम स्थान पाने वाले अनीस यादव ने 1:30:53 में दौड़ पूरी की तो वहीं 10 किलोमीटर की दौड़ में देवेंद्र ने 41 मिनिट में दौड़ पूरी की वहीं 7 किलोमीटर की दौड़ में राकेश साहू ने 29 मिनिट में दौड़ को पूरा कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वही 7 किलोमीटर की दौड़ में शामिल 55 वर्षीय महिला प्रतिभागी जानकी बाई ने साड़ी पेटीकोट पहनकर दौड़ पूरी कर आकर्षण का केंद्र रही। जिनको दिल्ली के प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने दिल्ली मैराथन के लिए आमंत्रित किया। वही कार्यक्रम के आयोजक डॉ राकेश मिश्रा ने बताया कि खेल के प्रतिभो को आगे बढ़ाने की मंशा से प्रधानमंत्री के नारे फिट इंडिया, हिट इंडिया को साकार करने के लिए देश के नौजवान में खेल भावना के प्रति जागृत करने व कोरोना काल में घरों में बैठे लोगों को वास्तविक करने की मंशा से बुंदेलखंड मैराथन दौड़ आयोजित की गई , जिसमें देखा गया कि प्रतिभा क्षेत्र में पिछले 2 महीनों से रोजाना प्रैक्टिस कर रहे लोगों ने भी भाग लिया।	✓	https://youtu.be/xDEfERkMbhs	BUNDELI NEWS.mp4
11	श्री दीपक साहू बुंदेलखंड	महाराजा छत्रसाल शौर्य पीठ मऊ सहानियॉ से मैराथन का कवरेज मैराथन दौड़ मऊ सहनिया से धौर्रा 10 km	✓	https://youtu.be/cTlObCpnZ7Q	Mr. Deepak Sahu Bundelkhand.mp4

क्रमांक	न्यूज चैनल का नाम	शीर्षक	वीडियो	यूट्यूब वीडियो लिंक	वीडियो लिंक
12	SUDARSHAN NEWS	सुदर्शन न्यूज़ चैनल पर बुंदेलखंड मैराथन:2021 का महाकवरेज पं. गणेश प्रसाद मिश्र बुंदेलखंड मैराथन 2021	✓	https://youtu.be/9BtuegUjeeI	SUDARSHAN NEWS.mp4
13	INDIA NEWS 24 KAPIL PATEL	इंडिया न्यूज़ 24 में बुंदेलखंड मैराथन का कवरेज! बुंदेलखंड मैराथन दौड़ 2021	✓	https://youtu.be/RuUM-nayumw	INDIA NEWS 24 KAPIL PATEL.mp4
14	RRK NEWS	RRK News का कवरेज मैराथन में तीन स्तरीय दौड़ का आयोजन किया गया जिसमें 30 किलोमीटर 10 किलोमीटर एवं 7 किलोमीटर छतरपुर जिले के नौगांव व उत्तर प्रदेश महोबा जिले के धौर्रा में पंडित गणेश प्रसाद मिश्र न्यास द्वारा आयोजित बुंदेलखंड मैराथन में तीन स्तरीय दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें 30 किलोमीटर ,10 किलोमीटर एवं 7 किलोमीटर की दौड़ रखी गई। इस मैराथन दौड़ में बुंदेलखंड के करीब 15 जिलों से 5 हजार प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया , तो वहीं 3 हजार प्रतिभागी मैराथन दौड़ में सम्मिलित हुए। दौड़ की शुरुआत बाबूराम चतुर्वेदी स्टेडियम छतरपुर, महाराजा छत्रसाल शीर्षपीठ मऊसहानिया, व नवोदय विद्यालय नौगांव से न्यास के अध्यक्ष डॉ राकेश मिश्रा ने हरी झंडी दिखा रवाना की। जिसमें 30 किलोमीटर की दौड़ में प्रथम स्थान पाने वाले अनीस धारा ने 1:30:53 में दौड़ पूरी की तो वहीं 10 किलोमीटर की दौड़ में देवेंद्र ने 41मिनिट में दौड़ पूरी की वहीं 7 किलोमीटर की दौड़ में राकेश साहू ने 29 मिनिट में दौड़ को पूरा कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं 7 किलोमीटर की दौड़ में शामिल 55 वर्षीय महिला प्रतिभागी जानकी बाई ने साढ़ी फायल चलकर दौड़ पूरी कर आकर्षण का केंद्र रही। जिनको दिल्ली के प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने दिल्ली मैराथन के लिए आमंत्रित किया। वहीं कार्यक्रम के आयोजक डॉ राकेश मिश्रा ने बताया कि खेल के प्रेमियों को आगे बढ़ाने की मंशा से प्रधानमंत्री के नारे फिट इंडिया, हिट इंडिया को साकार करने के लिए देश के नौजवान में खेल भावना के प्रति जागृत करने व कोरोना काल में घरों में बैठे लोगों को जागरूक करने की मंशा से बुंदेलखंड मैराथन दौड़ आयोजित की गई , जिसमें देखा गया कि ग्रामीण क्षेत्र में पिछले 2 महीनों से रोजाना प्रैक्टिस कर रहे लोगों ने भी भाग लिया	✓	https://youtu.be/9BtuegUjeeI	RRK NEWS.mp4
15	THE PEPTECH TIME	छतरपुर में बुंदेलखंड मैराथन दिखा जोश, 4000 से ज्यादा प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा	✓	https://youtu.be/0lPs8PezSzg	THE PEPTECH TIME 3.mp4
16	AGNICHAKR LIVE NEWS	पंडित गणेशप्रसाद मिश्र न्यास द्वारा आयोजित बुंदेलखंड मैराथन दौड़	✓	https://www.youtube.com/watch?v=gedlQV2qsPY&feature=youtu.be	AGNICHAKR LIVE NEWS.mp4
17	RAVIG 74	बुंदेलखंड मैराथन दौड़ छतरपुर से धौर्रा 30km Run Complete 12 Jan 2021 by ravig74	✓	https://youtu.be/lTpMTzUiKlI	RAVIG 74.mp4
18	ZEE PUNJAB HARYANA HIMACHAL	Bundelkhand Marathon 2021|National Youth Day |Swami Vivekananda Jayanti |Zee Punjab Haryana Himachal स्वामी विवेकानंद जयंती यानि राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य पर 12 जनवरी को बुंदेलखंड मैराथन 2021 का आयोजन किया गया... इस पूरे मैराथन की ख़ास बात ये रही कि इसमें कई उम्र के लोगों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया.. मैराथन को 3 आयु वर्गों में बांटा गया.. 30 किलो मीटर की युवा मैराथन, 10 किलो मीटर बाल मैराथन और 7 किलो मीटर की ओल्ड यानि वॉकथॉन.. इस मैराथन में कई राजनीतिक और खेल से जुड़ी हस्तियां भी शामिल हुईं.. बुंदेलखंड मैराथन 2021 में टॉप-3 प्रतिभागियों को पुरस्कार भी दिया गया.. #BundelkhandMarathon #NationalYouthDay #SwamiVivekanandaJayanti Official website: https://zeenews.india.com/hindi/zeephh Like us on Facebook https://www.facebook.com/ZeePHH/ Follow us on Twitter https://twitter.com/ZeePunjabHH Follow us on Instagram https://www.instagram.com/zeepunjab/?...	✓	https://www.youtube.com/watch?v=HV04_NQ98jw	ZEE PUNJAB HARYANA HIMACHAL.mp4
19	ZEE SALAAM	Bundelkhand Marathon 2021 | Swami Vivekananda Jayanti के मौके पर बुंदेलखंड मैराथन 2021 का आयोजन किया	✓	https://youtu.be/aJd7FaSGlBc	ZEE SALAAM.mp4
20	ZEE UTTAR PRADESH UTTARAKHAND	Bundelkhand Marathon 2021 | Swami Vivekananda Jayanti के मौके पर बुंदेलखंड मैराथन 2021 का आयोजन |	✓	https://youtu.be/BcbDKgja978	ZEE UTTAR PRADESH UTTARAKHAND.mp4

क्रमांक	न्यूज चैनल का नाम	शीर्षक	वीडियो	यूट्यूब वीडियो लिंक	वीडियो लिंक
21	ZEE MADHYA PRADESH CHHATTISGARH	Bundelkhand Marathon 2021| Swami Vivekananda Jayanti के मौके पर बुंदेलखंड मैराथन 2021 का आयोजन	✓	https://www.youtube.com/watch?v=APlGbTSpA9k	ZEE MADHYA PRADESH CHHATTISGARH.mp4
22	DABANG MEDIA	मध्य प्रदेश के छतरपुर में बुंदेलखंड की सबसे बड़ी विशाल मैराथन दौड़ का आयोजन मंगलवार की सुबह बाबूराम	✓	https://www.youtube.com/watch?v=g_H6glayutk&feature=youtu.be	DABANG MEDIA.mp4
23	NEWS17TV!!	छतरपुर-.बुंदेलखंड मैराथन तीन स्तरीय दौड़ का आयोजन किया गया@NEWS17TV!! विनीत पाठीया न्यूज 17 गौगांव छतरपुर मध्य प्रदेश 8319785716	✓	https://youtu.be/RKpPl0hoA3ko	NEWS17TV!!.mp4
24	PRAVEEN PRABHAT	मैराथन में दौड़ा इन्दौलखण्ड, देश भर के धावकों ने लिया हिस्सा Youtube - https://youtu.be/P0rjG--XL_U चैनल को subscribe करें https://www.youtube.com/channel/UCfa45pX9Hwyl-VKcSJuizA	✓	https://youtu.be/P0rjG--XL_U	PRAVEEN PRABHAT.mp4
25	BUNDELKHAND TROOPEL	बुंदेलखंड मैराथन में जमकर भागे बुंदेली	✓	https://youtu.be/jgD3egKghaI	BUNDELKHAND TROOPEL.mp4
26	NEW-SADHNA-NEWS-FBDOWN.NET	पंडित गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास का कल बड़ा आयोजन,12 जनवरी को होगी मैराथन दौड़,बाबूराम चतुर्वेदी स्टेडियम से मनोज सोनी के साथ रोहित गुप्ता की LIVE रिपोर्ट न्यू साधना न्यूज पर,न्यास के संयोजक नरेंद्र मिश्रा टिपलू, मंटू खरे	✓	https://www.facebook.com/newsadhnanewslive/videos/1109899266123959/	New-Sadhna-News-fbdown.net.mp4
27	Tezindia News	टीआई अरविंद सिंह दांगी भी दौड़ेंगे मैराथन दौड़ में, बुंदेलखंड मैराथन दौड़ 2021 के लिए सिटी कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद सिंह दांगी, युवा भाजपा नेता अभिषेक खरे एडवोकेट, सुंदर साहू ने क्या कहा: देखे तेज इंडिया न्यूज पर लखन राजपूत के साथ	✓	https://www.facebook.com/114374896811600/posts/247677273418361/ https://youtu.be/ZhIPlYjblpY	Tezindia News.mp4
28	Tezindia News	बुलेट रानी (राज लक्ष्मी) चेन्नई में शहर में निकाली जागरण रैली, जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत, पंडित गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा 12 जनवरी 2021 को आयोजित बुंदेलखंड मैराथन दौड़ में बड़ी संख्या में शामिल होने के लिए दिया संदेश, तेज इंडिया न्यूज पर देखे लखन राजपूत के साथ रोहित गुप्ता की रिपोर्ट	✓	https://www.facebook.com/114374896811600/posts/247644466754975/	बुलेट रानी (राज लक्ष्मी) चेन्नई ने शहर में निकाली.mp4 https://youtu.be/tXdoClHFizA
29	Tezindia News	पंडित गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष राकेश मिश्रा से बुंदेलखंड मैराथन दौड़ के संबंध में खास बात, तेज इंडिया न्यूज पर देखे लखन राजपूत के साथ	✓	https://www.facebook.com/114374896811600/posts/247660540086701/	पंडित गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष राकेश मिश्रा से खास बात.mp4
30	New Sadhna News Rajalaxmi Manda ji	मैराथन दौड़ को लेकर बुलेट रानी न्यू साधना न्यूज पर LIVE	✓	https://www.facebook.com/newsadhnanewslive/videos/1782865535223816/	New Sadhna News Rajalaxmi Manda ji.mp4
31	New Sadhna News	पंडित गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के भव्य आयोजन को लेकर क्या बोली देश की जानीमानी हस्तियां,गीतकार संगीतकार राहुल त्रिपाठी ने कॉन सा गीत मैराथन के लिए बनाया,मनोज सोनी के साथ रोहित गुप्ता की इस रिपोर्ट में देखे	✓	https://www.youtube.com/watch?v=Pf9vKCZLT60&feature=youtu.be	New Sadhna News.mp4

समाचार-पत्रों की झलकियाँ

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
हिन्दुस्तान एक्सप्रेस
मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र से प्रकाशित

लोगों के लिए आज भी उपयोगी हैं पं. गणेशप्रसाद मिश्र के विचार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

नईदिल्ली,27 जून। 93 वर्ष से अधिक आयु तक जीवन जिये पं. गणेश प्रसाद मिश्र (दद्दा जी)का संदेश, जो वह सदैव हम सबसे कहते थे। आज कोविड-19 काल में पुनःस्मरण हो आया है।

जीवन सीमित है और उसका जब अंत होगा, तब इस लोक की कोई भी वस्तु साथ नहीं जाएगी। फिर ऐसे में कंजूसी करके, पेट काटकर बचत क्यों की जाए? आवश्यकतानुसार खर्च क्यों ना करें? जिन बातों में आनंद मिलता है, वे करना ही चाहिए। हमारे जाने के पश्चात क्या होगा, कौन क्या कहेगा, इसकी चिंता छोड़ दें, क्योंकि देह के पंचतत्व में विलीन होने के बाद कोई तारीफ करे या टीका टिप्पणी करें, क्या फर्क पड़ता है? उस समय जीवन का और मेहनत से कमाए हुए धन का आनंद लेने का वक्त निकल चुका होगा। अपने बच्चों की जरूरत से अधिक फिक्र ना करें। उन्हें अपना मार्ग स्वयं खोजने दें। अपना भविष्य स्वयं बनाने दें। उनकी आकांक्षाओं और सपनों के गुलाम आप न बनें। बच्चों से प्रेम करें, उनकी परवरिश करें, उन्हें भेंट वस्तुएं भी दें, लेकिन कुछ आवश्यक खर्च स्वयं अपनी आकांक्षाओं पर भी करें। जन्म से लेकर मृत्यु तक सिर्फ कष्ट करते रहना ही जीवन नहीं है, यह ध्यान रखें। यदि आप पाँच दशक पूरे कर चुके हैं, अब जीवन और आरोग्य से खिलवाड़ करके पैसे कमाना अनुचित है, क्योंकि अब इसके बाद पैसे खर्च करके भी आप आरोग्य खरीद नहीं सकते। इस आयु में दो प्रश्न महत्वपूर्ण हैं। पैसा कमाने का कार्य कब बन्द करें और कितने पैसे से अब बचा हुआ जीवन सुरक्षित रूप से कट जाएगा। आपके पास यदि हजारों एकड़ उपजाऊ जमीन भी हो, तो भी पेट भरने के लिए कितना अनाज चाहिए?

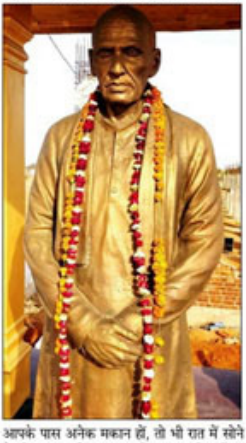

आपके पास अनेक मकान हों, तो भी रात में सोने के लिए एक ही कमरा चाहिए। एक दिन बिना आनंद के बीता तो आपने जीवन का एक दिन गवाँ दिया और एक दिन आनंद में बीता तो एक दिन आपने कमा लिया है, यह ध्यान में रखें। एक और बात, यदि आप खिलाड़ी प्रवृत्ति के और खुशमिजाज हैं, तो बीमार होने पर भी बहुत जल्द स्वस्थ होंगे और यदि सदा प्रफुल्लित रहते हैं, तो कभी बीमार ही नहीं होंगे। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि, अपने आसपास जो भी अच्छाई है, शुभ है, उसका आनंद लें और उसे संभालकर रखें। अपने मित्रों को कभी न भूलें। उनसे हमेशा अच्छे संबंध बनाकर रखें। अगर इसमें सफल हुए, तो हमेशा दिल से युवा रहेंगे और सबके चहेते रहेंगे। यदि मित्र साथ नहीं रहे तो अकेले पड़ जाएंगे और यह अकेलापन बहुत भारी पड़ेगा। इसलिए रोज पुस्तकें पढ़कर उनकी चर्चा के माध्यम से अपने अंतरंगों के संपर्क में रहें, हँसते हँसाते रहें, एक दूसरे की तारीफ करें। जितनी आयु बची है, उतनी आनंद में व्यतीत करें। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा व कार्यक्रमों में प्रतिदिन हिस्सा लें।देश को संस्कार व अनुशासन यहाँ से बढ़कर कहीं नहीं मिल सकता है। कुछ न कुछ सेवा कार्य प्रतिदिन अवश्य करें। जो आपके पास ईश्वर ने दिया है, उसे मिल बाँट कर उपयोग करें। क्रोध घातक है, उसे हमेशा के लिए जमीन में गाड़ दें। संकट क्षणिक होते हैं, उनका सामना डटकर करें। पर्वत शिखर के परे जाकर सूर्य वापिस आ जाता है, लेकिन दिल से दूर गए हुए प्रियजन वापिस नहीं आते। रिश्तों को संभालकर रखें, सभी में आदर और प्रेम बाँटें। नहीं तो जीवन क्षणभंगुर है, कब खत्म होगा, समझ में भी नहीं आएगा। इसलिए आनंद दें, आनंद लें। जितना हो सके उतना प्रकृति का व देश दर्शन अवश्य करें। मेल जोल के कार्यक्रम व समारोह अवश्य करते रहें।

गोपाल/सागर
न्यू साधना न्यूज
4

पंडित गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के द्वारा मानसिक तनाव हेतु वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

विचारों को बदलने के लिए व्यवहारों को बदलने की आवश्यकता : डॉक्टर नवीन ग्रोवर

नवस्वदेश सतना

केवल बुढ़ापे का रोग नहीं है आर्थराइट्स : उपचार व निदान पर बेविनार 12 जून को

विश्वप्रसिद्ध चिकित्सक; जनरल, डॉ.वेदप्रकाश चतुर्वेदी होंगे खास मेहमान

सतना (नव स्वदेश)। डॉ. नरेश त्रेहान एवं डॉ. नवीन ग्रोवर की बेविनार की अभूतपूर्व सफलता के बाद पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास ने यह संकल्प लिया है कि प्रत्येक सप्ताह एक सुप्रसिद्ध चिकित्सक की वार्ता आयोजित की जाये। इसी तारतम्य में श्रृंखला के तृतीय चरण में राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित, परम विशिष्ट सेवा मैडल प्राप्त, राष्ट्रपति के पर्सनल फिजीशियन रह चुके विश्वप्रसिद्ध चिकित्सक जनरल डॉ. वेदप्रकाश चतुर्वेदी 'शुक्रवार, 12 जून को सायं 7 बजे ' से सभी का मार्गदर्शन करेंगे।

न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने बताया कि डॉ. चतुर्वेदी देश के जाने.माने प्रथम डीएम क्वालिफाइड रीमैटोलॉजिस्ट हैं। आप आर्मी मेडिकल सेवा के पूर्व महानिदेशक रहे हैं। वर्तमान में आप सर गंगाराम हॉस्पिटल, नई दिल्ली में कार्यरत हैं। आपकी प्रारंभिक शिक्षा.दीक्षा महाराजा महाविद्यालय, छतरपुर से हुई, तदुपरान्त श्याम शाह चिकित्सा महाविद्यालय, रीवा से मेडीकल की शिक्षा ग्रहण की। आपकी धर्मपत्नी डॉ.अमिता चतुर्वेदी भी सेना से निवृत्त होकर सर गंगाराम हॉस्पिटल, दिल्ली में प्रशासनिक प्रमुख पद पर कार्यरत हैं।

डॉ. राकेश मिश्र ने सभी से आग्रह किया है कि अपनी प्रश्नावली समूह पर डालते जाइये, जिसके उत्तर माइक्रोसाफ्ट टीम एप के माध्यम से 12 जून को सायं 7 बजे से दिये जायेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कोरोना संक्रमण के बाद हम अपनी जीवनचर्या को बदलते हुए नये रूप में पा रहे हैं। आज संचार युग में संपर्क का माध्यम डिजिटल हो गया है। अतरू घर बैठे हम विभिन्न विषयों पर विद्वान व्यक्तियों के व्याख्यान सुनकर अपने जीवन व्यवहार में उपयोग ला सकते हैं।

प्रखर ज्ञान, नौगाँव-पन्ना

देश के विख्यात डॉ. आलोक हेमल ने ऑनलाइन वेबिनार मे 390 प्रश्नो के जवाब दिए

कैंसर एवं एड्स पर हुई सार्थक चर्चा

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवान्यास ने आयोजित की स्वास्थ्य परिचर्चा

प्रखर ज्ञान संवाददाता

छतरपुर। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा लोगों में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित की जाने वाली स्वास्थ्य परिचर्चाओं का क्रम जारी है। 26 जून को पंचम स्वास्थ्य परिचर्चा में अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस नई दिल्ली में प्राध्यापक व सुप्रसिद्ध कैंसर व एचआईवी रोग विशेषज्ञ डॉ. आलोक हेमल ने वेबिनार के जरिए लोगों को संबोधित किया। इस परिचर्चा में देश-विदेश से 1590 लोगों ने सहभागिता दर्ज की।

एड्स का इलाज संभव, मरीज को धैर्य की जरूरत

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ आलोक हेमल ने बताया कि सर्वप्रथम 1981 में दुनिया में पहले एचआईवी मरीज का पता चला था, इसके बाद 1986 में इस विषाणु का नाम एचआईवी रखा गया। उन्होंने बताया कि भारत के चेन्नई में पौनकर्मियों में इस विषाणु का पहली बार पता चला। उन्होंने बताया कि अब एचआईवी का इलाज संभव है। बस यह दीर्घकालिक होता है, इसमें धैर्यपूर्वक उपचार कराने की आवश्यकता है। डॉ हेमल ने कैंसर रोग के विषय में फैली भ्रांतियों को भी दूर किया। इस दौरान लगभग 390 प्रश्न पूछे गए। जिनमें से अधिकांश का समाधान डॉ आलोक हेमल के संबोधन के जरिए हुआ वहीं कई प्रश्नों के अलग से उत्तर दिए गए। कार्यक्रम का संचालन न्यास के अध्यक्ष डॉ राकेश मिश्र ने किया। न्यास की सचिव आशा रावत ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जिला स्तर पर ही हो जाता है कैंसर का इलाज-

परिचर्चा के दौरान छतरपुर निवासी प्रवीण गुप्त ने पूछा कि जिला स्तर पर कैंसर के इलाज की क्या सुविधाएं होती हैं? जिसके जवाब में डॉ. हेमल ने बताया कि इसमें कोई दो मत नहीं कि देश में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार तेजी से हो रहा है। जहां-जहां मेडिकल कॉलेज हैं, वहां इसके इलाज की व्यापक सुविधाएं दी जा रही है। चूंकि कैंसर के इलाज के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ साफ-सफाई आदि का भी बहुत ध्यान रखना पड़ता है इसलिए सरकार जिला स्तर पर भी इसके इलाज की सुविधाएं देने की ओर अग्रसर है।

नेजा सतना

प्राकृतिक आपदा को रोक तो नहीं सकते, सही सलाह मिले तो बचाव अवश्य कर सकते हैं

चित्रकूट (नेजा)। प्राकृतिक आपदाएं जैसे बाढ़, तूफ़ान, आकाशीय बिजली गिरना, आग लगना, भूकंप आना, रोड एक्सीडेंट, नदी तालाब में बच्चों के डूबने, मकान में दब जाना, फूड प्वाइजनिंग आदि को हम रोक तो नहीं सकते हैं परंतु उचित मार्गदर्शन मिले तो बचाव अवश्य कर सकते हैं। आपदा आने के पहले व आपदा के बाद कैसे प्रबंधन किया जाए? यदि हम सभी को इन विषयों की जानकारी पहले से रहे तो हम प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली जन धन की हानि को कम कर सकते हैं। आपदा प्रबंधन को समझाने के लिए हमारे न्यास के अध्यक्ष डॉ.राकेश मिश्र ने आपदा जोखिम एवं सुरक्षा केंद्र की महानिदेशक श्रीमती डॉ. अंजली क्षात्रा से संपर्क किया और डॉ. क्षात्रा ने हमारा अनुरोध स्वीकार किया। डॉ. अंजली क्षात्रा फिलिन्थ्रोप् नामक संस्था की संस्थापक व अध्यक्षा हैं जो भारत सरकार के गृह मंत्रालय में एक संगठक के तौर पर कार्य करता है। डॉ. क्षात्रा आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त और बहुत ही अनुभवी महिला हैं। देश को आपदाओं से कैसे सुरक्षित रखा जाए और यदि आपदा आ ही जाए तो उसका प्रबंधन किस तरह से किया जाए? इसके लिए वह विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाती हैं। अभी तक उन्होंने पुलिस, पत्रकार, शिक्षक, विद्यार्थी, वकील, डॉक्टर एवं किसानों के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये हैं। हमारे क्षेत्र में आने वाली विभिन्न विपत्तियों से कैसे बचा जाए। उनके लिए क्या प्रबंधन किया जाए जिससे जान-माल की कम से कम हानि हो। इसके लिए हम 'डॉ. अंजली क्षात्रा से प्रश्न पूछ कर उत्तर प्राप्त कर सकते हैं। अपने और अपने परिचितों को आप सुरक्षित रख सकते हैं। आपसे अनुरोध है कि अपने परिचितों व मित्रों को सूचना देकर, माइक्रोसॉफ्ट टीम एप के माध्यम से आगामी शुक्रवार सायं सात बजे अवश्य जुड़िये ।

सतना स्टार, सतना

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के सेवा कार्यों से अभिभूत हूं : दत्तात्रेय होसबाले

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास का तृतीय कार्यवृत्त का विमोचन

सतना स्टार। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा अपने तृतीय कार्यवृत्त का विमोचन आज रहीन स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह माननीय दत्तात्रेय होसबाले जी के कर कमलों से किया गया। न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कार्यक्रम की रूपरेखा रखते हुये कहा कि पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की स्थापित हुए तीन वर्ष पूर्ण हो गए हैं। इन वर्षों हमने यह परेशा पायी है कि 1 अप्रैल से 31 मार्च तक की न्यास की गतिविधियों को पुस्तिका जगत के समक्ष प्रस्तुत की जाए। यह पुस्तिका समाज के प्रति न्यास के उत्तरदायित्व एवं कार्यकर्ता की जानकारी देता है। कोविड 19 महामारी के कारण इन वर्षों सेवा न्यास अपने वार्षिक गतिविधियों पर प्रगति प्रतिवेदन पुस्तक प्रकाशित नहीं कर सका था। पं. गणेश प्रसाद जी का सपना था कि किसी भी सार्वजनिक कार्य को करने से जो लाभ मिलता है, वह सबको बाँट जाए। विभिन्न कार्यक्रमों हेतु पार्षदों से प्राप्त अर्थिक एवं अन्य सहयोग को सभी को बताना चाहिये। इसी कड़ी में सेवा न्यास अपने कार्यों का लेखा जोखा प्रस्तुत करता है।

इस अवैतनिक कार्यकाल के अवसर पर माननीय दत्तात्रेय जी ने कहा कि समेलजी अपने सेवा न्यास को बहुत बहुत बधाई देता हूँ कि अपने वर्ष भर में अनेकानेक कार्यक्रम करते रहते हैं। केवल नाम प्रदेश ही नहीं, तो उत्तर प्रदेश व दिल्ली के भी अनेक जगहों में न्यास की गतिविधियों व सम्पर्कों को पढ़ाव व सुदृढ़ करता हूँ। प्रकाशन में साथ मेला व कुंभ मेला में लगातार पैंडालीस दिनों तक जिस कार्यकर्ताओं की सेवा में न्यास सहर करता है, यह काफ़िले तारीफ़ है। इसमें केवल पार्षिक आयोजन मात्र नहीं होते हैं अपितु इस वर्ष न्यास द्वारा दो मात्र विकलांग विभिन्नों के आयोजन से हजारों लैंभ पार्थियों को आंख के चश्मे व कान की मशीन दी गई। भारतीय संस्कारों को चक्षुष्मित करने के लिए राह जी को प्रेरणा से 50 बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार भी किया गया। समाज में उपेक्षा की दृष्टि से देखे जाने वाले समाज का प्रथान देता पर होता है। माननीय दत्तात्रेय जी ने साथ के प्रथम पीढ़ी के प्रचारक श्री गणेश प्रसाद मिश्र जी के कुछ अच्छे उद्धरणों को चर्चा की। उन्होंने कहा कि दाढ़ी खास, खाल, मेंगनी, सेवाभावी कार्यकर्ता थे। वह बहुत ही गंभीर एवं लगनशील प्रकृति के स्वयंसेवक थे। संघ पर प्रथम प्रतिबंध के समय सन 1948 में पोस्ट मास्टर की नौकरी छोड़कर वह संघ के प्रचारक बन गये। ऐसे त्यागी तपस्वी लोगों के कारण ही आज देश चल रहा है। जीवन के अंतिम समय तक संघ को प्रार्थना निर्धारित होती रहे, यह भाव उनका संदेश रहता था। संघ कार्य का विस्तार कैसे हो, इसमें वे नित्य लगे रहते थे। अपने जीवन के अंतिम दिन तक वे नैनीताल नगर में आए हुए संघ विस्तारक की चिंता करते रहे। संघ प्रचारक व्यवस्था पर उनका अटूट विश्वास होने के कारण वे प्रचारकों को केवल भोजन मात्र की नहीं, बल्कि उनके संपर्क हेतु साधन की चिंता करते थे। ये संघ साधारण बढ़ाने के लिए उनके साथ प्रवास में जाते थे। आज इन जैसे महापुरुषों के कारण ही संघ की विश्वसनीयता बनी है। ऐसे अनेकानेक कार्यकर्ता जिनका नाम भी नहीं है, वह भी अपने पीछे अपने कार्यों से अपने नाम को जीवंत रख गए हैं। ग्राम भवरों में गेंदा जाना हुआ है वहाँ भीम का सर्वांगीण विकास हो रहा है। मैंने न्यास के कार्यकर्ताओं से चर्चा में भी सुना है ।

यह पुस्तिका सभी कार्यकृत सेवा न्यास के सभी सहयोगियों व कार्यकर्ताओं को सप्रेम प्रदान करेंगे। कार्यकर्ताओं को उनसे प्रेरणा मिले, ईश्वर उन्हें शक्ति दें कि इसी प्रकार से वह सेवा काज में लगे रहें। अभी कोविड महामारी के दौरान भी सेवा न्यास के द्वारा अति विशिष्ट चिकित्सा आयोजित की गई, जो अपने आप में अद्भुत उदाहरण है। सतना व जोगेंद्र में चालीस चक्षिती के पुतलियों को रहत सामग्री देने हो या पिछले हुए टेन से आए हुए प्रवासी चक्षियों को उनके गंतव्य तक पहुँचाना हो या फिर में बद लोगों को भोजन देना हो इस कार्य में न्यास ने अनूठा कार्य किया है। यह संघ के संस्कारों का ही प्रभावीकरण है कि पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास ने मेडालीन दंग से किया है।

मैं प्रभु से प्रार्थना करता हूँ कि दाढ़ी की तीसरी पीढ़ी चारों डॉ.राकेश मिश्र, प्रविमा और उनके पूरे संस्थान इस सेवा कार्यों में लगत लगे हुए हैं। अच्छी खबर है कि दाढ़ी की चारों बेटियां स्वयं इस काम में सक्रिय हैं।आज संस्थान के जन्मदिन पर भवर्ती पीय में सात पौधों का वृक्षारोपण कराए, दाढ़ी के पर्यावरण प्रेम का ही नतीजा दर्शाता है। बीमारी अता पीरी, खानकी, रेखा राव डॉ रचना सिंह सहित सभी सेवा न्यास के काम में नित्तर लगी हुई हैं। राकेश जी, सभी परिवारजनों को सेवा कार्यों में लगाने हुये हैं, जो एक अच्छे परिवार भाव का उदाहरण है। सभी चारों अपने चाई के साथ संघ के संस्कारों से अनुप्राणित होकर इन कार्यों को नित्तर कर रही हैं। दाढ़ी जी की स्मृति में प्रतिवर्ष होने वाली व्याख्यान माला के विषय भी बड़े ही सामयिक हैं। आज इस अवसर पर यह कार्यवृत्त का प्रकाशन अनेक लोगों को सेवा कार्यों के प्रति प्रेरित करेगा। पं.गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा सतना नगर में अपना सफल-सत्र भारा सतना का सम्मान अभिवरन हमें निश्चित ही पर्यावरण के प्रति यह भाव दृढ़तावे परिणाम देगा।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
हिन्दुस्तान एक्सप्रेस
मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महानगर से प्रकाशित

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के सेवा कार्यों से अभिभूत हूँः दत्तात्रेय होसबाले

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास का तृतीय कार्यवृत्त का विमोचन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
नई दिल्ली। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा अपने तृतीय कार्यवृत्त का विमोचन गत दिवस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के कर कमलों से किया गया। न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कार्यक्रम की रूपरेखा रखते गये कहा कि पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास को स्थापित हुए तीन वर्ष पूर्ण हो गए हैं। हर वर्ष हमने यह परंपरा बनायी है कि 01 अप्रैल से 31 मार्च तक की न्यास की गतिविधियों की पुस्तिका जनता के समक्ष प्रस्तुत की जाए। यह पुस्तिका समाज के प्रति न्यास के उत्तरदायित्व एवं कार्यक्रमों की जानकारी देता है। कोविड 19 महामारी के कारण इस वर्ष सेवा न्यास अपनी वार्षिक गतिविधियों पर प्रगति प्रतिवेदन पुस्तक प्रकाशित नहीं कर सका था।

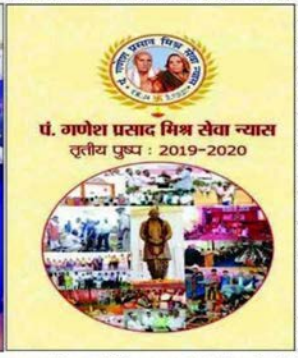

पं. गणेश प्रसाद जी का मानना था कि किसी भी सार्वजनिक कार्य को करने से जो लाभ मिलता है, वह सबको बाँटा जाए। विभिन्न कार्यक्रमों हेतु नागरिकों से प्राप्त आर्थिक एवं अन्य सहयोग को सभी को बताना चाहिये। इसी कड़ी में सेवा न्यास अपने कार्यों का लेखा जोखा प्रस्तुत करता है।

इस अनौपचारिक कार्यक्रम के अवसर पर दत्तात्रेय जी ने कहा कि राकेशजी आपके सेवा न्यास को बहुत बहुत बधाई देता हूँ कि आप वर्ष भर में अनेकानेक कार्यक्रम करते रहते हैं। केवल मध्य प्रदेश ही नहीं, तो उत्तर प्रदेश व दिल्ली के भी अनेक जिलों में न्यास की गतिविधियों व समाचारों को पढ़ता व सुनता रहता हूँ। प्रयागराज में माघ मेला व कुंभ मेला में लगातार पैंतालीस दिनों तक जिन कल्पवासियों की सेवा में न्यास मदद करता है, वह काबिले तारीफ है। इसमें केवल धार्मिक आयोजन मात्र नहीं होते हैं अपितु इस वर्ष न्यास द्वारा दो बार चिकित्सा शिविरों के आयोजन से हजारों तीर्थ यात्रियों को आंख के चश्मे व कान की मशीन दी गई। भारतीय संस्कारों को पाश्चिात पुष्पित करने के लिए दद्दा जी की प्रेरणा से 50 बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार भी किया गया। समाज में उपेक्षा की दृष्टि से देखे जाने वाले थर्ड जेंडर वर्ग किन्नरों का सम्मेलन करना पं. गणेश प्रसाद मिश्र संस्कारवान बनती है। संस्कारवान घर के वातावरण का प्रभाव परिवार पर होता है और परिवार का प्रभाव समाज सेवा न्यास का विशेष उल्लेखनीय कार्य है। पर्यावरण संरक्षण, ग्राम विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, छात्रों को शुद्ध पेयजल, खेल-कूद का विशाल परिसर निर्माण, विभिन्न क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का आयोजन निश्चित रूप से एक अच्छे सेवाभावी न्यास की ओर इंगित करता है। इन गतिविधियों को देखने सुनने पर ध्यान में आता है कि अल्पकाल में ही दद्दा जी की स्मृति में सेवा न्यास की प्रेरणास्रोत श्रीमती शान्ति मिश्रा ने यह कार्य जो प्रारम्भ कराया है, आज तीन वर्षों में यह एक वटवृक्ष बनता जा रहा है। अभी तक न्यास द्वारा देश के मशहूर चिकित्सा संस्थान दि मेडांता मेडिसिटी गुरुग्राम द्वारा तीन बड़े स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन नीगांव एवं सतना में किया जाना सेवाधर्मिता दर्शाता है। अभी तक ग्यारह बड़े स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर दीन दुखियों की सेवा करने के कारण ही न्यास के कार्यकर्ताओं को बधाई का पात्र बनाता है।

दत्तात्रेय होसबाले ने यह भी कहा कि आज संस्कारों को हम परिवारों में डालते हैं तो निश्चित रूप से आने वाली पीढ़ी अपने आप पर होता है और समाज का प्रभाव देश पर होता है। दत्तात्रेय जी ने संघ के प्रथम पीढ़ी के प्रचारक श्री गणेश प्रसाद मिश्र जी के कुछ अच्छे उद्धरणों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि दद्दाजी सरल, सहज, मेधावी, सेवाभावी कार्यकर्ता थे। वह बहुत ही गंभीर एवं लगनशील प्रकृति के स्वयंसेवक थे। संघ पर प्रथम प्रतिबंध के समय सन 1948 में पोस्ट मास्टर की नौकरी छोड़कर वह संघ के प्रचारक बन गये। ऐसे त्यागी तपस्वी लोगों के कारण ही आज देश चल रहा है। जीवन के अंतिम समय तक संघ की प्रार्थना नियमित होती रहे, यह भाव उनका सदैव रहता था। संघ कार्य का विस्तार कैसे हो, इसमें वे निरंतर लगे रहते थे। अपने जीवन के अंतिम दिन तक वे नीगांव नगर में आए हुए संघ विस्तारक की चिंता करते रहे। संघ प्रचारक व्यवस्था पर उनका अटूट विश्वास होने के कारण वे प्रचारकों की केवल भोजन मात्र की नहीं, बल्कि उनके संपर्क हेतु साधन की चिंता करते थे। वे संघ शाखाएं बढ़ाने के लिए उनके साथ प्रवास में जाते थे। आज उन जैसे महानुभावों के कारण ही संघ की विश्वसनीयता बनी है। ऐसे अनेकानेक कार्यकर्ता जिनका पथ पर नाम भी नहीं है, वह भी अपने पीछे अपने कार्यों से अपने नाम को जीवंत रख गए हैं। ग्राम धवरी में मेरा जाना हुआ है वहाँ गाँव का सर्वांगीण विकास हो रहा है। मैंने न्यास के कार्यकर्ताओं से चर्चा में भी सुना है।

यह पुस्तिका रूपी कार्यवृत्त सेवा न्यास के सभी सहयोगियों व कार्यकर्ताओं को पाथेय प्रदान करेगा। कार्यकर्ताओं को उनसे प्रेरणा मिले, ईश्वर उन्हें शक्ति दें कि इसी प्रकार से वह सेवा काम में लगे रहें। अभी कोविड महामारी के दौरान भी सेवा न्यास के द्वारा आठ विभिन्न वेबिनार आयोजित की गईं, जो अपने आप में अनूठा उदाहरण है। सतना व नीगांव में पटवंद मंदिरों के पुजारियों को राशन सामग्री देना हो या बिछड़े हुए ट्रेन से आए हुए ग्रामीण यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुँचाना हो या घरों में बंद लोगों को भोजन देना हो इस कार्य में न्यास ने भरपूर कार्य किया है। यह संघ के संस्कारों का ही प्रकटीकरण है कि पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास ने बेहतरीन ढंग से किया है।

मैं प्रभु से प्रार्थना करता हूँ कि दद्दाजी की तीसरी पीढ़ी यानी डॉ.राकेश मिश्र, प्रमिला और उनके पुत्र संकल्प इस सेवा कार्यों में सतत लगे हुए हैं। अच्छी बात है कि दद्दाजी की चारों बेटियां स्वयं इस काम में सक्रिय हैं।आज संकल्प के जन्मदिन पर धवरी गाँव में सात पौधों का वृक्षारोपण करना, दद्दाजी के पर्यावरण प्रेम का ही नतीजा दर्शाता है। श्रीमती आशा दीदी, मालती, रेखा एवं डॉ. रचना मिश्रा सहित सभी सेवा न्यास के काम में निरंतर लगीं हुई हैं। राकेश जी, सभी पश्चिाजनों को सेवा कार्यों में लगाये हुये हैं, जो एक अच्छे परिवार भाव का उदाहरण है। सभी बहनें अपने भाई के साथ संघ के संस्कारों से अनुप्राणित होकर इन कार्यों को निरंतर कर रही हैं। दद्दा जी की स्मृति में प्रतिवर्ष होने वाली व्याख्यान माला के विषय भी बड़े ही सारगर्भित है। आज इस अवसर पर यह कार्यवृत्त का प्रकाशन अनेक लोगों को सेवा कार्यों के प्रति प्रेरित करेगा। पं.गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा सतना नगर में अपना सपना-हरा भरा सतना का सफल अभियान हमें निश्चित ही पर्यावरण के प्रति यह भाव दूरगामी परिणाम देगा।

कार्यक्रम के अंत में संकल्प मिश्र ने सभी का आभार व्यक्त किया, विशेषकर श्री प्रभात कुमार जी एवं उनके परिवार का भी कि वे सपरिवार उपस्थित भर नहीं हुए, बल्कि उन्होंने अल्प समय में यह पुस्तिका विमोचन के लिए उपलब्ध कराई। आज सौभाग्य का विषय है कि न्यास के ही सदस्य संकल्प मिश्र का जन्मदिन भी है। इस अवसर पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए अनौपचारिक समारोह में यह कार्यवृत्त प्रकाशित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का सहभोज हुआ। इस अवसर पर न्यास के सहयोगी सत्यभूषण जैन, गोविंद अग्रवाल, डॉ. नरेश पमनानी, राकेश बिंदल, वीपी टंडन, श्रीमती वंदना टंडन, आदित्य अग्रवाल, डॉ. रेखा पाठक (फरीदाबाद), संजीव कुमार (गुरुग्राम), विनीत रावत, रंजीत कुमार, श्रीमती अनीता रावत, सहित न्यास के प्रमुख कार्यकर्ता परिवार सहित उपस्थित रहे।

आईये हमें बताइये...

संपादक- एड. विनोद अग्रवाल

RNI No. - MPHIN 2004/13688

सह संपादक- इम्तियाज खान

भोपाल की जान

संवाददाता नियुक्त करना है

वर्ष - 16 अंक - 327 ■ छतरपुर ■ रविवार ■ 26 जुलाई 2020 फोन - 07682-244505, मोबाइल 9425363672 मूल्य-1 रूपए प्रति कापी पृष्ठ - 2

स्वास्थ्य एवं जीवन शैली से जुड़े विषयों पर हुई चर्चा

छतरपुर। पं गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा कोरोना महामारी के दौरान स्वास्थ्य एवं जीवन शैली से जुड़े विषयों पर देश के सुप्रसिद्ध चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ परिचर्चाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में बीते रोज सप्तम स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन महिलाओं की स्वास्थ्य समस्याएं और निदान विषय पर किया गया। इस विषय पर देश की सुप्रसिद्ध महिला रोग विशेषज्ञ डॉ दिव्या नागपाल गुप्ता ने अपने विचार रखते हुए महिलाओं की जिज्ञासाओं का सरल भाषा में समाधान किया। परिचर्चा में डॉ दिव्या नागपाल गुप्ता ने महिलाओं के स्वास्थ्य पर अपने विचार रखते हुए कहा कि महिलाएं परिवार और समाज का केंद्र होती हैं। वह एक ऐसी धुरी होती हैं जिसके चारों ओर हमारा परिवार विकसित होता है। इसलिए महिलाओं को स्वयं और समाज को भी उनके स्वास्थ्य को लेकर जागरुक होना पड़ेगा। महिलाओं को उनकी अटूट शक्ति और क्षमताओं के विषय में बतलाना होगा। कार्यक्रम का संचालन कर रहीं प्रमिला मिश्रा ने बताया कि परिचर्चा में 1714 महिलाएं पूरे देश से जुड़ीं जिन्होंने 256 प्रश्न पूछे। इनमें से अधिकांश प्रश्नों का उत्तर डॉ दिव्या नागपाल के प्रारंभिक उद्बोधन में ही मिल गए। वहीं कुछ विशिष्ट प्रश्नों व जिज्ञासा का समाधान उन्होंने संवाद सत्र में दिया। कार्यक्रम में न्यास के अध्यक्ष डॉ राकेश मिश्र भी उपस्थित रहे। न्यास की सचिव आशा रावत ने आभार प्रकट किया।डॉ दिव्या नागपाल गुप्ता ने कहा कि महिलाएं अपने लिए हर दिन एक घंटा निकालें और उस एक घंटे में कोई भी व्यायाम करें। खुली हवा में टहलें और योग करें। प्रायः देखने में आता है कि महिलाएं जो भोजन घर में बचा होता है उसे ही खा लेती हैं इसलिए वे दूध-दही आदि का नियमित रूप से सेवन भी करें। उन्होंने महिलाओं को शारीरिक क्षमता से अधिक व्रत न करने की सलाह भी दी क्योंकि इससे एसिडिटी की आशंका बढ़ जाती है।

न्यू साधना न्यूज, सतना

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की चतुर्थ व्याख्यान माला 13 को

■ न्यू साधना न्यूज ,छतरपुर।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के तत्वावधान में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष आगामी 13 दिसंबर 2020 रविवार को दोपहर 2 बजे महाराजा छत्रसाल ऑडिटोरियम में 'भारतीय प्राचीन काल गणना: ऐतिहासिक महत्व व वैज्ञानिक विश्लेषण' विषय पर चतुर्थ व्याख्यानमाला का आयोजन किया जा रहा है। व्याख्यानमाला में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. मोहन यादव उच्च शिक्षा मंत्री, म.प्र. उपस्थित रहेंगे। आयोजन समिति के संयोजक विनोद रावत ने बताया कि आधुनिक काल में इस विषय की हम सबको जानकारी होना बहुत ही जरूरी है क्योंकि हम भारतीय कालगणना प्रतिदिन अपनाते हैं एवं उसके अनुसार जीवन भी व्यतीत करते हैं। कार्यक्रम की संचालन समिति के सदस्य प्रवीण गुप्त ने बताया कि चूंकि पं. गणेश प्रसाद मिश्र दद्दा जी स्वयं भूगोल विषय के मेधावी छात्र थे और प्राथमिक शिक्षा के समय से ही तारामंडल, रेखाओं एवं ग्रहों की संरचनाओं की एटलस एवं ग्लोब के माध्यम से बच्चों को समझाते थे इसलिए इस वर्ष व्याख्यान माला का विषय 'भारतीय प्राचीन काल गणना: ऐतिहासिक महत्व व वैज्ञानिक विश्लेषण' रखा गया है। व्याख्यानमाला में डॉ. राकेश मिश्र पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष एवं अ.भा. विद्यार्थी परिषद के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष विषय की प्रास्ताविक भूमिका रखेंगे। न्यास की सचिव आशा रावत ने सभी से उपस्थित होने का अनुरोध किया।

प्रखर ज्ञान पन्ना

क्षमता से अधिक व्रत न रखें महिलाएं-डॉ. दिव्या नागपाल

पं.गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा महिलाओं की स्वास्थ्य परिचर्चा में समस्याओं का मिला समाधान

प्रखर ज्ञान संवाददाता, छतरपुर। पं गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा कोरोना महामारी के दौरान स्वास्थ्य एवं जीवन शैली से जुड़े विषयों पर देश के सुप्रसिद्ध चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ परिचर्चाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में बीते रोज सप्तम स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन महिलाओं की स्वास्थ्य समस्याएं और निदान विषय पर किया गया। इस विषय पर देश की सुप्रसिद्ध महिला रोग विशेषज्ञ डॉ दिव्या नागपाल गुप्ता ने अपने विचार रखते हुए महिलाओं की जिज्ञासाओं का सरल भाषा में समाधान किया। परिचर्चा में डॉ दिव्या नागपाल गुप्ता ने महिलाओं के स्वास्थ्य पर अपने विचार रखते हुए कहा कि महिलाएं परिवार और समाज का केंद्र होती हैं। वह एक ऐसी धुरी होती हैं जिसके चारों ओर हमारा परिवार विकसित होता है। इसलिए महिलाओं को स्वयं और समाज को भी उनके स्वास्थ्य को लेकर जागरुक होना पड़ेगा। महिलाओं को उनकी अटूट शक्ति और क्षमताओं के विषय में बतलाना होगा। कार्यक्रम का संचालन कर रहीं प्रमिला मिश्रा ने बताया कि परिचर्चा में 1714 महिलाएं पूरे देश से जुड़ीं जिन्होंने 256 प्रश्न पूछे। इनमें से अधिकांश प्रश्नों का उत्तर डॉ दिव्या नागपाल के प्रारंभिक उद्बोधन में ही मिल गए। वहीं कुछ विशिष्ट प्रश्नों व जिज्ञासा का समाधान उन्होंने संवाद सत्र में दिया। कार्यक्रम में न्यास के अध्यक्ष डॉ राकेश मिश्र भी उपस्थित रहे। न्यास की सचिव आशा रावत ने आभार प्रकट किया।

व्यायाम के लिए वक्त निकलें महिलाएं: डॉ दिव्या नागपाल गुप्ता ने कहा कि महिलाएं अपने लिए हर दिन एक घंटा निकालें और उस एक घंटे में कोई भी व्यायाम करें। खुली हवा में टहलें और योग करें। प्राय- देखने में आता है कि महिलाएं जो भोजन घर में बचा होता है उसे ही खा लेती हैं इसलिए वे दूध-दही आदि का नियमित रूप से सेवन भी करें। उन्होंने महिलाओं को शारीरिक क्षमता से अधिक व्रत न करने की सलाह भी दी क्योंकि इससे एसिडिटी की आशंका बढ़ जाती है।

देश का प्रमुख दैनिक समाचार-पत्र

जनहित का सजग प्रहरी

जन जन जागरण

पेज 06 Web Site: www.janjanjagran.com भोपाल और इंदौर से एक साथ प्रकाशित भोपाल, रविवार 20 जून 2020 पेज 07

कू कू कू...

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा चतुर्थ स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन

डॉ राकेश वर्मा ने वेबिनार में दिया हृदय रोग बचाव का मंत्र

सतना/छतरपुर। पंडित गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के तत्वावधान में 19 जून 2020 को 'चतुर्थ स्वास्थ्य परिचर्चा' का आयोजन किया गया। इस रोग, उपचारिकता व कोरोनाकृति का समाधान व निदान विषय पर चर्चाकार के जरिए हुई इस परिचर्चा में अपर महानिदेशक स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार, उपाध्यक्ष के पूर्व चिकित्सक तथा कार्डियोलोजी विभाग (सफदरजंग हॉस्पिटल) के प्रमुख डॉ राकेश वर्मा ने लोगों को संबोधित किया। इस परिचर्चा में देश और विदेश से 1674 लोगों ने एक वेबपाल के जरिए 5 हजार लोग सहभागी हुए। इस अवसर पर न्यास की ओर से स्वास्थ्यसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय भूमिका निभा रहे 170 कोरोना योद्धाओं को प्रशस्ति पत्र देकर E-अभिनंदन भी किया गया। इस मौके पर चर्चाकार डॉ राकेश वर्मा ने कहा कि कोरोना संकट के दौरान हम सभी को विशेष सावधानी रखने की आवश्यकता है। यह लगातार सिर्फ सरकार या सामाजी या किसी संस्थाओं की नहीं है यह हम सभी की जवाबदेही है। इसलिए हम सभी को सहयोग करना है। उन्होंने कहा कि टीके पोलियो का काम ने काम किया है। हमें पोलियो का काम न करें। यदि सभी नुकसान से तो पर के भीतर भी साथ लगातार दो कोरोना वायरस भी कड़ी को तोड़ना है तो एक दूसरे से 6-7 फीट तक दूरी बनाए रखें। उन्होंने यह भी कहा कि काल में अकेले बैठे हैं यह सुरक्षित जगह पर हैं से घातक लक्षणों की आशंकाकारक नहीं है। हमारे रोग से जुड़े विकारों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि हमारे रोग को लेकर लोगों में भ्रांतियां हैं कि यह सिर्फ उन्हीं को हो सकता है जो बुजुर्ग होते हैं। हमारे रोगों का प्रभाव अलग-अलग होता है। यह के पेट से लेकर पांचों दांत तक यह अलग-अलग प्रभाव कर हो सकता है। यह के पेट में जब घनत्व होता है तो तीसरे महीने से ही बच्चे का हृदय आकार लेने लगता है। हृदय के आंठ चार चैंबर होते हैं, यह जीवन भी होते हैं। बच्चे के जन्मके समय हृदय रोग की आशंका की बात करें तो 10 हजार में से 5 बच्चे हृदय रोग के साथ पैदा हो ही है। उन बच्चा पैदा होता है तो यह ठीक है, यह संभव होने के उसका एक सामान्यतया गुजरती होता है। किसी-किसी बच्चे का रंग नीला हो जाता है, ऐसे बच्चों को तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। चूंकि हर जिले में ऐसे बच्चों के हृदय के साथ चिकित्सा की व्यवस्था नहीं होती लेकिन प्रत्येक राज्य की राजधानी में यह सुविधाएं उपलब्ध होती है। इसके बाद 10 साल तक के बच्चों में 100 में से 3 बच्चों को रुमेटिक हार्ट डिसीज की आशंका भी रहती है। भात, पश्चिमबंगाल, ओरिसा, आन्ध्रप्रदेश जैसे देशों में यह बीमारी अधिक होती है, जबकि पूरोप में बहुत कम है। यह हम अधिक से अधिक सचेतता बनाए रखें से हमारे रिसाव पर सकते हैं। इसके लक्षण आपको जानना चाहिए। इस बीमारी से बच्चे के गले में खराश आती है, बुखार भी होता है। कई बार यह साथ पाय है, कई बार बच्चे नहीं भी चलते हैं। इसे बच्चे भी नजरअंदाज न करें। रोगे का खतरा होने के कुछ लक्षण में चक्कर, मोशनी, कंपन, दुर्बी में दर्द हो सकता है तथा मूत्रवन्ध भी आ सकती है। अधिकतम दो जोड़ों में सूजन हो सकती है। कुछ समय बाद एक जोड़ को छोड़कर यह दूसरे जोड़ को पकड़ लेगा है। ऐसे स्थिति में तुरंत इलाज शुरू करवाएं। यदि समय पर और पूरा इलाज नहीं हुआ तो 5-10 साल बाद यह चौथाई मुसक्त रोग सकती है, यह भी बहुत बुरी स्थिति है। 5 से 20 साल के बच्चों में 100 में से 3 बच्चों को रुमेटिक हार्ट डिसीज की आशंका भी रहती है। भात, पश्चिमबंगाल, ओरिसा, आन्ध्रप्रदेश जैसे देशों में यह बीमारी अधिक होती है, जबकि यूरोप में बहुत कम है। यह हम अधिक से अधिक सचेतता बनाए रखें से हमारे रिसाव पर सकते हैं। इसके लक्षण आपको जानना चाहिए। इस बीमारी से बच्चे के गले में खराश आती है, बुखार भी होता है। कई बार यह साथ पाय है, कई बार बच्चे नहीं भी चलते हैं। इसे बच्चे भी नजरअंदाज न करें। रोगे का खतरा होने के कुछ लक्षण में चक्कर, मोशनी, कंपन, दुर्बी में दर्द हो सकता है तथा मूत्रवन्ध भी आ सकती है। अधिकतम दो जोड़ों में सूजन हो सकती है। कुछ समय बाद एक जोड़ को छोड़कर यह दूसरे जोड़ को पकड़ लेगा है। ऐसे स्थिति में तुरंत इलाज शुरू करवाएं। यदि समय पर और पूरा इलाज नहीं हुआ तो 5-10 साल बाद यह चौथाई मुसक्त रोग सकती है, यह भी बहुत बुरी स्थिति है। 5 से 20 साल के बच्चों में 100 में से 3 बच्चों को रुमेटिक हार्ट डिसीज की आशंका भी रहती है। भात, पश्चिमबंगाल, ओरिसा, आन्ध्रप्रदेश जैसे देशों में यह बीमारी अधिक होती है, जबकि यूरोप में बहुत कम है। यह हम अधिक से अधिक सचेतता बनाए रखें से हमारे रिसाव पर सकते हैं। इसके लक्षण आपको जानना चाहिए। इस बीमारी से बच्चे के गले में खराश आती है, बुखार भी होता है। कई बार यह साथ पाय है, कई बार बच्चे नहीं भी चलते हैं। इसे बच्चे भी नजरअंदाज न करें। रोगे का खतरा होने के कुछ लक्षण में चक्कर, मोशनी, कंपन, दुर्बी में दर्द हो सकता है तथा मूत्रवन्ध भी आ सकती है। अधिकतम दो जोड़ों में सूजन हो सकती है। कुछ समय बाद एक जोड़ को छोड़कर यह दूसरे जोड़ को पकड़ लेगा है। ऐसे स्थिति में तुरंत इलाज शुरू करवाएं। यदि समय पर और पूरा इलाज नहीं हुआ तो 5-10 साल बाद यह चौथाई मुसक्त रोग सकती है, यह भी बहुत बुरी स्थिति है। 5 से 20 साल के बच्चों में 100 में से 3 बच्चों को रुमेटिक हार्ट डिसीज की आशंका भी रहती है। भात, पश्चिमबंगाल, ओरिसा, आन्ध्रप्रदेश जैसे देशों में यह बीमारी अधिक होती है, जबकि यूरोप में बहुत कम है। यह हम अधिक से अधिक सचेतता बनाए रखें से हमारे रिसाव पर सकते हैं। इसके लक्षण आपको जानना चाहिए। इस बीमारी से बच्चे के गले में खराश आती है, बुखार भी होता है। कई बार यह साथ पाय है, कई बार बच्चे नहीं भी चलते हैं। इसे बच्चे भी नजरअंदाज न करें। रोगे का खतरा होने के कुछ लक्षण में चक्कर, मोशनी, कंपन, दुर्बी में दर्द हो सकता है तथा मूत्रवन्ध भी आ सकती है। अधिकतम दो जोड़ों में सूजन हो सकती है। कुछ समय बाद एक जोड़ को छोड़कर यह दूसरे जोड़ को पकड़ लेगा है। ऐसे स्थिति में तुरंत इलाज शुरू करवाएं। यदि

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव 13 दिसंबर को आएंगे छतरपुर

छतरपुर, 20 नवं., कार्या.। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के तत्वावधान में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष आगामी 13 दिसंबर 2020 रविवार को दोपहर 2 बजे महाराजा छत्रसाल ऑडिटोरियम में 'भारतीय प्राचीन काल गणना: ऐतिहासिक महत्व व वैज्ञानिक विश्लेषण' विषय पर चतुर्थ व्याख्यानमाला का आयोजन किया जा रहा है। व्याख्यानमाला में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. मोहन यादव उच्च शिक्षा मंत्री, म.प्र. उपस्थित रहेंगे।

आयोजन समिति के संयोजक विनोद रावत ने बताया कि आधुनिक काल में इस विषय की हम सबको जानकारी होना बहुत ही जरूरी है क्योंकि हम भारतीय कालगणना प्रतिदिन अपनाते हैं एवं उसके अनुसार जीवन भी व्यतीत करते हैं। कार्यक्रम की संचालन समिति के सदस्य प्रवीण गुप्त ने बताया कि चूंकि पं. गणेश प्रसाद मिश्र दद्दा जी स्वयं भूगोल विषय के मेधावी छात्र थे और प्राथमिक शिक्षा के समय से ही तारामंडल, रेखाओं एवं ग्रहों की संरचनाओं को एटलस एवं ग्लोब के माध्यम से बच्चों को समझाते थे इसलिए इस वर्ष व्याख्यान माला का विषय 'भारतीय प्राचीन काल गणना: ऐतिहासिक महत्व व वैज्ञानिक विश्लेषण' रखा गया है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि आधुनिक पीढ़ी में इन सब विषयों में हमारे अभिभावक काफी पीछे रहते हैं इसलिए इस विषय का चयन करके इस क्षेत्र के विशेषज्ञ डॉ. मोहन यादव को प्रमुख अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। ज्ञात हो कि डॉ. मोहन यादव जी ने उज्जैन स्थित भारत के प्राचीन शोध केंद्र के रूप में अनेक स्थान निर्मित व विकसित किए हैं एवं उनकी वैज्ञानिकता भी सिद्ध की है। डॉ. मोहन यादव जी केवल एक राजनेता मात्र नहीं हैं बल्कि उन्होंने विक्रमादित्य शोध पीठ की स्थापना भी की है। व्याख्यानमाला में डॉ. राकेश मिश्र पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष एवं अ.भा. विद्यार्थी परिषद के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष विषय की प्रास्ताविक भूमिका रखेंगे। न्यास की सचिव आशा रावत ने सभी से उपस्थित होने का अनुरोध किया।

विंध्य शक्ति छतरपुर

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा चतुर्थ व्याख्यान माला का आयोजन 13 दिसम्बर को छतरपुर में

भारतीय प्राचीन काल गणना- ऐतिहासिक महत्व व वैज्ञानिक विश्लेषण पर डॉ. मोहन यादव, उच्च शिक्षा मंत्री का होगा व्याख्यान

छतरपुर/ छतरपुर/ नई दिल्ली। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के तत्वावधान में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी महाराजा छत्रसाल की नगरी छतरपुर में चतुर्थ व्याख्यानमाला का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर डॉ. मोहन यादव जी मुख्य वक्ता (उच्च शिक्षा मंत्री, म.प्र.) रहेंगे। व्याख्यान माला का विषय 'भारतीय प्राचीन काल गणना- ऐतिहासिक महत्व व वैज्ञानिक विश्लेषण' है। आयोजन समिति के संयोजक विनोद रावत ने बताया कि आधुनिक काल में इस विषय की हम सबको जानकारी होना बहुत ही जरूरी है, क्योंकि हम भारतीय कालगणना तो प्रतिदिन अपनाते भी हैं एवं उसके अनुसार जीवन भी व्यतीत करते हैं। पं. गणेश प्रसाद मिश्र दद्दा जी स्वयं भूगोल विषय के मेधावी छात्र थे। वे प्राथमिक शिक्षा के समय से ही तारामंडल, रेखाओं एवं ग्रहों की संरचनाओं को एटलस एवं ग्लोब के माध्यम से बच्चों को समझाते थे। मुझे लगता है कि आधुनिक पीढ़ी में इन सब विषयों में हमारे अभिभावक काफी पीछे रहते हैं इसलिए इस विषय का चयन करके इस क्षेत्र के विशेषज्ञ डॉ. मोहन यादव को प्रमुख अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन स्थित भारत के प्राचीन शोध केंद्र के रूप में अनेक स्थान निर्मित व विकसित किए हैं एवं उनकी वैज्ञानिकता भी सिद्ध की है। डॉ. मोहन यादव केवल एक राजनेता मात्र नहीं हैं बल्कि उन्होंने विक्रमादित्य शोध पीठ की स्थापना भी की है। विक्रमादित्य पर शोध कार्य हेतु खगोलीय काल गणना के लिए विश्व भर में विख्यात डूंगला, उज्जैन में विश्व स्तरीय वेदशाला का निर्माण कराया है। उन्होंने अनेक पुस्तकें लिखी हैं जिनमें प्रमुख रूप से संकल्प, शुभकृत, क्रोधी, विश्वावसु, पराभव आदि भारतीय पौत्र नव वर्ष पर भारतीय तिथि पत्र पंचांग का प्रकाशन व जन - जन तक इसका निःशुल्क वितरण का कार्य वे नियमित करते हैं। डॉ. मोहन यादव ने सम्राट विक्रमादित्य द्वारा आरंभ विक्रम संवत् नव वर्ष प्रतिपदा के दिन को विक्रमोत्सव मनाने की परंपरा प्रारंभ की है। उन्होंने महानाट्य 'सम्राट विक्रमादित्य' की रचना की और यह देश का दूसरा व प्रदेश का पहला महानाट्य बन गया है। इसमें 300 से अधिक कलाकारों की प्रस्तुति एवं विशेष प्रकार के नाट्य महाआयोजन की रचना की है। महाराजा भोज नाट्य की परिकल्पना, निर्माण एवं संचन भी उन्होंने ही प्रारंभ किया है। श्रीकृष्ण उज्जयनी कालजयी नाटक की परिकल्पना, निर्माण एवं प्रस्तुति भी उन्होंने प्रारंभ की। डॉ. मोहन यादव ने शिक्षा परिक्रमा, श्री कृष्ण- सुदामा सांदीपनि यात्रा हो या महाकालेश्वर से बोरेश्वर की जल संरक्षण यात्रा हो, यह भी उनकी सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक चेतना जागृत करने की भावना दर्शाता है। डॉ. मोहन यादव भारतीय संस्कृति एवं दर्शन को सरल रूप में नई पीढ़ी को दिग्दर्शन करने के लिए अनेकों आयोजन करते रहते हैं। अतः इस वर्ष पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास ने इस महत्वपूर्ण विषय के साथ पूर्ण न्याय करने वाले विद्वान अतिथि को आमंत्रित किया है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
हिन्दुस्तान एक्सप्रेस
मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र से प्रकाशित

प्राचीन काल गणना के वैज्ञानिक विश्लेषण पर होगा व्याख्यान

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के तत्वावधान में 13 दिसम्बर को होगा आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज- छतरपुर। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के तत्वावधान में 13 दिसम्बर को व्याख्यान माला के चौथे सोपान के अंतर्गत इस वर्ष प्राचीन काल गणना के वैज्ञानिक विश्लेषण पर व्याख्यान दिया जाएगा। उक्त व्याख्यान माला के मुख्य वक्ता म प्र शासन के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव होंगे। उक्त व्याख्यान माला 13 दिसम्बर को दोपहर 2 बजे किशोर सागर स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित की गई है।

सेवा न्यास की ओर से डॉ. विनोद रावत ने बताया कि उक्त व्याख्यान माला का उद्देश्य भारतीय काल गणना के वैज्ञानिक विश्लेषण और उसके ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालना है। मुख्य वक्ता डॉ. मोहन यादव एक कुशल राजनेता ही नहीं बल्कि विक्रमादित्य शोध पीठ की स्थापना करने वाले व्यक्तित्व हैं। उन्होंने कालगणना के लिए विश्व भर में विख्यात डूंगला उज्जैन में निर्मित विश्व स्तरीय वेदशाला का निर्माण कराया है। अनेक पुस्तकें संकल्प, शुभकृत, क्रोधी, विश्वावसु, पराभव की रचना की। उन्होंने सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य की रचना की जिसमें 300 से ज्यादा कलाकार नाट्य प्रस्तुति देते हैं। उक्त आयोजन पं. गणेश प्रसाद मिश्र की स्मृति में आयोजित किया जा रहा है। जो कि स्वयं भूगोल के उत्कृष्ट विद्यार्थी थे एवं कालगणना पर विद्यार्थियों को शिक्षित करते थे।

इस व्याख्यानमाला में पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र प्रास्ताविक रखेंगे। न्यास की व्याख्यानमाला का यह चतुर्थ पुष्प है। न्यास हमेशा मानव सेवा में अग्रणी रहता है। न्यास के द्वारा कई नेत्र शिविर, गंभीर बीमारियों की निःशुल्क जाँच व ईलाज, वृक्षारोपण, जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पठन-पाठन सामग्री का वितरण तथा कोविड-19 के दौरान प्रसिद्ध चिकित्सकों को बेविनार के माध्यम से जनता से जोड़कर उन्हें गंभीर बीमारियों की जानकारी तथा उनकी समस्याओं का समाधान किया जाता रहा है। सेवा न्यास ने सभी प्रबुद्धजनों से कार्यक्रम में पधारने का आग्रह किया है।

प्रखर ज्ञान, छतरपुर

श्रीराम मंदिर निर्माण भूमि पूजन अवसर पर प्रसंगवश

» डॉ. राकेश मिश्रा (पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, महाकोशल प्रांत) » छतरपुर जिले से पं गणेश प्रसाद मिश्र जी राम मन्दिर आंदोलन के थे नेतृत्वकर्ता » अपने साथ अयोध्या से लेकर आए थे बाबरी ढाँचे की ईंटें

प्रखर ज्ञान संवाददाता, छतरपुर। 5 अगस्त 2020 को वह स्वप्न पूर्ण होने जा रहा है, जो भारत रूपी पवित्र भूमि की संततियों की अस्मिता से जुड़ा है, जिसके लिए इस देश के कई हुतात्माओं ने अपने तन-मन-धन अर्पित कर दिया। आज सही अर्थों में उन सभी को आदरांजलि देने का समय है। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले की बात करें तो यहां से राम मंदिर आंदोलन में पं. गणेश प्रसाद मिश्र ने न सिर्फ सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की थी बल्कि तत्कालीन बीजेपी अध्यक्ष डॉ मुरली मनोहर जोशी के साथ एकता यात्रा में शामिल होकर कश्मीर तक गए। इसके बाद जब मुगलों की गुलामी का दाग धोने की बारी आई तो 6 दिसम्बर 1992 को अयोध्या पहुँच गए। केवल दो कारसेवक ही हिम्मत के साथ पहुँच पाये थे। एक थे प. गणेश प्रसाद मिश्र जी व दूसरे श्री साधुराम जी मिश्र हरपालपुर वाले।सदियों पुराने गुलामी के प्रतीक को हमेशा के लिए मिटाने के लिए श्रीराम मन्दिर आंदोलन अपने चरम पर पहुँचा तो पं. गणेश प्रसाद मिश्र उपाख्य दद्दा जी भी 68 वर्ष की आयु

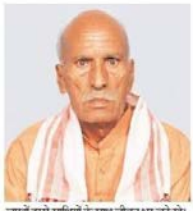

में भी कारसेवा में अयोध्या में ही पंहुच गये थे जब कोठरी बंधुओं का बलिदान हुआ था, तो वह उनके निकट ही रहे। बाद में 1991 में सत्याग्रह आंदोलन में भी उन्होंने धवर्रा के आस पास के 154 लोगों के साथ अयोध्या में सामूहिक गिरफ्तारियाँ भी दीं थीं। उस समय दद्दा जी की धर्मपत्नी श्रीमती शांति मिश्रा भी साथ में कंधे से कंधा मिलाकर जय श्रीराम का उद्घोष कर रहीं थीं। इतना ही नहीं दद्दा जी की बड़ी बेटी श्रीमती आशा रावत व उनके इकलौते पुत्र डॉ. राकेश मिश्र ने भी मंदिर आंदोलन में गिरफ्तारी दी थी। आज अनेक लोग धवर्रा के नजदीक के उस समय की यातनाओं को देखकर सहम जाते हैं, जो तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव द्वारा दी जा रहीं थीं। आखिरकार वह क्षण आ ही गया जब देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंदिर निर्माण की आधारशिला रखेंगे। राम मंदिर आंदोलन के ऐसे अनेक तपस्वी मनीषियों को शत-शत नमन.. व शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि।

लाखों दूसरे साथियों के साथ जीवन भर जुटे रहे। दद्दा जी 1990 में तब पहले अयोध्या आंदोलन

नव स्वदेश, सतना

अपने साथ अयोध्या से लेकर आए थे बाबरी ढाँचे की ईंटें

▸▸छतरपुर जिले से पं. गणेश प्रसाद मिश्रजी राम मन्दिर आंदोलन के थे नेतृत्वकर्ता

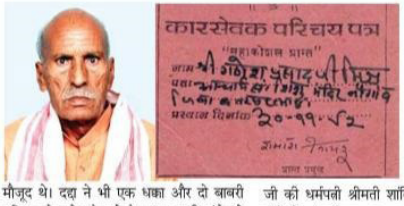

सतना (नव स्वदेश)। 5 अगस्त 2020 को वह स्वप्न पूर्ण होने जा रहा है, जो भारत रूपी पवित्र भूमि की संततियों की अस्मिता से जुड़ा ह, जिसके लिए इस देश के कई हुतात्माओं ने अपने तन-मन-धन अर्पित कर दिया। आज सही अर्थों में उन सभी को आदरांजलि देने का समय है। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले की बात करें तो यहां से राम मंदिर आंदोलन में पं. गणेश प्रसाद मिश्र ने न सिर्फ सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की थी बल्कि तत्कालीन बीजेपी अध्यक्ष डॉ. मुरली मनोहर जोशी के साथ एकता यात्रा में शामिल होकर कश्मीर तक गए। इसके बाद जब मुगलों की गुलामी का दाग धोने की बारी आई तो 6 दिसम्बर 1992 को अयोध्या पहुँच गए। केवल दो कारसेवक ही हिम्मत के साथ पहुँच पाये थे। एक थे प. गणेश प्रसाद मिश्रजी व दूसरे श्री साधुरामजी मिश्र हरपालपुर वाले।सदियों पुराने गुलामी के प्रतीक को हमेशा के लिए मिटाने के लिए श्रीराम मन्दिर आंदोलन अपने चरम पर पहुँचा तो पं. गणेश प्रसाद मिश्र उपाख्य दद्दा जी भी 68 वर्ष की आयु में भी कारसेवा में अयोध्या में ही पंहुच गये थे जब कोठरी बंधुओं का बलिदान हुआ था तो वह उनके निकट ही रहे। बाद में 1991 में सत्याग्रह आंदोलन में भी उन्होंने धवर्रा के आस पास के 154 लोगों के साथ अयोध्या में सामूहिक गिरफ्तारियाँ भी दीं थीं। उस समय दद्दा जी की धर्मपत्नी श्रीमती शांति मिश्रा भी साथ में कंधे से कंधा मिलाकर जय श्रीराम का उद्घोष कर रहीं थीं। इतना ही नहीं दद्दा जी की बड़ी बेटी श्रीमती आशा रावत व उनके इकलौते पुत्र डॉ. राकेश मिश्र ने भी मंदिर आंदोलन में गिरफ्तारी दी थी।आज अनेक लोग धवर्रा के नजदीक के उस समय की यातनाओं को देखकर सहम जाते हैं, जो तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव द्वारा दी जा रहीं थीं।आखिरकार वह क्षण आ ही गया जब देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंदिर निर्माण की आधारशिला रखेंगे। राम मंदिर आंदोलन के ऐसे अनेक तपस्वी मनीषियों को शत-शत नमन व शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि!

डा.राकेश मिश्रा
पूर्व प्रदेश अध्यक्ष: अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, महाकोशल प्रांत

माघ मेला प्रयागराज में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर रविवार को

छतरपुर। माघ मेला के अवसर पर पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा चौथी बार विशाल सर्व सुविधायुक्त पंडाल माघ मेला प्रयागराज में लगाया गया है। माघ माहात्म्य कथा 29 जनवरी से प्रारंभ हो चुकी है जो 27 फरवरी तक प्रतिदिन प्रातः 8 से 9 बजे तक घनश्याम शास्त्री भीमकुंड के मुखारबिंद से हो रही है। रामकथा का आयोजन 29 जनवरी से प्रारंभ होकर 7 फरवरी रविवार को समापन होगा। श्रीराम कथा की अमृतवर्षा राहुल शास्त्री वृंदावन के द्वारा प्रतिदिन जारी है। प्रतिदिन 2 से 5 बजे तक यह निरंतर चल रही है। आगामी रविवार को पूर्णाहुति व विशाल भंडारा होगा। श्री मद्भागवत कथा 8 से 16 फरवरी तक प्रतिदिन 2 से 5 बजे तक राहुल शास्त्री के मुखारबिंद से होगी।

न्यास द्वारा मेला परिसर में ही एक विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह 7 फरवरी को प्रातः 9 से 2 बजे तक होगा। शिविर में आंख एवं कान के मरीज़ों की जाँच की जाएगी एवं उन्हें चश्मा दवाई तथा कान की मशीनें निशुल्क प्रदान की जाएंगी। जिन मरीज़ों को विशेष परेशानी होगी उनको दिल्ली में मुफ्त इलाज कराया जायेगा। इस अवसर पर कान की जाँच करके बधिर रोगियों को सुनाई देने वाली आधुनिक महँगी मशीनें एल्पस इंटरनेशनल दिल्ली द्वारा प्रदान की जायेंगी। शिविर में बुंदेलखंड के अलावा दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, भोपाल एवं दूरस्थ क्षेत्रों के अनेक धर्मावलंबी उपस्थित रहेंगे। न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने बताया कि कार्यकर्ता व सहयोगी शनिवार प्रातःमाघ मेला में पहुंचेंगे व बुंदेलखंडी संस्कृति के अनेक आयोजन भी होंगे। माघ मेला के आगे अभी 4 विशेष पर्व हैं। मौनी अमावस्या 11 फरवरी, बसंत पंचमी 16 फरवरी, अचला सप्तमी 19 फरवरी एवं माघी पूर्णिमा 27 फरवरी को है।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा 12वां विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर माघ मेला प्रयागराज में 7 फरवरी को

छतरपुर/सतना/प्रयागराज। माघ मेला के अवसर पर पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा चौथी बार विशाल सर्व सुविधायुक्त पंडाल माघ मेला प्रयागराज में लगाया गया है। न्यास द्वारा गत चार वर्षों से नियमित रूप से संगम तट पर कल्पवासियों के लिये माघ मेले में तीन कथायें आयोजित की जा रही हैं। माघ माहात्म्य कथा 29 जनवरी से प्रारंभ हो चुकी है जो 27 फरवरी तक प्रतिदिन प्रातः 8 से 9 बजे तक श्री घनश्याम शास्त्री जी (भीमकुंड) के मुखारबिंद से हो रही है। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा मेला परिसर में ही एक विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह 7 फरवरी 2021 (रविवार) को प्रातः 9:00 से 2:00 बजे तक होगा। इस बारहवें विशाल स्वास्थ्य शिविर में आंख एवं कान के मरीज़ों की जाँच की जाएगी एवं उन्हें चश्मा दवाई तथा कान की मशीनें निःशुल्क प्रदान की जाएंगी। तारा नेत्र संस्थान उदयपुर द्वारा तीर्थ यात्रियों की आँख के मोतियाबिंद की जाँच की जायेगी। चश्मा व दवाईयाँ निःशुल्क मिलेंगी। जिन मरीज़ों को विशेष परेशानी होगी उनको दिल्ली में मुफ्त इलाज कराया जायेगा। इस अवसर पर कान की जाँच करके बधिर रोगियों को सुनाई देने वाली आधुनिक महँगी मशीनें एल्पस इंटरनेशनल प्रा. लि. दिल्ली द्वारा प्रदान की जायेंगी। श्री अनूप नारंग प्रतिवर्ष पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के माध्यम से यह सहयोग कर रहे हैं। इस स्वास्थ्य शिविर के समय बुंदेलखंड के अलावा दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, भोपाल एवं दूरस्थ क्षेत्रों के अनेक धर्मावलंबी उपस्थित रहेंगे। सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने बताया है कि कार्यकर्ता व सहयोगी शनिवार प्रातःमाघ मेला में पधारेंगे व बुंदेलखंडी संस्कृति के अनेक आयोजन भी होंगे। तृतीय कथा श्री मद्भागवत कथा 8 से 16 फरवरी तक प्रतिदिन 2 से 5 बजे तक श्री राहुल शास्त्री जी के मुखारबिंद से होगी। श्री भीमकुंड स्वामी जी के कृपापात्र श्री श्री 1008 श्री स्वामी शंकर्षणाचार्य जी महाराज के मार्गदर्शन में न्यास के द्वारा त्रिवेणी मार्ग दक्षिण पटरी पुल नंबर 2 के पास (झूँसी साइड), गंगा तट से पहला भूखंड, सेक्टर नं.3, मेला परिसर प्रयागराज में पंडाल एवं रुकने की व्यवस्था की गई है। श्री शंकर्षणाचार्य जी महाराज सरायन वाली के द्वारा वहां सब व्यवस्थाएं की जा रही हैं। माघ मेला के आगे अभी 4 विशेष पर्व हैं। मौनी अमावस्या 11 फरवरी (गुरुवार), बसंत पंचमी 16 फरवरी (मंगलवार), अचला सप्तमी 19 फरवरी (शुक्रवार) एवं माघी पूर्णिमा 27 फरवरी (शनिवार) को है। न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने सभी धर्म प्रेमियों से अनुरोध है कि न्यास द्वारा की जा रही व्यवस्थाओं में सहयोग करते हुए कोई भी भक्त वहां रहकर गंगा स्नान का पुण्य प्राप्त कर सकता है। श्री भीमकुंड स्वामी जी के कृपापात्र श्री श्री 1008 श्री स्वामी शंकर्षणाचार्य जी महाराज वहां पर आपके मार्गदर्शन के लिए उपस्थित हैं। सभी धर्म प्रेमियों से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में माघ मेला प्रयागराज में पहुँचें। प्रमुख पर्व के अवसर पर भी जाएं। यह मेला 27 फरवरी 2021 (शनिवार) को पूर्ण होगा।

रामकथा
।। श्री रामकिंकर प्रवचन माला ।।
गुरुवार, दिनांक 4 फरवरी 2021 से
बुधवार, दिनांक 10 फरवरी 2021 तक
ब्रह्मलोक संत
श्री मैथिलीशरण जी महाराज

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा बारहवाँ विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर माघ मेला प्रयागराज में रविवार को

छतरपुर/सतना/प्रयागराज। माघ मेला के अवसर पर पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा चौथी बार विशाल सर्व सुविधायुक्त पंडाल माघ मेला प्रयागराज में लगाया गया है। न्यास द्वारा गत चार वर्षों से नियमित रूप से संगम तट पर कल्पवासियों के लिये माघ मेले में तीन कथायें आयोजित की जा रही हैं। माघ माहात्म्य कथा 29 जनवरी से प्रारंभ हो चुकी है जो 27 फरवरी तक प्रतिदिन प्रातः 8 से 9 बजे तक घनश्याम शास्त्री (भीमकुंड) के मुखारबिंद से हो रही है। जिसका 07 फरवरी रविवार को समापन होगा।

श्री राम कथा की अमृतवर्षा राहुल शास्त्री (वृंदावन) के द्वारा प्रतिदिन जारी है। प्रतिदिन 2 से 5 बजे तक यह निरंतर चल रही है। आगामी रविवार को पूर्णाहुति व विशाल भंडारा होगा।

बारहवाँ निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में मरीज होंगे लाभान्वित

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा मेला परिसर में ही एक विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह 7 फरवरी 2021 (रविवार) को प्रातः 9:00 से 2:00 बजे तक होगा। इस बारहवें विशाल स्वास्थ्य शिविर में आंख एवं कान के मरीज़ों की जाँच की जाएगी एवं उन्हें चश्मा दवाई तथा कान की मशीनें निःशुल्क प्रदान की जाएंगी। तारा नेत्र संस्थान उदयपुर द्वारा तीर्थ यात्रियों की आँख के मोतियाबिंद की जाँच की जायेगी। चश्मा व दवाईयाँ निःशुल्क मिलेंगी। जिन मरीज़ों को विशेष परेशानी होगी उनको दिल्ली में मुफ्त इलाज कराया जायेगा। इस अवसर पर कान की जाँच करके बधिर रोगियों को सुनाई देने वाली आधुनिक महँगी मशीनें एल्पस इंटरनेशनल प्रा. लि. दिल्ली द्वारा प्रदान की जायेंगी। अनूप नारंग प्रतिवर्ष पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के माध्यम से यह सहयोग कर रहे हैं। इस स्वास्थ्य शिविर के समय बुंदेलखंड के अलावा दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, भोपाल एवं दूरस्थ क्षेत्रों के धर्मावलंबी उपस्थित रहेंगे।

सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने बताया है कि कार्यकर्ता व सहयोगी शनिवार प्रातः माघ मेला में पधारेंगे व बुंदेलखंडी संस्कृति के अनेक आयोजन भी होंगे।

श्री भीमकुंड स्वामी के कृपापात्र श्री श्री 1008 स्वामी शंकर्षणाचार्य महाराज के मार्गदर्शन में न्यास के द्वारा त्रिवेणी मार्ग दक्षिण पटरी पुल नंबर 2 के पास (झूँसी साइड), गंगा तट से पहला भूखंड, सेक्टर नं.3, मेला परिसर प्रयागराज में पंडाल एवं रुकने की व्यवस्था की गई है। माघ मेला के आगे 4 विशेष पर्व मौनी अमावस्या 11 फरवरी (गुरुवार), बसंत पंचमी/16 फरवरी (मंगलवार), अचला सप्तमी 19 फरवरी (शुक्रवार) एवं माघी पूर्णिमा 27 फरवरी (शनिवार) को है। न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने सभी धर्म प्रेमियों से अनुरोध किया है कि न्यास द्वारा की जा रही व्यवस्थाओं में सहयोग करते हुए कोई भी भक्त वहां रहकर गंगा स्नान का पुण्य प्राप्त कर सकता है। श्री भीमकुंड स्वामी जी के कृपापात्र श्री श्री 1008 श्री स्वामी शंकर्षणाचार्य जी महाराज वहां पर आपके मार्गदर्शन के लिए उपस्थित हैं। सभी धर्म प्रेमियों से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में माघ मेला प्रयागराज में पहुँचें। प्रमुख पर्व के अवसर पर भी जाएं। यह मेला 27 फरवरी 2021 (शनिवार) को पूर्ण होगा।

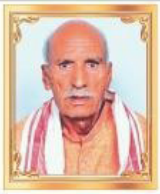

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास

द्वारा आयोजित

सद्गुरू नेत्र चिकित्सालय, श्री सद्गुरू सेवा संघ ट्रस्ट
(संस्थापक: परम पूज्य रणछोड़ दास जी महाराज)
जानकीकुंड चित्रकूट, सतना (म.प्र.)

के सौजन्य से

पं.गणेश प्रसाद मिश्र जी एवं श्रीमती शांति मिश्रा जी

की पुण्य स्मृति में

13वाँ नि:शुल्क नेत्र शिविर

सुविधायें

**नेत्र एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु चयन,
फ्री चश्मा, आँखों की दवाई वितरण**

(शिविर के माध्यम से लेंस ऑपरेशन हेतु पहचान पत्र लाना आवश्यक है)

दिनांक: 24 फरवरी 2021 (बुधवार)

समय: प्रात: 9.00 से 2.00 बजे दोपहर तक

स्थान: त्रिवेणी मार्ग, दक्षिणी पटरी, पुल नं. 2 के पास (झूँसी साइड)
गंगा तट से पहला भूखण्ड, सेक्टर नं. 3, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)

सम्पर्क सूत्र

श्री भीमकुंड स्वामीजी के कृपा पात्र श्री श्री 1008 श्री स्वामी संकर्षणाचार्य जी महाराज
दूरभाष: 09977843521, 09340210080

gpmsnyas@gmail.com | www.gpmsevanyas.org | gpmsevanyas | gpmsnyas

Printed by: V.R. Box Makers Rajesh Verma : 9810616579

पं.गणेश प्रसाद मिश्र एवं श्रीमती शांति मिश्रा जी की
पुण्य स्मृती में
माघ मेला पर्व एवं स्नान
स्वास्थ्य शिविर
७ फरवरी (रविवार)
प्रात: ९ से २ बजे तक
: स्थान :
त्रिवेणी मार्ग,दक्षिण पटरी पुल नं.२ के पास (झूँसी साइड)
गंगा तट से पहला भूखण्ड, सेक्टर नं.३, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)
: संपर्क सूत्र :
9977843521,9340210080

गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास
पं. गणेश प्रसाद मिश्र
श्रीमती शांति मिश्रा
पं. गणेश प्रसाद मिश्र एवं श्रीमती शांति मिश्रा जी की पुण्य स्मृति में
माघ माहात्म्य कथा, श्री रामकथा, श्रीमद्भागवत कथा आदि
कार्यक्रम निम्न तिथियों में प्रयागराज के संगम तट पर संपन्न होंगे।
माघ माहात्म्य कथा
29 जनवरी से 27 फरवरी
प्रातः 8 से 9 बजे तक
श्री रामकथा
30 जनवरी से 7 फरवरी
दोपहर 2 से 5 बजे तक
श्रीमद्भागवत कथा
8 फरवरी से 16 फरवरी
दोपहर 2 से 5 बजे तक
स्वास्थ्य शिविर
7 फरवरी 2021 (रविवार)
प्रातः 9 से 2 बजे तक
माघ माहात्म्य कथावाचक : श्री घनश्याम शास्त्री जी (भीम कुंड)
श्री राम कथावाचक : श्री राहुल शास्त्री जी (वृंदावन)
श्रीमद्भागवत कथावाचक : श्री राहुल शास्त्री जी (वृंदावन)
स्थान : त्रिवेणी मार्ग, दक्षिण पटरी पुल न. 2 के पास (झूँसी साइड)
गंगा तट से पहला भूखण्ड, सेक्टर न. 3, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)
माघ मेला पर्व एवं स्नान
मकर संक्रान्ति
14 जनवरी, 2021 (गुरूवार)
मौनी अमावस्या
11 फरवरी, 2021 (गुरूवार)
बसंत पंचमी
16 फरवरी, 2021 (मंगलवार)
अचला सप्तमी
19 फरवरी, 2021 (शुक्रवार)
माघी पूर्णिमा
27 फरवरी, 2021 (शनिवार)
पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास, सतना (म.प्र.)
-: संपर्क सूत्र :-
श्री भीम कुंड स्वामीजी के कृपापात्र श्री श्री 1008 श्री स्वामी संकर्षणाचार्य जी महाराज
दूरभाष : 09977843521, 09340210080

लोगों को बांटा गया चश्मा और कान की मशीन

माघमेले में पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास शिविर में हुये विविध कार्यक्रम

माघमेला स्थित त्रिवेणीरोड पर पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास शिविर में नि: शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन हुआ। जहां १०८२ लोगों की आंख की जांच की गयी और ७३५ लोगों को चश्मा और ३८४ लोगों का कान की मशीन वितरित की गयी। इस दौरान सेवा न्यास के अध्यक्ष डा. राकेश मिश्र ने कहा कि सामाजिक नवनिर्माण में सेवा न्यास सशक्त भूमिका निभाता रहा है और आगे की निभाता रहेगा। न्यास के अध्यक्ष डा. राकेश मिश्र ने बताया कि इस आयोजन को लेकर न्यास का उद्देश्य तीर्थाटन एवं पर्यटन के माध्यम से भारतीय संस्कृति व विरासत के दर्शन कराना है।

उन्होंने आयोजन के लिये तारा नेत्र संस्थान, सद्गुरु सेवा संघ, एल्पस इंटरनेशनल लिमिटेड का आभार व्यक्त करते हुए उनका भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आयोजन को भव्य बनाने में अपना योगदान दिया है। संकल्प मिश्र ने सभी अतिथियों को शाल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।मेला की व्यवस्था में लगे सभी कर्मचारियों व अधिकारियों को कंबल, टी-शर्ट, जैकिट व न्यास की पुस्तक प्रदान की गई।इस मौके पर शंकराचार्य जी महाराज भीमकुंड, कथावाचक अनंतराम कुररिया, पं. घनश्याम शास्त्री जी, डॉ. अरविंद चौरसिया अवर सचिव उत्तर प्रदेश सरकार, बार एसडीएम सुभाष यादव, करछना एसडीएम विनोद पाण्डे, प्रभारी मेलाधिकारी विवेक चतुर्वेदी, मेला प्रबंधक विवेक शुक्ला, एसएसपी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी, एसपी क्राइम आशुतोष मिश्रा, डॉ. राजाराम यादव, पूर्व कुलपति जौनपुर वि. वि., हंडिया तहसीलदार रामप्रसाद त्रिपाठी, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष दर्शना सिंह, शिवांगी मिश्रा पार्षद, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रीता सिंह ,गंगापार भाजपा जिलाध्यक्ष अश्वनी द्विवेदी, महामंत्री जीतलाल त्रिपाठी, नकरा, कोषाध्यक्ष आशीष केशरवानी, युवा नेता मनोज निषाद, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य पवन पाण्डेय, संकटा द्विवेदी, दिलीप चौरसिया, अतुल गुप्ता, कमलनयन अवस्थी, वृंदावन से राहुल कृष्ण शास्त्री, उच्च न्यायालय अधिवक्ता अशोक पाण्डेय, महानगर युवा मोर्चा अध्यक्ष विनय मिश्रा 'सिंटू' आदि उपस्थित रहें।

दैनिक छतरपुर भ्रमण | छतरपुर | छतरपुर, शुक्र

छतरपुर भ्रमण

मोबा.9425813645-9713832748

शादी कार्ड | मोमेंटो प्रिंट | टी-शर्ट/चाबी छल्ला | मग प्रिंटिंग | फ्लेक्स, बैन

सामाजिक नवनिर्माण में सशक्त भूमिका निभाता पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास

छतरपुर। आज पं. गणेश प्रसाद न्यास जिसे परिवार का परोपकार कहा जाये या सहायता का क्षेत्र हो या शिक्षा का। चाहे चर्चित आयोजनों की बात हो या सामाजिक कार्यों की बुंदेलखंड, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, दिल्ली, राजस्थान आदि के 28 जिलों में प्रतिवर्ष 500 लोग एक नया सच रचते हैं। जिसके निशुल्क, भोजन आदि को व्यवस्था न्यास द्वारा की जाती है। सभी कठिन कार्यों में न्यास जिसे याद करता है। वह है- पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास। जो अपने स्थापना के 27 वर्षों में लगभग चौथी बार 28 जनवरी से फरवरी तक 27 घण्टों की संघर्ष यात्रा के बाद नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन एक दुर्लभ एवं चिकित्सा पूर्ण आयोजन का।

ट्रेन के कोचे-कोचे से आये लोग हुये लाभान्वित

न्यास के इस शिविर में देशभर से विभिन्न आंखों, रोग आंखों, अवस्थाओं आंखों, फाकोएमल्सीफिकेशन से संचालित ट्रेन में संचालन किया गया। जिसमें लगभग 1062 लोगों की जांच हुई तथा उन्हें दवाईयों व चश्मे निशुल्क किये गये। इस शिविर से लोग भूतपूर्व सैनिक एवं अन्य आर्थिक रूप से लाभान्वित हुये।

न्यास को प्रदान धनराशि सौंपती हुई उप्र. उप्र. राज्यपाल

न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने बताया कि इस आयोजन को लेकर न्यास का उद्देश्य तीर्थाटन एवं पर्यटन के माध्यम से भारतीय संस्कृति व विरासत के दर्शन कराना है। उन्होंने आयोजन के लिये तारा नेत्र संस्थान, सद्गुरु सेवा संघ, एल्पस इंटरनेशनल लिमिटेड का आभार व्यक्त करते हुए उनका भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आयोजन को भव्य बनाने में अपना योगदान दिया है।

हजारों रही विशेष उपस्थिति

इस शिविर में परमपूज्य शंकराचार्यवर्य जी महाराज भीमकुंड, मध्यप्रदेश सरकार मुरारिबापू, पं. घनश्याम शास्त्री जी, डॉ. अरविंद चौरसिया अवर सचिव उत्तर प्रदेश सरकार, बार एसडीएम सुभाष यादव, करछना एसडीएम विनोद पाण्डे, प्रभारी मेलाधिकारी विवेक चतुर्वेदी, मेला प्रबंधक विवेक शुक्ला, एसएसपी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी, एसपी क्राइम आशुतोष मिश्रा, डॉ. राजाराम यादव, पूर्व कुलपति जौनपुर वि. वि., हंडिया तहसीलदार रामप्रसाद त्रिपाठी, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष दर्शना सिंह, शिवांगी मिश्रा पार्षद, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रीता सिंह ,गंगापार भाजपा जिलाध्यक्ष अश्वनी द्विवेदी, महामंत्री जीतलाल त्रिपाठी, नकरा, कोषाध्यक्ष आशीष केशरवानी, युवा नेता मनोज निषाद, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य पवन पाण्डेय, संकटा द्विवेदी, दिलीप चौरसिया, अतुल गुप्ता, कमलनयन अवस्थी, वृंदावन से राहुल कृष्ण शास्त्री, उच्च न्यायालय अधिवक्ता अशोक पाण्डेय, महानगर युवा मोर्चा अध्यक्ष विनय मिश्रा 'सिंटू' आदि उपस्थित रहें।

भोपाल/सागर | न्यू सावना न्यूज | छतरपुर, बुधवार 05 अगस्त 2020 | 4

श्रीराम मंदिर निर्माण भूमि पूजन अवसर पर प्रसंगवश : डॉ राकेश मिश्रा

छतरपुर ज़िले से पं गणेश प्रसाद मिश्र जी राम मन्दिर आंदोलन के थे नेतृत्वकर्ता

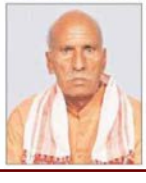

ऑलराउंडर यूसुफ पठान ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से लिया संन्यास

सांध्य दैनिक RNI No.-52050/82 डाक पंजीयन म.प्र./छतरपुर 08/2003

छतरपुर टाइम्स

हर ख़बर पर हमारी नज़र

वर्ष-38 अंक-301 छतरपुर 26 फरवरी शुक्रवार 2021 E-mail: chhptimes88@yahoo.co.in फोन नं0 248455, 9993138715 मूल्य 1.00 रूपए पृष्ठ-8

चोरी के मामले में 11 साल से कसर आरोपी गिरफ्तार

पीपरिया। थाना प्रभारी प्रशांत सिंह राजपूत ने चोरी के मामले में 11 साल से फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार करके उसके कब्जे से 30 गज पीले बरामद की हैं। जुलाई 2010 में बलराम पुत्र निवासी पीपरिया सिंह उम्र्रू की 30 गज पीले चोरी हो गई थीं। जिस पर थाना पीपरिया में मामला दर्ज किया गया था। मुखबिर की सूचना पर आरोपी मोती सिंह पुत्र हल्के सिंह निवासी बलदाकुआ को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 30 गज पीले बरामद की गई हैं।

जीएसटी एवं तेल कीमतों के खिलाफ छतरपुर रहा बंद

छतरपुर 26 फरवरी कार्य.। जीएसटी की विसंगतियों एवं तेल की कीमतों में वृद्धि के विरोधस्वरूप आज भारत बंद का आव्हान किया गया था। भारत बंद के आव्हान के तहत छतरपुर जिला भी बंद रहा।

छतरपुर नगरपालिका सीमा और अन्य नगरपालिका क्षेत्रों में पूरा बंद का समर्थन किया गया। मुख्य रूप से व्यापारिक संगठन बाजार में दीवारों के साथ निकलते और जिला मुख्यालयों पर मुख्यमार्ग पर प्रदर्शनकारी बंद करने की अपील करते हुए दुकानदारों से दुकानें बंद कराने की अपील कर रहे थे। इस बंद में ई-रिक्शा, पेट्रोल, डीजल की बढ़ती कीमतों और गुटखा एवं तंबाकू सहित अन्य वस्तुओं की सस्ती दरों पर जीएसटी लगाने के विरोध में बंद किया गया था। इसके साथ ही व्यापारिक संगठन बाजार में दुकानें बंद कराने के लिए पैदल घूमकर अपील कर रहे थे।

बंद के दौरान जिला गंज कोतवाली, सिविल लाइन, कोतवाली, कोटरा में व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी, व्यापारी, दुकानदार एवं अन्य लोगों का समर्थन मिला। बंद के दौरान कहीं से भी किसी प्रकार की कोई दुर्घटना की सूचना नहीं मिली है। शांतिपूर्ण बंद कराने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा पहले से ही पुख्ता व्यवस्था की गई थी। जिसके चलते बंद के दौरान कहीं से भी किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है।

सड़क पर बैनर लगाकर अनोखे अंदाज में जताया विरोध

ग्राम पंचायत हटवाहा का मामला, शिकायतों के बाद अब ग्रामीणों ने पीएम आवास में हुए घोटालों का बैनर लगाया

अशोक खान

विजावर 26 फरवरी रि.प्र.। पीएम आवास योजना में हुए घोटालों की शिकायतों के बाद कार्यवाही न होने से रोष आकर ग्रामीणों ने ग्रामपुरा-विजावर मुख्य मार्ग पर बैनर लगाकर आरोपी अंदाज में विरोध जताया। यह बैनर सड़क पर निकलने वाले जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, एवं अन्य लोगों का ध्यान खींचने का आकर्षण का केन्द्र रहा। उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत हटवाहा विजावर के ग्राम पंचायत हटवाहा का है।

ग्राम पंचायत हटवाहा में रोजगार सहायक के द्वारा पात्र व्यक्तियों के पास आवास योजना में अलग-अलग आवास व्यक्तियों को उनके पीएम आवास योजना के लिए आवेदन किया गया था। जिसमें से कुछ लोगों के आवास स्वीकृत भी हुए थे। परंतु कुछ के आवास पास नहीं होने पर उनके द्वारा शिकायत की गई थी। जिसकी जांच के लिए जनपद पंचायत विजावर से एक टीम गठित की गई थी। जिसने जांच में पाया कि कुछ व्यक्तियों को उनके पीएम आवास योजना के आवास स्वीकृत होने के बाद भी उनके पास पीएम आवास योजना का लाभ नहीं मिला है। जिसके बाद उन्होंने ग्राम पंचायत हटवाहा के सचिव एवं रोजगार सहायक के खिलाफ शिकायत की थी। जिसके बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई। जिसके चलते ग्रामीणों ने आज सड़क पर बैनर लगाकर अनोखे अंदाज में विरोध जताया। जिसमें लिखा था कि पीएम आवास योजना में भ्रष्टाचार करने वाले सचिव एवं रोजगार सहायक को तत्काल निलंबित किया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि उनके द्वारा कई बार शिकायत की गई है। परंतु आज तक कोई भी अधिकारी उनकी शिकायत को सुनने नहीं आया है। जिसके चलते उन्होंने आज सड़क पर बैनर लगाकर अपना विरोध जताया है।

बजरंग फोर्स कार्यकर्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

पुवायां 26 फरवरीरि.प्र.। बजरंग फोर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष की अनुशंसा पर नगर के पुवायां से सम्भोदित सुशील चन्दो को मीडिया प्रभार सौंपे जाने सुलभ कार्यालय को लेकर सबका आभार व्यक्त किया है। ज्ञात हो कि कल मीडिया के साथ एक सभा रखी थी और वे सो नहीं पुवायां और शुक्रवार मीडिया से मिल भी नगर परिषद पुवायां ने दोनों चोटियों के चोटी चौक कालिकाबा चक दिया जिस से आहत होकर बजरंग फोर्स कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन सौंपा।

सोशल साइट पर डाले अश्लील फोटो, युवक पर मामला दर्ज

विजावर 26 फरवरीरि.प्र.। थाना गुलरांक के अंतर्गत ग्राम टीपरापुरा में एक 25 वर्षीय युवक द्वारा 14 वर्षीय किशोरी के साथ छेड़खानी किए जाने एवं अश्लील फोटो दुर्गा पर डालने पर पुलिस ने आरोपी युवक पर थाना गंज किशनपुर में धारा 354, 354डी, 506 एवं पोक्सो एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है।

जानकारी देते हुए थाना गंज किशनपुर प्रभारी निरीक्षक पीपरिया ने बताया कि आरोपी के खिलाफ धारा 354, 354डी, 506, पोक्सो एक्ट, एवं 67 आईटी एक्ट के तहत थाना गंज किशनपुर में अपराध दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है।

क्रेशर में काम करने वाले दो मजदूरों की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

लवकुशनगर 26 फरवरी रि.प्र.। लवकुशनगर अनुविभाग के गुढ़ाबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दिदवारा में संचालित कृष्णा क्रेशर में काम करने वाले दो मजदूरों की रात्रि को थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम में मौत हो गई। मृतक दो मजदूरों में एक की पहचान हो गई है। दूसरे मजदूर की पहचान नहीं हो पाई है। मृतक मजदूर उत्तर प्रदेश के निवासी हैं। दोनों मजदूरों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने की खबर से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही गुढ़ाबाजार थाना प्रभारी ने उच्च अधिकारियों को सूचना दी। मृतक मजदूरों की लाश को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल मुख्यालय ले गए। वहां दोनों मजदूरों की लाशों को परिजनों ने सुपुर्दगी करने पहुंचकर पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्टेट बैंक की शाखा लवकुशनगर के हाल बेहाल

काउंटर नंबर 3 में बैठे कर्मचारी ग्राहकों के साथ करते हैं बदतमीजी?, प्रधानमंत्री के सपनों में पानी फेरते बैंक के कर्मचारी

लवकुशनगर 26 फरवरीरि.प्र.। एक ओर भारत देश के प्रधानमंत्री मोदि मोदी द्वारा लोगों को बैंक में खाता खोलने के लिए जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है तो वहीं पुवायां और भारतीय स्टेट बैंक शाखा लवकुशनगर के कर्मचारी प्रधानमंत्री के इस प्रयास में पानी फेरते नजर आ रहे हैं। भारतीय स्टेट बैंक की शाखा लवकुशनगर के द्वार इतनी बेकार होते जा रहे हैं कि लोगों को अब इस शाखा पर भरोसा नहीं उनके ही उदाहरण।

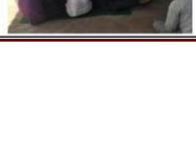

बांदनी में सांसद ने लगाई चौपाल

छतरपुर 26 फरवरी कार्य.। लोकसभा क्षेत्र टीकमगढ़ के अंतर्गत आई भंडार के ग्राम बांदनी में सांसद वीरेन्द्र खटीक द्वारा चौपाल लगाकर लोगों की समस्याओं किया गया और उनको समाधान सुना गई। इस चौपाल में सांसद प्रतिनिधि वीरेन्द्र नायक, राकेश कुशवाहा विजनपाड़ भंडार अध्यक्ष, जगदम्बा भरोल पुवा चौकी प्रभारी, सहारा भंडार अध्यक्ष पुष्पेन्द्र सिंह पंवार, दयाराम चौबे केशरी, गजराधार तिवारी, अखिल तिवारी प्रमाद सिंह, सहित भारी की जनता मौजूद रही।

नर सेवा- नारायण सेवा भाव की सशक्त भूमिका निभाता पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास : डॉ. राकेश मिश्र

छतरपुर 26 फरवरी कार्य.। आज पं. गणेश प्रसाद न्यास किसी परिचय का मोहताज नहीं है। निर्धन असहायक दीनों यहां सब सहायता का बोध होता है। यहां पहुंचे व्यक्ति अपनेपनी को सुकून से, पीड़ा को भूल जाते हैं। यह बातें न्यास के संस्थापक डॉ. राकेश मिश्र ने कही। उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कहता कि मैं बहुत बड़ा समाजसेवी हूं। मैं तो केवल एक माध्यम हूं। मुझे तो मां भगवती सेवा का अवसर प्रदान किया है। मैं तो केवल एक निमित्त मात्र हूं। मां भगवती की कृपा से ही यह न्यास अपने उद्देश्यों में सफल हो रहा है। उन्होंने कहा कि मैं तो केवल एक माध्यम हूं। मां भगवती की कृपा से ही यह न्यास अपने उद्देश्यों में सफल हो रहा है। उन्होंने कहा कि मैं तो केवल एक माध्यम हूं। मां भगवती की कृपा से ही यह न्यास अपने उद्देश्यों में सफल हो रहा है। उन्होंने कहा कि मैं तो केवल एक माध्यम हूं। मां भगवती की कृपा से ही यह न्यास अपने उद्देश्यों में सफल हो रहा है।

ध्वजों से विदेश उपाधिकारि

इस विशेष में परमपूज्य संस्थापनाचार्य जी महाराज श्रीचन्द्रदेव जी, कथावाचक श्रीमान कुलदीप जी, पंचायत सलाही जी, डॉ. आर्यिका चौतीसा अवश्य जनित उत्तर प्रदेश सरकार, कला के उप जिलाधिकारी सुधाकर पाठक, कलाकार के एसडीएम विनोद पाण्डे, प्रधान से पीला अधिकारी विनोद कुमरी, प्रधान से पीला अधिकारी विनोद चतुर्वेदी, डायोसराज विनोद सुमना, प्रधानाध्यापक सर्वेक्षक तिवारी, एसपी थाना आइपीस सिंह, डॉ. राजाराम पाल, पूर्व कुलपति जीएयू वि. वि., हरिवंश डायोसराज रामधाम तिवारी, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष दर्शना सिंह, तिलोनी सिंह पार्षद, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रीता सिंह, गंगाधर भाजपा जिलाध्यक्ष अजनी द्विवेदी, महामंत्री जीतलाल तिवारी, संजय कसरा, कोषाध्यक्ष आलोक केसरवानी, पुत्र सिंह पवांस सिंह, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य पवन पाण्डेय, संकटा द्विवेदी, दिनेश चौतीसा, अंकुल पुत्र, कथावाचक आकाश, पुरोहित से राहुल कृष्ण शास्त्री, विनोद द्विवेदी (तिलौनी), विनोद शेखर (टिकरी), संजीव कुमार, अखिल कुमार (गुरुवास), आलोक गौतम (टिकरी), अखिल शर्मा, एड. विमल कुमार सहित कई भक्तन में गौरव उपस्थित रहे।

मारुति एक्सप्रेस, सतना

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास का सेवा कार्य

माघ मेला में लगाया गया निःशुल्क नेत्र शिविर

सामग्री वितरण व विशाल भंडारा 24 को

छतरपुर (मारूति एक्सप्रेस)।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा प्रयागराज में गत 27 जनवरी से माघ मेला शिविर में बुंदेलखंड व बघेलखंड के पॉच सौ कल्पवासी निवास कर रहे हैं।अभी तक माघ महात्म्य कथा, श्रीराम कथा व श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन चल रहा है। नर सेवा- नारायण सेवा के भाव को चरितार्थ करते हुए विगत सात फ़रवरी को वहीं पर एक स्वास्थ्य शिविर में जरूरतमंदों को आंख की जाँच एवं चश्मा वितरण किया जा चुका है तथा जिनको सुनाई नहीं देता ऐसे लोगों को कान की मशीनें भी दी गई थीं। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास हर वर्ष जरूरतमंदों को कंबल बिस्तर व अन्य सामग्री वितरित करता है। इसी कड़ी में बुधवार 24 फरवरी न्यास द्वारा तेरहवें निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया जा रहा है। माघ मेले में पूरे देश से हर वर्ष लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं और विभिन्न पर्वों पर संगम तट पर स्नान कर पुण्य लाभ प्राप्त करते हैं। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के सहयोगी व अन्य गणमान्य अतिथि संलग्न कार्यक्रमानुसार प्रयागराज पधार रहे हैं। आप भी बुधवार को श्रीमद्भागवत कथा पूर्णाहुति व भंडारे में सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

भोपाल/सागर

मू सापना न्यूज

4

पं.गणेश प्रसाद मिश्र के जन्मदिवस पर हुए सामाजिक कार्य किसानों को वितरित किए सब्जी के बीज, फलदार पौधे

स्वदेश

सतना - नव स्वदेश

12 Jan 2021

बुन्देलखण्ड के महान कर्मयोगी दद्दा जी

सेवा भाव को साकार करता पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास

राष्ट्रीय युवा दिवस पर जीवनगाथ दौड़ आज

नई दिल्ली | मंगलवार | 12 जनवरी 2021

ठाया इंडिया

नजरिया

पेज 6

सेवाभाव के महान साधक पं. गणेश प्रसाद मिश्र

बुंदेलखण्ड मैराथन की सफलता के लिए अनूप जलोटा अन्नू मलिक, अनुराधा पोडवाल ने प्रेषित की शुभकामनाएं

सतना (नेजा)। बुंदेलखंड मैराथन को धीरे धीरे पूरे देश के ख्यातिलब्ध लोगों का समर्थन प्राप्त हो रहा है। इसी कड़ी में आज विश्व प्रसिद्ध भजन सम्राट अनूप जलोटा, अन्नू मलिक, अनुराधा पोडवाल ने पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आयोजित हो रही मैराथन हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। उन्होंने कहा कि दद्दाजी जीवन भर सदैव दूसरों के लिए जिए। स्वामी विवेकानंद जी ने युवाओं को जो रास्ता बताया वह अनुकरणीय है। आज हमें भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए स्वस्थ शरीर व स्वस्थ मन तैयार करना पड़ेगा। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश के लोगों को जोड़ने की दिशा में जो दौड़ आयोजित कर रही है निश्चित ही वह मील का पत्थर साबित होगी। इस दौड़ में अनेकानेक कीर्तिमान बनेंगे। ग्रामीण खिलाड़ी पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन करें यही हमारी शुभकामनाएँ।

स्वदेश

सतना - नव स्वदेश

8 Jan 2021

स्थापना के लिए निर्भया निधि के सेंटर की स्थापना के लिए गुरुवार 7 पर हस्ताक्षर किए। जल्द ही कमांड रहे कमांड कंट्रोल सेंटर में प्राप्त केन्द्र

बुन्देलखण्ड मैराथन-2021 की 7 किमी की दौड़ निःशुल्क

सद्भावना दौड़ में दौड़ सकते हैं सभी

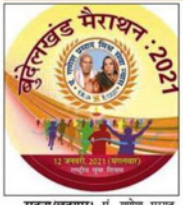

सतना/छतरपुर। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के तत्वावधान में स्वामी विवेकानंद की जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर 12 जनवरी को आयोजित बुन्देलखण्ड मैराथन को 7 किलोमीटर में सभी आयुवर्ग के लिये निःशुल्क कर दिया गया है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए मैराथन संयोजक नरेन्द्र मिश्र 'टिल्लू' ने बताया कि लोगों के उत्साह को देखते हुए न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने निर्णायक समिति के साथ चर्चा में यह निर्णय लिया है। श्री मिश्र ने यह भी बताया कि इस सद्भावना दौड़ में भाग लेने वाले लोग प्रतियोगिता से मुक्त रहेंगे, परन्तु वे अपनी स्वयं की ड्रेस में नीगाँव नवोदय विद्यालय से पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर, धवरां तक आयोजित होने वाली 7 किलोमीटर मैराथन में भागीदार रहेंगे। सफल धावकों को न्यास पुरस्कृत भी करेगा।

न्यास को निरंतर प्राप्त हो रहे हैं शुभकामना संदेश

इस अनूठे आयोजन को लेकर शुभकामनाएं प्राप्त होने का क्रम लगातार जारी है। अभी तक मशहूर फिल्म गायक अन्नू मलिक, भजन की जानी-मानी गायिका पद्मश्री डॉ.अनुराधा पोड़वाल, दक्षिण भारत की अभिनेत्री मधुमती, प्राची अधिकारी, बुलैट रानी के नाम से मशहूर राजलक्ष्मी मण्डूा के बधाई संदेश प्राप्त हो चुके हैं।

ये रहेंगे मौजूद

इस कार्यक्रम में उत्तरप्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री उपेन्द्र कुमार तिवारी, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तरप्रदेश के प्रभारी सत्या कुमार, पटना (बिहार) के विधायक एवं उत्तरप्रदेश के सह प्रभारी संजीव कुमार चौरसिया, सांसद डॉ. वीरेन्द्र कुमार के आगमन की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है।अन्य क्षेत्रीय विधायक, सांसद व मंत्रिमंडल के साथी उपस्थित रहेंगे । पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सभी से इस ऐतिहासिक आयोजन में भाग लेने व सफल बनाने की अपील की है।

छतरपुर जागरण

सूरज की पहली किरण के साथ दौड़ा

देश भर से शामिल हुए प्रतिभागी, 4 हजार धावकों ने लिया हिस्सा

- सिलारा के अनीस बाथा ने 30 किमी मैराथन को जीता
- सहलिया के देवेन्द्र ने 10 किमी, जबलपुर के राजेश ने 7 किमी रेस में पायी सफलता

अनीस बाथा ने जीती, मिली पुरस्कार राशि 51 हजार रुपए की राशि

सद्भावना दौड़ में शिकारपुरा की जानकी बनी विजेता

अनीस बाथा और देवेन्द्र को नहीं मिली मुख्यमंत्री ट्रॉफी

अनीस बाथा बोले ये देश की कई मैराथन में हिस्सा ले चुके हैं। लेकिन मैं स्पोर्ट्स कोटे के अन्तर्गत देश भर में खेलकर इनौरा नहीं पाया हूं कि कहीं खेलने और अपनी ट्रॉफिन में वर्षों भी लक्ष्य मुलिखत नहीं होता। उन्होंने ये, गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के इस आयोजन की जमकर सराहना की और कहा कि बुन्देलखण्ड में इस तरह के आयोजन कई युवाओं को हेलगा देंगे।

जनजीवन का सजग प्रहरी

जन जन जागरण

मुरैना: ज़हरीली शराब कांड में मृतकों की संख्या हुई 12, जांच के दिए निर्देश

राजनीतिक वंशवाद देश का सबसे बड़ा दुश्मन: पीएम मोदी

बुंदेलखंड की प्रतिभाओं को निखारने का न्यास का प्रयास सराहनीय: राष्ट्रीय मंत्री भाजपा हरीश द्विवेदी

संस्कृत व्यवस्था

पर्यटन मंत्री नीलकंठ तिवारी ने किया उद्घाटन

गोरखपुर महोत्सव का हुआ भव्य आगाज

राजधानी

7

बुंदेलखंड की प्रतिभाओं को निखारने का न्यास का प्रयास सराहनीय: राष्ट्रीय मंत्री भाजपा हरीश द्विवेदी

बुंदेलखंड मैराथन में 30 किमी में अनीस बाथा, 10 किमी में देवेन्द्र और 7 किमी में राजेश साहू आए प्रथम

02 | प्रखर ज्ञान | छतरपुर-पन्ना

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास लोगों को अंगदान की ओर प्रेरित करे- डॉ. अनूप कुमार

किडनी रोग से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना आवश्यक, पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा नवम् स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन

स्वदेश टेलिकॉम — सम्पर्क क्रांति का केन्द्र

नेजा Nezaa

कम ब्याज पर गहन रखने की सुविधा

भामा-भांजा ज्वैलर्स

कानून, शनिवार, 8 अगस्त 2020

गरीबों के डॉक्टर गौतम की कोरोना से रीवा में मौत

नेजा विशेष | राम जन्म भूमि आंदोलन-1

देशवासियों की जिम्मेदारी और बढ़ गई है

क्षिणायी जज के कोरोना पाजेटिव पाए जाने पर कचेहरी में हड़कंप

समाजसेवी रमेश ताजपतराय का दुःखद निधन

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवान्यास ने आयोजित की स्वास्थ्य परिचर्चा

देश के विख्यात डॉ. आलोक हेमल ने ऑनलाइन वेबिनार में 390 प्रश्नों के जवाब दिए

कैंसर एवं एड्स पर हुई सार्थक चर्चा

छतरपुर ■ राज न्यूज नेटवर्क

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा लोगों में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित की जाने वाली स्वास्थ्य परिचर्चाओं का क्रम जारी है। 26 जून को पंचम स्वास्थ्य परिचर्चा में अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस नई दिल्ली में प्राध्यापक व सुप्रसिद्ध कैंसर व एचआईवी रोग विशेषज्ञ डॉ. आलोक हेमल ने वेबिनार के जरिए लोगों को संबोधित किया। इस परिचर्चा में देश-विदेश से 1590 लोगों ने सहभागिता दर्ज की।

एड्स का इलाज संभव, मरीज को धैर्य की जरूरत

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ आलोक हेमल ने बताया कि सर्वप्रथम 1981 में दुनिया में पहले एचआईवी मरीज का पता चला था, इसके बाद 1986 में इस विषाणु का नाम एचआईवी रखा गया। उन्होंने बताया कि भारत के पोलई में वैज्ञानिकों ने इस विषाणु का पहली बार पता चलाया। उन्होंने बताया कि अब एचआईवी का इलाज संभव है। वस्तु यह दीर्घकालिक होता है, इसमें धैर्यपूर्वक उपचार कराने की आवश्यकता है। डॉ हेमल ने कैंसर रोग के विषय में फैली भ्रांतियों को भी दूर किया। इस दौरान लगभग 390 प्रश्न पूछे गए। जिनमें से अधिकांश का समाधान डॉ आलोक हेमल के संबोधन के जरिए हुआ वहीं कई प्रश्नों के अलग से उत्तर दिए गए। कार्यक्रम का संचालन न्यास के अध्यक्ष डॉ राकेश मिश्र ने किया। न्यास की सचिव आशा रावत ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जिला स्तर पर ही हो जाता है कैंसर का इलाज

परिचर्चा के दौरान छतरपुर निवासी प्रवीण गुप्ता ने पूछा कि जिला स्तर पर कैंसर के इलाज की क्या सुविधाएं होती हैं? जिसके जवाब में डॉ. हेमल ने बताया कि इसमें कोई दो मत नहीं कि देश में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार तेजी से हो रहा है। जहां-जहां मेडिकल कॉलेज हैं, वहां इसके इलाज की व्यापक सुविधाएं दी जा रही हैं। चूंकि कैंसर के इलाज के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ साफ-सफाई आदि का भी बहुत ध्यान रखना पड़ता है इसलिए स्वाकर जिला स्तर पर भी इसके इलाज की सुविधाएं देने की ओर अग्रसर है।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा बच्चों के कैंसर व एचआईवी विषय पर पंचम स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन

सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ आलोक हेमल ने वेबिनार के जरिए लोगों के सवालों के दिए जवाब

जबलपुर, 27 जून, कार्या.। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा लोगों में स्वास्थ्य संरक्षकता विषयों के संदर्भ में आयोजित की जाने वाली स्वास्थ्य परिचर्चाओं का क्रम जारी है। 26 जून को पंचम स्वास्थ्य परिचर्चा में आल इंडिया वालंटरी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस की दिल्ली में कार्यरत्त व सुप्रसिद्ध कैंसर व एचआईवी रोग विशेषज्ञ डॉ आलोक हेमल ने वेबिनार के जरिए लोगों को संबोधित किया। इस परिचर्चा में टेली-मेडिसन से 1990 पीजीआय और रीसर्च में बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता दर्ज की। कार्यक्रम को संयोजित करते हुए डॉ आलोक हेमल ने बताया कि सर्वेक्षण 1981 में दुनिया में पहले एचआईवी मरीज का पता चला था, इसके बाद 1984 में इस विषाणु का नाम एचआईवी रखा गया। उन्होंने बताया कि भारत में पंजाब में पीजीआईमें ये इस विषाणु का पहली बार पता चला। भारत में विनाश राष्ट्रीय कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (नाको) के द्वारा एचआईवी नियंत्रकता के कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं। यही नहीं डॉ आलोक हेमल ने बताया कि अब एचआईवी का इलाज संभव है। साथ यह दीर्घकालिक होता है, इससे पैरेफ्रेक्सिक उपचार करने की आवश्यकता है। एचए यहां रहने से सावधान नहीं की गई तो सभी लोगों में रहना चाहिए। इसके पश्चात डॉ आलोक हेमल ने बताया कि अब एचआईवी पीड़ित भी जीवन जी सकता है। साथ तब भी यह विषाद भी कर सकता है और उसी दिन होने वाले सभी भी एचआईवी से मृत्यु होगी। डॉ हेमल ने कैंसर रोग के विषय में फैले भ्रांतियों को भी दूर किया। इस दौरान लगभग 390 ऑनलाइन प्रश्न पूछे गए। जिनमें अधिकांश का समाधान डॉ आलोक हेमल के संबोधन के जरिए हुआ, तथा कई प्रश्नों के आगत में उत्तर दिए गए। कार्यक्रम का संचालन न्यास के अध्यक्ष डॉ राकेश सिंह ने किया। यही न्यास की वार्षिक आम सभा में सभी का आभार व्यक्त किया।

प्रस्तुत है डॉ आलोक हेमल द्वारा लोगों के प्रश्नों के दिए गए उत्तरों के प्रमुख अंश...

राजीव शुक्ला: कैंसर के प्राथमिक लक्षण क्या हैं, निदान क्या है?

डॉ आलोकः हेमल: गर्भ समय तक भूखा, भूख की कमी (एनोरेक्सिया), शरीर के किसी भी अंग से रक्त का स्राव, दूध पड़ना, शुद्धियों में गांठ, लीवर का बड़ा व्यास भूख निर्णय लक्षण हैं। सीनियर टेस्ट करवाना चाहिए। आज देश के किसी भी जिले में यह जांच संभव है।सभी में कैंसर के अब तक कोई विशिष्ट कारण पता नहीं चले हैं। यह अनुवांशिक या पर्यावरणीय कारणों से भी हो सकता है। क्या का कोशिकाओं के अनियंत्रित आकार लेने के कारण भी ऐसा होता है। साथ-साथ रहने हुए जीवन शैली को व्यवस्थित रखें। तंबाकू व धूमपान पदार्थों का सेवन न करें। इससे कैंसर की आशंका से बच सम सकता है।

हनुमान त्यागः पुरुष.एचआईवी का प्रतिशत बताइए?

डॉ आलोकः हेमल: 1981 में पहला पाजटव मामले आया था, 1982 में इसे पुरुष नाम दिया गया। 1986 में इसे एचआईवी नाम दिया गया। 2004 में पंजाब के जीरा इलाके विषय में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम शुरू किया गया। प्रत्येक वर्ष इसके मामले में वृद्धि हो रही है। अब देश में एचआईवी के इलाज में काफी प्रगति हुई है। यह तब की बड़ी एचआईवी पीड़ित व्यक्ति सामने आकर रहे हैं। पैर एचआईवी पीड़ित समय बनाये पैर हो रहे हैं।

- राजेन्द्रः पूर्व यहां पानी से साथ जाए तो क्या करना चाहिए?

डॉ आलोकः हेमल: सभी पहले उसे साथ पानी से धोएं। इसके बाद एचआईवी पीड़ी मरीजे टेस्ट करवाना चाहिए। तब तुरंत टेस्ट 6 माह बाद और तीसरा टेस्ट 6 माह बाद करवाते हैं। एचआईवी संक्रमण होने की स्थिति में इलाज शुरू कर दिया जाता है। इस दौरान यह भी देखते हैं कहीं हेपेटाइटिस बी या सी का संक्रमण तो नहीं हुआ है।

रमेश सिंघाः शरीर पर लाल तिल व छोटी-छोटी गांठें हैं, क्या यह कैंसर के लक्षण हैं?

डॉ आलोकः हेमल: शरीर में सिर्फ लाल तिल होने या छोटी गांठें होने से कैंसर है, ऐसा नहीं कह सकते हैं। आपको डॉक्टर को दिखाकर उचित परामर्श लेना चाहिए।

रामकली दीक्षितः बच्चों के शरीर में दूध पड़ जाते हैं, यह सिर्फ खून की कमी है या कुछ और है?

डॉ आलोकः हेमल: ये दूध कभी-कभी पड़ते हैं या ज्यादातर हैं, यह देखना महत्वपूर्ण है। फेरेटोएंड्रा ब्लाडर का टेस्ट करवायेंगेः। यह एलर्जिक या खानपान की वजह से हो सकता है। रीजेक्टेड टेस्ट करवा लें तो सही पता चल जाएगा।

अंजना गिडारियाः बच्चों में पहली दांत से ही कैंसर की पहचान कैसे कर सकते हैं?

डॉ आलोकः हेमल: जैसा कि मैंने पूर्व में कहा कि इसके कोई विशेष कारण पता नहीं चलते हैं। यह अनुवांशिक और पर्यावरणीय कारणों से भी हो सकता है। अनुवांशिकी में कारणवश होता है। इसी तरह कोशिकाओं की बनावट से भी हो सकता है। लेकिन जब यह अनियंत्रित रूप लेने लगता है तब कैंसर होता है। अगर बच्चे को लंबे समय तक भूखता है, खून की कमी है, वजन का कम होना, शरीर लंबर पड़ना, मुख देने लगता है जिससे आप को तुरंत डॉक्टर से परामर्श करना चाहिए। आज यह सामान्य जैसे छोटी-छोटी जगहों पर भी संभव से नहीं है। इसके लिए कोई सहारे से पहले की आवश्यकता नहीं है।

अनिमेष पहरी: क्या एक मां कैंसर होने पर इसका जीवन चक्र इलाज चलता है?

डॉ आलोकः हेमल: एक से दो बड़ी अन्य चिकित्सा संस्थान, हर व्यक्ति इलाज की विभिन्न व्यवस्था रूप से एक जैसी होती है। यह बच्चों के इस कैंसर के आस पास रहने को रेकमन्ड करता जा सकता है कि किसी समय तक इलाज चलेगा। लेकिन यदि अच्छे से फॉलोअप करते रहें तो बच्चों के जीवन होने की संभावना अधिक बढ़ जाती है।

नूतन मंत्रीः पूछ अवस्था में क्या सावधानियां रखनी चाहिए?

डॉ आलोकः हेमल: पूछ अवस्था में ही पीक सिखा दी जानी चाहिए। विशेषों में यह 6 में 10 साल तक के बच्चों को पीक सिखा दी जाती है। हमारे यहां अभी तक रूटिनियमों में व्यवस्था होता है। इसी तरह कोशिकाओं को चुनौती है। लेकिन जब यह अनियंत्रित रूप लेने लगता है तब कैंसर होता है। कैंसर से या एचआईवी इससे बचाव के लिए जागरूकता की भूमिका बताते आएगा।

जितेन्द्र सिंहः जब से समय से ही बच्चों को नहीं में रहने का उपचार बढ़ा है, तब यह कैंसर का कारण से समझ है?

डॉ आलोकः हेमल: यह सिर्फ कारण है कि अब बच्चों की उम्र के समय अधिकांश की कमी हुई है तथा। साथ को अब के साथ यदि अभिवीकरण की कमी हुई तो सभी नहीं में रहना चाहिए। अच्छे डॉक्टरों को पता होता है कि कब लक्षणों को नहीं में रखना चाहिए। आवश्यकता न होने पर लक्षणों को नहीं में नहीं रखना चाहिए, इससे नुकसान भी है। ऐसे करने वाले डॉक्टरों के बारे में सेंस कुछ भी कहना उचित नहीं होगा।

विद्युत्मा गिडारियाः आज कैंसर इलाज बहुत महंगा है, ऐसे में साधारण भी और दो प्रकार की बड़ी बीमारियों का इलाज कैसे ले सकते हैं?

डॉ आलोकः हेमल: कैंसरों के इलाज में सावधानी और गैर सावधानी संभवत बहुत अच्छा काम कर रही है। सभी सावधानी डॉक्टरों में विशुद्ध इलाज की व्यवस्था है। सरकारी भी विशुद्ध होती है।

कल्याणसाय साहूः क्या एचआईवी पीड़ित भी 12 साल से ज्यादा समय बच्चे इस विषाणु से बचाया जा सकता है?

डॉ आलोकः हेमल: विज्ञान क्या जा सकता है। आज विज्ञान ने इतनी तरक्की कर ली है कि एचआईवी पीड़ितों का इलाज भी संभव है और उनमें जन्म लेने वाले बच्चे भी एचएटा समय रहते हैं।

सुश्री पूर्णिमा शाहः स्वर्णकिरण के क्या लक्षण हैं?

डॉ आलोकः हेमल: यह रक्त और अस्थिमज्जा का कैंसर होता है। रक्त की कमी होना, सुस्ती आना, भूख नहीं लगना, खांसी आदि इसके प्रमुख लक्षण हैं। लेकिन इससे डॉ नहीं यह इलाज करने से डॉक्टर से सलाह लें।

-शेष पृष्ठ 8 पर

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा आयोजित की गई चतुर्थ व्याख्यान माला

दुनिया एक दिन भारत की कालगणना के साथ सहमत होगी : उच्च शिक्षा मंत्री

● अभू श्रद्धमना अनूप उपाध्याय।

भारतीय ऋषि परंपरा और वैदिक संस्कृति से प्राप्त कालगणना के तरीके न सिर्फ वैज्ञानिक हैं बल्कि समय को माप के सबसे सुद्धतम तरीके हैं। भारतीय प्राचीन कालगणना ब्रह्माण्ड को उत्पत्ति के साथ प्रारंभ होती है, जबकि वर्तमान दुनिया में प्रचलित कालगणना को विभिन्न सभ्यताओं के द्वारा खोजी गई अवैज्ञानिक विधियां हैं। भारतीय परंपरा में वर्ष का शुभारंभ चैत्र नवरात्र से होता है, जब वसंत ऋतु के साथ पूरी प्रकृति उत्सव करती हुई नवीन प्रगति होती है। दिवस का प्रारंभ सूर्योदय के साथ होता है। यह बहुत अवैज्ञानिक है कि हम रात 12 बजे मध्य रात्रि को कलैण्डर की तारीख को बदलता हुआ मान रहे हैं। स्टीफन हॉकिन्स भी अपने विश्लेषण में लगभग ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति के उसी मंतीजे पर पहुंचे जिस पर भारतीय विचार पीढ़ियां पहले पहुंच चुका था। आज नहीं तो कल दुनिया हमारी कालगणना को ही समय की माप का सबसे सुद्धतम तरीका मानेगी।

उक्त उद्गार म.प्र. शासन के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहर के किलोरे नागर स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित पं. गणेश प्रसाद मिश्र स्मृति व्याख्यान माला के चतुर्थ पुष्प के अवसर पर व्यक्त किए। चारीर मुख्य चला कार्यक्रम में आए श्री यादव ने अपनी पृष्ठभूमि उज्जैन से चर्चा का आरंभ किया। उन्होंने कहा कि उज्जैन कालगणना का पुरानी पर सबसे अहम हिस्सा है। उन्होंने उज्जैन से सटे उज्जैना के बारे में कहा कि यहां ऐसा स्थान है जहां से शुद्ध कालगणना प्रारंभ की गई थी। उन्होंने कहा कि इसीलिए उज्जैन को काल का शहर और महाकाल का शहर कहा जाता है। उन्होंने उज्जैन में होने वाली भस्म आरती को भी कालत्रिकाया के रूप में परिभाषित करते हुए कहा कि भस्म आरती के दौरान शिवलिंग को पानी से आभिषेक करने के उपरांत पंचामृत से आभिषेक करते हैं फिर तमाम वैभव और श्रृंगार किया जाता है और अंत में फिर पानी से सब कुछ धो दिया जाता है। यह जीवन का चक्र समझाने की विधि है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और इसकी परंपराएं वैज्ञानिक विश्लेषणों पर आधारित हैं। इसका सबसे सटीक उदाहरण 12 वर्ष में पड़ने वाला कुंभ स्नान है, जो मानव जीवन को चोटी किनारे एक माह गुजारने के लिए अवसर देता है ताकि जीवन पुनः ऊर्जा से भर जाए। उन्होंने अंत में कहा कि आज इंग्लैण्ड के हिसाब से सात 12 बजे तारीख बदलती है। कभी ऐसा टिरिस के हिसाब से होता था। जबकि पश्चिमी संस्कृति के पास अधिकतम चार हजार वर्षों का ज्ञान है। हमारी कालगणना बताती है कि पृथ्वी की आयु लगभग दो सौ करोड़ वर्ष हो चुकी है। एक दिन हमारी कालगणना पर दुनिया सहमत होगी। इसके लिए म.प्र. शासन भी अपने शिक्षण और तकनीकी विधान के माध्यम से शोध को आगे बढ़ा रहा है।

ये रहे मौजूद

उक्त व्याख्यान माला में छतरपुर कलेक्टर शीलेंद्र सिंह, बड़ामलहरा विधायक प्रेमूल सिंह, पंरता विधायक राजेश प्रजापति, पूर्व मंत्री ललिता यादव, पूर्व विधायक उमेश शुक्ला, गुरुदत्त पाठक, कुलपति डॉ.आर. भास्कर, जुलाईपिच डॉ. पी.के पटेरिया, भाजपा जिलाध्यक्ष भरतप्रताप सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व नपाध्यक्ष अर्चना सिंह, अरविन्द पटेरिया, डॉ. यशोराम पटेल, नारायण काले, राकेश शुक्ला, विवेक चतुर्वेदी, गोपाल राय, अवधेश सादीर, शंकरपंगाचार्य महाराज, अभिनव त्रिपाठी, बी. बी. गंगेले सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिक एवं सज्जन, पत्रा, लीकपाण्डे, त्रिवाडी, झांसी माहेश्वा, ललिता पुर, बांदा, सागर, पिपरकूट तथा आसपास के जिलों से आए न्यास से जुड़े सहयोगी शामिल रहें।